किया शहनेमर्दुमका स्कनगुज़ीं। हुआ हरकुई हरमकाँ में मकीं ॥
सज़ावार हर शख़्सके हरमकाँ। दियाहुक्मऔरयहकहावादअज़ाँ ॥
किअब इस मकाँमें ज़िराअतकरो। नबे शग्लु बेकार हरगिज़ रहो ॥
यह देवोंकोइरशादफिरयों किया। कितुमतर्ज़ रक्शः मकानातका ॥
सिखावो यहां मर्दुमाँ को तमाम। किकरनेलगैंसबइम रत काकाम ॥
हुआ जबकि हुक्मे शहे नामदार। हुये देव तब वोहींमशगूलकार ॥
व हम्माम औरकस्रोऐवाँ फ़राख़। बनाये गुज़ीनो बलन्दोफ़राख़ ॥
बनाये गचो ख़िश्त और संगसे। तरहदार दिलचस्प हररंग से ॥
बहुतदिलकुशाऔरबहुतउस्तुवार। सरापा लताफ़त सरापा बहार ॥
फिरइकतख़्त शहनेमुरत्तबकिया। बयाकूतु गौहर मुज़इयब किया ॥
और उसतख़्तपरबैठताथामुदाम। रहेथासदा खुर्रमो शाद काम ॥
कभी हुक्म करता वह यों देवको। बरूये हवा तख़्त को ले चलो ॥
ग़रज़देवोंके दोशपर रखके तख़्त। जहाँ चाहता वह शहेनेकबख़्त ॥
पहुँचता वहाँ एकदममें बशौक़। नथादिलमें अन्देशयेतहतफ़ौक़ ॥
शहनशहनेकिश्तीभी तइयारकी। मुहीते जहाँ में यह पहिलेनथी ॥
सरेसालकाहै जो नौरोज़ नाम। सोउसकाहैमूजिदशहेजुलकिराम॥
जबआता यह नौरोज़इशरतकरीं। तबइकजश्न तरतीबकरतावहीं ॥
मुहैयामयो नग़मः होता वहाँ। ग़रज़ ऐश करता वह शाहे जहाँ ॥
जिनो इन्स देवो परी को तमाम। गुहरबख़्शता खुसरवे नेकनाम ॥
बऐशोतरबहफ़्त सदसाल तक। रहाहुक्मराँ शाह ज़ेरे फ़लक ॥
रही ख़ल्क़ आसूद औ बेख़तर। बहुत खुर्रमो शाद शामो सहर ॥
नबेशग्ल कोई नबेकारथा। कोई दर्दमन्द और न बीमारथा॥
न था कोई रंजूर उस दौर में। रहे मर्ग भी दूर इस दौर में ॥
जो गुज़रे बरससातसौ इस तरह। कियाहै बयाँ मैंने यों जिस तरह ॥
तोशहसे हुई दूरदानिश वफ़ूर। हुआ शाहके दिलमें पैदाग़रूर ॥
इकायक जोअपनी तरफ़कीनज़र। किजाहो हशमहै मेरा इसक़दर ॥
तो आयावहीं दिल में जमशेदके। किहमसरहुँ मैं माहुखुरशेद के ॥
व जाहो हशम ज़ेर चर्खेबरीं। बराबर कोई अपने देखा नहीं ॥
अकाबिरजोथेउसकोकरके तलब। यहजमशेदला पाज़बाँपरकिअब ॥

बताओकि दुनियां मेंहै कोईशाह। कि जिसको मेरेहोवेजाह॥
खुदावन्द औरंगु अफ़सरहुँ मैं। जहाँदार बख़्शिन्दये जरहुँ मैं॥
जहाँ को किया मैंने आरस्तः। जहाँ से हुआ रंज बरख़ास्तः॥
खुरोख़्वाबु आराम अहले जहाँ। यह जम ऐ गुले ख़ातिरे मरदुमाँ॥
निशानो खुशी नग़मओ जामुमें। मेरेही सबबसे है हर एक शै॥
जहाँ में हुआ मुझसे पैदा हुनर। नहीं कोई मुझसा शहेनामवर॥
सुनाजब कि जमशेदसे यहसखुन। लगे कहने दानिशवरानेज़मन॥
कि बसतूहै बख़्शिन्द औदादगर। नहीं और तुझसा कोई ताजवर॥
वलेदिलमेंसमझेयहयज़दाँशिनास। किजमशेदहक़सेहुआनासिपास॥
हुआरुख़सतअबइससेएक़बालुबख़्त। नसीबोंसेउसकेगयाताजोतख़्त॥
कुईदिनका देखे है यह रोज़बद। हुई फ़रोंफ़रमाँदिही उसकीरद॥
वह फ़रमाँवराने शहे नामदार। कनारालगे करने बेइख़्तियार॥
ख़फ़ा होके शहसे वह इकबारसब। ग़रज़उठगये वांसे सरदारसब॥
शहनशहकेदिलमेंयहआयाहिरास। वहींउड़गये उसके होशोहवास॥
यक़ीं होगयाथहकि यज़दानपाक। मुकर्ररहुआमुझसेअबख़श्मनाक॥
लगीदौलत उसशहसे मुँह फेरने। लगी उसकी बेदौलती घेरने॥
जहाँदार जमशेद अंजाम कार। हुआबसतबह औपरेशाँवख़्वार॥
गिरफ्तार कहरे इलाही हुआ। जुदा शाहसे तख़्त शाहीहुआ॥
मिलाअलग़रज़ ख़ाकमें बख़्तजम। हुआजायज़ोहाकफिर तख़्तजम॥

अहवालसल्तनतज़ोहाकताज़ा॥

लिखों आगे ज़ोहाककी दास्ताँ। करूंउसकी अबसल्तनतकाबयाँ॥
सिपहदार मुरताज़ ताज़ीबनाम। शहेकामराँ खुशरवे ज़ुलकिराम॥
कि था ताज़ियाँमें वहफ़रमाँरवा। रऐयत नेवाज़ी में मशग़ूलथा॥
हज़ारों बुज़ो उश्तरो गाउमेश। रखेथा सिपहदार फ़रख़ुंदः केश॥
शबोरोज़ उनचारपायोंका शीर। ग़रीबों को देता शहे बेनज़ीर॥
पिसरएकथा उसकाज़ोहाकनाम। जवानोदिलेरोबलन्दइहतिशाम॥
रखै अस्पताज़ीथावह दसहज़ार। बड़ा जाहथा और बड़ाइक़्तिदार॥
हज़ूर उसके इबलीसनारास्तगो। हुआहाज़िरइकदिनबशक्लेनिको॥
गुज़ारिशकई नक़्लैंकी आनकर। किदिलचस्पऔरनग्ज़थींसरबसर॥

वलेथा फ़रेब उसमें क़सरभरा। खरअसेसखुनकोई खालीनथा॥
मुअरीथा ज़ोहाक जो अक़्ससे। हुआ खुर्रमोशाद इस नक्ससे॥
लगा कहने इबलीस से और भी। बयाँकर लतीफ़ा बलुत्फ़ोखुशी॥
वहबोला कि ऐशाहफ़र्रुखनिहाद। सखुनखूबतरऐसे हैं मुझकोयाद॥
वलेकिन मैं कहताहूँ इस शर्तसे। किगरअह्द औरक़ौलदे तू मुझे॥
किजो कुछ कहूं मैं करे तू वही। किसीसे न यह राजखोलेकभी॥
क़समखाके ज़ोहाकने बसाशिताब। दियाउसकोगुफ़्तारकायहजवाब॥
कि मज़कूर क्या जो तेरेराज़को। करूँज़ाहिर ऐमर्द फ़रखुन्दःखू॥
हुआजबकिआपुसमेंअह्द उस्तुवार।यहइबलीसबोलाकिऐनामदार॥
जो मुरताज़ताजी है तेरा पदर। तूउसको शिताबीकहींक़त्लकर॥
कि तूहै जवाँ और तेराबाप पीर। यहमुझकोहैज़ेबिन्दःताजोसरीर॥
यहसुनकरहुआदिलकोयकउसकेदर्द।लगाकहने उससेकि ऐनेकमर्द॥
यह गुफ़्तार तो नापसंदीदः है। नमीजानदानिश में संजीदः है॥
रहे दीनो दानिश से जो दूरहो। वहबेदादकब मुझको मंज़ूरहो॥
कहीं शाहज़ादेने यह बात जब। यहबोलावहइबलीसनापाकतब॥
गर इस काम सेतू करै दर गुज़र। फिरै अह्दसे अपने ऐनामवर॥
रहै तेरे गर्दनपः सौगन्द बन्द। तुहोख्वारऔरतुझकोपहुँचैगजन्द॥
नखूने पिदर उसको मंजूरथा। वलेकिन वह नाचार मजबूरथा॥
यहपूँछाकि किसतरहकीजेहलाक। बताकोई तदबीर बेखौफ़ो नाक॥
लगाकहनेफिरवहकिऐनामदार। यहकुछकाममुश्किलनहींज़ीनहार॥
कुवाँ एक उस शाहकी राहमें। करूंकन्दः तो वह गिरै चाहमें॥
मकाँ एक बेरून दौलतसरा। शहे नामवर ने कियाथा बिना॥
वह शह उस मकाँमें ज़िरूयेसरब। इबादतको जाताथाहंगामशब॥
सितमगार नापाक ने एक चाह। किया कन्दः वोहीसरेराहशाह॥
कियाउसकोखसपोशफिरसरबसर।शहेनामवरको न थी कुछखबर॥
गयाजब उधरको तो बसराहमें। गिराशाह आज़ाद उसचाहमें॥
गये टूट उसके सरो दस्तोपा। हुआ क़ैद हस्तीसेदम में रिहा॥
वह ज़ोहाक बेरहम बेदादगर। सरे तख़्त बैठा बजाये पिदर॥
फिर इबलीस बदज़ातने यों कहा। किसदशुक्रऐशाह [illegible]कुशा॥

हुआ मेरी तदबीर से अब तु शाह। मुबारकतुमे तख़्तताजोकुलाह ॥
मेरी दानिशो अक़्ल तदबीर पर। अमलतू करै हरशबोरोज़गाह ॥
तोहो बादशाह हफ़्तअक़लीमका। खुदावन्द हो तख़्तु दैहीम का ॥
सरासर जहाँ की तुझे खूबियाँ। मयस्सर हो ऐ बादशाहे जहाँ ॥
यहसुनकरहुआशादज़ोहाकशाह। तमल्लुक़कलगाकरनेशामोपगाह ॥
नेवाजिशबहुत उसपःमसरूफ़की। कलीदेखुरिशख़ानाफिरउसकोदी ॥
खुराक और जुज़मेवओ नानवाँ। नथी उनदिनों वहअहले जहाँ ॥
खुरिशख़ानये खुशरवे नामवर। मिलाजबकिउसकोतोशामोसहर ॥
पकानेलगा नग्ज़ खुशतरतआम। मज़ेदार खुशज़ायकःहरतआम ॥
वह तइयारकर पेश फ़रमाँरवा। कभी मुर्गलाता कभी चारपा ॥
पका एक दिन बैज़ये मुर्ग वाँ। खुरिशकोवहलायातोशाहेजहाँ ॥
हुआखाकेउसको बहुतशादकाम। किथाखुशतरोनग्ज़नीकोतआम ॥
ज़िरूयेतरब शहने की आफ़रीं। यहसुनकरकियाअर्ज़ उसनेवहीं ॥
किऐक़द्रदाँ शाह फ़र्रुख़सियर। खुरिशलाऊँगाइससेकलनग्ज़तर ॥
ग़रज़दूसरे रोज फिर शादशाद। हजूरेजहाँदार फ़र्रुख़ निहाद ॥
बसतलुत्फ़ कबकोर देख सपेद। पकालेगया बादिले पुरउमेद ॥
वहज़ोहाकने जबकिखायातआम। निहायतहुआ खुर्रमोशादकाम ॥
ज़िरूये इनायत कहा यूँकि अब। जोकुछचाहियेमुझ नेकरतूत तब ॥
कियाअर्ज़इबलीसने किरशिताब। किऐशाहज़ोहाकआली जनाब ॥
मेरी आर्ज़ूहै कि शमोपगाह। किदूं एक बोसा सरे कतशाह ॥
यह रुतबः नहीं गरचि मेरा वले। मगर शाहकी लुत्फ़े इनायातसे ॥
बरआवै मेरा मुद्दआ क्या अजब। मुझे कामयाबीहो बासद तरब ॥
यह ज़ोहाकबोला कि ऐ नेकख़ू। तेरे दिलकी बरलाऊँ यह आर्ज़ू ॥
नेवाजिशने तुझ को करूँअर्जुमन्द। किहोनाम तेरा जहाँमें बलन्द ॥
यहकहकरदियेखोलकरकन्धेपस। यहीदिलमें इबलीसके थीहवस ॥
जोकरकन्धेअपनेशहने बरहनः किये। तो शैताननेउसपःबोसःदिये ॥
दिये जबकिबोसे सरेकतफ़ शाह। हुये वोहींपैदा दो मारे सियाह ॥
यहकिरदारबदकरकेवाँ आशकार। नज़रसेबड़ायावहहुआनाबिकार ॥
जहाँदार ज़ोहाक हैराँ हुआ। बहुत आतेदिलमें परेशाँ हुआ ॥

किया चारः दानिशमन्दों से तलब। लगे करने तदबीरु तजवीज़ सब॥
पर इसदर्दका कुछनपाया इलाज। किसीकोभीइसकानआयाइलाज॥
फिर इतने में इबलीस पैदा हुआ। बशक्ले तबीबाँ हवैदा हुआ॥
वह आकर हुआ शहे नामदार। लगाकहने शहसेकिऐ शहयार॥
हुआ यह तेरे नसीबों में था। नहींदफ़अहोनी यहहरगिज़ बला॥
तेरीज़िन्दगी अबतो दुशवार है। खिरदचारः साज़ी से नाचारहै॥
हुआ सुनके ज़ोहाक अंदोहगीं। लगाकरने फ़रयादुज़ारी वहीं॥
यहकहनेलगा फिर ज़िरूऐ नियाज़। किऐमर्दफ़रज़ानओचारः साज़॥
किसीतरहसे चारःसाज़ी तोकर। शिताबीसेअबजिजनेवाज़ीतोकर॥
कियाशाहने जब बहुत इन्किसार। तोबोलावहफिरयोंकिऐताज़दार॥
नहीं इससे चारः कुई और नग्ज़। किसांपोंकोदे आदमीकातुमग्ज़॥
तेरी जानको फिरनपहुँचैगज़न्द। रहै फिर न तू इसक़दर दर्दमन्द॥
बताया जो इबलीसने यह इलाज। लगाकरने दायमखुदावन्दताज॥

आनी बादशाहत ईरान की ज़ोहाक के हाथ में और परेशान होना जमशेद का और पहुंचना बीच शहरज़ाबुलिस्तां के दूसरे लिबास में और पहिचान लेना उसको बेटी मालिक ज़ाबुलिस्तां ने और शादी करना जमशेद के साथ॥

यहहरमुल्ककिशवरमें पहुँचीखबर। किज़ोहाकशाहनशहे ताजवर॥
रखैहै दोमारे सियह अपने पास। जिसे देख उड़ते हैं होशोहवास॥
यह हैबतहुई शाहकी दहर में। किडरनेलगेलोग हरशहर में॥
बुज़ुरगान ईरां के जमशेद से। हुएमुनहरिफ़थे सो वह आनके॥
हुये पेश ज़ोहाक हाज़िर सभी। कमरचुस्त बांधी पये बन्दगी॥
बयां करके अहवाल ईरां तमाम। कियाअर्ज़यों के शहेज़ुलकिराम॥
अगरफ़ौज सरकार जावै उधर। तोहाथआवै वहमुल्कभीज़ूदतर॥
यहसुनकर वहीं लश्करे बेकरां। किया शाहने साथ उनकेरवां॥
वहजमशेदभी आमुक़ाबिलहुआ। बलेकाभदिलकुछनहासिलहुआ॥
शिकस्तउसने खाई बहंगामजंग। गुरेज़ांहुआ शाह जमबेदिरंग॥
जोयक़बाल और बख़्तबरहमहुआ। तोजमऔरतशहलश्करेजमहुआ॥
रहाकोई भी फिर न हमराहजम। किसीसिम्ततनहागयाशाहजम॥

हुआशाह जोहाकईरांकाशाह। हुआवहनसबिउसकोताजोकुलाह॥
किये लागज़ोहाक ने फिर रवां। कहा यों शहेजमके पात्रो जहां॥
उसे क़ैदकरके यहां लाओ तुम। तफ़ोहुमकुनांहरतरफ़जावोतुम॥
कहूँ फिरहरयककामें रुतबः फ़जूं। ज़रो गौहरो लाल इनआमदूं॥
हरयक तर्फ़ के फिर तरफ़दार का। कियावोहीं हुक्मे शहे नामजो॥
किलात्रे उसे जो गिरफ़्तार कर। रज़ामन्द मैं उससेहों बेशतर॥
बड़ा रुतबः उसकाहो मेरे हजूर। ग़मोफ़िक्रदुनियारहै दिलसे दूर॥
सितमदीदयेचर्खेपुरफ़ितनः जम। शबोरोज़ बाख्वातिरे पुरअलम॥
सुबे बादियो कोह आवारः था। निहायतग़रीब और बे चारः था॥
हरइकसे छिपाताथा वहआपको। नहरगिज़जताताथा वहआपको॥
परीवार मर्दुम से पोशीदह था। किआफ़तरसीदःवग़मदीदहथा॥
ग़रज़ रफ़्तःरफ़्तः बसद रंजुग़म। गयाज़ाबुलिस्तांमें वहशाहजम॥
सिपहिदार औरंगजाबुलकाशाह। रखे एकथा दुख़्तरे रश्कमाह॥
महोमह्र से हुस्न में खूब थी। दिलारामु दिलदारु महबूब थी॥
वह ज़ुल्फ़ेदुता उसकी दामें बला। गिरफ़्तार जिसका न होवेरिहा॥
वह अबरू थी या तेग़ बुर्रान थी। वहमिज़गानथीबल्किपैकानथी॥
किये सैकड़ों इकनिगह से हलाक। हज़ारों मिलाये तहे खूनुख़ाक॥
वह क़ामत कहूँ या क़यामत कहूँ। क़यामत से बालावहक़ामतकहूँ॥
कहूँक्या कि रफ़्तारने क्या किया। किहरगामपरफ़ितनहबरपाकिया॥
लबोंसे जो कुछउसकेहो आश्कार। दमे ईसवी से न हो ज़ीनहार॥
वहचश्मउसकीखूंरेज़मर्दुममुदाम। हुईजिससेतुरकोंकीतुरकीतमाम॥
सिवा खूबियों हुस्नके वह सनम। न मर्दोंसेथी वहशुजाअतमेंकम॥
हुनरपहिलवानी के थे उसकोयाद। वहथीपहिलवानीमेंभीओस्ताद॥
जो दरपेश आजायथी कोई जंग। तो बेख़ौफ़ुअन्देशः बशबेदिरंग॥
पहिनतीथी पोशाकमर्दानह वह। पये रज्म जाती दिलेरानह वह॥
बरस पन्दरहकीथीवह दिलसितां। खिरदमन्द दानिशवरो नुक्तःदां॥
जवांथी वलेकिन बतदबीर पीर। शऊरो फ़िरासत में थी बेनज़ीर॥
उसी साल में जो मिनोचेहरशाह। सुबेज़ाबुलिस्तान लाया पनाह॥
तो तदबीरसे उसकी बदख़्वाहपर। शहे ज़ाबुलिस्ताने पाई ज़फ़र॥

दिलेरो हुनरमन्दसाहिबजमाल । जहाँमेंथीवह दिलरुब बेमिसाल ॥
बहुत उसके शाहाँ तलबगार थे । बनक़दे दिलोज़ां ख़रीदार थे ॥
वले बापको उसके इन्कारथा ।किसीको न देता वह ज़िन्हारथा॥
यहबसअहदबासिक़थाबाहमदिगर। किवह माहपैकर जिसे देखकर ॥
रखे वस्ल की अपनेजी में हबस ।खुशीसेवहहमबिस्तरउसकाहोवत॥
ज़नेआक़िलइकदाइहथी दुख़्तकी । किअंजुम शिनासोख़िरदमन्दथी॥
सो उसदायहने एकदिनदुख़्तको । कहाथा कि ऐ दुख़्तफ़रखुन्दःखू ॥
तेरे मैंने देखे जो ताले तुहाँ । हुआयों अयाँ मुझपःराज़ेनिहाँ ॥
किहै वेतुहमख़्वाबये शाहजम । औरउससेहोयकतिफलफ़र्रुख़सियम॥
यह सुनकर नवेदे मसर्रतफ़िज़ा । बहुत शादजी मेंथी वहदिलरुबा ॥
कहाथायहदायःने जाकरशिताब । हजूरे शहनशाह आली जनाब ॥
यहसुनशाहने मुज़्दयेदिलफ़रोज । कहा काबिलः से कि ऐ नेकरोज़ ॥
यह मुज्दह जो तूने सुनाया मुझे । तो राजे निहाँ सब जनायामुझे ॥
ग़रज़ इस सबबसे वहशाहेज़मन ।नसुनताथाख़्वाहिशगरोंकासखुन॥
वहजम इत्तिफ़ाक़न् वहाँ जोगया । सर राह यक बाग़ था शाहका ॥
और उसबाग़मेंथी वहदिलदारभी । जोदिनरातजमकी तलबगारथी॥
यह थी आर्ज़ूये दिले शाह जम । किइसबाग़मेंचलकेअबकोईदम ॥
ज़राजीको वाँ अपने बहिलाइये । सबाकी तरह सैर कर आइये ॥
वले हाजिबों ने न जाने दिया । वह नाचारमजबूरशह रहिगया ॥
हवा खुशजो आई तो बेरूनबाग़ । वह ठहरा ज़राबादिले दाग़दाग़ ॥
तले यक शजरके गया बैठ जम । किहो दूर दिलसे गुबारे अलम ॥
किसी कामके वास्ते नागहाँ । कनीज़ उसपरी रूकी आईवहाँ ॥
पड़ी उसकी जमशेदपर जो नज़र । तो हैराँ हुई बस वहीं देखकर ॥
अयाँ जम की सूरतसे थी नेक़वी । दुरख़शिन्दःथी शौकते खुशरवी ॥
यह पूँछा कि तू कौन है ऐ जवाँ । अयाँकर यह मुझसेतोराज़ेनिहाँ ॥
दियाउसको जमशेदने यहजवाब । किया चर्खने मेरा ख़ानः ख़राब ॥
कहूँक्याकिरख़्तथादौलतअज़ीम । बहुतहशमतोजाहुशौकतअज़ीम॥
परअबगुमरहो बख़्त बरगश्तःहूँ । ख़राबो परेशानु सरगश्तः हूँ ॥
मुझे ख़्वाहिशे बादये नाब है । कि दिल रंजसे सख़्त बेताब है ॥

खुदावन्द से बाग़ केला शिताब। अभी जाके दो तीन जामेशराब॥
कि हो खातिरे ग़मज़दः कोसरूर। ज़राहोवैकुलफ़त मेरे दिलसे दूर॥
परस्तार ने जब सुना यह सखुन। गई बाग़ में पेशरश्के चमन॥
कहा यह कि ऐ बानुए मेहरबाँ। दरे बाग़ परहै इक आया जवाँ॥
अगरचे वह आफ़त रसीदः है पर। रुख़ खूब उसकाह रश्केक़मर॥
उसे और हरगिज़ नहीं कुछ हवस। तलबदौर साग़रकी रखताहैबस॥
परस्तार से सुनके वस्फ़े जवाँ। लगीकहने वहदुखतरे दिलस्ताँ॥
कि उसने तोबससिर्फ़चाही शराब। वलेउसको पहुँचावोंगीमैंशिताब॥
मयेलालऔर शाहिदे दिलनेवाज़। सरोदो दफ़ोचंगोइसरतकासाज॥
यह कहकर उठी बस वहसर्वेरवाँ। परस्तार के साथ आई वहाँ॥
दरे बाग़ पर जबहुई जिलवहगर। तो सूरतको जमशेदकी देखकर॥
यहसमझी वहीं वहबुतेदिलसिताँ। कि ईरानियों में से है यह जवाँ॥
हुआ ज़र्द ग़मसे रुख़ लालःरंग। तरह ग़ुंचे के है यहभी से बतंग॥
असरकरगया इश्क जमशेदका। गिरफ़्तारउलफ़तहुई दिलरुबा॥
लगी पूँछनेयों कि ऐ ख़स्तःहाल। गिरफ़्तारतशवीश रंजोमलाल॥
तुबैठाहै अब क्यों बज़ेरे शजर। तु ठहराहै क्यों साये में आनकर॥
मगरइसक़नीज़कपः मायलहुआ। असीरे मुहब्बत तेरा दिलहुआ॥
बस अब देखकर इस परस्तारको। तुझे याद मैं आई ऐ नेकखू॥
अगर तुझको है आर्ज़ूये शराब। तो इसबाग़में ऐजवाँआशिताब॥
किया जब तलब उसने जमशेदको। तो शोवायहजमशेदफ़रखुन्दःखू॥
जो जाऊँ मैं पेशे बुतेदिलसिताँ। मुबादा बला कोई आवै यहाँ॥
कियाजमने जाने में आख़िरहज़र। वलेकिनवहबोलीहज़रकुछनकर॥
पिदर है मेरा शाह ज़ाबुलसिताँ। मैंउसकीहूँ इकदुख़्तरेदिलसिताँ॥
रखे जान से है गिरामी मुझे। बहुत पास ख़ातिर है मेरा उसे॥
मुझे है यह परवानगी रोज़शब। जिसे चाहूँ उसको करूँ मै तलब॥
ग़रज़शौक़ से तू यहाँ आशिताब। कि शाहिद भीहैऔरसरोदोशराब॥
सुना था यह जमशेद ने पेशतर। कर इकदुख़्तहैरश्क शम्सोक़मर॥
और अबउसको देखा तो शैदाहुआ। असरइश्क़का दिलमें पैदाहुआ॥
गयाबाग़ में शाहजम फिरवहीं। हुई शाद ख़र्रम बुते नाज़नीं॥

शहे जमकेरखहाथमें अपनाहाथ। खिरामा चमनमें हुईउसकेसाथ॥
गई सैर करती वह इक हौज़पर। हुई फ़र्शशाहानः परजिलवःगर॥
कनीज़ाने गुल चेहरः आईवहाँ। हुई जमकेआगेवहसिजदः कुनाँ॥
बहुक्मे परीरू बमुश्को गुलाब। शहेजमके फिरपाउँधोये शिताब॥
कियाशीशओजाम फिरवाँतलब। हुआ दौर ऐशो निशातो तरब॥
कहा नाज़नीने किअबबेदिरंग। पिलावो उसे बादये लालःरंग॥
जो हुक्मउसपरीचेहरःनेयोंकिया। तोफिरजामसाक़ीनेजमकोदिया॥
कियेनोशजमने पयापेसिहजाम। हुआ दूरअन्देशःदिलसे तमाम॥
बरस्मे शहाँ जो हुआ बादःकश। यहकहनेलगीजी मिवहहूरबश॥
किहै यह जवाँ बेगुमाँबादशाह। किया चर्ख़नेलेकिनइसकोतबाह॥
कहा फिर यह जमशेदसे ऐजवाँ। रहे दूरसे अबतु आया यहाँ॥
तेरे वास्तेहोवै हाज़िरतआम। वहबोलाकितुमऔरदोमुझकोजाम॥
लगी कहनेफिर यों वहरश्केक़मर। तुझे ख़ाहिशे बादःहै इसक़दर॥
किजुज़बादःतूकुछनहींचाहे और। नज़रआये मुझको अजबतेरेतौर॥
दिया शाह जमशेदने यहजवाब। किहै बशनरमुझको मैलेशराब॥
कभी गर न पावों तो बेताबहों। मैं बे सब्र बेबादये नाब हों॥
अजब चीज़है बादः ऐ नाज़नीं। किदिल से करै दूरकुलफ़तवहीं॥
दिले तीरः को रोशनाई है मै। जिसेकोफ़त हो मोमयाई है मै॥
करैदममें यहबुजदिलों को दिलेर। पिये है जोकोई करै कार शेर॥
जोहो पीरफ़रतूतभी बादःकश। तो होवै जवाँ पीके ऐ हूर बश॥
खुरिश के मज़ेको ज़ियादःकरै। ग़मे दिलको बस दूर बादः करै॥
करैरफ़अ सबमाँदगी हाय तन। लगैमैसे खुशतर बहारे चमन॥
ज़िबसमुझकोथी राहकी माँदगी। तमन्ना हुई बादये नाबकी॥
किया जबक़साहतसेजमनेसखुन। गुमाँ लेगई तबवह रश्केचमन॥
कि जमशेद शाहे जहाँ है यही। जहाँदार शाहे शहाँ है यही॥
लगीकहनेफिरजीमेंयोंदिल सिताँ। कि क्योंकरयक़ींहोमेरायहगुमाँ॥
इकायकयहख़ातिरमेंगुज़राकिअब। शबीहे शहे जमकरूं मैं तलब॥
किसीसेकहा योंकि जावो शबीह। मेरेबापसे जमकीलावो शबीह॥
तो पतनेमें गुलशन की दीवारपर। पड़ी उसपरीचेहरःकीजोनज़र॥

तो देखा कि बैठे कबूतर हैं दो। मिलाकरबहमअपनीमिन्कारको॥
कोई शौक़से जैसे बेदर्दु ग़म। मिलावै लबेयारसे लबबहम॥
वहदोनों थे सरगर्म राज़ोनयाज़। उधरसेनयाज़औरइधरसेथानाज़॥
जो यों बैठे देखे कबूतर बहम। तो कुछ शर्मसीआगई पेशजम॥
तलबकरके फिर वोहीं तीरोकमाँ। लगी कहने जमशेदसेयों कि हाँ॥
तुफ़रमाये इनमेंसे इसदम जिसे। करूँ सैद उसको मैं इकतीरसे॥
शहेजम यहबोला कि ऐनाज़नीं। जहाँमर्दहों वाँपः लाज़िमनहीं॥
कि जनपेशदस्ती करै वक्तकार। नकरपेशदस्ती तुअब ज़ीनहार॥
अगरलाखज़न होशुजाओ दिलेर। क़वीअपनेनज़दीकहो मिस्लशेर॥
वले हमसरी मर्द से क्या करे। करै हमसरीगरतो बेजाकरे॥
किज़नज़नहैआखिरकोऔरमर्दमर्द। शऊरेज़नाँ पेशमर्दाँ है गर्द॥
दिलेरी वतदबीर व ज़ोरो हुनर। रखै मर्द है ज़नसे हाँ बेशतर॥
हवाले मेरे कर यह तीरो कमाँ। हुनरदेखमेरा तो ऐ दिलसिताँ॥
यहसुनकर परीरू हुई शर्मगीं। अरक़आगया चेहरे परबसवहीं॥
वलेदिलमें अफ़ज़ूं मुहब्बत हुई। ज़यादः शहेजमकी उल्फ़तहुई॥
कमाँ हाथसे आगे जम के रखी। कियाउज्रभीऔरबहुतआजिज़ी॥
कहा फिर ये जमने कि ऐनेकखू। करूं गरहदफ़तीरकामादः को॥
तोफिरदिलजिसेचाहैउसजनकोलूं। बसदशौक़हमबिस्तरअपनाकरूं॥
मुरादइससखुनसेथी वहरइकेमाह। किहोवै हमआग़ोशजमशेदशाह॥
परीरूभी इस रम्ज़को पागई। यहबातउसकेभी ध्यानमेंआगई॥
पियाजाम फिरजमने औ बेदिरंग। कमाँ खींचकर एकमारा खदंग॥
कमाँसे हुआ तीर जिसदमारिहा। गिरीमादःबिस्मिलहोनरउड़गया॥
फिरइकदममेंबैठावहनर आनकर। कि बैठाहुआथा जहाँ पेशतर॥
वहपुरज़ोरथी नाज़नी की कमाँ। किज़ाबुलमथेजिसक़दरपहलवाँ॥
कोई खींचसक्ताथा उसको नहीं। वलेजमने खींचातो वहनाज़नी॥
लगीजीमेंकहनेकि क्याइहतियाज। शबीहेशहे जमकीदेखो मैंआज॥
हुआबसयक़ी योंकि जमशेद है। तहे अब्र पोशीदः खुरशेद है॥
ग़रज़कूबतो ज़ोर जम देखकर। हुई आफ़रीं रूबाहरइके क़मर॥
तलबगार जमकी हुई दिलमेंबस। हुई वस्लकी जीमें उसकेहवस॥

तस्.. रमेंजमकेपियाफिरशिताब। परीचेहरः ने एकजामें शराब॥
शहेजससे फिर आपलेकरकमाँ। यहकहनेलगीवहबुतेदिलसिताँ॥
कबूतर जो बैठाहै फिर आन के। निशानः करूँ तीरकागर उसे॥
तोजिसमर्दफ़र्रुखपःमायलहोदिल।मुह...तकाउसकेसायलहोदिल॥
... आग़ोशहो शौक़से। करौं उसकोहमख़्वाबमेंजौक़से॥
... तगूसेथी उसकी मुराद। कियहोजुफ़्तजमशेदफ़र्रुखनिहाद॥
समझयहगयाशाहजम भी वहीं। ... मेरी तलबगारहै नाज़नी॥
वहमगुफ़्तगूवाँ खुशीसे यह थी। किदायःभीआपहुँचीउसदुख़्तकी॥
कहाउसने यह माजरा इककलम। निगहकी वहीं दायःनेसूयजम॥
लियाजमकोपहिचानऔरयोंकहा। किऐदुख़्तरे महवशो दिलरुबा॥
जोदेखाथा तालअमें तेरेसो अब। हुआआशकाराब अलताफ़रब॥
तलबगारथी जिसकी सोहै यही। शहे जमशहे नामज़ू है यही॥
नकरदेरहो वस्ल से कामयाब। खुशीसेहोहमबिस्तरउसकीशिताब॥
वहदुख़्तर कि थी आशिकेरूयथार। रखेथी तमन्नाय बोसो कनार॥
सुनाउसने दायःसे जबयहसखुन। हुई और दीवानः वह सीमतन॥
और अपने हुई दिलमेंखुशबेशतर। किमाशूकमतलबहुआजिलवःगर॥
यहदायःसे बोली जो तूने कहा। जिरूये करमरास्तलावे खुदा॥
फिरयतनेमेंवाँजमकी आईशबीह। वहदायःको उसनेदिखाईशबीह॥
जो सूरतसे जमके मुक़ाबिलहुई। तो बस बाइसे फ़रहते दिलहुई॥
शहेजमकोदायःनेफिरदीशबीह। औरउसनेवहअपनीजोदेखीशबीह॥
तोऔरंग व देहीम को यादकर। दिलेपुरअलमसे कियानालःसर॥
लगाखींचने नाल फिर शह्रयार। हुई ज़ारफिरनरगिसे अश्कबार॥
परीरूने देखा जो यह हाल जम। तोपूछा किक्यों तूनेकीचश्मनम॥
निगहकरके अब तूसुरे परानियाँ। हुआकिसलियेयांतोनालःकुनाँ॥
यहसुहबतहै दिलचस्पबज़्मेतरब। यहइसवक्त गिरयेकाक्याहैसबब॥
गया किसतरफहाय तेराखयाल। मगरहमसे कुछतूनेपायामलाल॥
यहकहनेलगा जमकिऐगुलउज़ार। जोदुनियाँमेंहै आक़िलोहोशियार॥
सितमदीदगांके वहअहवाल पर। ग़मोदर्दसे नालः करते हैं सर॥
सुवेपरानियाँकी जो मैंने निगाह। तोदेखी शबीहे जम ऐरश्कमाह॥

मुझे याद आया वहजाहोहशम। बुज़ुरगी व औरंग ताजोअलम ॥
लगारोने जों अब्र बेइख़्तियार। रहाकुछ न दिलमेंशिकेबोक़रार ॥
कियाजोरचर्खेसितमगरनेहाय। कियाज़ुल्मइसासिफ़लःपरवरनेहाय ॥
कियाशाह जमशेदको यों तबाह। लियाछीनइकदस्तताजोकुलाह ॥
जहाँका कियाशाह ज़ोहाकको। दिया ताजुतख़्त एकनापाकको ॥
दो मारेसियह जिसके हैं कन्धेपर। वहसूरत में हैं देव से भी बतर ॥
नहीं है ख़बर शाहजमशेद की। नहींहालसे उसके कुछआगही ॥
किअबहै वहबरगश्तअख़्तर कहाँ। बजुज़नामउसकानहींकुछनिशाँ॥
ख़ुदा जाने जीताहै यामरगया। हुआउसकाअहवालक्याजानेक्या ॥
कहीं है असीरे बलाये बुज़ुर्ग। हुआ या कहीं लुकमयेशेरु गुर्ग ॥
यहक़िस्सःबयाँजबकिजमनेकिया। तब उसदुख़्तदायःनेजीमें कहा ॥
किहै आपजम यह शहे नामजो। वलेकिनछिपाताहै यहआपको ॥
कनीज़ों को इकसरकियावाँसेदूर। रही दायः और वह बुतेरश्कहूर ॥
कहाफिरयहख़िलवतमेंतूहीहैजम। न पोशीदःरखहमसे जानेंहैं हम ॥
कहामैं नहींजम वह बोली किहाँ। यहकहती है क्यापैकरेपरनियाँ ॥
शहेजमयहबोला कि ऐदिलसिताँ। सरापा ग़लत है यह तेरा गुमाँ ॥
मुझेजमजोसमझीतो ऐमहजबीं। मगर कोई हमशक्ल होतानहीं ॥
तमल्लुक़ बहुतनाज़नींने किया। वलेकिन यहइन्कार करतारहा ॥
बहुतकरकेयहइज्ज़ओ इन्किसार। वहबोलीकि ऐख़ुसरवेनामदार ॥
करेगा तु इन्कार गर लाखपर। करूंगी न तुझसे मैं अबदरगुज़र ॥
कितुझको लियामैंने पहिचानअब। तुमतजानटुकमुझकोअंजामअब॥
बहानः तुकरता है अब बारबार। नहींजायगा पेशकुछ ज़ीनहार ॥
यह दायः जो बैठी हुई है यहाँ। ख़बरदारहै राज़ अख़्तर से याँ ॥
तेरेवस्लकामुझकोमुज़्दःदिया। औरइसराज़सेमुझकोवाक़िफ़किया॥
कि तुझसे ख़ुदादे मुझेइकपिसर। यह सुनकरशबोरोज़शामोसहर ॥
तेरीही तमन्नाय दीदार थी। दिलोजां से तेरी तलबगार थी ॥
तेरी शेफ़्तः एक मुद्दतसे हूँ। गिरफ़्तार ग़म एक मुद्दतसे हूँ ॥
नआरामजाँहैनकुछमुझकोताबानदिलमेंशिकेबऔरनआंखोंमेंख़्वाब॥
ख़ुदासे यह ख़्वाहिशथीऐनामजो। किसी तरह तेरी मुलाक़ात हो ॥

ग़रज़ आख़िरेकार लाया इधर। मेराजज़बये दिलतुझे खींचकर॥
ग़नीमत समुझ तू मेरे वस्लको। किसी तरह तेरी मुलाक़ातहो॥
बहुतशाह मरेहुये ख़्वास्तगार। नयकबाल मैंने किया ज़ीनहार॥
कि तुझपर दिलेज़ार दीवानः था। तेरेइश्क़ में सबसे बेगानः था॥
तुमुझसे दिलारामु दिलदार से। परी चेहरः ओ माहरुख़सार से॥
नहोशौक़ से गर हमआग़ोशअब। तोसदहैफ़है और बड़ाहै ग़ज़ब॥
जुदाई के हूँ दर्द से बेक़रार। खुदाकेलियेमुझसेहोहमकिनार॥
नहींतो करूं अपनेसीनाको चाक। करूं आपको एकदममें हलाक॥
यह कहिकरलगीरोने बेइख़्तियार। ज़बांपर यहलाईं कि ऐनामदार॥
मुक़र्ररहै तू जम मुझे है यक़ीं। तु यकरारकरताभला क्योंनहीं॥
यहदिलतुझपः सदकेकरूंबल्किजाँ। तुकर मुझसे राजेनहुफ़तःअयाँ॥
जो कुछरास्ती है तो वह बाततू। रखे है तु पोशीदः ऐनामजू॥
कियादुख़्तने जब बहुत इन्किसार। यहकहनेलगा तबशहे नामदार॥
मुझे रास्तीसे न क्यों हो हज़र। कि रखताहूँ दो चीज़से मैंख़तर॥
मुख़ालिफ़ मेरा एक तो बख़्त है। मेरा दुश्मनेजाँ वह कमबख़्तहै॥
ख़बर उसको पहुँचे मुबादाकहीं। औरआजावैंलोगउसकेऐनाज़नीं॥
मुझे दूसरे तुझसे अन्देशः है। कि ज़नकानहरगिज़ वफ़ापेशःहै॥
नहीं है पसन्दीदये आक़िलाँ। कि ज़नसे अयाँकीजे राज़ेनिहाँ॥
यहसुनकरलगीकहनेवहगुलउज़ार। कि हरज़ननहीं बेवफ़ाज़ीनहार॥
क़समहै मुझे अब तेरे जानकी। क़समहै मुझे अपने ईमानकी॥
कि बदख़्वाहतेरी नहों ज़ीनहार। दिलोजाँसेहूँ मैं तेरी दोस्तदार॥
नकर ख़ौफ़ अन्देशः ऐनामवर। समझइसमकाँको नजायेख़तर॥
यहजबदरमियाँ आये क़ौलोक़सम। तोएमनहुआ बसवहीं शाहजम॥
कहाक़िस्सःफिरजमनेअपनातमाम। कियाज़ाहिरआगेपरीवशकेनाम॥
परी चेहरःके हाथमें जमकाहाथ। तरफ़ क़स्रके लेगई अपने साथ॥
किया जाके आरास्तः तख़्तज़र। हुईसाथ जमशेदके जिलवःगर॥
बँधा अक़्द जिसतरह आईनथी। अदाकी जो रस्मो रहे दीनथी॥
हुये अह्दो पैमान मुहकम बहम। हुआसाथ गुलरू के पैवन्दजम॥
हुये अक़्दपर बख़्तुदौलत गवाह। हुईशाहिकीमन्कूहःवहरश्कमाह॥

सरे मह्रदजरीं हुई जाय ख़्वाब। हुआ इत्तिसाले महोआफ़तेत्र ॥
हुई बेमुहाबा नः वह हम कनार। अजब्रंगकी उसघड़ीथी बहार ॥
हुआ चेहरः फ़ीरोज़रंगे मुराद। निशानेपः बैठा खदंगे मुराद ॥
वहबाहम लगे ऐश करने मुदाम। मये ऐशके वहलगे पीने जाम ॥
कई रोज़गुज़रे कि वह सीमबर। बहुत कमलगी आने पेशेपदर ॥
तो करनेलगा उसकी वहजुस्तुजू। किसीने खबरदी कि वहमाहरू॥
हुई इकजवाँ से गिरफ़तार अब। रहेहैं हम आग़ोश वहरोज़ोशब॥
यहसुनतेही बसवहहुआ खश्मगीं। और आई वह जबदुख्तरेनाज़नीं॥
तोचीं बरजबींहोके अज़रूयखश्म। लगाकहनेउससेकिएेशोखचश्म॥
हुई इसक़दर हाय बेबाकतू। उड़ाने लगी सरबसर खाकतू ॥
कियाचाक अब शर्मका पैरहन। लिया जामये बेहयाई पहिन ॥
किया राज़को तूने हमसे निहाँ। वले रंग रूसे है तेरे अयाँ ॥
वहथीहामिलःउनदिनों गुलबदन। हुआ ज़र्द था रूय रश्के चमन ॥
कियाअर्ज़ उसने कि सुन ऐ पदर। दिया हुक्म था तूने यह पेशतर ॥
किचाहैजिसे उससे हमख़्वाबहो। सो आया अमलमें बतर्ज़ेनिको॥
दिलेशीशये नंग तोड़ा नहीं। रहे नेकसे मुहँको मोड़ा नहीं ॥
रखा मैंने नामूसइकसर निगाह। कियाजुफ़्तवहशाहआलमपनाह॥
जहाँ में कोई उसका हमसरनहीं। कोईजाह में उससे बरतरनहीं॥
यह दायःनेभी अर्ज़शाहि से किया। शहामैंनेजो तुझकोमुजदःदिया॥
बफ़ैज़े खुदा उसने पाया ज़हूर।हुआजिलवःगरमेहरमक़सदकानूर॥
शहेजम यहाँ आगया नागहाँ। हुईहामिलःउससेयहदिलसिताँ॥
सुनी दायःसे उसने यह बातजब। शहे ज़ाबुलिस्ताँ हुआ शादतब॥
यह बोलाकि खुशतूने मुजदःदिया। मेरेदिलको मसरूरुशादाँ किया॥
यहहै यावरी बख़्तकी सर बसर। हुआजो गुज़रशाह जमकाइधर॥
मुक़र्रर उसे बाँधकर सुब्ह गाह। रवानः करूँ सूयज़ोहाकशाह ॥
किहो मुझसे खुशनूद वहशह्रयार। फ़िज़ूँहो मेरा इज्ज़ु जाहोवक़ार॥
मुझे लुत्फ़ से और अक़लीमदे। दुरो लालबख़्शे ज़रो सीमदे ॥
यह सुनकर वह दिलदाररोनेलगी। वह बेसब्र बेताब होने लगी ॥
यह बोली कि ऐ खुसरवो नामज़ू। तुजौरो तअद्दीके दरपै न हो ॥

रवारख न हूँरेज़ी शाह जम । मेरी जानपर तूनकर यह सितम ॥
जोलेअपनेकिशवरमेंआकरपनाह । दग़ासाथ उसके है बेदादशाह ॥
उठाअपने दिलसे ज़रायहख़याल । नले अपनी गर्दनपनाहकवबाल ॥
सदा तख़्तु देहीम रहता नहीं । हमेशः ज़रोसीम रहता नहीं ॥
नअपना समुझ मुल्क देहीमको । समुझ ख़ाक लालोज़रोसीमको ॥
न बेचारेपर जोरु बेदादकर । ख़ुदावन्दजां आफ़रीं से भी डर ॥
गज़ंदे ग़रीबां नकर तू पसन्द । नबदनामहो ऐशहे अर्जुमन्द ॥
तुजमशेदको मुझसे मतकरजुदा । वगरनः मेरेतनसे कर शिरजुदा ॥
यहकहकर वह रोनेलगी ज़ारज़ार । फ़िग़ांबसलगीकरनेबेइख़्तियार ॥
हुईबसकि गिरया कुनां नाज़नीं । तोरह्म आगया बापको बसवहीं ॥
यहबोला कि ऐदुख़्तबालातमीज़ । मुझेतेरीख़ातिर बहुतहै अज़ीज़ ॥
तुम्हातिरको रखजमअशामोसहर । कि इसकामसे मैंने की दरगुज़र ॥
अज़ीयत नजमपर रखूंगारवा । नहरगिज़गजन्दउसकोपहुँचाउँगा ॥
उसे बल्किदूं मुल्कोमालो सिपाह । ज़यादः करूं इज़्ज़ु तौकीरुजाह ॥
यह कहजाके मेरी तरफ़ से शिताब । कि ऐ बादशाहे सुरैया जनाब ॥
सहर मैं भी आऊंगा तेरे हुज़ूर । ग़मोफिक्रकोरखतुअबदिलसेदूर ॥
हुई शाद वह दुख़्तरे दिल सितां । गई पेश जमशेद वोहीं दवां ॥
सुनाथा जो कुछ बापसे सो कहा । दिले शाहको मुतमइं करदिया ॥
फ़रोज़ांहुआ जबकि नूरे सहर । हुआमेरख़शिन्दःजबजिलवःगर ॥
गया पेशजमशाहज़ाबुलसितां । झुकाकरशिर अपना फिरउसनेवहां ॥
कहायोंकि ऐशाह आलीतबार । नहोबदगुमांमुझसेअबज़ीनहार ॥
यक़ींजानतू जबतलक ज़िन्दःहूँ । यह दुख़्तरकनीज़ औरमैंबन्दःहूँ ॥
नदेनाकुछअन्देशःकोदिलमेंराह । किख़िदमतमेंहाज़िरहूँशामोपगाह ॥
दिलासा वह देताथा शामोसहर । वलेजीमें जमशेदके था ख़तर ॥
यही क़स्द था यां से टलजाइये । मिलै जबकि क़ाबू निकलजाइये ॥

भागना जमशेद का ज़ाबुलसितां से तर्फ़ हिन्दुस्तान के और पकड़आना राहसे ज़ोहाक के लोगोंके हाथ से और माराजाना उसका ॥

बहुतदिनरहा शहज़ाबुलमें जम । बलेदिलकोथाउसके आरामकम ॥
वहदिलदारथीरातदिनउसकेपास।वहतिसपरभीरहताथादायमउदास॥

रहेथा शबो रोज़ अन्देशःमन्द। किपहुँचमुबादा यहांकुछ गज़न्द॥
किसी ने कहा ऐशहे बेनज़ीर। यहचाहें हैं यांके वज़ीरो अमीर॥
कितुझको पकड़करबहाले तबाह। रवानः करें सूयज़ोहाकशाह॥
नहींतो वहलशकर इधरखींचकर। करेगा तबह मुल्कको सरबसर॥
हुआ जब ख़बरदार इस बात से। गुरेज़ांहुआ शाह जमघात से॥
वह ज़ाबुलसे चलकर सुयेचींगया। वलेकिन वहांभी बहुतकमरहा॥
वहां से सुये हिन्द राही हुआ। बियाबांनवर्दै तबाही हुआ॥
जो घबरागया राहके रंजसे। गया बैठ साये में इक नख्लके॥
वहअज़बसकिथाअपनेजींसे वतंग। लगाबख़्तनासाज़से करनेजंग॥
कि ऐबख़्त कमबख़्त क्या जोर है। भलात्रहभीज़ालिम कोईतौरहै॥
ख़राबऔरआवारः मुझको किया। मिलाख़ाक में हाय तूने दिया॥
हुआफिर मुख़ातिब बसूयेफ़लक। किऐचर्ख़बेदाव यह कबतलक॥
कहांतकफिरूं मैं तबाहो ख़राब। कहांतकरहूं यों मैं बेसब्रताब॥
यहनासाज़ी बेबख़्तहै सरबसर। किसरगश्तःहूं मैं यों शामोसहर॥
अदमसे न आता मैं हस्तीमें काश। नहोता मुझे यहग़मेंजांख़राश॥
यह करताहुआ ज़ारीयो आहजम। हवासे ज़रा सोगया एकदम॥
उसे आगयाख़्वाब और नागहां। हुआ फ़ितनःयेख़ुफ़्तः पैदारवां॥
अजलभी कमींगाह में थी कहीं। सोवहआगईउसके सिरपरवहीं॥
ग़रज़ एक ज़ोहाक का एलची। किसाथउसकेथोड़ीसीभीफ़ौजथी॥
वहथा सूयख़ाक़ानचींरह सिपर। कहीं इत्तिफ़ाक़े जो गुज़रा उधर॥
शहेजमको पहिचानउसने लिया। गिरफ़तारबसउसकोवोहींकिया॥
बहाले परेशां व बन्दे गरां। किया सूयज़ोहाक जमको रवां॥
किसीका नहीं यह जहां दोस्तदार। किसीकानहींचर्ख़गरदिन्दःयार॥
अबसहै जो दौलतपः भूलै कोई। तरह गुलके शादी से फूलैकोई॥
कि दौलत भी है आह नापायदार। नदुनियाकोहै कुछसबातोक़रार॥
ज़रा देखना हाल जमशेदका। किथाचर्ख़परजिसकाताजोकुलाह॥
हुआफिर गिरफ़तार ज़ंजीरुबन्द। उसे चर्ख़ गर्दं से पहुँचागज़न्द॥
ख़बरसुनकेबोला यहज़ोहाक़शाह। कियांजमकोलाओ बहालेतबाह॥
गयाजब कि जम आगे ज़ोहाक़के। पसे पुश्त थे हाथ दोनों बँधे॥

तसवीर ज़ुह्हाक़ शाह



फ़क़त पाउँ में कुछ न ज़ंजीर थी। बँधी थी रसन उसके गर्दन में भी॥
अलमसे तमाम उसका चेहरः था ज़र्द। गिरफ़्तार क़ैदी था वह नेक मर्द॥
उठाता न था शर्म से सर वहां। और आंखों से थे उसके आंसू रवां॥
खुशी से वह ज़ोहाक बेदादगर। हुआ खन्दःज़न हाल यह देखकर॥
लगा कहने ज़ालिम यह जमशेद से। फ़ज़ूंतर तेरा रुतबः खुरशेद से॥
पर अब इस तरह क्यों हुआ ज़ार तू। खराबी में क्यों है गिरफ़्तार तू॥
हुआ किसलिये तुझसे बरगश्तः बख़्त। कहां है तेरा अब वह देहीमु तख़्त॥
कहां बादशाही व ताजो अलम। कहां लश्करो फ़ौज जाहो हशम॥
कहां हुक्मरानी कहां गीरुदार। कहां वह तेरे रस्मु आईनकार॥
जवाब इसको जमशेद ने यों दिया। कि मुझसे नसीबः मेरा यों फिर गया॥
तो बेजा है इस बख़्तयारी पः नाज़। अब इसके है फिर इस ताजदारी पः नाज़॥
न मग़रूर दौलत पः हो इस क़दर। ज़रा रोज़ बद का भी अन्देशः कर॥
तुझे भी यह पेश आयेगा एक रोज़। रहेगा न तेरा सदा नेक रोज़॥
करेगा फ़लक तुझको ख्वार इस तरह। कि देखे है तू मुझको अब जिस तरह॥
लगा कहने फिर यों वह बेदादगर। कि खींचों तुझे इस घड़ी दार पर॥
करूं या क़लम सिर को शमशीर से। परोऊँ तेरे तनको या तीर से॥
ज़रा कहि कि क्या है तेरी आर्ज़ू। वह मंज़ूर है जो कहे मुझसे तू॥
यह गुफ़्तार सुनके लगा कहने जम। कि इस क़द्र मुझ को नहीं कुछ है ग़म॥
कज़ाने ये चाहा तो क्या ख़ौफ़ु बाक। तु जिस तरह चाहे मुझे कर हलाक॥
यह ज़ोहाक ने फिर किसी को कहा। कि चीरो इसे एक आरा मँगा॥
वह दो तख़्ते लाया और यक आरः भी। शहे जम को तख़्ते से बांधा तभी॥
फिर आरे से चीरा उसे बस वहां। हुई एक जम से दो पैकर अयां॥
जहां से अबस है उमेदे वफ़ा। कि बेमह्र है और सरापा ख़ता॥
न दौरे फ़लक का है कुछ एतबार। कि फिरता रहे है यः लैलो निहार॥
जो हो अर्जुमन्द उसको यह चर्ख़ दूँ। करे आख़िरेकार यों सिर निगूँ॥
हर इक दम है मौजूद ही यां साज़ मर्ग। सदा गोश ज़द है बस आवाज़ मर्ग॥
ख़बर यह गई सूय ज़ाबुलसितां। हुआ क़त्ल जमशेद शाहे जहां॥
जब उस नाज़नी को यह पहुँची ख़बर। तो रंजो अलम से हुई नौः पर॥
न आंखों में रुया बक़्रौ न दिल में क़रार। लगी रहने बेताब लैलो निहार॥

उसे कामथा अश्कबारी के साथ । सदाशग़्लथाआहुज़ारी के साथ ॥
नथी आशना वह ख़ुरोख़्वाब से । वहबेगानःथी सब्र और ताबसे ॥
उठाया बहुत उसने बेदाददह्र । फिरआख़िरकोवहमरगईखाकेज़ह्र॥
दो हमशीरथीं शाहजमकी कहीं । उन्हें लोगलाये पकड़कर वहीं ॥
कहे ख़ल्क़थी एककोशह्रनाज़ । और उसदूसरीकाथानामअरनेवाज़ ॥
उन्हें शाह ज़ोहाक ने कर तलब । रखा अपने घरमें बलुत्फ़ोतरब ॥

ख़्वाब देखना ज़ोहाक का और डरना उस ख़्वाब दहशत नाक से ॥

वहज़ोहाकताज़ीपसअज़क़त्लजम । जहांमें लगाकरने जौरोसितम ॥
गहे क़त्ल और गाह ग़ारतगरी । हुई ताज़ः रस्मे सितम परवरी ॥
दोमर्दे जवां को वह बेख़ौफ़ो बाक । तलबकरकेहररोज़करताहलाक ॥
वहहोते ग़रीब और या अर्जुमन्द । रवाजानपर उनकेरखतागज़न्द ॥
ग़रज़मग़्ज़को उनकोलेकरतमाम । खिलातावहसांपोंकोहरसुब्हशाम॥
लगाकरने बेदाद वह बेहिसाब । फिरउसनेकहींरातकोएकख़्वाब ॥
यहदेखा कि पैदाहुये तीनगुर्द । और उनमेंसे दोहैं कलांएकखुर्द ॥
कियाहमलः तीनों ने ज़ोहाकपर । हुआजिससेआजिज़वहबेदादगर॥
वहगुर्दे दिलावर कि था नौजवां । सो उस ने वहीं एकगुर्जेगरां ॥
जो मारा सरेशाह ज़ोहाक पर । तो इकसर परेशाहुआ मग़्ज़सर ॥
सितमगरकेहाथोंको बांधाशिताब । रसनडालगर्दनमेंखींचाशिताब ॥
उसे लेगये खींच बालाइकोह । कियासख़्तउसकोज़बूनोसितोह॥
हुआ देखकरख़्वाबवह हौलनाक । हुआदिलकोअन्देशओख़ौफ़बाक॥
कियाख़्वाबमें इसक़दर इकफ़िग़ां । किलरज़ांहुआसरबसरवहमकां ॥
हुये वोहीं बेदार अहलेहरम । दिलउनकाहुआहौलसेपुरअलम॥
लगे पूँछने शाह से क्या हुआ । यहफ़रमाओक्याफ़ितनःबरपाहुआ॥
फ़िग़ांख़्वाबमें क्योंकिया इसक़दर । लगे कांपने जिससे दीवारुदर ॥
यह ज़ोहाक बोला जो यहदास्तां । सुनो तुमतो इकसरपरेशांहोजां ॥
मेरी ज़िन्दगानी से हो नाउमेद । निशाते जवानी से होनाउमेद ॥
कहाउसनेफिरक़िस्सयेख़्वाबसब ।यहठाहिराकिहोज़िलवःगरसुब्हतब॥
तोअख़्तरशिनासआकेहाज़िरहोंयां । करेंइसकीतअ़बीर इकसरबयां ॥
जोताबां हुआ चर्ख़पर आफ़ताब । तोहाज़िरहुयेमोबिदानेशिताब ॥

सुनी दास्ताँ ख़्वाबकी इककलम। गयेहोश उड़ होगया बन्ददम॥
यहदरयाफ़्त दानिशवरोंने किया। हुआबक़्तबरगस्तः ज़ोहाकका॥
ज़वालउसकीदौलतकापहुँचाक़रीब। हुईइसकीबेदौलतीअबनसीब॥
वले ख़ौफ़जाँसे वह ख़ामोशथे। नजिनहार उनके बजाहोशथे॥
यहअन्देशःथा गरकहें रास्त अब। तो होये शहेनामवर पुरग़ज़ब॥
अभीजानपर अपने पहुँचेगज़न्द। नकहतेथेकुछइसलियेहोशमन्द॥
दियातीनदिनतकनहरगिज़जवाब। बयाँकीनजिन्हारतअबीरख़्वाब॥
जोरोज़े चहारुम हुआ शहख़फ़ा। तो नाचार यों मोबिदोंने कहा॥
कि ऐशाहयक़बाल राही हुआ। तिहीतुझसे अबतख़्तशाहीहुआ॥
हुई उम्रआख़िर बसआयाज़वाल। हुआ तू गिरफ़तार रंजोमलाल॥
फ़रेदूँ कोई शख़्स होवेगा शाह। बसदशौक़तो हश्मतो ईज़ुजाह॥
वहमुमताज़ नस्लेक याँ होवेगा। वह फरमाँ रवाये जहाँ होवेगा॥
कहीं होवेगी गाउ पुरमायः एक। सो पालेगी उसको बआईननेक॥
हुआ लेकिनअबतकवह पैदानहीं। कुछ आसार उसकाहवेदा नहीं॥
कहाशहने फिरख़्वाबमें किसनेवाँ। मेरे सिरपः मारा है गुर्ज़े गराँ॥
लगे कहने यों आक़िलो होशयार। फ़रेदूँ भी होगा वह ऐशहयार॥
वह मारेगा यक गुर्ज़ये गावसर। करैगा तुझे आके याँ से बदर॥
यहपूँछाफिर उसने किज़ाहिरकरो। फ़रेदूँ मेरा क्यों बदअन्देश हो॥
वहबोले कि ऐ शाहबेख़ौफ़ु बाक। करैगा पदरको तु उसकेहलाक॥
ग़रज़ तुझसे चाहेगा ख़ूने पदर। करैगा तुझे क़त्ल वह आनकर॥
सुनीशाहनेजबयह तअबीरख़्वाब। हुआदर्दुग़म से वह बेसब्रु ताब॥
नटुकहोश क़ायम रहे शाहके। ज़मींपरगिरा बस वहींतख़्तसे॥
जोहोशो हवास उसके आयेबजा। तोफिरतख़्तपर पाउँ उसनेरखा॥
वले बेखुरो ख़्वाब रहने लगा। शबो रोज़ बेताब रहने लगा॥
निशाने फ़रेदूँ की थी जुस्तजू। लगे हाथदुश्मन यह थी आर्ज़ू॥
किये लोग चारों तरफ़को रवाँ। करैं जुस्तजू ताव गिर्दे जहां॥
किया हुक्म यों शाह ज़ोहाकने। दियासबकोफरमाँ यहनापाकने॥
कि नस्ले कयाँसे जिसेपाओ तुम। गिरफ़्तार करके यहाँ लावोतुम॥

दास्तान पैदाइश फ़रेदूँ की॥

सुनाऊँ फ़रेदूँ की अब दास्ताँ। बखूबी करूँ मैं यह क़िस्सःबयाँ॥
मलिकज़ाद इकआवतीं नामथा। ख़िरमन्दऔरनेक फ़रजामथा॥
वह था नस्लमें शाहतहमूर्सकी। ख़ताअस्लमेंउसकेहरगिज़नथी॥
गिरामीतवारो खुजिस्तः निहाद। पदर बर पदर शाहफ़र्रख़निहाद॥
हमशः था ईराँ में ममकनगुज़ी। वलेघरसे निकलेथा बाहेर नहीं॥
कि ज़ोहाक नापाक के मर्दुमाँ। कयानीको बस देखपाते जहाँ॥
तोलेजाते उसको गिरफ़तार कर। यहीजीमेंथा ख़ौफ़ शामोसहर॥
रहे था वह पोशीदः घरमें मुदाम। कहींआनेजानेसेथा कुछनकाम॥
उसे जावदाँ बीम ज़ोहाक था। दिलउसकाशबोरोज़ग़मनाकथा॥
औरउसकीथीइकजौजयेसीमफ़ाम। किफ़रऑंगउसनाज़नीकाथानाम॥
हुई वहज़ने मेहबश बारदार। हुआउससेपैदाफिरइकमहउज़ार॥
जबींसे अयां उसके शाने मिही। नमूदार था फ़र्र शाहनशही॥
फ़रेदूँ रखा बापने उसका नाम। उसेदेखकर दिलहुआशादकाम॥
फिर उसआवतीने यहीजीमें कहा। किजी बैठे बैठे बतंग आगया॥
निकलघरसेचालियेबसअबसूयदश्त। वहाँ चलकेकीजे ज़रासैरगश्त॥
यह कहकरवहीं सूय सहिरागया। लगाफिरने औरसैर करनेलगा॥
उधर नागहाँ लोग ज़ोहाक के। जोपहुँचेतोपहिचानकरबसउसे॥
गिरफ़तार करके बहाले तबाह। वहीं लेगये पेश ज़ोहाक शाह॥
कियाक़त्ल आख़िर उसे शाहने। कियायह सितमहायबदख़्वाहने॥
फ़रेदूँ की माको यह पहुँची ख़बर। तो अन्देशः दिलमेंहुआबेशतर॥
नउस सरज़मीं में रही जीनहार। किरहतीजहाँथी वहलेलोनिहार॥
वहाँ से शिताबी से टल वह गई। फ़रेदूँको लेकर निकल वहगई॥
कहीं एक दिलचस्पथा मुर्ग़ज़ार। वहपहुँची वहाँ बादिलेसागेवार॥
वहाँकानिगहबानथाहक़शिनास। औरइकगाउपुरशीरथीउसकेपास॥
किपुरमायःथा नाम उसगावका। ग़रीबोंकोशीरउसकाबसवककथा॥
ग़रज़ मालिके गाउने ज़ूदतर। पिलायाफ़रेदूँ को शीरइसक़दर॥
किबसहोगया सेर वह शीरख़्वार। नख़्वाहिशरहीशीरकी जीनहार॥
वहाँ एक शब वह जने नेकज़ात। रहीऔर आख़िरहुई जबाकिरात॥

तोबिस। स यहिआगया नागहाँ। कि चलिये कहीं और रहियेनयाँ॥
मुबादा कोई यांनपहिचानले। मेरी और इसतिफ्लकी जानले॥
वलेकिनजोगमगीरहैथी मुदाम। हुआशीरथाखुश्क उसकातमाम॥
वहसोची कियहकोदकेशीरख्वार। न जिन्दःरहे शीरबिनजीनहार॥
वहतिफ्लउनादिनोंदोमहीनेकाथा। शबोरोजशोचउसके जीनेकाथा॥
वह नाचारहोकर बहुतबेहवास। गई दौड़कर उसनिगहबांकेपास॥
लगीरोने वां जाके बइख्तियार। कियाउसकेआगेबहुतइन्किसार॥
यह कहनेलगी एकदिलखस्तःहूं। बसद रंजुअंदोहवा बस्तः हूं॥
यह बच्चा है बेचार ओ बेपदर। तुकरपरवरिशइसकीशामोसहर॥
ठेकाना नहीं और पातीहुँ मैं। तेरे पास अब छोड़जाती हुँ मैं॥
उसेगाउपुरमायः कादीजोशीर। किपरवरदःहोकोदकेदिलपिजीर॥
कबूल उसजवांमर्दने सबकिया। फ़रेदूँको ले पास अपने रखा॥
हुई वांसे रुखसत उसे सौंपकर। नदेखाज़रा उसने फिरकर उधर॥
रवाँ सूय अलबुर्ज वह जनहुई। रही जाकेवाँ और एमन हुई॥
यहाँ मालिकउसगाउपुरमायःका। फ़रेदूँपः रखताथाशफ़क़तरवा॥
उसे जानता था बजाये पिसर। वहकरताथाशफ़क़तबजायेपदर॥
वहमसरूफ़थापरवरिशमें मुदाम। पिलाताथाशीरउसकोहरसुब्हशाम॥
गये जबगुज़रअलग़रज़तीनसाल। फ़रेदूँकीमाँको यह आयाखयाल॥
सुबे मुरग़ज़ार अब ज़रा जाइये। वहाँ से फ़रेदूँ को ले आइये॥
हुई कोइ अलबुर्ज से वह रवाँ। मसाफ़तको ते करकेआई दवाँ॥
कहाउसने आकर।कि ऐ मर्दपीर। मुझेदेमेरा कोदकेदिल पिज़ीर॥
किअलबुर्ज में यांसे लेजाउँ अब। रखूँ पास अपने उसे रोज़ोशब॥
वहबोला किहैयह अभी खुर्दसाल। इसेहोवेगी वाँ अज़ीयतकमाल॥
नलेजातु वीराने में तिफ्ल को। गज़न्दउसकोकछुपहुँचेपेसानहो॥
वह कहने लगी योंकि ऐ मर्दनेक। मेरे दिलमेंगुज़राहैबिसवासएक॥
खुदाकी तरफ़ से हुई रहबरी। कि रखने में यांके नहीं बेहतरी॥
यहकहिकर उसे लेगई बसवहाँ। जहाँ उसका अलबुर्जमेंथामकां॥
हुई शाहज़ोहाकको जब खबर। किबेशे में है आबतीका पिसर॥
यहसुनकरासितामगारुबदरोजगार। रहेकीसे आया सुये मुग़रज़ार॥

निगहबांको औरगाउ कोकरहलाक । कियाजुल्मउसनेयहबेखौफ़ोबाक ॥
गया फिरज़ालिम शिताबीसेवां । फ़रेदूँ के रहने का जो था मकां ॥
निशांकुछ न पाया फ़रेदूँका जब । कियासारे एवांकोमिसमारतब ॥
बदअन्देश था गर्चि ज़ोहाकशाह । वलेथाफ़रेदूँपः फ़जले इलाह ॥
कि आने से ज़ोहाक के पेशतर । उसे लेगई यांसे मा आनकर ॥
सरेकोह इकमर्द दरवेश था । किरोशनज़मीरो सफ़ाकेशथा ॥
फ़रेदूँको वहलेगई उसके पास । कहायोंकिऐमर्दएज़िद शिनास ॥
यहबच्चा तेराबन्दः है औरगुलाम । करमकीनज़रइसपःरखतूमुदाम ॥
सरेइज्ज़ से फिर फ़रेदूँका सिर । रखा मर्द दरवेश के पाउँ पर ॥
किया इज्ज़माने फ़रेदूँ के जब । उसे रह्मआया फ़रेदूँपै तब ॥
जो कुछकूतउसको पहुँचताबहम । तो देतावह दोनोंको बेरंजुग़म ॥
लगाकहने दरवेशफिरएकरोज । कियहतिफ्लफ़रखुन्दओदिलफ़रोज़॥
खुदाबन्दरूये ज़मीं होयेगा । शहनशाह वादादुर्दी होयेगा ॥
यह छीनेगा ज़ोहाकका तख़्तुताज । शहानेजहाँसे यह लेगाखिराज ॥
करैगा यही क़त्ल ज़ोहाकको । जहन्नुमको भेजैगा नापाकको ॥
ज़ने खुशसियरभी यह बोलीवहीं । किहैतौरसे इसके मुझको यकीं ॥
किबदख़्वाहसे तख्तु देहीम ले । ज़फ़रमन्दहो हफ़्तअक़्लीमले ॥
हुआअलगरज़शाज़दहसालःजब । सरेकोह अलबुर्ज़ से आकेतब ॥
फ़रेदूँने सहरा में मसकन किया । नज़िनहार कुछखौफ़दिलमेंरखा ॥
यह पूँछा कि ऐ मादरे मेह्रबाँ । हमारे पदर को तहे आसमाँ ॥
किया शाहज़ोहाकने क्योंहलाक । मिलायाउसेक्योंतहे खूनुख़ाक ॥
वहकिस्साथाजोकुछकहाउसनेसब। यहसुनकरफ़रेदूँ हुआपुरगज़ब ॥
कहा सूय ज़ोहाक बेदादगर । मैं अबजाके लेताहूँ खूने पदर ॥
वहबोली किज़ोहाकहै बादशाह । रखैहैवहसाथअपने गंजोसिपाह ॥
तुबेकशहे कुछउसके हमसरनहीं । तेरेपास लश्कर नहीं ज़र नहीं ॥
नसीबों में है तेरे शाही अगर । तुझ्याइजितरावइसक़दरएपिसर॥
ज़रा सब्रकर तू ब अलताफरब । जोकुछ चाहियेसो मुहैयाहोसब ॥
करै शाह लुत्फ़े इलाही तुझे । मयस्सर हो असबाबशाही तुझे॥
फ़रेदूँयहसुनकर हुआ खुश्मगीं । वहपासुखदियाअपनीमाकोवहीं ॥

खुदाने किया है मुझेभी दिलेर। अकेला लड़ूँगा मैं मानिन्दशेर ॥
मददगार मेरा है परवर्दिगार। नहीं ख़ौफ़ ज़ोहाकसे ज़ीनहार ॥
करूँ एक दम में उसे ग़र्क़ ख़ूँ। ज़रो ताजु औरंग सब छीन लूँ ॥
वह बोली कि यह कारदुशवार है। पसन्दीदः तेरी न गुफ़तार है ॥
तुझे कूवतो ज़ोर इतना कहाँ। किहोहम नबर्द उससेतू ऐ जवाँ ॥
यहगुफ़तार मसतानह बेहतरनहीं। किसरहो न बरबाद इसमें कहीं ॥
नसीहत मेरी ऐ पिसररखतुयाद। रखैहक़्क़सदातुझको आबादुशाद ॥
सुनो आगेअहवाल अबकाव़ःका। किक्याउसनेकोरनुमायाँ किया ॥

मुनहरिफ़होना कावः आहनगरका ज़ोहाकसे और बड़ा अबोहजमाकरना
और आमादःमुवाफ़िक़तहोना फ़रेदूँ का उसके बेटों के साथ ॥

सितमगार ज़ोहाक बदरोज़गार। फ़रेदूँ की जानेबसे लैलोनिहार ॥
रखे दिलमेंथाबीम ख़ौफ़ोहिरास। बजाथे न कुछउसकेहोशो हवास ॥
बहुतमर्दुमआज़ारी उसने जो की। तोज़ोहाकसे ख़ल्क़आज़ुरदःथी ॥
यह उनकी शबोरोज़ थी आर्ज़ू। कि या रब फ़रेदूँ शहेनामजू ॥
करे आके ज़ोहाकका सिरजुदा। खुदावन्दहो ताज औरंगका ॥
सलासल फ़रेदूँसे था उनकोकाम। ग़रज़मुन्तज़िर वक़्तकेथे मुदाम ॥
कहीं एकदिन ज़ालिमे कीनः जू। तलबकर बुज़ुरगानअक़्लीमको ॥
यहबोलामेरा दुश्मने जानुमाल। जहाँ में है इक कोदकेखुर्दसाल ॥
दिलउसकीतरफ़से जोहैदर्दमन्द। शबो रोज़ रहताहै बीमोगज़न्द ॥
मुझेयादहै क़ौल मर्दानपीर। समझियेनदुश्मनकोहरगिज़हक़ीर ॥
ख़बर मुझकोपहुँचीहैआकरयहाँ। कि अब वहगया सूय हिन्दोस्ताँ ॥
अगरचिः अभी साल में खुर्द है। वलेकिन दिलेरी में इक गुर्दहै ॥
ख़िरदमन्द मिस्ले बुज़ुर्गां है वह। दिलावर बसाने दिलेरां है वह ॥
यह है अज़्म मेरा कि ऐ मर्दुमां। परी देव मर्दुम से फ़ौजे गराँ ॥
फ़राहिम करूं और जाऊं उधर। शिताबउसकोलाऊंगिरफ़तारकर॥
सफ़रमुझको दरपेश है दूरका। यह खुर्दो कलाँ से हुँ मैं चाहता ॥
कि अब एक तइयार महज़र करें। गवाहीबमुह्र अपनी उसपरकरें ॥
यहमज़मूँहोमरकूमउसमें तमाम। किज़ोहाक है खुसरवो नेकनाम ॥
नहींकारउसको बजुज़अद्लुदाद। जहाँउसके लुत्फ़ोकरमसेहैशाद ॥

शहे खल्क यहरास्त गुफ़तार है। जहाँपरवरो नेक किरदार है॥
खतरबसकिथा उससितमगारका। सभोंनेयह नाचारमहज़रलिखा॥
हरइक शख़्सकी फिरगवाही हुई। निशानी बफ़रमान शाही हुई॥
वलेकिनजोकावःथाआहनगरएक। दिलेरो ख़िरदमन्दथामर्द नेक॥
कहीं नौबतउसकेथीफ़रज़न्दकी। यहउसदिनहबसशाहकेदिनमेंथी॥
कि कावः के फ़रजन्दको क़त्लकर। खिलादीजियेसांपोंकोमग्ज़सिर॥
वहकावःहुआआनकर दादख्वाह। लगाकहने नालःकुनाँ ऐशाह॥
कि ऐशाह सुनमेरी फ़रयादको। ज़रा काम फ़रमान बेदाद को॥
तुहै अज़दहा पैकरो पीलतन। जहाँदार सालार शाहे ज़मन॥
वलेकिसलियेमुझपःसख़्तीवज़ोर। ज़राकीजियेअपनेदिलमेंतोग़ौर॥
कि यहभी है इनसाफ़ कोईभला। कहै नाम तू दाद बेदाद का॥
करे मेरेफ़रज़न्द को यों हलाक। नआवै तेरेदिलमें कुछ तर्सबाक॥
फिरअपनी भलाईकामहज़रलिखे। निकोई कामज़मूँसरासर लिखे॥
यहगुफ़तार सुनकर वह हैरांहुआ। हिरासांहुआदिलमें तरसांहुआ॥
न रक्खा रवा खून बेचारे का। उसे उसका बेटा हवाले किया॥
लगाकहनेकावःसेवहताजवर। किअबमुहर जल्द अपनीमहज़रपःकर॥
पढ़ाजबकि कावःने महज़र वहां। हुआ तबख़रोशांवनअरः ज़नां॥
बुज़ुर्गां ने अकलीमसे यों कहा। कि ऐमर्दुमांतुमनेयहक्याकिया॥
खतरसे शहे देवचेहरे के अब। गिरफ़्तार असयां हुये हायसब॥
कियातुमनेहरगिज़ नकरेंनिको। गरज़सूयदोज़खरखा सबने रू॥
यहकहकराशिताबीसेख़ौफ़बाक। कियाउसनेइकदस्तमहज़रकोचाक॥
कहेऔरभी कुछसखुनहाय सख़्त। हज़ूरे खुदावन्द देहीमुतख़्त॥
फिर उसअंजुमनसे वहींउठगया। औरउसकावहबेटाभीहमरहगया॥
हुयेआफ़रींख़्वाह वहसबशाहको। यह कहनेलगे ऐशाहे नामजू॥
हुआ कावः गुस्ताख औरबेअदब। हकेनिअमते शहगया भूलसब॥
हजूरे खुदावन्द रूये ज़मीं। ज़बांपर वह लाये सखुनहायकीं॥
रहे कीने से चाकमहज़र किया। इत अतसेपेचीदःयों सिरकिया॥
शक़ावतसेली अबरहे इनहिराफ़। गयायांसेबसहोकेवहबराखिलाफ़॥
मगर दोस्तदारे फ़रेदूँ हुआ। कि दुशमन तेरा ज़ेरगर्दूँ हुआ॥

न फ़रमांबरीकी जो गुमराह ने। तोफिरक्यों तहम्मुलकियाशाहने॥
दिया शाह ज़ोहाकने यहजवाब। तहम्मुलकामुझसेनपूँछोहिसाब॥
किया आनके कावःने जबख़रोश। तो इकबारगी उड़गये मेरे होश॥
लगापीटनेअपने सिरकोवहजब। बसइकख़ौफ़आयामेरेदिलकोतब॥
ख़ुदाने जोचाहा सो यारोकिया। औरआगेकरेगा जोकुछचाहेगा॥
गयाजबकिवहकावये कीनःख़्वाह। फ़रहिमहुई पास उसके सिपाह॥
तलबकरके फिर चिर्मआहनगरां। बनायावहीं इकअलमउसनेवां॥
अलम हाथमें लेके वह नामवर। रवानःहुआ वांसे वस पेशतर॥
यहकहताथाहरबारकरके ख़रोश। किऐ नामदारान बाअक्लुहोश॥
फ़रेदूँकाहोजिसके दिलमें ख़याल। सोआवैयहांवहख़ुजिस्तःख़िसाल॥
करेचाकरी फिर न ज़ोहाक की। रिफ़ाक़तकरे तर्क नापाक की॥
हुये जमअवां शहरी व लश्करी। हुआ फिर फ़ज़ूँ रुतबये सरवरी॥
वह कावःथा बसआगेआगेरवां। पसेका वह अम्बोह पीरोंजवां॥
कहांहै फ़रेदूँ वह वाक़िफ़ नं थे। मगर सिरउठाये वह सीधे चले॥
ग़रज़ रफ़्तःरफ़्तः तफोहुसकुनां। वह पहुँचे वहां था फ़रेदूँ जहां॥
जोकावः हुज़ूरे फ़रेदूँ किया। अदबसेझुकाअपने सिरकोदिया॥
कियाअर्ज़ ऐ साहिबे ताजतख़्त। तेरीयार दौलत मददगारबख़्त॥
तुजोहाकका चलके देहीमले। जहांदारहो हफ़्त अक़लीमले॥
यहसमझाफ़रेदूँ न आली जनाब। कि ताईद ग़ैबी हुई हमरकाब॥
किया शुक्र लुत्फ़े जहां आफ़रीं। बजासिजदये शुक्र लाया वहीं॥

जानाफ़रेदूंका कावःकेसाथ बइरादःलड़ाई ज़ोहाक औरबैठना तख़्त शाहीपर औरलेनामुल्क ख़ुदाकीमददसे॥

मयस्सरहुआजबकि जाहोहशम। सिपाहे फ़िरावां व ताजो अलम॥
हुआख़ुश फ़रेदूँ नफ़र्रुख़सियर। कियाताज शाहनशही ज़ेबसर॥
अलमपर जोथा चिर्मआहनगरां। किया ज़ेर देवाय रूमी निहां॥
बनी पैकरे गौहरीं उसपः एक। बहुतनादिरीनग्ज़ुदिलचस्पुनेक॥
वहइकदस्तथा सुर्ख़ ज़र्दोबनफ़्श। रखानाम फिरकावयानीदुरफ़्श॥
अलमकी जो इसतरह तज़ईहुई। हमेशःको यह रस्मुआई हुई॥
किहो जोकोई बादशाहे जहां। तोपहिनेमँगा चिर्मआहनगरां॥

बनाकर अलम उसकोपुरज़रकरे । मुज़ैय्यन बदे बावगौहरकरे ॥
शहानेक्रयाने बसद फ़र्रुखी । यहरस्मो रहे नेक जारी रखी ॥
कियाफिरफ़रेदूँनेयह अज़्म जज़्म । किज़ोहाकसेकीजेअबचलकेरज़्म॥
गयापास माके वह उसने कहा । किरखताहुँ मैं क़स्द ईरान का ॥
दुआकर तु ऐमादरे मेहूबाँ । किहों मैं ज़फ़रयाब चलकरवहाँ ॥
वहजाहोहशम देख शादाँ हुई । वलेकिन जुदाई से गिरयां हुई ॥
दुआदेकेफिरउसकोरुख़सतकिया।औरउसदमखुदासेयहकीइल्तिजा॥
किसौंपा तुझे यारब अपना पिसर । निगहदाररहना तुशामो सहर ॥
रवानः हुआ फिरवहआलीजनाब । हुआकावःलश्करकोलेहमरकाब ॥
फरेदूँके थे दो बिरादर बुज़ुर्ग । वलेकिनवहथेकीनःवरमिस्सलगुर्ग॥
फ़रेदूँने साथअपने उनको लिया । वफूरे इनायत से सादाँ किया ॥
फिरआहनगरउसशाहनेकरतलब ।कियाहुक्मइसतरहउसकोकिअब॥
बनावे तुइक गुर्ज़ये गाउसिर । मुरत्तब किया उसने बसजूदतर ॥
उतरताथा शबकोवहलश्करजहाँ । सहरगाह होताथा वाँसे रवाँ ॥
इसीतरह हररोज़ थे रहनवर्द । सरेचर्ख़पहुँचीथी लश्करकीगर्द ॥
वहपहुँचीकहीं उसजगह एकबार । किऐज़िदपरिस्तों केथेवाँमज़ार ॥
रहाशाहतनहा वहाँ वक्त शब । औरइमदादकीउसनेवाँसेतलब ॥
फ़रेदूँको इलहाम उसदम हुआ । फ़रेदूँकादिलजिससे खुर्रमहुआ ॥
यहआवाज़आईकि दिलशादरख । यहअफ़सूँ बतातेहैं सोयादरख ॥
फिरइकशख़्स पैदाहुआ नागहाँ । कि रखताथा वह सूरते रास्ताँ ॥
फ़रेदूँको सिखलाई अफ़सूँगरी । यहबोला कि ऐलायक़े सरवरी ॥
कोईआये दरपेश मुशकिलजहाँ । यहअफ़सूँतुपढ़ना वहाँ बेगुमाँ ॥
किहोजायआसाँवहमुशकिलतमाम।बनआवैंशिताबीसेइकदस्तकाम ॥
वहसुनकरफ़रेदूँ नफ़र्रुखनिहाद । हुआदिलमेंअपनेवहीं शादशाद ॥
खुशी से उसे और कूवत हुई । ज़ियादः फ़रेदूँको हिम्मत हुई ॥
तरक्कीपः इकबालथा शाहका । जहूर उसकेथा दौलतोजाहका ॥
बड़ेभाई दोनों जो थे कीनःवर । हसदलेगये यह हशम देखकर ॥
लगेकहने बाहम किहै यहग़ज़ब । जोहोंउसकेमहकूमहमरोज़शब ॥
फ़रेदूँको बसक़त्ल अब कीजिये । नताख़ीरको राह याँ दीजिये ॥



कहाएकनेहै यहमुशकिलकमाल। हलाके फ़रेदूँ है अमरेमुहाल॥
दियादूसरे ने यह उसको जवाब। नहींलाज़िमइसकाममेंइज़्तिराब॥
करैंगे हलाक उसको तदबीरसे। बहानेसे हीले से तदबीर से॥
कहीं एकदिन बादिले पुरसफ़ा। तहे दामने कोह सोता वहथा॥
गये बस वह दोनों शक़ावतनिशाँ। उखाड़ा वहीं एक संगे गराँ॥
सरेकोह से उसको ग़ल्ताँ किया। कितारेज़: रेज़: होसिरशाहका॥
इकायकसुनी उसने आवाज़संग। हुआशाह बेदार बस बेदिरंग॥
फ़सूँको किया शहने बिर्देज़बाँ। हुआबन्द वह संगगल्ताँ वहाँ॥
नग़ल्ताँ हुआ फिर ज़रा पेशतर। बद अन्देश हैराँ रहे देखकर॥
रहे मक्र से फिर ख़रोशाँ हुये। वह सरगर्म फ़रयादु अफ़ग़ाँ हुये॥
यहबोले कि हमको तअज्जुबहैयाँ। हिलाकिसतरह याँसे संगे गराँ॥
अगर कोहसे हाथ गिरता कभी। तो ज़ाये फरेदूँ भी होता अभी॥
जहाँ आफ़री ने रखा अबनिगाह। बजालाइये शुक्र लुत्फ़े इलाह॥
वलेकिन फ़रेदूँ ने समझा वहाँ। कियहकामइनकाही था बेगुमाँ॥
नकुछ मुहँपः उनकेकहाज़ीनहार। जियादःकियाउन का जाहोवक़ार॥
वसद फ़र्रुख़ी फिर शहे नेकमर्द। दमे सुब्हवाँसे हुआ रहिनबर्द॥
बियाबान और कोहकी राहसे। सिपाहो हशम शौक़तो जाहसे॥
जहाँ दजलःथा शहरबुग़दाद का। फ़रेदूँ को कावः वहाँ लेगया॥
गुज़रवाँसे किशतीजोवांकी तलब। नदी और हुआशहवहाँपुरग़ज़ब॥
कियावोहीं दरिया में घोड़ारवाँ। रवानः हुई फ़ौज भी बादअज़ाँ॥
नहरगिज़ज़रादिलमें आया ख़तर। गये बह्र ज़ख़्ख़ार से सब उतर॥
वहाँ से जहाँदार गेती सिताँ। हुआसूय बैतुल मुक़द्दस रवाँ॥
मकाँ वह बनाया था ज़ोहाकने। कियाथाबलन्दउसकोनापाकने॥
बहुतदूर से वह नज़र आये था। फ़लक भी उसे देख शरमायेथा॥
तिलिस्म एकथा वहदरूने मकाँ। हिलाहाथ दुशवारतरथीं जहाँ॥
गया उसमकाँमें वहशाहेदिलेर। दिलेरीकोजिसके नपहुँचेथाशेर॥
नुमायाँहुई वह बलाये अज़ीम। सियहदेवऔरअज़दहायेअज़ीम॥
फ़रेदूँ ने अफ़सूँ उसी दमपढ़ा। किआजिज़हुयेदेवऔर अज़दहा॥
कियागुर्ज़से वोहीं उनको हलाक। फिरआगेगयाशाहबे ख़ौफ़ुबाक॥

वहाँ एक औरंग आया नज़र। मुकल्लल बयाकूतु लालोगुहर॥
यहकावःसेपूछाकिकिसकाहैतख़्त। लगाकहनेयों कावये नेकबख़्त॥
कि यह तख़्त ज़ोहाकताज़ी काहै। वले अब फ़रेदून गाज़ीकाहै॥
यसत फ़र्रुखी फिर शहे नामवर। सरेतख़्तज़रीं हुआ जिलवःगर॥
फिरइकशख़्सवाँशाहकोमिलगया। औरउसशख़्ससे शाहनेयोंकहा॥
कि ज़ोहाक बेदादगर है कहाँ। जोकुछतुझकोमअ़लूमहैकरबयाँ॥
यहबोला सुये हिन्द वहज़िस्तख़ूः फ़रेदूँ की करने गया जुस्तजू॥
उधर लेगया लशकरे बेकराँ। ज़िरहपोश मर्दान जंगी यलाँ॥
दरूनेतिलिस्म उसकाहै मालुज़र। रखाहै यहाँ गंजु लालो गुहर॥
रही फ़ौज थोड़ी सी बाकी वहाँ। तिलिस्मोहरम ख़ानेके पासवाँ॥
हुआसुनके खुशशाह आफ़ाक़गीर। ततर्रुफ़मेंलाया वह ज़रींसरीर॥
लियामालुज़रऔरतोड़ा तिलिस्म। नछोड़ाख़ज़ानःनछोड़ातिलिस्म॥
ख़ुदाकाअदा शुक्रन्यासत किया। किजिसने ख़ुदाबन्ददौलतकिया॥
गया फिर शहनशाह गेतीपनाह। बसूये शबिस्तार ज़ोहाकशाह॥
हुआतख़्त जोवाँ मुक़ाबिलहुआ। फ़रेदूँ शबिस्ताँमें दाख़िलहुआ॥
बुताने परी चेहरओ सीमबर। हुईं शादमाँ शाहको देखकर॥
यहबोलीं कि हमथीं असीरेबला। किया आनके तूनेहमको रिहा॥
वही ख़्वाहिराने जमे नामवर। लगीकहनयों चश्मकोकरकेतर॥
उठायाथा हमने जो रंजो अज़ाब। कहेंक्यावहपेशाह आलीजनाब॥
कि इकदेव पैकरकी सुहबत में थे। गिरफ़्तारहम इकमुसीबतमेंथे॥
उधर उस सियहरूकाथाबीसुयास। इधरअज़दहाये सियहकाहिरास॥
हुआ हमपः बारी खुदा मेहरबाँ। किभेजाबजाहोहशमतुझकोयाँ॥
फिरेदिनहुआफिरमददगारबख़्त। किआयातु ऐवारिसे ताजुतख़्त॥
यहीअपने दिलकीहै जब आर्ज़ू। कि जबतकजहाँहै जहाँमेंहोतू॥
यह पूँछा फ़रेदूँ ने ए दिलरुबा। सुवेहिन्द ज़ोहाक अबक्योंगया॥
वहबोलीकितुझसेथाउसकोख़तर। तजस्सुसको तेरेगयाहै उधर॥
कि शायद कहीं हाथ आजायतू। सेवा इसके यह है उसे आर्ज़ू॥
कि हिन्दोस्ताँ को मुसख़्ख़रकरे। बिलेग़मजदःको वहख़ुशतर करे॥
बहम वाँसे पहुँचाहै इकःहज़ार। फ़सूँ साजु जादूगरो होशियार॥

तुझे जिसके जादूसे पहुँचेगज़न्द । वह बेख़ौफ़ हो ज़ेरच ख़्रबलन्द ॥
वलेचाहताहै यह आलमतमाम । दुआहै यहहरएककी सुब्हशाम ॥
कि बदख़्वाह तेरा सदा ख़्वारहो । तुदायम जहाँमें जहाँदार हो ॥
रहे तेरे इक़बालु दौलत करीं । निगहबांहो तेरा जहां आफ़रीं ॥

बैठना फरेदूँका ऊपरतख़्तकयांके और पकड़ना ज़ोहाकको और लेनामुल्क उसका ॥

हुआ जबकि ज़ोहाककातख़्तगाह । नसीबे शहनशाह गेतीपनाह ॥
सरापा गुलिस्ताँ हुआ वह मकां । हुआताज़ः इकदस्त बाग़ेजहाँ ॥
हुआहमसरे अर्शु अफ़लाकतख़्त । कि बैठा जहांदार फ़ीरोज़बख़्त ॥
शबिस्तांहुआ ग़ैरते सदचमन । हुई रश्क़बाग़े इरम अंजुमन ॥
हुई कामरां वह परी पैकरां । बहम बज़्मिये खुसरवो कामरां ॥
कियाशाहने मुल्कतसख़ीर तब । हुआ कामयाबे निशातो तरब ॥
हुआ रौनक़अफ़ज़ाय तख़्तेकयां । फ़रोज़िन्दः खुरशेदबख़्ते कयां ॥
जोथाकन्दरूनाम इक पहलवां । तिलिस्मो ज़रो मालकापासवां ॥
गया पास ज़ोहाक के भागकर । वहाँ जाके उसने कही यहख़बर ॥
कि शाहाँशहे गुर्द गर्दन बलन्द । जवानो दिलेरो क़वीअर्जुमन्द ॥
किसी तर्फ़ से लाके फ़ौजेगराँ । सुये शह्रबुग़दाद आई दवाँ ॥
बुज़ुर्ग उनमें दोहैं और इकख़ुर्दहै । दिलावर है पुरज़ोर है गुर्द है ॥
नुमायाँ है चेहरे से फ़रैकयाँ । ख़ुदावन्ददौलत है वह नवजवाँ ॥
वहसरकरदः है लश्करो फ़ौजका । सिपहदारुमुमुताज़ु फ़रमारवा ॥
रखे है वह पास अपने गुर्ज़ेगराँ । जवाँमर्द है जंगजू पहलवाँ ॥
वजाहोहशमउसनेवांआनकर । वहतोड़ातिलिस्मऔरलियामालुज़र॥
तेरे देवगुर्दान जंग आज़मा । जोवांथे उन्हेंक़त्लसबको किया ॥
किया ज़ेरपा अपने तेरा वह तख़्त । हुआबेगुमां तेराबरगश्तः बख़्त ॥
हुआ तेरे दाख़िल शबिस्तान में । तसर्रुफ़ किया तेरे ऐवान में ॥
सितमगारसमझायसुनकरख़बर । कि पहुँचा फ़रेदूँ वहां आनकर ॥
वले उसने पिनहांकिया राजको । किताकोई लश्करमें बेदिलनहो ॥
कहायों किमेहिमां कोई होयेगा । जोरुख़उसनेसूयेशबिस्तांकिया ॥
नहीं जायअन्देशः कुछ ज़ीनहार । रहाचाहिये शादलैलोनिहार ॥
यहगुफ़्तार सुन और खायेचुताब । दियाकन्दरूने यहउसकोजवाब॥

कि अबशोचकुछतो सहाचाहिये। उसे क्योंकि मेहमांकहाचाहिये॥
रखे जो कोई गुज़ये गाव सर। शविस्तां में शोखीकरै आनकर॥
वह मेहमां कोई आफ़तेदह्र है। बड़ा यह ग़ज़बहै बड़ा क़ह्र है॥
कियों ख़्वाहिरा ने जहांदारजम। रहै बेमुहाबानः उससे बहम॥
इधरहमकिनार उससे होशह्रनाज़। उधरउसकेपहिलूमेंहोअरनेवाज़॥
फिराशह्रमें उसका लश्करतमाम। हुये आदमी उसके चाकरतमाम॥
यह क़िस्सासुना जबकि ज़ोहाक़ने। तो की ख़्वाहिशे मर्गनापाकने॥
हुआ कन्दरूपर बहुत ख़शमगीं। लगाकहनेयों उससेअज़रूयकीं॥
तेरी बातका कुछनहीं एतबार। ज़राभी नहीं रास्ती ज़ीनहार॥
तेरा ख़ौफ़ से दिलपरेशाँ हुआ। तुमारे ख़तर के गुरेज़ाँ हुआ॥
नअबनाज़ि में शह्रतुझको करूं। नख़िदमततुझेकोई ज़िन्हारदूं॥
उसे कन्दरूने यह पासख़ दिया। किमुझकोहैअबयहगुमाँखुसरवा॥
तुहरगिज़ न हो बहरःवर तख़्तसे। न हो कामराँ अफ़सरो तख़्त से॥
भलाशह्रयारी न हो जब तुझे। करै नाज़िमेशह्र क्योंकरमुझे॥
ज़राकामका अपने हो चारःगर। न बिगड़े तेराकामवहकामकर॥
सुनी जबकि गुफ़्तारअरबाबहोश। तोआयासितमगारकेदिलमेंजोश॥
किया हुक्म ज़ोहाकने फिर वहीं। किगरदन रखे अबसरे अस्पज़ीं॥
गरज़करके तइयार लश्करतमाम। रवानःहुआ वाँसे वहतेज़गाम॥
फ़रेदूं शहे नामवरथा जहाँ। वहाँ शाह ज़ोहाक आया दवाँ॥
वले फ़ौज बेदिलथी ज़ोहाक से। न राज़ीथा कोई भी नापाक से॥
कि उसके सितमसे वहपुरखूँथेसब। तलबगार अहदे फ़रेदूँ थे सब॥
सुना फ़ौजने जब फ़रेदूँकानाम। दिलउनकाहुआखुर्रमोशादकाम॥
दिलेरांवमरदां व बरना व पीर। कियेपहिलवानीमें वह बेनज़ीर॥
फ़रेदूँ के आके हुये सब रफ़ीक़। किथाहक़शिनासोकरीमोख़लीक़॥
वहलश्करजोयोंहोगयाबरख़िलाफ़। तोबेदादगरदिलमेंसमझायहसाफ़॥
कि करता नहीं ख़ैरख़्वाही कोई। नहीं चाहता मेरी शाही कोई॥
कियामशविरःदिलमें फिरयहवहीं। कितनहामुनासिबहो अबबर्क़ीं॥
सये ख़्वाबगाहे फ़रेदूँ चलों। वहाँजाके बस क़त्ल उसको करूं॥
हुई रात जिसदम तो वह बेहया। हुआग़र्क़ आहनमें सरताबपा॥

यहउसदम बनी सरते नाबकार। किकोईनपहिचानेफिरज़ीनः।८॥
कमन्द एक लेकरगया फिर वहीं। चढ़ा फिर सरेबामकों खबरीं॥
जो देखा तो एवानम सर नेवाज। फ़रेदूँ से है शौक़में गर्म नाज़॥
हुईशोलः खेज़ आतशे रश्कतब। दिलउसकाहुआगर्मकीनोग़ज़ब॥
शिताबीसे एवाँमें डाली कमन्द। किवाँजाके पहुँचायेशहकोगज़न्द॥
बलन्दी से बदख़्वाह आयाफ़रोद। फ़रेदूँने उसको जो देखातोज़ूद॥
उठा लेके वह गुर्ज़ये गावासिर। मुक़ाबिलहुआउसकेवहआनकर॥
वहगुर्ज़उसकेसिरपरजोमाराशिताब।तोज़ोहाककेफिररहीकुछनताब॥
फ़रेदूँ ने फिर यह इरादः किया। कियकज़र्बऔरउसकेसिरपरलगा॥
मिला दीजियेइसकोतहख़ूनुखाक। ज़मीताकिनापाकसे होवै पाक॥
सदाग़ैबसे लेकिन आई तभी। किबाक़ीहै इसकीअभीजिन्दगी॥
इसे क़ैदकर कोहके दरमियाँ। रहै यह गिरफ़्तार बन्देगराँ॥
फ़रेदूँने जिसदम सुनी यह सदा। तो ज़ोहाकको क़ैद वोहीं किया॥
कहीं कोहथा इकदनावन्द नाम। वहाँ ग़ारथाअज़दहाथे तमाम॥
कियाबन्द लैजाके ज़ोहाकको। रखासिरानिगूँ उसमें नापाकको॥
बशाही उसे सालगुजरे हज़ार। हुआबादउसके गिरफ़्ताराख़्वार॥
यहदुनिया किहरचन्द है बेसबात। वलेकिनजहाँमेंहै बेहतरयहबात॥
कि नामे निकोई रहै यादगार। हमेशः निकोनामहै बरक़रार॥
फ़रेदूँमें थी यह सिफ़त सरबसर। कियाज़ुज़निकोई नकारेदिगर॥
हुआ जब कि ज़ोहाकपरफ़त्हयाब। सआ़दतहुई शाहके हमरकाब॥
तो सबनामदारां वगुर्दानि शह। किथे दौलतो मालसे शादबह॥
शिताबीसे हाज़िरहुये आनकर। हज़ूरे शहे आ़दिलो दादगर॥
कियाअर्ज़ेयों हम हैं फ़रमांपिज़ीर। परिस्तिन्दये शाहआफ़ाक़गीर॥
किया शाहने उनपः लुत्फ़ोकरम। फ़ज़ूँतरकियाउनकाजाहो हशम॥
सरे तख़्त ईरानु तूरानु चीं। हुआ ख़्वाह शाहनशहे दूरबीं॥
नेवाज़िशगरीशहने की इख़्तियार। कियाअ़द्ल औरदादलैलोनिहार॥
कुशादःकिया वां दरे गंजुज़र। रअ़यतनेवाज़ीपः बांधी कमर॥
निकोईजोकी शहने ज़ेरे फ़लक। तोनामेनिकोईभी है अबतलक॥
जो कारे फ़रेदूँ करे बेगुमां। फ़रेदूँ वही है तहे आसमां॥

हमेशः करे जो कोई कारनेक। तोबेशकहो आग़ाज़ओअंजामनेक॥
सुनो तुमकि आगे करूं मैंबयां। फ़रेदूं के बेटोंकी अवदास्तां॥

मुल्कतक़सीमकरना फरेदूंका तीनों अपने बेटोंको और रश्कलेजाना सल्म और तूरका और माराजाना ईरजका उन्हों के हाथसे॥

शहेंहफ़्त अक़्लीमके थे सिहपूर। कियाउनकानामईरजोसल्मुतूर॥
मलिकज़ादः ईरजवले खुर्दथा। ख़िरदमन्ददानिशवरोखुशलक़ा॥
हुये जब जवां बादशहज़ादगां। हुई यों तमन्नाय शाहे जहां॥
सिहदुख़्तर जहां एक मादरसे हों। फ़ज़ूं हुस्न में माहअनवरसेहों॥
तो उनको वहां कदखुदाकीजिये। नताख़ीरको राह टुकदीजिये॥
कोई मर्ददानाथा संदलबनाम। तलबकरकेउसकोशहेजुलकिराम॥
यहबोला कि गिर्दे जहां फिरकेतू। जोहैमुद्दआ उसकी करजुस्तजू॥
उसे जबकि फ़रमानिशाही हुआ। तोरुख़सतहोवांसे वहरहीहुआ॥
बहुतमुल्कमें गश्त उसने किया। वले जबकि शहरेयमनमें गया॥
तो लोगोंसे वांकेहुआ यह अयां। कि हस्बे तमन्नाय शाहेजहां॥
रखै तीन दुख़्तरहै शाहे यमन। परीचेहरःओमहवशो सीमतन॥
सिपहदारका वांके था महरूनाम। गया वाँ रसूले मुबारक पयाम॥
फ़रेदूंका पैग़ाम इक्सर कहा। वहइकबालशाहेयमनने किया॥
फ़रेदूं ने जिसदमसुनी यहनवेद। हुआखुशकिदिलकीबरआईउमेद॥
बसदहशमतो शौक़तो फ़रोंशाँ। कियाशाहज़ादोंको शहिनेरवां॥
गये जब वह सूये दियारेयमन। हुआ शादतबशहयारे यमन॥
परीतलआतों को किया क़दखुदा। बहुतमालओर गंजउनको दिया॥
हुये वांसे फिर सूय ईराँ रवाँ। मलिकज़ादगाँओरवहमाहिविशाँ॥
फ़रेदूंके दिलमें यहआयाख़याल। किअबमैंहुआ पीरदेरीनः साल॥
करूं मुल्क तक़सीम हरएकको। कि बाहम बिरादरनहों कीनःजू॥
दियासल्मको रूमुख़ावर वहीं। मिला तूरको मुल्क तूरानुचीं॥
वले मुल्क ज़ररेज ईराँ तमाम। मुक़र्ररकियाशहने ईरजके नाम॥
सुये रूमुख़ावर गये सल्मतूर। रहाईर्ज ईराँ में बासद सरूर॥
वह करने लगे बादशाही वहाँ। हुये तख़्तु देहीम से कामराँ॥
इकायक दिलेसल्म बेदिलहुआ। सुयेकीन ईरज़ वहमायलहुआ॥

क़नाअ़त न की ख़ावरोरूमपर। नआयापसन्दउसको बख़्शिशपदर॥
सुयेतूर लिखकरके नामः शिताबे। रसूल एकभेजा किलावे जवाब॥
लिखाथायहमज़मूंकिबेहतरहैंहम। नज़िनहारईरज सेकमतरहैं हम॥
ज़रा सोचअब ऐ ख़ुदावन्द तूर। किहरगिज़नहींबापकोकुछशुऊर॥
दियाउसको औरंगु देहीमुज़र। किमुझसेभीऔरतुझसेहै ख़ुर्दतर॥
कियामुल्कईराँ का ईरजकोशाह। किहैजायआसाइशो तख़्तगाह॥
मुझे और तुझे मुल्कऐसादिया। जहाँ जंगुकीनः है सुबहोमसा॥
यहाँकाहै हासिल भी ईराँकेकम। ग़नीमोंसे है रज़्मुकीं दमबदम॥
यहतक़सीमहैमुझकोबसनागवार। तेरीमसलहतक्याहै ऐशह्रयार॥
जो नामः पढ़ा तूरने सरबसर। हुआ दिलमेंअपने ग़ज़बनाकतर॥
लिखाफिरवहींसल्मकोयहजवाब। किऐबादशाह सुरैया जनाब॥
बहरनेकुबद तेरे शामिलहुँ मैं। यक़ींजानियोतू कि इकदिलहुँमैं॥
तेरे साथ में दिलसे पैवस्तःहुँ। पयेक़त्ल ईरज कमरबस्तः हूँ॥
गर इस नामः बरको बसूयेपदर। रवानः करो अबतो है ख़ूबतर॥
यहपैग़ाम भेजो कि ऐ बादशाह। बुज़ुर्गीव ख़ुर्दीपः कीजे निगाह॥
हमें तख़्त ईराँ सज़ावार है। यहईरज को लायक़नज़िनहारहै॥
रहे रास्तीपर वह आजायगर। तोबेहतरहै फिरवरनः तेग़ोरिपर॥
जबआयारसूले ख़िरदमन्दयाँ। कियासल्मने तबयहउससेबयाँ॥
कि सूये फ़रेदूँ रवानः हो तू। यह पैग़ामलेजा जहाँदार को॥
किदोनोंबिरादरनेबअदअज़दरूद। कहा योंकि अवज़ेरचर्ख़े कबूद॥
हुआख़ुसरवा अक़्लको तेरी क्या। कियादूरबस दिलसे तर्से ख़ुदा॥
नहीं ख़ूब यह रस्मु आईनुराह। किईरजको देतख़्तुताजो कुलाह॥
यहकरग़ौरदिलमेंकि मेहतरहैं हम। सज़ावार औरंग अफ़सरहैं हम॥
सितम है जोकेहतरकरे मेहतरी। ग़ज़बहै कि कमतरकोहोबरतरी॥
कोई गोशये मुल्ककाफ़ी है बस। अबसहै उसे और बाक़ीहवस॥
यह है हक़ में ईरजकेख़ूबो निको। कि ईराँसे अब दस्तबरदारहो॥
वगरनः सवारानि जोया यक़ीं। दिलेरानिरूमी व तुर्कानियीं॥
शिताबीसे हों सूय ईराँ रवाँ। क़यामतकरें एकबरपा वहाँ॥
फिरईराँ न ईरजहो दोनों ख़राब। ख़बरशर्त है दीजे इसका जवाब॥

वहांसे रवानः हो पैग़ामबर। जो आया हजूरे शहे नामवर॥
अदबसे हुआवोहींसिजदःकुनाँ। रखासिरको अपने सरे आस्ताँ॥
फ़िरिस्तिन्दगाँकीतरफ़से दिया। दरूदउसनेऔर शहज़िरूयेसफ़ा॥
लगा पूछनेयोंकि दोनों हैं शाद। वहबोला किहाँतुमकोकरतेहैंयाद॥
किया अर्ज़ फिरयोंकि पैग़ामबर। गज़न्दश्रौरज़ियाँसेहै बशबेख़तर॥
यह बन्दः तुम्हारा गुनहगार है। कि लाया पयाम एक दुशवार है॥
अगर मेरीतक़्सीरहोवे मुआफ़। तोफिरमैंगुज़ारिशकरूं साफ़साफ़॥
यहकहनेलगाशाहआलमपनाह। पयामआवराँ है सदा बेगुनाह॥
तुकह बेख़तरहोकेइकसरपयाम। बयाँ शौक़सेकर हक़ीक़ततमाम॥
कहाजबकि यहशाहआज़ादहने। तोखोलीज़बाँफिर फ़िरिस्तादःने॥
पयामेदुरुस्तऔरसख़ुनहायसख़्त। कहे सबहज़ूरे ख़ुदावन्दतख़्त॥
फ़रेदूँ यहसुनकर हुआतुन्दगर्म। यहबोलाकिआई नहीं उनको शर्म॥
कियामैंनेइकदस्ततक़्सीममुल्क। किया तीनोंकोयानीतसलीमुल्क॥
बदी कुछनहीं मैंनेकीज़ीनहार। फ़ज़ूँतरकिया फ़ख़्रवोजाहोक़ार॥
जोमुझसे नहींतोख़ुदासे डरो। न ज़िनहार बाहम ख़राबीकरो॥
मुझे अब तमन्नाय ताजोसरीर। नहीं कुछ कि देखोहुआमैंतोपीर॥
ज़राँगोश दिलसेसुनोमेरीपन्द। किक़ायम नहीं दौर चर्ख़ेबलन्द॥
रहोराज़ी अबमेरी तक़सीमपर। पयेकीनः ख़्वाही न बाँधोकमर॥
शहेनामबरसेयहसुनकरजवाब। फ़िरिस्तादःरुख़्सतहुआफिरशिताब॥
फ़रेदूँने ईरज को करके तलब। कहाभाइयों का वह पैग़ामसब॥
कियाफिरयह राज़ेनहुफ्तःअयाँ। कि परख़ाशपरहैं वहगर्दनकशाँ॥
कियासलमऔर तूरने इत्तफ़ाक़। रखे हैं तेरेसाथ दोनों निफ़ाक़॥
इरादः किया अज़रहे सरकशी। कितुझपरकरें आके लश्करकशी॥
कमर क़त्लपर तेरेबाँधी है बस। तेराछीनलें मुल्क यह है हवस॥
अगर मैंभी तेरा मददगार हों। मआवन तेरावक़्त पैकार हों॥
तो मेरेभी होवें मुक़ाबिलवहीं। वहगरदनकशाँ खींचकरतेग़कीं॥
वह हैं कीनःजू ज़ेर चर्ख़ेकुहन। तुक्याफ़िक्र रखताहै ऐजानमन॥
यह बोला वहींईरजे नामजू। वहलाऊँअमलमें जोइरशादहो॥
जहाँदार ने फिरकियायों बयां। कि ऐ नूरचश्मे सआदत निशां॥

तेरेहैं वह दोनों बिरादर बुज़ुर्ग। हुयेतुझसेअबकीनःजूमिस्लगुर्ग॥
तुहैखुर्दऔर यहनहीं तुझमें ताब। जोउनसेनबर्दआज़माहोशिताब॥
मेरीहैं यहहालत कि बसहूं मैंपीर। कियातर्क शाही हुआगोशःगीर॥
वह इकादिल हुये हरदोजंगआवराँ। फ़राहिम किया लश्करे बेकराँ॥
यहाँ साथ उनके नहीं ताबजंग। नफ़ौज इसक़दरहैनअसबाबजंग॥
पसन्दीदये अक्लु रायेनिको। यही है कि तू सुलह जू उनसेहो॥
मेरी तरह शाही से अबदरगुज़र। नरखदिलमेंकुछख़्वाहिशेताजुज़र॥
किताजाँप तेरे न पहुँचे गज़न्द। तुए मनरहै जेर चर्खे बलन्द॥
न आरामजां अफ़सरे ज़रहुआ। क़लमआख़िरशशमअक़ासरहुआ॥
सुनीगोशजाँसे फ़रेदूँ की पन्द। लगाकहनेयों ईरजे अरजुमन्द॥
कि ज़िन्हारएशाहफ़रखुन्दःबख़्त। नहींकुछमुझे उलफ़तेताजुतख़्त॥
जोदुनियाँ व दौलतनहींपायदार। तो ग़मखायक्यों मर्दुमेहोशियार॥
यह कीनः अगर बह्र औरंगहै। पये बादशाही अगर जंग है॥
तो गुज़रा मैं इस ताजु औरंग से। बहम सुलह बेहतरहैअबजंगसे॥
हज़ूर उनकेजाऊँ मैं अबबेसिपाह। नवसवासकोदिलमेंदूं अपनेराह॥
किं मैं खुर्दहूँ और वे हैं बुज़ुर्ग। बजाहोहशमभीहैंमुझसे सितुर्ग॥
करूंअर्ज़ यों हूँ मैं फ़रमापिज़ीर। मुबारक तुम्हें होवेताजोसरीर॥
मुझे दह्र में कुछ नहीं हुब्बेजाह। नहींकुछतमन्नाय ताजोकुलाह॥
मेरे साथ किस वास्ते ख़श्मुकीं। किहूँ बन्दये खुसरवोकमुचीं॥
यक़ीहैकि फिरमुझसे उलफ़तकरैं। बुज़ुर्गीनिःमुझपरबहशफ़क़तकरैं॥
फ़रेदूँने ईरज से फिर यों कहा। कि ऐ पूरसद आफ़रीं मरहबा॥
बिरादर हैं तेरे सरेख़श्मुकीं। तूहै सुलहजू और मुहब्बतगुज़ीं॥
बहुतखूब जाना है तेरा उधर। किदोनोंवहइकजाहैंअबऐपिसर॥
वले मैंभी इकनामःउनको लिखों। रक़मउसमेंदर्दे दिलअपनाकरो॥
किबसपढ़केउनका दिलेकीनःत्तर। सरेमेह्र आजाय फिरजूदतर॥
तुझे फिर बखूबी वह रुख़सतकरै। मुहब्बतकरैं और उलफ़त करैं॥
तेरा मुझको दीदारहासिलहोफिर। परीनेमसर्रतमेरा दिलहो फिर॥
यह कहिकर फ़रेदूँने नामः लिखा। रक़मउसमेंयानीयहमज़मूँकिया॥
कि तुमहो बुज़ुर्ग ऐजवानानगुर्द। औरइरजतुम्हारा बिरादरहैखुर्द॥

सरे तख़्त शाहीसे आया फ़रीद। कुलाहेशही सिरसेलाया फ़रीद॥
कमर अपनी बांधी पयेबन्दगी। यह आया बराये परस्तिन्दगी॥
तुम्हेंभीहै लाज़िम किशुक्रतकरो। सरेकींसे गुज़रो मुहब्बत करो॥
कई रोज़वाँ जबकि जायें गुज़र। तोफिरउसकोरुख़सतकरोतुमइधर॥
सरेनामः जब शाह ने मुह्र की। तो ईजरजनेतूराँकी फिरराहली॥
लिये इसक़दरसाथ बरना व पीर। कि थे वास्ते राहके नागुज़ीर॥

दास्तान पहुंचने ईरजकोपास सल्म और तूर बिदूनफौजके वास्तेबज़ और आजिज़ी के सैनामः अपने बापके और क़त्ल करना उन्होंका ईरज को दुश्मनी से और भेजना सिर उसका फरेदूं के पास और मातम करना फरेदूं का॥

शहे रूमु तूरानुचीं सल्मु तूर। किथाजिनकोजाहोहशमकाग़रूर॥
वहरखतेथे ईरानकी तर्फ़ अज़्म। वहतइयारकरतेथे असबाबरज़्म॥
वह तुराँ में आकर फ़राहिम हुये। पये ख़ून ईरज वह बाहम हुये॥
ख़बरउनको पहुँची यहइतनेमेंवाँ। कि बेफ़ौज आयाहै ईरजयहाँ॥
फ़रेदूँ ने नामः भीहै इक लिखा। यहसुनकर वहदोनोंगये पेशवा॥
ख़ुशीसे जहाँ उसकीथीबारगाह। उसेलैगये वाँ वहबाइज़्ज़ुजाह॥
मलिकज़ादः ईरजथा फ़रख़ुन्दरू। ख़िरदमन्दख़ुश मंज़ुरो ख़ूबरू॥
मगरअबजो बरपाहुआयहफ़साद। तोआयेफिरइसबातपरबदनिहाद॥
किहो बेख़ताकुश्तः वहनामदार। सुयेख़ानः जाँबरनहो ज़ीनहार॥
सुये फ़ौज फिरसल्मने की निगाह। नपाया तरफ़ अपने मैले सिपाह॥
कहा तूरसे काम अबतर हुआ। किईरजसेदिलबस्तःलश्करहुआ॥
हमें क़स्द था मुल्क ईरानका। वले अबहै अन्देश तूरानका॥
हुआक़त्ल ईरजका अबनागुज़ीर। वगरनः न हमहैं नताजोसरीर॥
भरी आह इसबात से तूरने। रखा ख़ूंरवा उसका मग़रूरने॥
गया दूसरे दिन जो उनके हज़ूर। तोबोलायहईरज सेकमबख़्ततूर॥
किऐ बेअदब हमसे केहतरहै तू। नहरगिज़सज़ावार अफ़सरहै तू॥
हमारा अदब कुछनरक्खा निगाह। हुआ मुल्क ईराँका तू बादशाह॥
शबोरोज़र्या हमतो खींचें यह रंज। रहै तू वहां शाह बाताजुगंज॥
यहबातें जो तुन्दी से उसने कहीं। तुईरजने पासख़ादिया फिरवहीं॥
कि ऐ बादशाहे जहाँगीर गर्द। बुज़ुर्ग आपहैं हरतरह मैंहुँ ख़ुर्द॥

मुझेचाहिये अबनताजोकुलाह। नगंजऔरनकिशवरनफौजोसिपाह॥
नहींमुझपःलाज़िमहैइतनाअताब। किहों बन्दयेशाहआलीजनाब॥
यहकरताथाइज़्ज़औरगुफ़्तारनर्म। वलेतिसपःहोताथा वहतुन्दुगर्म॥
न गुफ़्तार ईरजकी भाई उसे। न उलफ़त बिरादरपः आईउसे॥
सरे कुरसिये ज़र वह बैठा जो था। वहाँसे वह एकबारगी बसउठा॥
वह कुरसी राअज़रहे खश्मकी। उठा सिरसे ईरजके मारीवहीं॥
फिरउसके रखा दस्तु बाज़ूपःबन्द। गज़न्दे बिरादरबसआयापसन्द॥
बहुतकरकेजबज़ारियोइनकिसार। लगा कहने ईरजकिऐनामदार॥
नकर क़त्ल मुझको खुदासे तोडर। न दे हाथ से पास शर्मेपदर॥
यक़ींजान यह तू कि अंजामकार। तुझे रंज पहुँचायगा किर्दगार॥
न रख हाथ खूने बिरादरखा। मेरीजानपर रह्मकर खुसरवा॥
नहीं कुछ मुझे ख्वाहिशे सरवरी। करूं राति दिनमेहनतोचाकरी॥
किया इज्ज़ ईरजने हरचन्द पर। नआया सरे रह्म बेदादगर॥
वहीं खींचकर खंजरे आबगूं। किया उसने ईरजकोबसग़र्क़ेखूं॥
सरे नामवर तनसे करके जुदा। हज़ूरे फ़रेदूँ रवानः किया॥
लिखा यों कि तूनेजिसे ऐपदर। दियाताजज़रथायहउसकाहैसर॥
तुरखइसके अबसरपःताजे मिही। बिठाइसको बालाय तख़्तेशही॥
फ़रेदूँ यह खींचेथावाँ इन्तिज़ार। कि आवै कहीं ईरजे नामदार॥
कि इतने में नालःकुनाँ मर्दुमाँ। लिये उसका ताबूत पहुँचे वहाँ॥
वह ताबूत खोला तो आयानज़र। वहपेचीदहथापरनियाँमें जोसर॥
फ़रेदूँ उसे देख गिरयाँ हुआ। वह बेखुदसरे खाकग़लताँ हुआ॥
ज़रा होश आया फ़रेदूँ को जब। वहबोलाकिहांवेंसियहपोशसब॥
वहीं तोड़डाले वह कोसो अलम। फ़िग़ाँ और नालःथावाँदमबदम॥
बनायाथा ईरजने इकगुलसिताँ। सिरउसकाकियादफ़्नलेकरवहाँ॥
उखाड़े निहालानगुलशनतमाम। जलायेगुलोसरोवसोसनतमाम॥
यहकहताथागिरियहकुनाँशह्रयार। किअफ़सोस ऐगरदिशेरोज़गार॥
हुआ कुश्तहयों ईरजे नाज़नीं। कि सिरहै कहीं और तनहै कहीं॥
हुआसो हुआ लेकिनऐकिर्दगार। तेरे फ़ज़्ल से हों यह उम्मेदवार॥
किहो तुख़्म ईरजसे यक नामवर। पये रज्मु कीं चुस्त बाँधे कमर॥

कहां तक करूं दर्दु ग़म का बयां। सुनो अब मिनोचह्रकी दास्तां॥

पैदाहोना लड़कीका ईरज की बहिन के पेटसे और शादीहोना पुशंगके साथ कि वहभी फ़रेदूं के औलाद से था और पैदा होना मिनोचेह्र का और दुश्मनी उसकी॥

शबिस्ताँ में ईरज के शाहे जहाँ। गयाएकदिनतो यह पूछावहाँ॥
किहै कोई याँ माहरू बारदार। शिताबीसेमुझकोकरो आशकार॥
किसीनेदिया शाहको यह नवेद। किहैहामिलहएकमाहआफ़रीद॥
यहसुनकरबहुतखुशहुआशह्रयार। कहा योंकि अबहूंमैं उम्मेदवार॥
खुदा दे उसे एक फ़र्रुख़ पिसर। कि ले बद सिगालाँसे खूनेपदर॥
गुज़र जब गये नव महीने वहाँ। तो पैदाहुई दुख़्तरे दिलसिताँ॥
वह थी हुस्न में एक माहे तमाम। फ़रेदूँने रक्खा परीचेह्र नाम॥
कियापरवरिशनाज़ुनेमतके साथ। रखाहमकरींउसकोदौलतकेसाथ॥
जवाने दिलावर पुशंग एक था। उसेसाथ उसके किया क़तखुदा॥
फ़रेदूँ कि था नस्ल से वह जवाँ। हुनरमन्द दानिशवरो पहलवाँ॥
हुई हामिलह जब वहरश्केक़मर। तोउससेतवल्लुदहुआइकपिसर॥
मलिकज़ादहईरजके हमशक्लथा। मिनोचेह्रनामउसकाशहनेरखा॥
बहुत शाह को शादमानी हुई। सरे नव उसे जिन्दगानी हुई॥
वह लाया बजा शुक्रपरवर्दिगार। दुआमाँगताथा यह लैलोनिहार॥
किजबतकफ़लकपर महोमेह्रहो। इलाही जहाँ में मिनोचेह्रहो॥
रहै उसकाइक़बालक़ायमबलन्द। नपहुंचैज़राचश्मबदसे गज़न्द॥
हुआ जब जवाँ वह मिनोचेह्रतब। हुनरपहलवानीकेसिखलायेसब॥
सिखाये सब आईनुरस्मेशही। फिरउसकेरखासिरपः ताजेमिही॥
कहा यों नज़र करके सूये सिपाह। तुम्हारा मिनोचेह्रहै बादशाह॥
मिनोचह्रकी तुमइताअत करो। दिलोजाँसेतुमउसकीख़िदमतकरो॥
दरेगंज शाही कुशादह किया। सिपहको ज़रीसीमुगौहर दिया॥
फ़राहम हुआ लश्कर बेशुमार। दिलेरानि जंगी व मर्दानिकार॥
मिनोचेह्र से मर्दुमाने सिपाह। गुज़ारिशयहकरतेथेशामोपगाह॥
कि अज़्मेअदमसोज़ी अबकीजिये। शिताबी से ईरजकाखूँलीजिये॥
जोपहुँची ख़बर सल्म और तूरको। मिनोचेह्र है मर्द पैकार खू॥

क़वी बाज़ु वो पहलवाने दिलर। हज़ूरउसके रोबाहसे कमहैशेर ॥
फ़रदूँ यह रखताह अबअज़मजज़्म। कि भेजे उसे इसतरफ़बह्रेरज़्म ॥
यहसुनकरबहुतादिलमेंलायेहिरास। परेशाँ हुये उनकेहोशोहवास ॥
किया मशविरहयोंकि गंजोगुहर। रवाँ कीजिये अब बसूये पदर ॥
मिनोचेह्र को भी तलब कीजेयाँ। यह लिखियेकि ऐबादशाहे जहाँ ॥
एवज़ ख़ून ईरज के देते हैं हम। उसे गौहरोगंजु ताजो अलम ॥
ग़रज़ बाज़रोगंज भेजा रसूल। कि शायद फ़रदूँ करे यहक़बूल ॥
हज़ूरे फ़रेदूँ वह पैग़ाम बर। जोपहुँचातोरखकरवहासिरख़ाकपर ॥
दुआ वो सना की शहनशाहकी। कि ऐ मेह्र रुख़ शिन्दये सरवरी ॥
रहै जाविदाँ आलम अफ़रोज़ तू। हमेशह करे जश्न नवरोज़तू ॥
वहतुहफ़ेजोलायाथाफिरउसनेसब। रखेशहके आगेंजिरूये तरब ॥
ज़रोलाल और गौहरे शाहवार। सरीरोज़रो ताज गौहरनिगार ॥
वह देबाय रूमी व ख़ज़वो हरीर। वहज़रीतबक़हायमुश्को अबीर ॥
वह पीलानिम मूलः ऐ सीमुज़र। हज़ूरे जहाँदार गुज़रान कर ॥
कहा सलम और तूरकायहपयाम। कि बन्दे हैं हम ऐ शहे नेकनाम ॥
किया हमकोगुमराह शैताँनेआह। जोसरज़दहुआहमसेऐसागनाह ॥
ख़िजालतज़दह हमहैं तक़सीरसे। वलेकिन हैं नाचार तक़दीरसे ॥
अगरचिहह हम तो सरापाख़ता। वले तूख़ताबख़्श है ख़ुशरवा ॥
हमारी यह तक़सीर होवैमुआफ़। करोकीनसेअपने सीनेको साफ़ ॥
तमन्ना यह है अपनी शामोसहर। सुये ख़ावर आवै मिनोचेह्रगर ॥
तोहोतख़्तशाहीपः जिलवहकुनाँ। हमउसकीकरें चाकरी जाविदाँ ॥
रखें उसके तारकपः देहीम ज़र। करें पेशकशउसके गंजो गुहर ॥
फ़रेदूँने देखा जो तुहफ़ह तमाम। सुना औरयों सरकशोंकापयाम ॥
बुलाया मिनोचेह्र को तब वहीं। बिठाया सरे कुरसिये गौहरीं ॥
कहा यों कि ऐ पूर फ़रुख़ख़िसाल। तुम्हेंहैसईदऔरमुबारकयहफ़ाल ॥
नज़र कर तहे गुंबदे नीलगूं। हुये तेरे बदख़्वाह इकसरज़बूं ॥
फिरआयावहशहसूय पैग़ामबर। हुआख़न्दज़नउसकीगुफ़्तारपर ॥
दियाउसको पैग़ामकायहजवाब। किजाहरदोनापाकसेकहशिताब ॥
हुयेगर मिनोचेह्र पर मेह्रवाँ। तने ईरजे नामवर है कहाँ ॥

वहींरज़्मगहसे फिरआयाक़ुबाद। हज़ूरे मिनोचेह्र फ़र्रुख़निहाद॥
सुनाथा जो कुछ तूरसे सबकहा। मिनोचेह्र सुनके यहबातैं हँसा॥
यहकहनेलगा फिरकिहंगामजंग। अयाँहों निज़ादो गुहरबेदिरंग॥
करूं क़त्ल मैं सल्म और तूरको। करूं ग़र्क़े ख़ूं हरदो मक़हूरको॥
जो अब फिरगया तूरमैदानसे। अमाँ उसने पाई ज़रा जानसे॥
रखैं जंगको आज मौक़ूफ़ हम। करैं हश्र बरपा यहाँ सुब्हदम॥
फिरा रज़्मगहसे मिनोचेह्र शाह। गयाबसवहीं सूय आराम गाह॥
हुआ ख़ीमहज़न दश्तमें वक़्तशब। बसर की वहशबबानिशातोतरब॥
सहर जबहुई तब मिनोचेह्रशाह। दिलेरानह आया सुये रज़्मगाह॥
सवारानि जंगी व मर्दानिकार। हुये आगे सफ़ज़नयमीनोयसार॥
वहदोनों सितमगार भी लैसिपाह। हुयेआके मैदानमें कीनहख़्वाह॥
हुआ गर्म बाज़ार कीनोसितेज़। हुई एक बरपा वहाँ रुस्तु खेज़॥
जवानों का सिर और गुर्ज़ेगराँ। दिलेरोंका पहलू व नोके सिनाँ॥
तनो जानका कुछ नहीं था दरेग़। वहाँकाम सबकोथा बागुर्ज़ुतेग़॥
हुये कुश्तह जंगआवराँ बेशुमार। ज़मींख़ूंसेउनके हुई लालहज़ार॥
वलेकिन बताईद लुत्फ़े इलाह।मिनोचेह्रकीग़ालिबआई सिपाह॥
हुये तूर और सल्मदसदर्दमन्द।किआयानज़रउनकोअपनागज़ंद॥
लगे कहने बाहम वहदोनों लईम। किग़ालिबरहीआजफ़ौजेग़नीम॥
मुबादा किग़ालिबहो कल औरभी। सो इसवास्ते मसलहतहै यही॥
मिनोचेह्र पर आज शब ख़ूं करैं। तबह उसको हमज़ेर गरदूं करैं॥
मिनोचेह्रको भीयह पहुँची ख़बर। कि वह बदनिहादानबेदादगार॥
शबेख़ूंका रखते हैं वह अज़्मजज़्म। कियाचाहतेहैं वहग़फ़लतमेंरज़्म॥
वहीं करके क़ारनको शहने तलब। कहाहो ख़बरदार लश्करसे अब॥
ग़रज़सौंपकरउसकोइक्सरसिपाह। कमींगाहमें आप बैठा वह शाह॥
सवरानि जंगआज़मासीहज़ार। लिये साथ अपने पयेकारज़ार॥
गई निस्फ़ो रातजिसदम गुज़र। जहाँतीरहबस होगया सरबसर॥
रवानह हुआ तूर नख़्वत शआर। सवारानि जंगीलिये सौहज़ार॥
बअज़्मे शबेख़ूं वह आया जिधर। ख़बरदारपाई सिपह सरबसर॥
बनाचार चाहा कि फिर जाइये। तरफ़अपनेलशकरकेफिरआइये॥

वलेकिन न ज़िनहार पायागुज़ार । हुआ गर्म हंगामःये कारज़ार ॥
हुई वक्त शब तेग़रानी वहां । हुआ ग़र्क़ खूं फिर हज़ारों जवां ॥
यह पहुँचीख़बर जबमिनोचेह्र को । कमींगाह से तब शहे नाम जू ॥
शिताबी से पहुँचा सुवेरज़्मगाह ।कियेक़त्लआकरबहुतकीनख़्वाह॥
जहाँ तूर बद केश था रज़्म साज़ । दिलेरानहपहुँचा शहेनेज़हबाज़ ॥
जो इकतीर मारा पसे पुश्ततूर । तोक़ालिबसे उसके हुईज़ानदूर ॥
उठाया वहीं उसको बस ज़ीन से । लिटाया ज़मीं पर सरे कीन से ॥
जुदा तेग़ से करके सिर तूरका । हज़ूरे फ़रेदूं रवानह किया ॥
हुआ शाह जब तूरपर फ़तहयाब । सुवे सल्म आया उधरसे शिताब ॥
न पाई वले सल्म ने ताब जंग । गुरेज़ाँ वहां से हुआ बेदिरंग ॥
गया भागकर दरमियाने हिसार । हुआ जाकेमहसूर वह नाबक़ार ॥
मिनोचेह्र भी सूय हसनेमतीं । गया लेके फ़ौज और घेरा वहीं ॥
निगहबान दज़्काकू इक गुर्द था । दिलेरो जवाँमर्द जंगआज़मा ॥
सुवे रज़्मु परख़ाश मायल हुआ । मिनोचेह्रके वहमुक़ाबिलहुआ ॥
फिर इकतीर मारा बहुत ज़ोर से । गुहर पर मिनोचिह्र के आनके ॥
मिनोचेह्र ने खींचकर वोहीं तेग़ । लगाई सरे ख़स्म पर वेदरेग़ ॥
वलेकिन न ज़िनहार कारीपड़ी । हुआशहग़ज़बनाकफिरउसघड़ी॥
कमरबन्द उसका पकड़ कीन से । सरे ख़ाक पटका उसे ज़ीन से ॥
तनउसकाकियः तेग़ से चाकचाक । सिपहदारकाकू हुआयों हलाक ॥
लगाकहने फिरशाह फ़ीरोज़जंग । करोक़िलअको घेरकर ख़ूबतंग ॥
हुई ख़ीमहज़न फ़ौज गिर्देहिसार । नथाक़िलअमेंफिरसबाकागुज़ार ॥
रहासल्ममुद्दत तलक क़िलअबन्द । हुआ तंग ज़ेरे सिपेहरे बलन्द ॥
मिनोचेह्र ने उसको भेजा पयाम । किबसतेरी तुर्की हुई अबतमाम ॥
मिलादूंगा तुझको तहेख़ूनोख़ाक । बनामर्दीआख़िरतुहोगा हलाक ॥
अगर शेर दिलहै तो ऐ पहलवाँ । तोबसजानदेअपनी मिस्लेसगाँ ॥
मुक़ाबिलमेरे आकेहो अब शिताब । ख़ुदाजिसकोचाहै करेफ़तहयाब ॥
यह सुनकर उसे ग़ैरत आई वहीं । वह ग़ैरत सरेरज़्म लाई वहीं ॥
निकल क़िलअसे सल्म जंगीसवार । दिलेरानह आया पयेकारज़ार ॥
मिनोचेह्र शाहे वलायत सितां । मुक़ाबिल हुआ लैके तेग़ोसिनां ॥


कियाज़ख्म शमशेर उसपररिहा। कितनसेहुआसल्मकासिरजुदा॥
शहे रूमुखावरहुये कुश्तह जब। हुआलश्करउनकापरागन्दहसब॥
सिपहदारखावरकाथा इकवज़ीर। वह आया हजूरे शहे बेनज़ीर॥
किया अर्ज़ मत खींचिये तेग़कीं। ग़रीबोंपः ऐ शाह रूये ज़मीं॥
सरे रह्म आया वहीं शह्रयार। कियाउसने पैमानुअहदउस्तुवार॥
वज़ीरे ख़िरदमन्द रुख़सत हुआ। कि मशमूललुत्फ़ोइनायतहुआ॥
ग़रज़ सल्म ओ तूरकी फ़ौजको। वहलाया हजूरे शहे नामजू॥
शहनशह ने सबपरबलुत्फ़ोखुशी। इनायात शाहान मसरूफ़ की॥
जोथामंसबउसका वहक़ायमरखा। ज़ियादहकियाबल्किकुछमरतबा॥
ज़फ़र जबहुई शाहकी हमइना। हुआ तब इनांताब शाहे जहां॥
जोनज़दीकपहुँचावहाकिशवरकुशा। फ़रेदूँ पियादह गया पेशवा॥
पियादाहुआ वां मिनोचेह्र भी। कियाफिरक़दमबोसबासदखुशी॥
जबआया वह ऐवान शाहीमें तब। फ़रेदूँ ने बासद निशातो तरब॥
बिठाया मिनोचेह्र को तख़्त पर। रखाउसकी तारकपःदेहीमुज़र॥
कहा फिर यह सामोनरीमान से। कि अपने नबीरेको सौंपा तुझे॥
जहां से हूं मैं रफ़तनी आजकल। किआताहै हरदमपयामेंअजल॥
बहुत पंदकी फ़िर मिनोचेह्र को। दुआदीकि क़ायम जहां में तुहो॥
फ़िर आख़िर फ़रेदूँ जहां से गया। वह सर्वेसहीगुलसितांसे किया॥
फ़रेदूँ जहांदार अब है कहां। वले नाम नेकी रहै जाविदां॥
हुआ फिर बफ़ज़्ले ख़ुदाये करीम। मिनोचेह्र भी बादशाहे अज़ीम॥
बसाने फ़रेदूँ किया अदलोदाद। रखालुत्फ़एहसानसेसबकोशाद॥
कियासामको अपना मुख़्तारकार। किया कारदां वह यलेनामदार॥
सिपाहे अमीरां व फ़रज़ानिगां। हुये सब सनाख्वान शाहे जहां॥
यह कहते थे हरशामु हरबामदाद। किहम ऐजहांदारफ़र्रुख़निहाद॥
तेरेजानु दिलसे हैं ख़िदमतगुज़ार। करैं चाकरी तेरी लैलोनिहार॥
जहां में तुफ़रमांरवा हो सदा। यही आर्ज़ू है यही है दुआ॥
लिखूं ज़ालु रुस्तम की अबदास्तां। किसुनकरजिसे पीरभी हो जवां॥



दास्तान पैदाहोने ज़ालके सामकेघर और पलना सीमुर्गके और ज़ालनाम रखना और फिरआना सीस्तान में॥

शबिस्तानि में सामके इक परीरू। तबल्लुदहुआ गुलरुखो सीमबर॥
सफ़ेद उसके अन्दामपर मूतमाम। गईदायह यह देखकर पेशिसाम॥
यहकहनेलगी दुख्तवा ऐनामवर। खुदानेदियाबच्चह इकतुरफहतर॥
कि है माहिजबीं सर्वक़दलालहरू। बलेमिस्ल ख्वार उसके यकसरहैंमू॥
वहीं सामने आके देखा उसे। हुआ ख़ौफ़ अन्देशह पैदा उसे॥
रखाउसकामांबापने नामज़ाल। तअज्जुबथासूरतपः उसकीकमाल॥
यहकहतेथे वां मर्दुमाखासआम। कियहातिफ़्लहरगिज़नहींपूरसाम॥
परीज़ाद या देव है या पलंग। नाखिलक़तहैइनसांकी वेरबोरंग॥
यहसुनकरहुआ सामयलसरमगीं। उठालेगया ज़ालको बस वहीं॥
सुवेकोह अलबुर्ज डाला उसे। शबिस्तांसे अपनेनिकालाउसे॥
मकां वां जो था एक सीमुर्ग़का। यकायकवहसीमुर्गउधरकोगया॥
जो देखा तो यककोदकेशीरख्वार। पड़ाहै सरेख़ाक रोता है ज़ार॥
हुआ मेहरबाँ रहमआया उसे। उठा आशियाने में लाया उसे॥
तरह अपने बच्चोंके बासदखुशी। लगापरवरिशकरनेवहज़ालकी॥
नसीमुर्गको सिर्फ़ उल्फ़तहुई। कि बच्चोंकोभी इकमुहब्बतहुई॥
वहरहतेथे बाहम शबोरोज़शाद। हुआनवजवांफिरवहफ़र्रुखनिहाद॥
कोई कारवां इत्तफ़ाक़न उधर। जो गुज़रा तो शादांहुआदेखिकर॥
वहसीमुर्ग से ज़ालको लेगया। मुहब्बतसेसाथअपनेउसकोरखा॥
यहां सामको ख्वाब आया नज़र। यहकहताहै कोई कि ऐनामवर॥
तेरापूर ज़िन्दह है और शाद है। जहांमें बखूबी वह आबाद है॥
हुआ जबकि बेदार वह पहलवां। तोफिरअपनेदिलमेंहुआशादमां॥
हुई ताज़हतर उल्फ़तो मेह्रपूर। किहैपूर दिलबन्द आंखोंका नूर॥
खुशीसे फिर उसकी ख़बरके लिये। रवांसूय अलबुर्ज मर्दुमकिये॥
फिर यहख्वाब देखा बरोज़ेदिगर। नज़रआये दोमर्द फ़र्रुख़सियर॥
फिर एकने यह कि ऐ बेशऊर। किया तूने ख़ौफ़ेखुदा दिलसेदूर॥
रखादूर आंखों से फ़रज़न्दको। कियाख्वार यों पूर दिलबन्दको॥
सफ़ेद उसके मूहैं अगर सरबसर। तो क्याऐबहैइकनज़रउसपःकर॥

कि तेराभी अबदज़ सरोरीशहै। हुनाहक़ पिसरका बदअन्देश है॥
नज़र में तेरेगरहै फ़रज़न्दख़्वार। मुझ्ज़ज़हैवहपेशिपरवरदिगार॥
ख़रोशांहुआ देखकरबसयहख़्वाब। नादिलमेंरही कुछसबूरी न ताब॥
हुआ सुब्हदम साम घरसे रवां। सुवे कोह अलबुर्ज़ आया दवां॥
ख़ुदासे वहां उसनेकी इल्तिजा। बहुतज़ारियोंगिरयहकरके कहा॥
इलाही मेरे हालपर रह्मकर। किफिरपाऊंमैं जल्दअपनापिसर॥
पिज़ीरहहुई उसकी यकसरदुआ। हुआ हालपर उसकेलुत्फ़े ख़ुदा॥
नज़रकी जो सीमुर्ग ने नागहां। तो देखा किहै सामगिरयहकुनां॥
वहसीमुर्ग़ आया वहीं पेशिसाम। सुनाक़िस्सयेख़्वाबउसनेतमाम॥
यहसीमुर्ग़ ने सामसे फिर कहा। कि दायहहुं मैं तेरे फ़रज़न्दका॥
बहुत आजिज़ी सामने उससे की। गया पास वह कारवांके तभी॥
किया ज़ालको कारवां से तलब। हवालहकियाउसने बासदतरब॥
फिरावांसे सीमुर्ग़ ले ज़ालको। लेआया हज़ूरे यले नामजू॥
कहायोंकि लीजे यह अपनापिसर। यहहै लायके ताज़ुअवरंगोज़र॥
हुआ फिर यलेसाम ख़ुर्रमवहीं। लगा करने सीमुर्ग़को आफ़रीं॥
दिये अपने सीमुर्ग़ ने चन्दपर। कहा ज़ालसे योंकि ऐनामवर॥
जो मुशकिल कोई पेशिआये तुझे। तो परतू जला याद कीजोमुझे॥
शिताबी से पहुँचों वहां आनकर। तेरीमुशकिलआसां करोंसरबसर॥
भरीहै मेरे दिलमें उल्फ़त तेरी। ज़ियादहहै मुझको मुहब्बततेरी॥
मुझे याददरखना तु लैलोनिहार। फ़रामोशमत कीजियोज़ीनहार॥
यहसुनकर किया ज़ालने यों बयां। तेरा बन्दहहों पेशहे ताइरां॥
ग़रीबोंका बस परवरिन्दहहै तू। तेरा गिर्द आलमहै नामे निको॥
रवानहहुये वांसे फिरि ज़ालुसाम। बहुतदिलमेंअपनेथेवहशादकाम॥
लगा कहनेफिरिसामफ़र्रुख़सियर। किशरमिन्दहहूंतुझसेमैंऐपिसर॥
ख़ुदासेकिया अह्द अब उस्तवार। कितुझकोरखोंजाविदांबावक़ार॥
करों तेरी तअलीम सुब्हो मसा। तलाफ़ी मेरी ताकिहो जुर्मका॥
गये जबकि फिरि शह्रके मुत्तसिल। हुआ ख़ुशमिनोचेह्रकासुनकेदिल॥
यह नोज़रसे इरशाद शहिनेकिया। कि लेआ उन्हें जाके तू पेशवा॥
वहशाहिज़ादहतबलेगया आनकर। गये शह्रमें वै बसद कर्रुफ़र॥

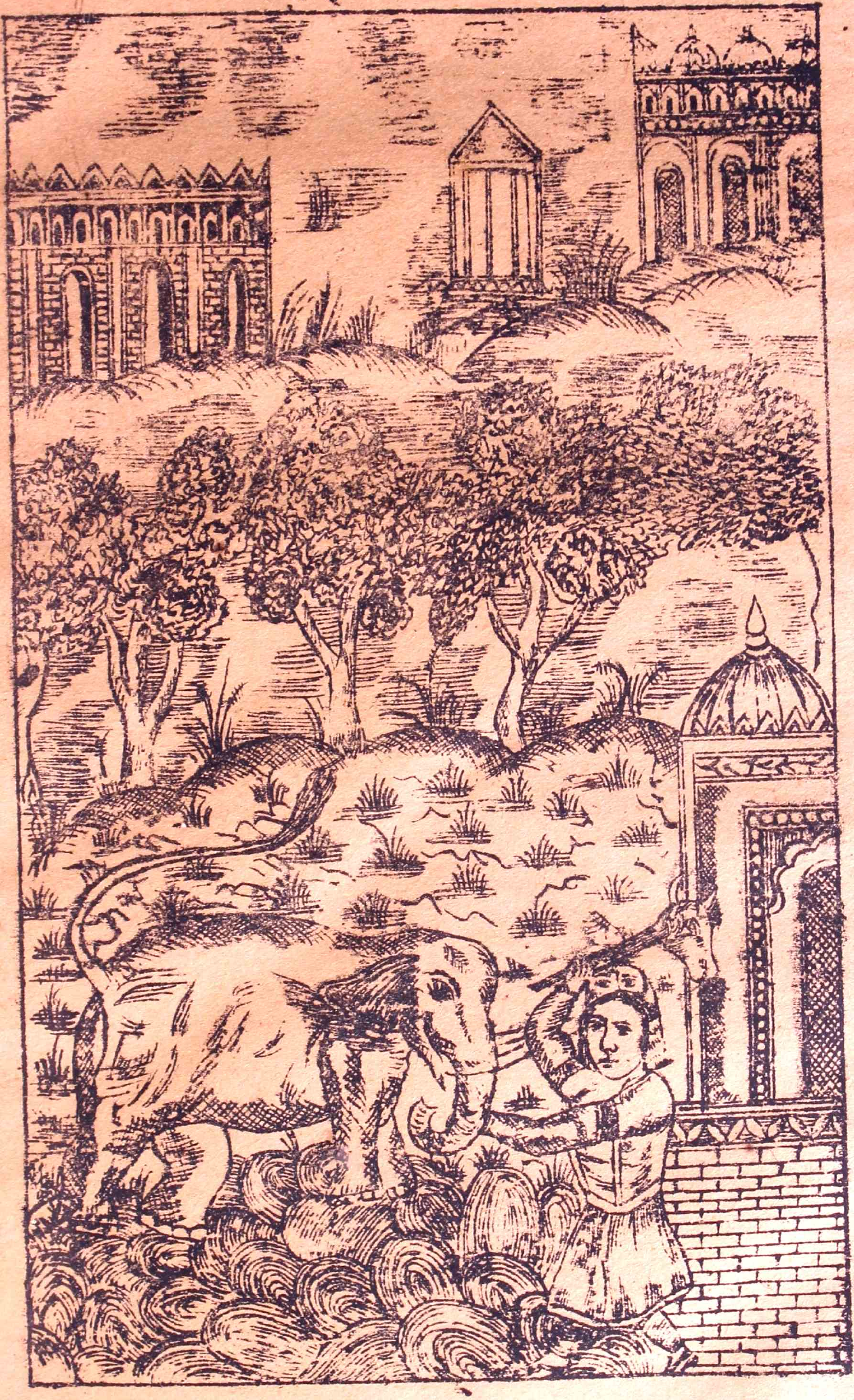


हजूरेमिनोचेह्र फिरि ज़ाल को। गया लैके सामे यलेनामज़ ॥
कियाउसनेहासिलज़मींबोसिशाह। शहनशाहिने बख़्शा अफ़्सरे कुलाह॥
तलबकरके अंजुमशिनासोंको वाँ। कियाहुक्म फिरियोंकिऐबख़्रदाँ ॥
ज़रा तालअख़्ज़ाल देखोतो अब। हक़ीक़त गुज़ारिशकरो मिलिकेसब ॥
सुने गर्दिशे अंजुमो आसमाँ। नज़रकरि केबोलेयहदानिशवराँ ॥
किहै तालअख़्ज़ाल शाहाबलन्द। जहाँ में यहहोगा बड़ाअर्जुमन्द ॥
दिलेरो शुजाओ क़वीपहलवाँ। यहहोगासरअफ़राज़ि गर्दनकशाँ ॥
शहनशाहि अस्पानि ताज़ीवज़र। सिलाहोज़रोखिलअते पुरगुहर ॥
करमसे इनायत किया ज़ालको। जहाँ में तफ़ाखुरदियाज़ालको ॥
किया सामपर लुत्फ़फिरि बेशुमार। ज़ियादहकियाऔर भीइक़्तिदार ॥
उसे हाकिमेशह्र ज़ाबुल किया। सिपहिदारिअक़्लीमकाबुलकिया ॥
हजूरे जहाँदारिसे सामु ज़ाल। मुरख़्ख़सहुयेहोके शादाँ कमाल ॥
जोज़ाबुलमें पहुँचायले नामवर। तोफिरिबहुतअज़ीमफ़र्हख़सियार॥
हुनर परवराने जहाँदीदह को। फिरा सतरशिनासानिसंजीदहको ॥
किया सामने हरतरफ़से तलब। हुये आनिके जबफ़राहिमवहसब ॥
यहकहिनेलगा वह यले नामवर। किऐ ओस्तादानि साहेब हुनर ॥
करो तरबियत ज़ालको रोज़ोशब। हुनर पहलवानीकेसिखलावोसब॥
बतावो इसे दाब शाही तमाम। करोतरबियतइसकोहरसुब्हुशाम॥
हरइकफ़नमेंतुमइसकोकामिलकरो। हुनरमन्दुहुशियारकाबिलकरो॥
बफ़रमानि शाहे जहाँ बह्र रज़न। सुनेगुर्गसाराँ मेराअबहै अज़न ॥
नसीहतलगा करने फिरि ज़ालको। कि ऐ पूरदाना वफ़रखुन्दह खू ॥
तुझे मैंने सौंपा यह ज़ाबुलसिताँ। तुदादोदिहिश खूबकरनायहाँ ॥
यहकहिकरवहसामेनबर्द आज़मा। सुवे किशवरे गुर्ग साराँगया ॥
हुआ हुक्मराँमुल्कज़ाबुलकाज़ाल। रखा ख़ल्क़कोशादुखुर्रमकमाल ॥
रियासत ग़रज़मुल्क की खूबकी। बहुत ख़ल्क़नेपाई आसूदगी ॥
हुई फिरि उसे आर्ज़ूये उरूस। हुई मैल ख़ातिर बसूये उरूस ॥
सिपाहिदारिक़ बुलजोमेहराबुथा। सोथीउसकीइकदुख़्तरेमाहिलक़ा॥
वह ज़ोहाक की नस्ल सेथा मगर। ख़िरदमन्दु दानिशवरो नेकमर्द ॥
औरउसादिलसिताँकाथारूदायहनाम। समनबूसनौबरक़दोलालहफ़ाम

हुआ ज़ाल जिसदम बऐशोखुशी। तलबगारिदुख़्तरकामेहराबकी॥
तो मेहराबने फिरि बलुत्फ़ोसफ़ा। कियाज़ालसे दुख़्तको कतखुदा॥
ग़रज़ हासिलह रश्कगुलशनहुई। गिरफ़्तारिग़मवक्त ज़ादन हुई॥
रुकाजाइथा दमबदम उसकादम। किबच्चा कलाँथा दरूने शिकम॥
हुआज़ालको फिर बहुतइज़्तिराब। जलायावहसीमुर्ग़कापराशिताब॥
हुआ आके हाज़िर वह सीमुर्ग़वाँ। किया ज़ालने माजरा सबबयाँ॥
वह बोला कि ऐ सरवरे अंजुमन। शिकममें है इकबच्चयेपीलतन॥
करे जिसकी हैबतसे कालिबातिही। हुज़बरे दमाँपील और देवभी॥
नचीरोगे पहलूयज़नजबतलक। शिकमसेननिकलैगायहतबतलक॥
यहसुनकरदिया ज़ालनेयहजवाब। कितदबीरफ़रमाइयेकुछशिताब॥
वहतदबीर जिससेनहो ख़ौफ़िजाँ। रहै ज़ानकी ख़ैर ऐ मेह्रबाँ॥
बियाबाँकीलीउसने फिरिवोहीराह। वहाँसे वहसीमुर्ग़ जाया गियाह॥
कहा ज़ाल से फिरिकिअबजूदतर। पिलायावह ज़नकोतो बेहोशकर॥
फिरउसज़ासेकरिपहलूइसकातुचाक। किबच्चहनिकलआवे बेख़ौफ़ोबाक॥
लगाउसकेफिरिज़ख़्मपरयहगियाह। किहो तन्दुरुस्ती बफ़ज़्लेइलाह॥
ग़रज़ज़ालने फिरपिलाकरशराब। कियामस्तरूदायहकोबसशिताब॥
किया चाक पहलूयज़न इसतरह। बतायाथा सीमुर्ग़ने जिसतरह॥
वह पैदाहुआ बच्चये पीलतन। जिसे देख हैरां रहे मर्दु ज़न॥
बहिन एक रूदायहकी नामशीं। रवां अश्क करनेलगी फिरवहीं॥
मुबादा कि रूदायहज़ायहहो अब। कियामुतमईज़ालनेउसकोतब॥
लगाई जराहतपः फिरवह गियाह। हुईतन्दुरुस्तउससेवहरश्कमाह॥
वहकोदकथासूरतमें हमशक्लसाम। रखारुस्तमअख़्तरशिनासोंनेनाम॥
शबीहे पिसर ज़ाल ने खींचकर। शिताबी से भेजी हज़ूरे पिदर॥
सुवे पैकरे रुस्तमे शीरख़्वार। निगहकरकेबोलावहसामेसवार॥
बईनहिं मेरी शक्लहै यह पिसर। बजाहै जो कहिये इसे शेरनर॥
तहायफ़ बहुत ज़ालने बअज़्मजाँ। खुशीसे किये सूयकाबुलरवाँ॥
यहपहुँची ख़बरजबकि महराबको। कि पैदाहुआ रुस्तमे नामजू॥
यहसुनकर वहमसरूरशादाँहुआ। बरंगे गुलेताज़ह ख़न्दाँहुआ॥
बजालाके शुक्रे ख़ुदाये करीम। लगादेनेहरइकको दीनारुसीम॥

वहरुस्तम किथाकोदके बेनज़ीर । उसेहफ़्तदायहकामिलताथाशीर ॥
कभी रहती बाक़ीजोकुछ इश्तिहा । तोशीरउसको देतेबुज़ोगावका ॥
तआमउसकोआनेलगा।दिलपसन्द। तोफिरपाँचआनेलगे गोस्पन्द ॥
वहखाजायथागोश्तउनकातमाम । तअज्जुबमें थे मर्दुमेखासोआम ॥
सिहसालहहुआजबकिवहशीरख़्वार। बखूबीहुआअस्पपरवहसवार ॥
लिया हाथमें अपने गुर्ज़े पिदर । रहे लोग हैराँ उसे देखिकर ॥
कि इसतरहकोदक यहहैज़ोरमन्द । न देखा कहीं ज़ेर चर्खे बलन्द ॥
यहकहते थे रुस्तम बफ़ज़्ले खुदा । तनोमन्दतर सामसे होवेगा ॥
सुनेगुर्गसाराँ व माज़िन्दराँ । व फ़रमानि फ़रमाँरवाये जहाँ ॥
सरेरज़मथा साम जंगी शआर । लड़ाईथी देवोंसे लैलोनिहार ॥
इकाइक दिलेसाम आया इधर । कि देखे रुखे रुस्तमे नामवर ॥
मुहब्बतने खींचा तो वह पहलवाँ । रवानहहुआ सूय ज़ाबुलसिताँ ॥
रवाँहोके काबुलसे मेहराबभी । सुनेज़ाबुल आया बलुत्फ़ोखुशी ॥
वह पहुँचा वले सामसे पेश्तर । हुआशादरुस्तमको वहदेखिकर ॥
करीब आके पहुँचा वहाँ सामजब । गये पेशवा ज़ालु मेहराब तब ॥
बहुतखूब था एक पीले बलन्द । सवारउसपः थारुस्तमेअरजुमन्द ॥
और इकसिरपः रुस्तमकेथाताजिज़र । हुआसामखुशदूरसेदेखिकर ॥
गयेजबकि वह सामने सामके । तो फिरवोहींतअज़ीमकेवास्ते ॥
फ़रोदआयेघोड़ों से मेहराबुज़ाल । यहचाहेथाफिररुस्तमेखुर्दसाल ॥
उतरिपीलसे वहपियादह शिताब । यहबोला वहींसामआलीजनाब ॥
कि ऐपूर तकलीफ़ मति खींचतू । तफ़ाख़ुर तेरा है मेरी आर्ज़ू ॥
यहकहिकरदुआदीकि परवर्दिगार । रखैतुझकोदायमबजाहोविक़ार ॥
हुआसामफ़िरितख़्तपरजिलवःगर । सुनेरुस्तबैठावहज़ालआनकर ॥
तरफ़चपके मेहराबि फ़रखुन्दहखू । वह रुस्तमभीबैठा वहाँ रूबरू ॥
बसदलुत्फ़ सामेयले पीलतन । हुआसाथ रुस्तमके गर्मेसखुन ॥
सनाख़्वाँवहरुस्तमहुआसामका । तहमतननेदीउसको फिरयहदुआ ॥
किऐ पहलवाने जहाँ शादरहि । जहाँ जबतलकहैतुआबाद रहि ॥
दुआ देके फिरियों गुज़ारिशकिया । किहोंबन्दह ऐकमतरीं सामका ॥
नहीं चाहता ख्वाबु आराम कुछ । न ऐशोतरब से रखूं कामकुछ ॥

मुझेचाहिये अस्प औ जर बख़ोद। नहीं मैं तलबगार साज़ोसरोद॥
ख़दंगोसिनाँ गुर्जु शमशीरलूं। तनेवद शिगालाँ ब.रूँ ग़र्कि खूं॥
यहगुफ़तार सुनि सामसादाँ हुआ। रुख़उसका बरंगे गुलिस्ताँ हुआ॥
किया एकतरतीब बज़मे तरब। हुये बादहकशबज़्मइशरतमेंसब॥
हुआनशहए मैका जिसदम ज़हूर। तो बोलावह मेहराबमस्तेग़रूर॥
नहींज़ाल और सामसे कुछख़तर। नशाहेजहाँगीरका मुझको डर॥
जहाँ में हुआ रुस्तमे पहलवाँ। वशमशीर खूँरेज़ गुर्जे गराँ॥
वहाँ फिरिकरै कौन लशकरकशी। रहैफिरि किसे ताक़ते सरकशी॥
करों ताज़ह आईन ज़ोहाकअब। मिलाऊँ उदूको तहे ख़ाकअब॥
वहइसयावहगोई सेथा शादकाम। तबस्सुमकुनाँउसपःथे ज़ालुनाम॥
यहआईख़बर सामको बअदअज़ाँ। किपुरज़ोर फिरहोगये दुश्मनाँ॥
उधरका किया क़स्द फिर सामने। तो रुख़सतइधरचाहीआरामने॥
कहारुस्तमो ज़ालको फिरिवहीं। कि मत छोड़ना तुमरहे दादुदीं॥
यहकहिकरउन्हें सामफ़र्ख़सियर। रवानहहुआ फिरि सुवेबाख़तर॥
गये ज़ाल रुस्तम सुवे सीस्ताँ। किथावहहकूमतकाउनके मकाँ॥
मिनोचेह्र शाहे जहाँगीर का। वहाँमस्त पीले सफ़ेद एक था॥
उठानागहाँ रातिको एक रोज़। यहसुनकरफ़िग़ाँरुस्तमेनेकरोज़॥
लगापूँछने वह कि क्याहै फ़िग़ाँ। कियामर्दुमाँ ने यहउसदमबयाँ॥
कि पीले सफ़ेदे शहे नामवर। रिहा होगया बन्दको तोड़कर॥
बहुतख़ल्क़को उससे पहुँचागज़न्द। दवाँहरतरफ़है वहपीले बलन्द॥
भरेइसख़बरसे जोरुस्तमके गोश। कियापहलवानीनेबसवोहीजोश॥
लिया हाथमें गुर्ज सामे दिलेर। चलासूय बाज़ार मानिन्द शेर॥
वले हाजिबोंने किया दरको बन्द। कहायोंकि ऐ कोदके अर्जुमन्द॥
शबेतीरहहै और हाथी छुटा। तो ऐवाँसे इसवक्त बाहर न जा॥
नमानाऔरयकमुश्तसख़्तआनके। लगायावहीं सिरपः दरबान के॥
किफ़िलफ़ौर वेचारह वहीं मरगया। गुरेज़िन्दहफिरिवाँसेहरइकहुआ॥
ग़रज़तोड़िकर वोहीं वहकुफ़्लबन्द। शिताबाँहुआ रुस्तमे ज़ोरमन्द॥
गयासूय पीलेदबिन्दह दिलेर। हुआजाकेनअरहज़नाँमिस्लशेर॥
ज़े.मारा बज़ोर एक गुर्जेगराँ। गिराख़ाकपर तब वह पीलेदमाँ॥



किया काम आख़िर जो उस पीलकं। तो फिरि पीलतन सूय ऐवाँ गया ॥
यह सुनिकर ख़बर ज़ाल हैराँ हुवा। वले दिल में मसरूर शादाँ हुवा ॥
सिपासे ख़ुदावन्द जाँ आफ़रीं। वह लाया बजा और ख़ुशी की वहीं ॥
तलब रुस्तमे नामवर को किया। सरो दस्तु बाज़ू पः बोसह दिया ॥
कहा दिल में अपने नहीं कुछ अजब। जो रूने नरीमाँ यह ले जाके अब ॥
नरीमाँ का जिस तरह है माजरा। बयाँ उसको करता हूँ सुनिये ज़रा ॥
किसी तर्फ़ है एक कोहे सिपन्द। और उस कोह पर है हिसारे बलन्द ॥
बहुक्मे फ़रेदूनि फ़रख़ुन्दह ख़ू। नरीमाँ ने घेरा था उस क़िलअ़ को ॥
कहीं एक संगे गराँ क़िलअ़ से। नरीमाँ के सिर पर गिरा आनिके ॥
परागन्दह वोहीं हुवा मग़्ज़ियल। गई जान क़ालिब से उसके निकल ॥
यह रुस्तम से क़िस्सह बयाँ करके सब। कहा ज़ाल ने यों कि ऐ पूर अब ॥
शिताबिन्दह हो सूय कोहे बलन्द। नरीमाँ का ख़ूं लेके हो अर्जुमन्द ॥
यह सुनिकर बहीं रुस्तमे नामदार। रवानह हुवा जानिबे कोहसार ॥
यह पहुँची ख़बर सूय माज़िन्दराँ। कि रुस्तम हुवा जानिबे दज़ रवाँ ॥
हुवा साम दिलगीरु अन्देशहमन्द। मुबादा कि रुस्तम को पहुँचे गज़न्द ॥
वहाँ जंग इक उसको दरपेश थी। सो इक दस्त मौक़ूफ़ उसने रखी ॥
सिपाहे गराँ लैके वह हमरकाब। कुमक को नबीरे के पहुँचा शिताब ॥
जवानानि जंग आवरो पीलतन। हुये गिर्द उस क़िलअ़ के ख़ीमःज़न ॥
कि हिसाल और इक माह तक वाँ मुक़ाम। रखा साम ने और बना कुछ न काम ॥
फिरा वाँ से नाचार वह पहलवाँ। रवाना हुवा सूय माज़िन्दराँ ॥
किया उसने रुस्तम को रुख़सत उधर। और उससे कहा यों कि ऐ नामवर ॥
अकेला पहिनिकार वाँका लिबास। अगर क़िलअ़ में जाइ तू बेहिरास ॥
तो चारहगरी कर सकै कुछ कहा। यह सुनिकर लगा कहने वह पहलवाँ ॥
कि कन्दह करों जाके बेख़ हिसार। न दो ड़ों मैं वाज़िन्दह इक नाबकार ॥
किये ऊँट महमूल बारे नमक। कि दरकार थे दज़ में बेशुबह शक ॥
बजाये शुतुरबान थे पहलवाँ। हर इक गुर्द था सूरते सारिबाँ ॥
लिये बाँधि बारे नमक में सिलाह। कि यह बात थी वाँ वरीने सलाह ॥
दरे दज़ पः पहुँचा यलै नामवर। ख़ुदावन्द दज़ को यह पहुँची ख़बर ॥
कि आया है इक बारख़ाने नमक। वह बोला कि लावो इधर यार तक ॥

वहाँ आनिके लेगये मर्दुमां। गयाक़िलअमें जबकिवहकारवां॥
तो हर गोशेसे आये बरनावपीर। हुवा गिर्द अंबोह उनकेकसीर॥
हुईराति जिसदम कि तारीकतर। तोफिरिबह्र जंगउसनेबांधीकमर॥
अक़ब उसकेसब पहलवाने दिलेर। ख़रोसिन्दहमानिन्द ग़र्रांनिशेर॥
ख़बरदारिहो क़िलअकीसबसिपाह। हुईआकेरज़मआवरोकीनहख़्वाह॥
मक़ाबिलहुवा कोतवाले हिसार। हुईगर्मवां उनसे बसकारज़ार॥
बशमशीरु गुर्ज़ो सिनानो ख़दंग। रहामुब्हतक़ गर्मबाज़ारि जंग॥
हुवाकुश्तह आख़िर वोसरदारिदज़। गुरेज़ां हुयेसब निगहदारिदज़॥
दिलेरोंने ताराज दज़को किया। बहुतमालुअसबाबवाँसे लिया॥
अजबतुरफ़हतरवांकी अजनासथीं। किदेखी न थीं मर्दुमांनेकभी॥
गया फिरि वहां रुस्तमे नामदार। सुवे खानह ये हुक्मरानेहिसार॥
जो देखा कि है संग ख़ारा का घर। औरउसकीहैदीवारभीसरबसर॥
सिवा उसके इकगुंबदे ज़र निगार। बसदलुत्फ़ुख़ूबी है रश्के बहार॥
लगा कहने यों देखिकर पहलवां। कियहकारिइन्सां नहीं बेगुमां॥
लिखानामहरुस्तमनेफिरिज़ालको। कि ऐ नामदारे यले नाम जू॥
किया फ़तह मैंने यह हिसने हसीं। किहमसरनहींजिसका चर्खेबरीं॥
जो इरशादहो सो बजालाऊँ मैं। रहूँ अब यहाँ या वहां आऊँ मैं॥
यहनामहपढ़ाज़ालने जबतमाम। दिलउसकाहुवाख़ुर्रमोशादकाम॥
यहपासख़लिखा ऐ ख़िरदमन्दपूर। रहैचश्मिबदतुझसेहरलहज़हदूर॥
कियातूने तसख़ीर हिसनेमतीं। हज़ारआफ़रीं सदहज़ारआफ़रीं॥
फ़क़त दिलकोमेरेनगुलशनकिया। रुवाने नरीमाको रौशन किया॥
लगाआगअबक़िलअकोकरख़राब। वहांसेतोफिरिइसतरफ़आशिताब
कि दीदारका है तेरे इश्तियाक़। जुदाईहै तेरी बहुत मुझकोशाक़॥
जोपहुँचायहनामहतोवहपहलवां। रवानह हुवा जानिबे सीस्तां॥
गयाज़ाल बासद तरब पेशवा। बसद शौक़उसकोबग़लमेंलिया॥
हुवा शाद रुस्तम को वह देखकर। निसारउसकेसिरपरकियासीमुज़र॥
सुबेसाम रुस्तमने नामह लिखा। रक़ममुज़्दहएफ़तहुनसरतकिया॥
ग़रज़ सामने जबकि नामह पढ़ा। तोफिरिशौक़सेचश्मुसिरपररखा॥
उसे इसक़दर शादमानी हुई। कि फिरिताज़ह गोयाजवानीहुई॥

सुना कारनामा यहरुस्तमका जब। हुये अहलेईराँ क़रीने तरब॥
हुवा दिलयहहरइकका उम्मेदवार। कि सारेबदअन्देशअबहोंगेख़्वार॥
बसूये मिनोचेह्र आयाहुँ फिरि। यहबाक़ीभीक़िस्सहसुनाताहुँफिरि॥

दास्तान बैठने नोज़र की ऊपर तख़्त मिनोचिह्र अपने बाप के और वसीयत करना मिनोचिह्र का उसको॥

जोगुज़रेबशाहीसदोबिस्तसाल। तोअख़्तरशिनासानिस हेबकमाल॥
लगे कहने शाह मिनोचिह्रको। किऐशाहि दानिशवरो नामजू॥
क़रीबआये अबतेरे रेहलतके दिन। बसरहोगयेबसखिलाफ़तकेदिन॥
यहसुनिकरजहाँदारिकिशवरकुशा। तलबकरकेनोज़रकोकहनेलगा॥
कि मैं हूँ कमरबस्तह सूयेअदम। मुबारकतुझे तख़्तुताजो अलम॥
तुमतिछोड़ियो रस्मु आईनदाद। रअइयतफ़ोरखनातुआबादुशाद॥
सुवेह्रक़परस्ती तुरहियो मुदाम। नःग़ैरअज़रहेरास्तीरखियोकाम॥
जहाँ में हुई ताज़ह अबदावरी। हुई नाम मूसा के पैग़म्बरी॥
वह पैदाहुवा सूबे खावरज़मीं। कियाख़ल्क़नेअख़्तियारउसकादीं॥
वहहै मुरसलेख़ास यज़दानिपाक। कियाउसनेफ़रऊनकोअबहलाक॥
तुमतिहूजियो इससे परख़ाशजू। क़बूलउसकेअबकीजियेदीनको॥
तुझे पेशहै इक मुहम्मे अज़ीम। तेरे अहले तूराँ हैं सारे ग़नीम॥
रहे कीनख़्वाही से पूरे पुशंग। करें क़स्द तेरी तरफ़ बहरजंग॥
तुझे हाथसे उसके पहुँचे गजन्द। तू आजिज़होबरूज़ेरचर्ख़ेबलन्द॥
ब क़स्दे न बर्दे अज़रहे सरकशी। करेंअबबदअन्देश लशकरकशी॥
खबरकीजियो साम और ज़ालको। कुमकचाहियो उससेऐ नामजू॥
वलेनवजवाँयअनी फ़रज़न्दज़ाल। नहींपहलवाँकोईजिसकेमिसाल॥
वहइसखानदाँकाहोख़िदमतगुज़ार। करै यावरी आके लैलोनिहार॥
मिनोचेह्र करताथा जबयहबयाँ। मलिकज़ादहनोज़रथागिरयहकुनाँ॥
नकुछ उनदिनों शाह बीमारथा। नकुछ दर्दथा और न आज़ारथा॥
इकायक हुआ खुसरवे सरफ़राज़। गिरफ़तारि बीमारियेजाँगुदाज़॥
नज़ाँबर हुवा फिर शहे बे नज़ीर। जहाँ से सफ़रकरगया नागुज़ीर॥

जलूसनोज़रका तख़्त सलतनत ईरानपर॥

मिनोचेह्रके बअद बाकर ज़फ़र। सरेतख़्तनोज़रहुवा जिलवहगर॥

रखासिरपः देहीमि शाहनशही। हुवा मसनदआराय फ़रमाँदिही॥
वलेकिन मिनोचेह्र की रस्मपर। न क़ायमरहा खुसरवे नामवर॥
वदादो दिहिशकीनइन्साफुदाद। जिराफ़लतबजौरोसितमदिलनिहाद॥
हुई बन्द इकसर मुरव्वत की राह। हुवा बन्द सीमोज़रे बादशाह॥
इकायक हुये उससे बेज़ार सब। हुये मुनहरिफ़ बलिक सरदारसब॥
लिखा बादशाहनि अतराफ़ को। किआवोइधर और यहमुल्कलो॥
सितमगारने जबकिदेखायहहाल। हुवाअपनेदिलमेंहिरासांकमाल॥
सुवेसाम नामह किया इकरवां। लिखा यह कि ऐपहलवाने जहां॥
तुझे दफ़्रेहलतके करताथायाद। मिनोचेह्रशाहे खुजिस्तहनिहाद॥
जबांपरथा शहिके यही बारबार। किरुकनेखिलाफ़तहैसामेसवार॥
हुई सलतनत इनदिनोंकुछखराब। यहाँआपकोअबतुपहुँचाशिताब॥
वगरनह यह फिरितख़्तशाहीनहीं। बद अन्देशहो और ईराँज़मीं॥
उधरतोयहनामहलिखाऔर इधर। सितमदीदहगाँपहुँचेवां पेश्तर॥
कियेथीं जो नोज़र ने बेदादियाँ। किये सामसे जाके इकसरबयाँ॥
फिरि इतनेमें नामह गया शाहका। तअस्सुफ़बहुतपहलवाँने किया॥
रवानहहो माज़िन्दराँ से वहीं। शिताबाँ हुवा सूय ईराँज़मीं॥
जो नज़दीक पहुँचायले नेकनाम। बुज़ुर्गानि ईराँ गये पेशिसाम॥
गुज़ारिशकिया यहिकि ऐनामवर। जहांदार नोज़र है बेदादगर॥
तुबैठि अबसरे तख़्त फ़रमाँदिही। तुरखिअपनेसिरपरकुलाहेमिही॥
गिरफ़्तारकरिशाहिनोज़रकोअब। इताअतकरेंमिलिकेहमतेरीसब॥
यहलाया ज़बाँपर यले अरजुमन्द। खुदाकेयहनज़दीककबहै पसन्द॥
कि नोज़रनिज़ादेक यांसेहो यां। उसे क़ैदकर होंमैं शाहेजहां॥
मिनोचेह्रकी दुख़्त होती अगर। सरेतख़्तशाहनशहीजिलवहगर॥
कमर बांधता मैं पयेचाकरी। शबोरोज़ करता मैं फ़रमांबरी॥
जो नोज़र ने पेशहलिया ज़ुल्मका। तो ऐनामदारहै अन्देशहक्या॥
उसे बाज़लाऊँगा इस राहसे। करूँ ताज़हपैमां शहनशाहसे॥
नहोमुनहरिफ़ उससे तुमज़ीनहार। करोचाकरीउसकी लैलोनिहार॥
यह कहिकर गया पेश शाहेजहां। झुकाया सरेइज़्ज़चूँ बन्दगाँ॥
कियाशाहसेसबकोगिरवीदहफिर। रहा कोई भी वां न रंजीदह फिर॥

सुनो आगे अहवालि पूरे पुशंग। किनोज़रसेआके हुवागर्मिजंग॥

लड़ाई अफ़रासियाब पुशंग के बेटे की नोज़रसे और फ़तह पाना
और बैठना तख़्त पर अफ़रासियाबका॥

पुशंग एक मर्दे नबर्द आज़मा। सिपहिदारिअक़लीम तूराँकाथा॥
सरअफ़राज़ था नस्ल से तूरकी। उसे जंग नोज़रसे मंज़ूर थी॥
पिसरएकथाउसकाअफ़रासियाब। किहैबतसेजिसकेहोख़ारहभीआब॥
यले ज़ोरमन्दो दिलेरो जवाँ। नथाउसकाहमसरकोईपहिलवाँ॥
पुशंगउससेकहिनेलगा एकरोज़। किऐपूरखुशतलअ़ओनेकरोज़॥
रवाँसूय ईराँ हो लेकर सिपाह। तुनोज़रसेअबजाकेहोकीनख़्वाह॥
शिताबाँहो ताख़ीर मतरखरवा। कि लेनाहै खूँ सल्म औरतूरका॥
जोक़िस्सहसुनायहतोअफ़रासियाब। गयाभूलआसाइशोखुरवख़्वाब॥
हुवा मैल ख़ातिर सुवे रज़्मकी। यहपासख़ब्रदियाबापकोफिरवहीं॥
कि शायस्तहुये जंग शेराँ हुँ मैं। सज़ावार रज़्मे दिलेराँहुँमैं॥
करूँ जाके सालार ईराँ से जंग। करूँमुल्कतसख़ीर सबबेदिरंग॥
यह सुनिकरहुवा खुर्रमो शादवह। हुवाबन्दके ग़मसे आज़ाद वह॥
फिरिअफ़रासियाबउससेबोलावहीं। कि हरचन्दनोज़र दिलावरनहीं॥
वलेकिन मिनोचेह्र के पहलवाँ। हज़ूरउसकेहाज़िरहैंइकसरबजाँ॥
औरअपनेयहगुर्दानिलशकरतमाम। नहीं हमसरेकारनेज़ लुसाम॥
नहीं खूबहै इन दिनों अज़्म जंग। यही मसलहतहैकि कीजेदिरंग॥
यह बोला पुशंग ऐ खिरदमन्दपूर। यह गुफ़्तारहै अक़्दानिशसेदूर॥
यहीवक्तहै जाके ले इन्तिकाम। शिताबीसेकरकारिनोज़रतमाम॥
यहसुनिकरासिपहिदारअफ़रासियाब। रवानहहुवासूय ईराँ शिताब॥
जवानानि शमशीरज़नसी हज़ार। जवाँमर्द शायस्तहते कारज़ार॥
बशमशीरु गुर्जो सिनानों ख़दंग। कमर चुस्त बाँधेहुये बहजंग॥
ख़ज़रवाँ समासास दो पहलवाँ। सिपहिके थे सालारवाफ़रवशाँ॥
सिपहिदारिकोफिरियहपहुँचीख़बर। कियासामनेइसजहाँसे सफ़र॥
यहसुनिकरिहुवाशादअफ़रासियाब। किअबबख़्तबदख़्वाहआयाबख़्वाब॥
ख़ुशी से वह हररोज़ थे रहनवर्द। नथादिलमेंउनकेकुछअंदाहुदर्द॥
उधरसेभीनोज़रयह सुनिकरशिताब। हुवाआज़मेजंगअफ़रासियाब॥

गये साथ नोज़रके मर्दानिकार। सवारानिजंगी सदोचिलहज़ार॥
मलिकज़ादहने नामः सूरेपुशंग। लिखायोंकिऐशाहिफ़ीरोज़ जंग॥
करूं मैं नबर्द दिलेरानः अब। करूंग़ारतईराँकेलशकरको सब॥
मुक़ाबिलहुईजबकिदोनों सिपरह।तोबाहमहुयेपहलवाँकीनहख़्वाह॥
थाइकताज़ियाँगुर्द अफ़रासियाब। बढ़ा फ़ौजसेलेके नेज़हशिताब॥
हुवा आके मैदान में रज़्म जू। कहा यों कि होवे जिसे आर्ज़ू॥
करे आनके मुझ से अब कारज़ार। नताख़ीर को राहदे ज़ीनहार॥
पिदरका वह का क़ारने नामवर। किसरदारलशकरथा वाकरुफ़र॥
बिरादर से अपने यह बोला वहीं। कि ऐ पहलवाँजाके हो गर्मकीं॥
कुबाद उस जवाँमर्द का नामथा। नहरगिज़तलबगारि आरामथा॥
कुदा अस्पको सूय मैदाँ गया। हुवाताज़ियाँसे नबर्द आज़मा॥
चले ख़िश्त पोलाद की एक ज़र्ब। जोखाईतो दीजाँ बहंगामिहर्ब॥
कुशादे दिलावर हुवा कुश्तह जब। वह क़ारन दिलेरो जवाँमर्दतब॥
सुबे ताज़ियाँ लेके आया सिपाह। हुवा साथबदख़्वाहकेरज़मख़्वाह॥
फिरअंबोहदेखातोअफ़रा सियाब।कुमकुकोसिपहिलेकेपहुँचाशिताब॥
हुवा गर्म बाज़ार जंगो नबर्द। किसीकोकिसीकानथाकुछभीदर्द॥
हुवाख़ूँसे रूयेज़मीं लालहज़ार। फिरिइतनेमेंवाँशबहुईआशकार॥
सवारानिजंग आवरो कीनहख़्वाह। वहीं फिरिगये सूयआरामगाह॥
हुवाजबकिरुख़्शिन्दहफिरआफ़ताब।तोक़ारनपयेजंगअफ़रासियाब॥
गया करके आरास्तह फ़ौज को। कि इकसरथे मर्दानि पैकारजू॥
उधर लशकर आरायतूराँ ज़मीं। सिपहि लेके आया पये रज़्मकीं॥
हुये गर्म पैकार जंग आवराँ। क़यामत हुई एक बरपा वहाँ॥
सरो सीनहथा वक़्फ़िपैकामुतेग़। नजाँकाथाअपनेकिसीको दरेग़॥
हज़ाराँ हुये कुश्तह ओखस्तहवाँ। ज़मीं बनगईसरबसर गुलसिताँ॥
औरआफ़ौजतूराँ हुई चेहरदस्त। दिलअहलेईराँकोपहुँचाशिकस्त॥
जहाँदार नोज़रने देखा यह जब।किलशकरहुवाबेदिलोख़ीरहअब॥
हुवा आपतब आज़िमे कारज़ार। पुकारा यह मैदान में ताजदार॥
किहरगिज़नहींइसमें कुछफ़ायदह।जोकुश्तहहोंनाहक़यहख़ल्क़ेखुदा॥
रखेहैअगर ग़ैरत अफ़रासियाब। तो आकरमुक़ाबिलहोमेरेशिताब॥

जिसे नुसरतो फ़तहदे किर्दगार। करै बादशाही वह लैलोनिहार ॥
यहसुनिकरवहअफ़रासियाबेदिलेर। हुआ आनके रज़्मजूमिस्लशेर ॥
हुये नेज़े दोनों तरफ़से रवाँ। हुवाकार मंज़र वनोके सिनाँ ॥
बयाँकीजे क्या जो वहसहर्बथी। सिनावरसिनाँ ज़र्बपर ज़र्बथी ॥
सितेजह कुनाँहोगये शामपर हुवा। ज़ख्म कोई न कुछ कारगर ॥
कहीं सिरसे नोज़रके देहीमिज़र। गिरावक्त पैकारथा ख़ाकपर ॥
ग़रज़रज़्म मौकूफ़कर हरदोशाह। फिरे रज़्मगहिसे सुबेख़्वाबगाह ॥
कियाशानबदख़्वाहने कुछख़याल। वलेकिन जहाँदारथापुरमलाल ॥
मुलाज़िमकोई शहिकीसरकारका। वहाँसे वह देहीमलाया उठा ॥
हुवा शाह दिलगीरुअन्दोहगीं। सखुन बापका यादआया वहीं ॥
कहाथा मिनोचेह्रने यहि किहाँ। तुझे फ़ौज ईराँसे पहुँचै ज़ियाँ ॥
सराने सिपहिको फ़राहिमकिया। जहाँदारने फिरि यहउनसेकहा ॥
किबदख़्वाहकीग़ालिबआईसिपाह।यहसोचाकिहोकामअपनातबाह ॥
जफ़रअपनी आतीनहीं कुछनज़र। किलशकरहै अपनाज़बूँसरबसर ॥
अगर भागिये तो किधर जाइये। हिफ़ाज़तकी अबजाकहाँ पाइये ॥
यक़ींहै कि फिरि दुश्मनानेसरीर। मुझे याँसे लेजायँकरके असीर ॥
यह बेहतरहै कुश्तहहों मैदानमें। नजाऊँ मैं अबज़िन्दहज़िन्दानमें ॥
जुदाहोवे तनसे मेरा सिर अगर। तो क़ायमरहै नेकनामे पिदर ॥
सराने सिपहिने यहसुनिकर कहा। कि जुज़जंगचारह नहींहै शहा ॥
वले अपने बेटोंको रुख़सतकरो। इहाँसे सुबेपारस अब भेजदो ॥
कि तुख़मे फ़रेदूँ से ताइकदोतन। रहै ज़िन्दहए सरवरे अंजुमन ॥
वह फ़रज़न्द जो तूसो गुस्तहमथे। उन्हें लैके आग़ोशमें प्यार से ॥
किया शाहने सूय पारसरवाँ। हुये दीदहये नाज़ गौहर फ़िशाँ ॥
यह सालार तूराँको भेजा पयाम। किलशकरवतंगआगयाहैतमाम ॥
लड़ाई में दोरोज़ कीजिये दिरंग। करो तीसरेरोज़ फिरिहमसेजंग ॥
रहीजंग मौक़ूफ़ दोरोज़ तक। रहा लशकर आसूदह ज़ेरफ़लक ॥
मगर तीसरे रोज़ वक़्तेपगाह। गयासूयमैदाँ फिरि ईराँकाशाह ॥
सवारानि जंगी यमीनोयसार। हुवाजिलवहगरक़ल्बमें शह्रयार ॥
वहशापूर क़ारन सराने सिपाह। बहरसूसिते ज़िन्दयेकीनख़्वाह ॥

उधरथासफ़ आराबअफ़रासियाब। कितुर्कानिचींजिसकेथेहमरकाब॥
इकायक हुये तुर्कचीं चेरहदस्त। सिपहिदारईरॉंनेख़ाई शिकस्त॥
हुवा कुश्तह शापूर मैदान में। पड़ा तफ़रक़ा फ़ौज ईरान में॥
वहक़ारन भी वॉंसे गुरेज़ॉं हुवा। सुवे मुल्क पारस शिताबॉं हुवा॥
फ़राहिम न आइन्दह लशकररहा। नमैदॉं में क़ायमवह नोज़ररहा॥
ग़रज़ शाहनोज़र हुवाक़िलअबन्द। मुख़ालिफ़नेघेरा हिसारेबलन्द॥
रवॉं सूयपारस हुवा ताज़ियॉं। गिरफ़्तारहोंताकि शहज़ादिगॉं॥
हुवा सदरह क़ारने नामदार। लगीहोने बाहम वहॉं कारज़ार॥
हुवाजबकिआगाहअफ़रा सियाब। तोफ़ौजऔरभेजीकुमककोशिताब॥
जो कमरहिगई फ़ौजगिर्दे हिसार। तोफ़िरिक़िलअसेनोज़रेनामदार॥
निकलकर हुवा सूय बादीरवॉं। वले बरसरे कीनहथा आसमॉं॥
सिपहिदारि तूरॉं यहसुनकरख़बर। तआकुबको उसके गयाज़ूदतर॥
सितेज़िन्दह वहभी हुवानागुज़ीर। हुआआख़िरे कार नोज़रअसीर॥
सिवा इसके आये गिरफ़तारवॉं। हज़ारोदोसद औरभी पहिलवॉं॥
बयक गर्दिशे चर्ख़ बेदादगर। ननोज़र रहा और नवहकर्रुफ़र॥
जहॉंमें रहाहुक्मरॉं हफ़्तसाल। फ़िरिएकबालकोउसकेआयाज़वाल॥
हुवाबादजॉं जाय अफ़रा सियाब। सरीरे फ़रेदूनि आली जनाब॥
सिपहिदारिकीफ़िरियहपहुँचीख़बर। किग़ालिबरहा क़ारने नामवर॥
हुवा ताज़ियॉं कुश्तह हंगामिजंग। गुरेज़ॉं हुई फ़ौज सबबेदिरंग॥
हुवापुरअलमसुनिकेअफ़रासियाब। बहुतदिलकोउसकेहुवाइज़्तिराब॥

भेजना अफ़रासियाब का ख़ज़रवां और समासास को तरफ़ सीस्तानके और मारडालना नोज़र और अगरेसंको॥

सिपहिदारिने यह इरादा किया। किमुल्कअबलियाचाहियेज़ालका॥
रवानहकिये फ़िरि पयेकारज़ार। सवारानिजंगआज़मॉं सीहज़ार॥
ख़ज़रवॉं समासास नामीयलॉं। गये बन के सालार फ़ौजेगरॉं॥
सुनीज़ालयलनेयहजिसदमख़बर। किबदख़्वाहकालशकरआयाइधर॥
कमरकीनहख़्वाहीपः बॉंधी वहीं। ज़िरहपोशहोकर लियागुर्ज़िकीं॥
रवानहहुवा सीस्तॉं से शिताब। कितारवीरकीथी नाज़िनहारताब॥
लिखाशाहि मेहराबने ज़ालको। किहो मुत्तफ़िक़ तेरा ऐनामज़ू॥

हुये पहिलवानानि काबुलसिताँ। रफ़ीक़ेसिपहिदार जाबुलसिताँ ॥
मुक़ाबिलहुई जब सिपाहे उदू। तोबाहम मुबारिज़हुये कीनहजू ॥
ख़ज़रवाँने आकर अमूदेसिपर। इकायक जो मारा सरेज़ालपर ॥
शिकस्तहहुआमग़फ़रे पहलवाँ। वलेकिननकुछसिरकोपहुँचाज़ियाँ ॥
पकड़ गुर्ज़तोड़ा ख़ज़रवाँका सिर। ज़मी उसके ख़ूँसेहुई तरबतर ॥
ख़ज़रवाँहुवा कुश्तह जबवक्तजंग। तो आयासमासासफिरबेदिरंग ॥
वले हमबहमआवर हुआ ज़ालजब। न ठहिरा समासासमैदाँमें तब ॥
गुरेज़ाँहुई उसकी सारी सिपाह। परागन्दहलश्कर ख़राबोतबाह ॥
तआकुबकुनाँ ज़ालने फिरि वहीं। हज़ारों किये क़त्लतुरकानिचीं ॥
हुआपुरग़ज़बसुनिकेअफ़रासियाब। कियाक़त्लनोज़रकोउसनेशिताब ॥
हुआ फिरिवहाँसूय पारस रवाँ। गई साथ उसके सिपाहे गराँ ॥
गयाक़स्द यहकरके वह कीनहजू। किलाऊं पकड़ि तूसोगुस्तहमको ॥
वहाँसे वह दोनों गुरेज़ाँ हुये। तरफ़सीस्ताँ के शिताबाँ हुये ॥
गयापेशवायह ख़बरसुनिके ज़ाल। कियाउसनेयेज़ाज़उनकाकमाल ॥
बख़ूबी उन्हें सीस्ताँ में रखा। रखोजमअख़ातिर यहउसनेकहा ॥
वहक़ारनथाहमाराहिशहिज़ादिगाँ। सिवाउसकेथे औरभी पहलवाँ ॥
हुआउनपःशफ़क़तकुनाँ ज़ालज़र। किया लुत्फ़मसरूफ़ हरएकपर ॥
जो नोज़रके परवर्दिहथे मर्दुमाँ। सो आने लगे हरतरफ़ से वहाँ ॥
फ़राहिमहुईफिरिफिरावाँसिपाह। जवानानिरज़मआवरोकीनहख़्वाह ॥
हरइकको सिलाहोज़रोगंज़ुमाल। कियाज़ालने देकेफ़रख़ुन्दहहाल ॥
रखा नामदारों को तकरीम से। किया खुर्रमो शाद तअज़ीम से ॥
वलेकिन यही ज़ालको सोचथा। किसे ताजवरकीजियईरानका ॥
[illegible]ी तूसोगुस्तहम नादानहैं। नहीं बादशाही के शायान हैं ॥
[illegible] है कयानी जोहों बादशाह। कयाँकोहैज़ेबिन्दह ताजोकुलाह ॥
[illegible]ाहे ज़बरदस्त पहुँचै बहम। सज़ावार हो जिसकेताजोअलम ॥
[illegible]करिके बदअन्देशकोपायमाल। अभीमुल्कईराँसे दीजे निकाल ॥
[illegible] हाकिमे शहरै। सज़ावार अवरंग शाहानकै ॥
[illegible]लिलाजनाब। बड़ाभाईथाजिसकाअफ़रासियाब ॥
[illegible]काथानाम। जवाँमर्दुखुशख़ुल्कशीरींकलाम ॥

उसे ज़ालने एक नामह लिखा। यहमज़मूनिफ़रखुन्दइसरकूमथा॥
कि मैंने फ़राहिम बहुतकीसिपाह। वलेकिन नहीं है कुई बादशाह॥
अगर आवैयाँतक तु ऐनामदार। तो अक़लीम ईराँकाहोशह्रयार॥
तेरी चाकरी अहले ईराँ करैं। तेरे आगे कारे नुमायाँ करैं॥
बदअन्देशहैवहजोअफ़रासियाब। निकालउसकोईराँसेदीजेशिताब॥
रवानहहुआ पढ़िके इसनामहको। सुबेज़ाल अग़रेरसे नामजू॥
गयारेसे ज़ाबुलको वह नामवर। यह चाहैथाहो आजिमेपेशतर॥
ख़बरसुनिकेएतनेमेंअफ़रासियाब। सिपाहेगराँलैके पहुँचासिताब॥
मलिकज़ादहकेपास इतनीसिपाह। नथीसाथउसकेजोहोरज़्मख़्वाह॥
गया लाजिरमपेशि अफ़रासियाब। किपरख़ाशकीथीनजिन्हारताब॥
बिरादर नेवाज़ी की थी आर्जू। गया बेख़तर भाई के रूबरू॥
वलेकिनलगाकहने अफ़रासियाब। तरहश्वालेके ख़ाकेबसपेचोताब॥
किरैपर क़नाअत न की तूने बस। हुई तख़्तईराँकी तुझकोहबस॥
जो दुश्मनहैं उनसे मुवाफ़िकहुआ। मेरा तु जहाँ में मुनाफ़िक़हुआ॥
दिया पासख़ उसने कि ऐताजवर। ख़ुदाके लिये तू न बहुतानकर॥
मेरी ताबक्या जो करूं हमसरी। नहींमुझकोदअ़वाबजुज़चाकरी॥
जफ़ापेशाहिथा बस्कि वह शह्रयार। बिरादर नेवाज़ीनकी ज़ीनहार॥
रखा जौरु बेदाद नाहक़रवाँ। कियातनसे बेचारेका सिरजुदा॥
ग़रज़सीस्ताँ में यह पहुँची ख़बर। हुआ कुश्तह अग़रेर्स नामवर॥
यहसुनिकर हुआज़ाल अन्दोहगीं। जियादहहुआऔरभी दिलमेंकीं॥
किया नामदारों को उसने तलब। कहायोंपयेकीं कमर बाँधो अब॥
बदरमुल्कसे ख़स्मको कीजिये। शिताबउससेनो ज़रकाखूँलीजिये॥
बले चाहिये शाह बाजाशिकोह। दिलेरोजवाँमर्द दानिशापिज़ोह॥
शहनशाह नोज़रके दोनों पिसर। नहीं दानिशो अक़्लसे बहरहवर॥
नहीं ये सज़ावार पाज़े शही। नहीं लायक़े तख़्त फ़रमाँदिही॥
सिवा उनके नस्ले फ़रेदूँसे गर। कोईहोतोमुझको करोतुमख़बर॥
कि वह वारिसे तख़्त ईरानहो। शहनशाह बाशौक़तो शानहो॥
कियाज़ालने जब बयाँयहसख़ुन। तो कहनेलगे मूबिदाने कुहन॥
मिनोचेह्र के हाथ से वक़्त जंग। हुआकुश्ताहिजबसल्मतबवेदिरं ग

मलिकज़ादहतहमास्पउसकापिसर । फ़रारी हुवाबादिले पुरख़तर ॥
जज़ीरेकी जानिब गुरेज़ाँ हुआ । वहाँ ख़ौफ़सेजाके पिनहाँहुआ ॥
ग़रज़है पिसर एक तहमास्पका । जवाँमर्दु दानिशवरो खुशलक़ा ॥
मलिकज़ादहजोउसजवाँकाहैनाम। सज़ावारशाही है वहजुलकिराम॥
सुनाज़ालने जब कि यह माजरा । तो यों क़ारने नामवरसे कहा ॥
कि लेआ जज़ीरे से ज़ौ को यहाँ । हुवावोहीं अलकिस्सहक़ारनरवाँ॥

दास्तान आने मलिकज़ादह ज़ौ बेटा तहमास्पका हमराह क़ारनके सीस्तान में और जलूस ऊपर तख़्त शाही ईरान के ॥

हुज़ूरे मलिकज़ादपहुँचावहजब । दियाज़ालका उसको पैग़ामतब ॥
कहायों कि चलिये सुवे सीस्ताँ । मुहैयाहै अवरंग शाही वहाँ ॥
ख़ुशी से वहींसाथ क़ारनके ज़ौ । तरफ़सीस्ताँ के हुआ तेज़रव ॥
जब आया खुदावन्द ताजोसरीर । हुयेगिर्दसबउसके फ़रमाँपिज़ीर ॥
हुआजिलवहगरतख़्तशाहीपः जो । हुईइकजहाँको ख़ुशी नौबनौ ॥
सुवेमुल्कपारस रवाँकी सिपाह । हुआउसवलायतमेंफिरिदख़्लशाह॥
गयाशाहफिरि सूय अफ़रासियाब । लड़ाईकीलायावहहरगिज़नताब॥
गयाभागि बदख़्वाह तूरान में । तसर्रुफ़ हुआ शहिका ईरानमें ॥
गया ख़्वार होकर जो पूरे पुशंग । न इज़्ज़तहुई कुछ हज़ूरेपुशंग ॥
पुशंग उससे बोला कि ऐनाबकार । न आई तुझे शर्मकुछ ज़ीनहार ॥
तेरा भाई अग़रेरसे नामवर । तेरेपास हाज़िर हुआ आनकर ॥
कियातूने ऐ वायउसको हलाक़ । खुदाकानहरगिज़कियाख़ौफ़ुबाक॥
रवा तूने रक्खा बिरादरका खूँ । किया फ़ौज ईराँ ने तुझको ज़बूं ॥
नहीं काम तेरा मेरे रूबरू । मेरे सामने से हो बस दूर तू ॥
रही फिरनकुछ क़द्रअफ़रासियाब।हुआनागवारउसकोआरामुख़्वाब॥
जहाँदार जो ख़ुसरवे दीपनाह । हुवा जबकि ईरानकाबादुशाह ॥
कियाउसनेहररोज़ोशबअ़दलोदाद। जहाँको रखाख़ूब आबादशाद ॥
वलेज़ालज़र और सब पहिलवाँ । शबोरोज़ थे शाहके मदहख़्वाँ ॥
जहाँमें बअक़बाल जाहो जलाल । रहाशाह फ़रमाँरवा पंजसाल ॥
फिरिआख़िरकोपहुँचापयामेअजल।गईजानक़ालिबसेउसकीनिकल ॥

दास्तान बैठने गुरशास्पशाहको ऊपर तख़्त के और फेरआना अफ़रासियाब का तसख़ीर ईरान से॥

चले बापकेबअद गुरशास्पशाह। खुदावन्द अवरंग ताजोकुलाह॥
वलेथा पिज़ीरन्दये राइज़ाल। किथा बादशाहे जहाँ खुर्दसाल॥
पुशंगेदिलावर को पहुँची खबर। किइक तिफ़्ल ईराँकाहैताजवर॥
पुशंगअपने दिलमेंलगाकहने तब। कितसख़ीरईराँहै आसानअब॥
बसदलुत्फ़तक़्सीरअफ़रासियाब। मुआफ़उसनेकरकेकहायोंशिताब॥
किलशकरकशी सूय ईराँ तुकर। पयेकीनख्वाही तुबाँधअबकमर॥
सिपाहे गराँ लेके पूरे पुशंग। हुआ सूय ईराँ रवाँ बेदिरंग॥
बुज़ुरगानि ईराँ यह सुनिकरख़बर। लगे ज़ालसेकहने ऐ नामवर॥
फिरिआयासिपहिलेकेअफ़रासियाब।कियाचाहियेअबतदारुकशिताब॥
यहबोला किमैंतो हुआसालखुर्द। सितेज़हहै कारे जवानानिगुर्द॥
मगरकरकेरुस्तमको अबसरगरोह। उधरभेजताहूँ मैं बासदशिकोह॥
यहसुनिकरहुये शाद सबनामजू। कियासबने एक़बालइसबातको॥
लगाकहने रुस्तमसे फिरज़ालजर। किहैराँहुँमैं क्या करूँ ऐपिसर॥
हुआ एक दरपेश दुशवारकार। कि जिससेगुरेज़ाँहो ताबोक़रार॥
तुकार आज़मूदह नहीं अबतलक। किहै नाज़परवरदह ज़ेरे फ़लक॥
तुझे क्योंकि भेजूं पये कारज़ार। सुवे शेरमर्दानि जंगी सवार॥
तेरीमसलहत क्याहैतूकहिशिताब। जोहो तुझको मंज़ूरसोदेजवाब॥
ग़रज़आज़माताथा रुस्तमकोज़ाल। किहैयानहीं जंगकाकुछख़याल॥
यहबोलातहमतन कि हूं मर्दरज्म।करूँखीरहबदख्वाहकोहैयहअज्म॥
बबाज़ूयपुरज़ोरु दस्ते दराज़। नहीं कुछतलबगारआरामुनाज़॥
कुदाऊँ अगर अस्पको वक्त जंग। न ठहरे मेरे आगे शेरो पलंग॥
यहगुफ़्तारसुनिखुशहुआज़ालज़र। दुआदीकिबाहमहोतुझसेज़फ़र॥
कहाफिरियहरुस्तमसे ऐपहिलवाँ। मुझे चाहिये अस्पु गुर्ज़े गराँ॥
हज़ूरउसके लाये वहीं गुर्ज साम।तहमतनहुआदेखिकरशादकाम॥
दिखाकेतहमतनकोफिरिसरबसर। वहाँगल्लये अस्पथे जिसक़दर॥
रखापुश्तपरहाथ जिस अस्पकी। वहशबदेज़रख्रमहोगयाबसतभी॥
वलेमादियाँ एकथी सख्तजंग। निगारउसकेथेजिस्मपरलालहरंग॥

और उसकाथाइकबच्चयेपीलतन। हुआदेखिकरखुशयलेसफ़शिकन॥
यहचाहै कि डाले कयानीकमन्द। करैताकि उसगर्रहकोपायबन्द॥
लगाकहनेरुस्तमसे फिरिगलहबाँ।कमन्दइसपःमतिडालऐपहलवाँ॥
कि मादरहै गेरेकी खूंख्वारतर। ग़ज़बनाकअरुमर्दुमआज़ारितर॥
किये इसने हैं पेश्तर चंदखूं। मुबादा तुझे भी करै सिर निगूं॥
तहमतननेआख़िरकोडालीकमन्द। सरेरखूशलाया वहीं ज़ेरेबन्द॥
ग़ज़बनाक होकर वहीं मादियाँ। दवाँ आई मानिन्द शेरेज़ियाँ॥
यहचाहै चबावै तहमतनका सिर। कि एतनेमें रुस्तमभी जूँशेरनर॥
हुआ जबाकि मैदाँमें नअरहज़ना। तो हैबतसे ख़ीरहहुई मादियाँ॥
ग़रज़रखूशथा नाम उस गेरेका। तवाना व ज़ोर आवरोचुस्तथा॥
कमन्दउसकेसिरपरहुईजबकिबन्द। लगा खीचनेतबयले अर्ज़मन्द॥
किया ज़ोरउस रखशने इसक़दर। किरुस्तमकोवसलेचलाखींचकर॥
वलेकिन तहमतनभी पुरज़ोरथा। बज़ोर उसकोक़ाबूमें अपनेरखा॥
कियारखूशकोज़ींहुआफिरिसवार। बसदकामयाबी यले नामदार॥
देरगंज़ फिरि जालने वाकिआ। तहमतनको गंजे फिरावाँदिया॥
सिपाहेगराँ साथ देकर शिताब। रवानहकिया सूयअफ़रासियाब॥
वलेकिनहुआ मुज़तरिबज़ालज़र। नलाया वह ताबेफिराकेपिसर॥
गया आप भी बअद दोरोज़ के। मिला जाके वहरुस्तमे गुर्दसे॥
यहकहिताथाहररोज़अफ़रासियाब। किरुस्तमहैकोदककहाँउसकोताब
जो मुझसे करै रज्म की आर्ज़ू। वह क्याचीज़है बस मेरे रूबरू॥
हुआ ज़ालभी पीर देरीनहसाल। नहीं अबहै तसखीर ईराँमुहाल॥
सिपहिउसकीथीपुरदिलोशादकाम।औरअफ़वाजिईराँथीबेदिलतमाम
यहथाज़ालको सोचशामोपगाह। किनादाँनिहायतहैगुरशास्पशाह॥
कोई चाहिये बादशाहे दिलेर। कियाँजिसकीहैबतहोमानिन्दशेर॥
रवानह किये हरतरफ़ मर्दुमाँ। कहा ज़ालनेयों हरइकसे किहाँ॥
निज़ादे फ़रेदूँ से कोई अगर। कहींहोतोदोमुझकोआकरख़बर॥
किसीने किया आनकर यों बयाँ। कि है कोह अलबुर्ज़में इकजवाँ॥
फ़रेदूँ नसबशाहि फ़र्रुखनिहाद। दिलेरो जवाँमर्द है कैकुबाद॥
हुआयहखबरसुनिकेदिलशादज़ाल। हुआबन्दसेग़मकेआज़ादज़ाल॥

यह रुस्तमसे बोला कि ऐनामवर। कमरबाँधिऔररख़शकोज़ीनकर॥
रवाँहो शिताबी सुवे कैकुबाद। यहकहिजाकेऐशाहिफ़र्रुख़निहाद॥
तमन्ना यह रखतेहैं सब पहिलवाँ। कि तू चलिकेहो बादशाहे जहाँ॥
मददगार दौलत है यावरहै बख़्त। मुहइयाहैतुझको वहाँताजोतख़्त॥
दोहफ़ते में तू पहुँचियो वाँतलक। ज़ियादहनहो देर ऐरे फ़लक॥
यहसुनिकरवहींवहयलेबाशिकोह। रवानहहुआ सूयअलबुर्ज़कोह॥

रवानह करना रुस्तमका वास्ते बुलाने कैकुबादके अलबुर्ज़ पहाड़से और आना कैकुबादका और बैठालना ज़ालका कैकुबाद को तख़्तपर॥

उतरि कोह अलबुर्ज़से कैकुबाद। कहीं आके बैठाथा मसरूरुशाद॥
हुआ रुस्तमे गुर्दका वाँ गुज़र। वहशाहिज़ादहिहैराँरहादेखिकर॥
लगा कहिने दिलमें अजबहै जवाँ। तमाशाय रख़्श और गुर्ज़ेगराँ॥
हुआमैलख़ातिर किहो हमनशीं। तहमतनकोआवाज़दीफिरिवहीं॥
कि तुन्द इसक़दरतू नाजाएजवाँ। उतरिकिरिज़राअस्पसे बैठियाँ॥
मवोनुक्त यह देख तइयार है। वहबोलानहीं मुझकोदरकारहै॥
मगर ऐजवाँमर्द फ़र्रुख़निहाद। मुझे दे निशाने शहे कैकुबाद॥
वह कहनेलगा फिरिकिआतूयहाँ। तो उसनामवरकाअभीदूँनिशाँ॥
तेरेसाथ इकमर्द आक़िल करूं। मकाँतकतुझेउसकेदाख़िलकरूं॥
लगा पूछने फिरिकि ऐपहिलवाँ। बतायातुझे किसनेयहवाँनिशाँ॥
यह बोला तहमतन कि ऐनामवर। पदरमेराहै पहिलवाँ ज़ालज़र॥
कहाउसने मुझको कि जासूयकोह। वहाँहैमलिकज़ादहयबाशिकोह॥
जवाँमर्द है कैकुबाद उसका नाम। तुजाकरकेयहउसकोपहुँचापयाम॥
किहै पहिलवानों की यह आर्ज़ू। कि तू शाहि ईराँहो ऐ नामजू॥
यहसुनिकरवहबोलाकिमैं हूँकुबाद। पदरवरपदर नामरखताहुँ याद॥
तहमतनने सिरकोदिया फिरझुका। बजाशर्तख़िदमतकीलाकरकहा॥
तुझे तख़्तईराँ मुबारक मुदाम। हमेशहतेराबख़्तु दौलतवकाम॥
तहमतनसेबोलायह फिरिनामवर। मुझेशबकोइकख़्वाबआयानज़र॥
दो बाज़े सफ़ेद आये ईरान से। सरे तख़्तशाही बिठाया मुझे॥
दमेसुब्ह फिरि बादिले शादमाँ। उतरि कोहसे आके बैठा यहाँ॥
हुआ इसतरफ़को तेराअबगुज़र। बलुत्फे ख़ुदा ऐयले नामवर॥

यहकहिकरवहाँनोशकीफिरशराब ।कही।फिरियहरुस्तमनेतअबीरख़्वाब ॥
समुभिये मुभ्के औ मेरे बाप को। दो बाज़े सफ़ेद एयले नामजू ॥
बस अब उठिये तासूय ईराँ चलैं। तेरे सिरपः हमताजिशाही रखैं ॥
ग़रज़सूय ईराँ वहीं शादशाह। रवानह हुये रुस्तमो कैकुबाद ॥
क़लूँने दिलावर यले बाविक़ार। तरफ़सेथागुरशास्पके राहदार ॥
वह सरहदमें पहुँचे जबईरान के। हुआसदरह बहभी तब आनके ॥
तहमतन क़लूँ के मुक़ाबिलहुआ। सुबेरज़्मु परखास मायलहुआ ॥
क़लूँने किया उसपः नेज़हरवाँ। किसीनहहोरुस्तमकावक्फ़ोसिना ॥
वहीं नेज़ह रुस्तमने बसछीनकर। क़लूँके जो मारा वहीं सीनहपर ॥
तो कुश्तह क़लूँने दिलावरहुआ। गुरेजिन्दह इकदस्तलशकरहुआ ॥
बसदशादमानी वह दोनों जवाँ। हुये पेशतर उसमकाँ से रवाँ ॥
रहेथे निहाँ दश्त में शामतक। रवाँशबको होते थे जेरेफ़लक ॥
ग़रज रफ़तहरफ़तहवहपहुँचेवहाँ। यलेनामवर ज़ालज़र था जहाँ ॥
उसे उसने इकहफ़तहपिनहाँरखा। बशग़्ले मये नाबशादाँरखा ॥
हुये इकदिलइतने में पीरोजवाँ। तोफिरज़ालनेरोज़हशतुमवहाँ ॥
कुबादे दिलावरको बाकर्रोफ़र। सरेतख़्तशाहीकियाजिलवहगर ॥
कियाक़स्दफ़िरिसूयअफ़रासियाब। हुये पहिलवाँ शाहके हमरकाब ॥
जोलशकरसेलशकरमुक़ाबिलहुआ। सुबेरज़्म हरएक मायल हुआ ॥
इधर से तो क़ारन यलेनामदारि। गया सूय मैदाँ पये कारज़ारि ॥
उधर से समासास आया वहीं। हुआसाथ क़ारन के बसगर्मकीं ॥
समासास इकसर हुआ ग़र्क़िखूं। ज़मींपरगिरा अस्पसे सिरनिगूँ ॥
वहीं ज़ाल से रुस्तमे नवजवाँ। यहबोला कि ऐ पहिलवानेजहाँ ॥
मेरे दिलमें है जाऊँ मैदान में। करूंख़्वारदुश्मनको इकआनमें ॥
पुकारों किअबआकेअफ़रासियाब। मेरे साथहो रज़्मजू तू शिताब ॥
नकरक़स्दजंगउससेबोलायहज़ाल।मुक़ाबिलहोइससेयह किसकीमजाल ॥
तो फिरिज़हरहये शेरनरहोबेअब। अगरसामनेआवै अफ़रासियाब ॥
तहमतनयहबोला खतरकुछनहीं। उसे अस्पसेलाऊं ज़ेरे ज़मीं ॥
यह कहिकरगया सूय मैदाँ दिलेर। हुआनअरहज़नजाकेमानिन्दशेर ॥
कहायों किऐतुर्कअफ़रासियाब। मुक़ाबिलतुमुझसेहोआकरशिताब ॥

उसे देखि कर मर्दुमाँने वहीं । लगाकहिने सालार तुर्कानिचीं ॥
बतावो कि है कौन यह नवजवाँ । वहसुनिकरिकियामर्दुमाँने बयाँ ॥
कि है पूरज़ाल और रुस्तमहै नाम। रखे हाथमें अपने है गुर्ज़साम ॥
मुक़ाबिलतहमतनकेवहआयातुर्क । जबाँपरयहगुफ़्तारलायावहतुर्क ॥
किएतिफ्लआया जो तूबहरजंग ।तोक्याइहितियाजेसिनानोखदंग ॥
ज़राज़ोर सरपंजह दिखलाऊँ मैं । अभीबाँधिकरतुझकोलै जाऊँमैं ॥
तहमतनने भी गुर्जको रखि दिया । हुआ बेइराक़उससेजंगआज़मा ॥
किया तुर्कने ज़ोर हरचन्दपर । रहावोहीं क़ायम यले नामवर ॥
कमरचन्द उसका पकड़ कीनसे । उठाकर तहमतनने बसज़ीन से ॥
यहचाहा कि लेजाइये शादशाद । शिताबी हज़ूरे शहे कैकुबाद ॥
गया टूटि लेकिन दुआलेकमर । वहछुटकरवहींगिरपड़ाखाक़पर ॥
बसइतने में आपहुँचे उसकेसवार। हुआगर्म हंगामहये क़ारज़ार ॥
उधरसेभी वोहींबफ़रमानिशाह । कुमककोतहमतनकेपहुँची सिपाह ॥
हज़ारों सदोशस्त जंगी जवाँ । हुआ कुश्तहाथों से रुस्तमकेवाँ ॥
गुरेज़ाँहुये तुर्क सालारितुर्क । हुई सर्द गर्मी बवाज़ारि तुर्क ॥
उतरि आबजेहूं से पूरे पुशंग । गयाखस्तह खातिर हज़ूरेपुशंग ॥
लगा करनेफ़रयाद यों बाप से । किपहिलेही कहताथा मैं आपसे॥
किईरानियों से न कीजैमसाफ़ । मुझेरखियेइसबातसेबस मआफ़ ॥
हुआकैकुबाद अब वहां ताजदार । वहहैमर्दजंगआवरो होशियार ॥
बहुत यों तो ईराँमें हैं पहिलवाँ । वले नस्ल से सामके इकजवाँ ॥
अजब साहिबेज़ोर पैदा हुआ । नहमपंजह शेरेनर उसकाहुआ॥
वलेपीलतनरुस्तम उसकाहै नाम । ज़बूंउससेहैअपनालशकरतमाम॥
बयाँ उसकी कूबतका मैं क्याकरूं । किबसरूबरूउसके मैं पश्शहहूं ॥
जुदा करके इकबारगी ज़ीनसे । पकड़िलेचला था रहे कीनसे ॥
कमरबन्द मेरा जो टूटा वहीं । तो मैं हाथ से उसके छूटावहीं ॥
हुआ सो हुआ पेश्तरऐपिदर । वलेअबगुज़श्तह तु मति यादकर ॥
यही मसलहत आइतीहो बहम । नहीं कीनहजू कैकुबादओरहम ॥
कही यह हक़ीक़तजोपेशेपुशंग । तुइकनामहउसनेलिखा बादरंग ॥

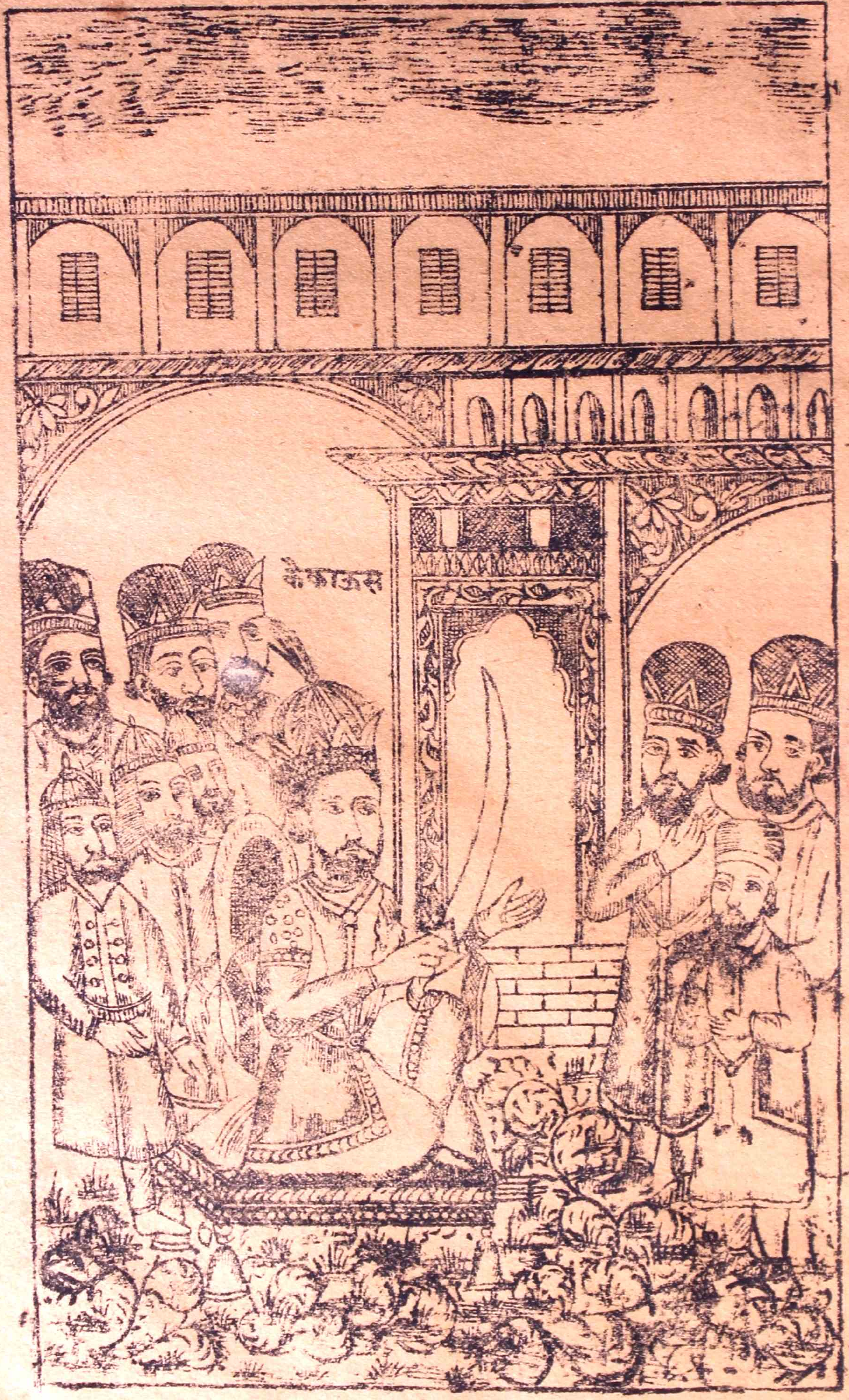
लिखना नामह सुलह का पुशंगवाली तूरान ने कैकुबाद को ॥

कियादेके बेशहिको नामह रवाँ। सुये कैकुबादे शहे खुसरवाँ ॥
हजूरे जहाँदार बेशहि गया। सिपहिदारतूराँकानामहिदिया ॥
पढ़ाकरिके वा शाहने सर बसर। यहउसमेंलिखाथाकिऐताजवर ॥
अगर तूरने खून ईरज किया। मिनोचेहरनेउसकाबदलालिया ॥
हुआफिरिउधरआजमअफ़रासियाबानहम्मुलकीथीउसकोहरगिज़नताब॥
किया उसने पादाशनोज़र से बस। निकालागरज़ अपनेजीकीहवस ॥
हुआपूरतहमास्पफिरिकीनहख़्वाह। कियाफ़ौजतूराँको उसनेतबाह ॥
बहुत हमदिगर कीनहख़्वाही हुई। बहुत फ़ौजकी बस तबाही हुई ॥
यह बेहतर है अबआश्ती कीजिये। नकीनेकोबस दिलमेंरहिदीजिये ॥
किहम तुमनहीं गैरकुछ जीनहार। बिरादर हैं इकजहीए शह्रयार ॥
मुवाफ़िक़ फ़रेदूँकी तकसीमके। रहैंगे जुदा अपनी अक़्लीम के ॥
करें ताजहपैमानु अह्‌दउस्तुवार। नलशकरकशीफिरिकरैंजीनहार ॥
ग़रज़ आबिजैहूँ रहैं दरमियाँ। इधर हम उधर तुमरहोहुक्मराँ ॥
यहपासखलिखाशाहने फिरिवहीं। किहरगिज़नहींहमसेआग़ाज़ीथीं॥
उधरसे हुई इब्तिदा जुलमकी। वलेकिन खुदाने सज़ातुमकोदी ॥
नहीं अह्‌द पैमाँपह तुम उस्तुवार। तुम्हारी नहीं बातका एतबार ॥
सरे नव अगर होवे क़ालोक़सम। तोहोंसुलहपरराज़ीअलबतहहम ॥
लगाकहिने रुस्तम कि ऐताजदार। नकरिसुलहऔरआश्तीजीनहार ॥
किया गुर्ज़ने मेरे उसको जबूँ। मिलाया उदूको तहे ख़ाकुखूँ ॥
यहसुनिकरवहशाहनशहे नामजू। तलककरकेमेहराबऔरज़ालको ॥
यहबोला तुम्हारा जोहो मशविरा। करो मुझको आगाहउससेज़रा ॥
यह बोले वह शाहे कवी चंगसे। कि है सुलह बेहतरशहाजंग से ॥
ग़रज़ शाहने बानिशातो खुशी। सिपहिदारितूराँसे की आश्ती ॥
दिया रुस्तमो ज़ालको गंजाज़र। इनायतकिये खिलअतेपुरगुहर ॥
कहायों कि ऐ रुस्तमे नामजू। तेरे जिस्मका एक भी तारिमू ॥
बसद मुल्क तूरानदूँ जीनहार। करूँगा फिज़ूँ तेरा इज्ज़ोवक़ार ॥
शहेहफ़्त अक़्लीम न बादअज़ाँ। रवानहकिये जाबजा पहिलवाँ ॥
वहलाये तसर्रुफ़में मुल्के वसीअ। हुयेशहिकेशाहानिआलममुतीअ॥

बहुत नामदारोंने फिरि शादशाद। न फ़रमाँ से फेरा सरे इन्क़याद॥
बसद कामयाबी वफ़तहो ज़फ़र। गया सूय पारस शहेदादगर॥
यह दादोदिहिश शाहने की वहां। कि ख़ल्क बाख़ातिरे शादमाँ॥
हुई मदह खूने शहे कैकुबाद। फ़रेदूँकोहरगिज़कियाफ़िरिनयाद॥
रहा सौबरस शाह गेतीपनाह। जहाँ में ख़ुदावन्द ताजो कुलाह॥
यहसूझाशहनशहिको इकबारगी। किआख़िरहुईअपनीअबज़िन्दगी॥
शहेदादगर के थे फ़रज़न्दचार। उन्हें एकदिनशाहिफ़र्रुख़तबार॥
तलबकरके बोला कि काऊसके। अज़ीज़ो तुम्हारा बड़ा भाई है॥
यह होवे ख़ुदावन्द ताजो सरीर। रहो तुम शबोरोज़ फ़र्मापिज़ीर॥
मआवनरहो उसके शामोसहर। किफ़ितनह न बरपाहोबारेदिगर॥
सभोंने पिज़ीरा किया यहि सख़ुन। बजालाये फ़रमानि साहेज़मन॥
वह बोले कि हम ऐ शहेनामदार। इताअतसे फेरेंनासिर ज़ीनहार॥
कईरोज़ के बअद फिरि नागहाँ। हुआसूय मुल्के अदमशहिरवाँ॥

दास्तान जलूस कैकाऊस ऊपर तख़्त सलतनत ईरान के॥

हुये बन्द जब दीदये कैकुबाद। तोफ़िरिशाहकाऊसफ़र्रुख़निहाद॥
ख़ुदावन्द अवरंग अफ़सर हुआ। जहाँपरवरो अद्‌लगुसतरहुआ॥
लगा करने दादोदिहिशरोज़ोशब। लगारहने मशगूल ऐशो तरब॥
हुआ एक साज़िन्दह हाज़िरवहाँ। लगाकरने तअरीफ़ माज़िन्दराँ॥
कि आबोहवाहै बहुत ख़ुश गवार। ख़ुदाफ़स्लि गुल है हमेशहबहार॥
यह सुनिकर कियाक़स्दमाज़िन्दराँ। वज़ीरों से बोला यह शाहेजहाँ॥
किहरगिज़मुझे अबनहींमेलिबज़्म। हुआनिलतज़बगारिमैदानिरज़्म॥
मुबादा अगरहों मैं आरामगीर। तोबरबादहो मुल्क ताजोसरीर॥
फ़रेदूँ व ज़ोहाकु जमशेद से। नहीं कमहैकुछज़ोरो कूवतमुझे॥
मशक़्क़तभीलाज़िमहैउनकेमिसाल। किक़ायमरहैअफ़सरोमुल्कमाल॥
यहजीमेंहै किशवर सितानी करूं। हरइकमुल्क में हुक्मरानी करूं॥
सिपाहिखींचूं अबसूयमाज़िन्दराँ। करूंसिक्कहओखुतबहअपनावहाँ॥
यहगुफ़तारख़ाकानि आफ़ाक़गीर। हुये सुनिके हैरां अमीरोवज़ीर॥
बज़ाहिर यह बोले कि है बात नेक। वलेजीमें कहने लगे यों हरएक॥
फ़रेदूँ व जमशेद आलीतबार। मिनेचेह्र शाहनशहे नामदार॥


कैकाऊस

रखें खूब थी याद अफ़सूँ गरी। इताअत म उनके थे देवो परी ॥
बई जोरोकूवत वह शाहनशहाँ। नआज़िम हुये सूय माज़िन्दराँ ॥
नहीं है मुनासिब अज़ीमत उधर। कि आती नहीं कामयाबीनज़र ॥
वह गुरसास गुस्तख़ज़ू से जबाँ। वह गोदर्ज और गेउ नामीयलाँ ॥
वहाँथे वलेथी यह ताक़त किसे। कि शहिको रखेबाज़इसबातसे ॥
हुये इकदिल इसबातपरगुर्द सब। कियाचाहिये ज़ालको यौँतलब ॥
वहीं ज़ालको एक नामह लिखा। रक़मउसमें अहवालसाराकिया ॥
पहुँचतेही नामहके वह नामवर। रवानह हुआ सीस्ताँ से उधर ॥
यहसुनिकर तअज्जुबहुआशाहको। किबेहुक्मआताहै क्यों नामजू ॥
यलाँसे जहाँदार किशवरकुशा। यहबोलाकि अबजाउतुमपेशवा ॥
मिलेजाके जब ज़ाल से पहिलवाँ। यहउनसे कियाज़ालने तबबयाँ ॥
किहम औरतुमचलकेशहिकेहज़ूर। रखें शाहको इस इरादेसे दूर ॥
जब आये हज़ूरे शहे नामवर। लगाकरनेतअरीफशहिज़ालज़र ॥
कि तुम्हसा शहनशाह बहादुरी। न देखा कहीं औ सुनाहै नहीं ॥
हमेशहितु शाहे जहाँगीर हो। वलायतसिता तेरी शमशीर हो ॥
शहनशाहने गुफ़्तारलुत्फ़ोकरम। कहीं पेशेज़ाले सितूदह शियम ॥
वहीं रुस्तमेयलकी पहुँची खबर। वह बोलाहुमागो है शमोसहर ॥
किया उसने फिरज़िक्रमाज़िन्दराँ। यहसुनिकरकहा शाहनेयोंकिहाँ ॥
इरादह मेरा उसतरफ़ है दुरुस्त। कमरमुल्कगीरीपः बाँधीहै चुस्त ॥
किया ज़ालने अर्ज़ ऐनामवर। यहसुनिकरखबरमैंभीआयाइधर ॥
रखूं ताकिइसअज़्मसे तुम्हकोबाज़। ज़रा सोचियेखुसरवे सरफ़राज़ ॥
फ़रेदूँ व जमशेदने पेश्तर। कियाथा इरादह कि जावेंउधर ॥
सुना जबाकि है खानहये देवसार। तिलिस्म और जादूवहाँबेशुमार ॥
किया तब न रुख़ सूय माज़िन्दराँ। हज़रतू भी कर ऐशहे खुसरवाँ ॥
नतसखीरहो जोर शमशीर से। न हाथ आये अफ़सूँव तदबीर ॥
लगेकहनेफिरि सब सरानेसिपाह। किहम हैं तेरे बन्दयेनेकख्वाह ॥
यहहै अर्ज़ ऐशाह आलीजनाब। नहीं यह इरादह क़रीनेसवाब ॥
यह पासखदिया शाहने ज़ालको। कि ऐगुर्दहाना वफ़रखुन्दहखू ॥
फ़रेदूँ से अफ़ज़ूँ है मेरा हशम। मिनोचेह्र जमसेनहीं हूँ मैं कम ॥

खुदा है मेरा यावुरो दस्तगीर। करूं जाके देवोंको फ़रमापिज़ीर॥
तिलिस्मओ रअरूसूं कोतोड़ौं तमाम। सरेबदसिगालाँ काफोड़ौं तमाम॥
तुऐज़ाल और रुस्तमे पहिलवाँ। तरफसे मेरे यां रहो हुक्मराँ॥
लगाकहिनेफिरिशहिरोवहनेकख़ाह। किहैं बन्देहम औरतूबादशाह॥
बदिलसोज़ी ऐशाहिकिशवरकुशा। जो कुछअर्जकरनाथाहमनेकहा॥
मुझेकीजिय रुख़सत सुवेसीस्ताँ। करैहुक्मरानी कोई और याँ॥
मअदनमें उसकारहूंगा मुदाम। मददगारु यावरमैं हूँगामुदाम॥
गरज़ शाहसे फिरि सुये सीस्ताँ। मुरख़्खस हुआपहिलवाने जहाँ॥

आना के काऊस का वास्ते तसख़ीर माज़िन्दराँ और गिरफ़्तार होना देवों के हाथ से॥

यले नामबर एक मौलाद था। उसे शाहे काऊस ने यों कहा॥
किसौंपातुझे मैंने अबतख़तगाह। कोईआकेजोतुझसेहोकीनहख़्वाह॥
तोफिरिज़ालोरुस्तमकोकीजोख़बर। मआवनतेरेहोंगे वहआनकर॥
यहकहिकरजहाँदारिकिशवरसिताँ। रवानह हुआ सूयमाज़िन्दराँ॥
गयालेके वा लशकरे बेशुमार। यलाने जहाँगीरु जंगी सवार॥
बफ़रमानि शाहनशहे नामवर। गयागेउ लशकरको लेबेशतर॥
जब आई हदे मुल्कमाज़िन्दराँ। तोफिरवाँसेवहजूंगजू पहिलवाँ॥
ज़िराअतको इकसर जलातागया। मकाँख़ाकमें सब मिलातागया॥
हुआसामने जो बअज़मेसितेज़। तो खींचाउसे बसतहे तेग़तेज़॥
गया तादरे शह्र ग़ारत कुनाँ। बहुतमालोज़र हाथ आयावहाँ॥
गुलिस्ताँसे वहशह्र कुछकम नथा। ज़नोमर्द खुशमंजरो खुशलक़ा॥
हुआशाहमाज़िन्दराँ क़िलअबन्द। किग़ालिबथीऔजेशहेअरजुमन्द॥
रवानहकिया होके फिरि नाउमेद। किसी देवको सूय देवे सफेद॥
कहायोंकि अब जानसे तंगहूँ। कियाशाहि ईराँने मुझकोज़बूं॥
शिताबी मददकरि तुऐ अह्रमन। वगरनह न जाँबर होयाँएकतन॥
यहसुनिकरशिताबाँहुआनाबकार। वहलाया बहुतलशकरे देवसार॥
हुआशाहसे आनकरकीनहख़्वाह। हुईक़तल ईराँकी सारीसिपाह॥
हुयेगेउ और शाहकाऊसभी। वह गोदर्ज़ागुसतह्मओरतूसभी॥
गिरफ़्तारि चंगाल देवाँ हुये। परागन्दह दिल और हैराँ हुये॥

कहा देव अरजंगने शाह से। कितुमखुशहुयेइस तरफ़आनके ॥
हवाइस मकाँ की खुशआई तुम्हें। फ़िजाँइसगुलिस्ताँकीभाईतुम्हें ॥
यह सुनिकर कहा शाह ने देवसे। कि आगह न था याँ के मैं रेवशे ॥
वज़ीरोंने मुझको किया मनअथा। वले मैंने उनका न मानाकहा ॥
हुआफिरमैंआख़िरयहाँआकेख़्वार। नहीं चारहतक़दीरसे जीनहार ॥
जहाँ क़ैदथा शह्रयारे ज़मन। निगहिबाँधेबारहहज़ार अह्रमन ॥

क़ैद होना कैकाऊसका माज़िन्दरां में और भेजना पहिलवान को ज़ालके पास तर्फ़ सीस्ताँ के और खलासी पाना रुस्तमकी मदद से ॥

बवक्ते असीरी सुबे सीस्ताँ। रवानहकियाशहनेइकपहिलवाँ ॥
कि पहुँचावे ताज़ालज़रको ख़बर। सोउस पहिलवाँनेयहाँ आनकर ॥
बयाँज़ालसे माजरा सब किया। तरफ़से यहकाऊसके फिरकहा ॥
कि उसवक्त में ऐयले पीलतन। नलायाजो ख़ातिरमें तेरासख़ुन ॥
तोपाईसज़ा मैंने आख़िरकोआह। हुईकुश्तहइकदस्तसारीसिपाह ॥
रहें ज़िन्दहबाक़ी जोयाँ चन्दतन। सो हैं क़ैदिये पंजहियेअह्रमन ॥
यह पैग़ामबरने कही जब ख़बर। तो दिलगीरवोहींहुआज़ालज़र ॥
यहरुस्तमसे बोला सद अफ़सोसहै। कि वालीहमारा जोकाऊस है ॥
सोहो क़ैद और हम मयोजामसे। गुज़ारें शबोरोज़ आराम से ॥
यह है वक्त यारी व इमदाद का। कि हक़ने तुझे ज़ोरबाज़ूदिया ॥
नहरगिज़रहीमुझकोअबताविजंग। कि इकसरहुये सुस्तबाज़वचंग ॥
तुहिम्मतकोअबकारफ़रमाशिताब। सुबे शह्र में ज़िन्दराँ जाशिताब ॥
क़लमने क़ज़ाके यह फ़तहेबलन्द। लिखी तेरेनामऐयलेअरजुमन्द ॥
ख़ुशी से यह बोला यले नामज़ू। कि है जंग देवाँ मेरी आरज़ू ॥
वले दूरिये राह से है ख़तर। किवाँ मेरे जानेतलकये पिदर ॥
कहीं बदसिगालानि नापाकख़ू। मुबादा किज़ायअकरें शाहको ॥
कहा ज़ालने उससे ये पहिलवाँ। कि है तीनिरस्ते पहुँचनेकेवाँ ॥
दोराहा जोउनका हैदूरोदराज़। नहींउसमेंमिलताकोईहीलहसाज़ ॥
गया दूरकी राह काऊसथा। तु उसराह से येतहमतन न जा ॥
जोनज़दीककी उसकीहै एकराह। नहीं आदिमी को वलेवाँपनाह ॥
बहुत राह में हैं बलायेअज़ीम। हरइकमंज़िलउसकीहैपुरख़ौफ़ुबीम ॥

गर इसराह से जाय ये पहिलवाँ । तोफिरिसातदिनमेंतु पहुँचेवहाँ ॥
तुहमतन यह बोला खतरकुछनहीं। बताईदहक्क ज़ेरचर्खे बरीं ॥
करूंदफ़अ मैं हरबलाको शिताब । तिलिस्मऔर जादस्तांकोखराब॥
करूं क़त्लवां लशकरे देव को । छुड़ालाऊँ काऊस अरु गेउको ॥
यहकहिकरहुआरख़शपरजबसवार । दुआज़ालने दीकि लैलोनिहार ॥
तो होकामयाबए यले नामवर । रहे हमक़री तेरेक़तहोज़रूर ॥
बवक्ते बिदाये यले नवजवाँ । हुईखूब रूदायह गिरयह कुनां ॥
लगी कहने दर्दे जुदाई मुझे । सताये तो क्याफ़ायदाहै तुझे ॥
तुहमतनने मांको यहपासखदिया । कि ज़िन्दामें हैं बन्दगाने खुदा ॥
अब उनके छुड़ाने को जाताहूँमैं । बक़तहोज़रूरयांफिरिआता हूँमैं ॥
ग़रज़होके रुखसत सुबे हफ़्तख्वां । रवानह हुआ रुस्तमें पहिलवाँ ॥
नसाथ अपने कोईलियाज़ीनहार । फ़क़तरख़शथाऔरवहशहसवार ॥

आनारुस्तमका मरीहुई बनाय राहहफ़्तख्वांसे वास्ते छुड़ाने कैकाऊसकेबीच तर्फशहरमाज़िन्दराके और बयान अहवाल पहिली मंजिलका ॥

हुआगाम फ़रसा बियाबानमें । सरेशाम पहुँचा नयस्तान में ॥
कियासैद इकगोरकावां शिताब । लगाकरवहीं उसनेखायेकबाब ॥
दिया छोड़िसहरामें फिरिरख़शको । गयाख्वाबमें वह यले नामजू ॥
सुमायाँ हुआ एक शेरेज़ियाँ । तरफ़ रख़शके योंहीं आयादवाँ ॥
तगावर सुबेजंग मायल हुआ । हुज़बरे दमाँके मुक़ाबिलहुआ ॥
उठा शेरके सिरपः मारे दोदस्त । चबाकरकियाउसकोदांतोंसेपस्त ॥
फिरि आखिरहुआ शेरजंगी ज़बूं । रवाँ उसकेतनसे हुआ बहरखूं ॥
हुआ जब कि बेदार वह शेरनर । तो हैराँ निहायतहुआ देखकर ॥
कहारख़शसेहोके फिरिखशमनाक । कितुझकोअगरशेरकरताहलाक़ ॥
तो लेकौनचलता सिलाहोसलब । बड़ाहीकियाथा यह तूने ग़ज़ब ॥
अगर फिरिबलाकोईहो आशकार । तोहो नमुक़ाबिलनतूज़ीनहार ॥
तो बेदारु हुशियार करना मुझे । शिताबी खबरदार करनामुझे ॥

बयान अहवाल मंज़िलदूसरी और मारडालनाअज़दहाको खुदाय बरतर की मदद से ॥

हुआभेहरख़शिन्दहजबजलवहगर । तो रुस्तमरवानहहुआ पेशतर ॥

नज़रचाहो चशमहनआया कहीं। हुआतिशनहपानी नपायाकहीं॥
खुदासे तुहमतन ने की इल्तिजा। किमतिरखितुबन्देपरसख़्तीरवा॥
नुमायाँहुआ एक आहू वहाँ। किआयातुहमतन के आगेरवाँ॥
फिरिआहिस्तहकरनेलगावहख़िराम। तोयहसमझावहरुस्तमेतिशनहकाम॥
किबेशकहैबखशाइशेकिर्दगार।यहदेखिउसकेदिलमेंफिरिआयाक़रार॥
हुआ फिरि वहदुंबाल आहू रवाँ। तोपहुँचा सरेचशमहवहपहिलवाँ॥
सिपासे खुदावन्द लाया बजा। उतरिरख़्शसेउसने पानीपिया॥
कियागोरकोतीरसे फिरिशिकार।औरआतशभीकीसंगसेआशकार॥
तनावल कियेबस बनाकर कबाब। हुआबसवहींगर्मिआरामुख़्वाब॥
गई जब गुज़र निस्फ़शबतब वहाँ। हुआज़ाहिरइकअज़दहानागहाँ॥
कि हश्ताद गज़ वह दराज़ीमें था। ग़ज़बनाकथा क़हर था वहबला॥
हुआ रख़्श गर्मे ख़रोशोफ़िगां। कि बेदारहो ख़्वाबसे पहिलवाँ॥
हुआ वह तो बेदारपर अज़दहा। मिहाँ वोहीं ज़ेरे ज़मीं होगया॥
ख़फ़ारख़्शसे होके बोला वह यों। किनाहककियामुझकोबेदारक्यों॥
यहकहिकरतुहमतनतेफिरिसोगया।फिरिइतनेमेंनिकलावहींअज़दहा॥
कियारख़्शनेफिरिजोदेखिउसकोशोर।तोजागावहींरुस्तमेपीलज़ोर॥
वले फिरि वहीं अज़दहायेपलीद। बज़ेरे ज़मीं होगया नापिदीर॥
न आयानजर कुछचपोरासजब।कियारख़्शपरउसनेख़शमोग़ज़ब॥
वह बोला दुबारा जगाया मुझे। खुशआया न आराम मेरा तुझे॥
अगर फिरिहुई तुझसे ऐसी खता। तो सिर तनसे तेरे करूंगा जुदा॥
पियादह सुबे शह्र माज़िन्दराँ। रवाँ लेके हों तेगु गुर्ज़े गराँ॥
गया ख़्वाबमेंजब यलेअरजुमन्द। तोनिकलावहींअज़दहायेबलन्द॥
हुआपासरुस्तमकेइस्तादहरख़्श।हुआजाँफ़िशानीकोआमदहरख़्श॥
जिधरआवेथा अज़दहाये सियाह। उधररख़्शहोताथा बससद्दिराह॥
वह जबआगया मुत्तिसिलनागहाँ। हुआ तबख़रोशांवहमलहकुनाँ॥
फिरि इतने में बेदाररुस्तमहुआ। वहीं गर्मिपैकार रुस्तम हुआ॥
तुहमतनने फिरिख़ींचिकरएकतेग़। दिलेरी से मारी वहीं बेदरेग़॥
वलेकिन न हरगिज़ हुई कारगर। क़वी अज़दहाके ज़रा पुश्तपर॥
यह चाहा करे ज़ख़्म दीगर रिहा। किताहो दोपारह तने अज़दहा॥

कि इतने में आया सुवे पाहिलवाँ। दहन करिकेवाँ अज़दहायेदमाँ॥
दमे अज़दहा कम न आतशसे था। वह नाचार सूये अक़ब हटगया॥
जोदेखा यह रुस्तमकिहै वक्तितंग। कियाकामक्या रख्शनेवेदिरंग॥
कि दांतोंसे पकड़ा उसे दौड़िकर।फिरिउसअज़दहानेउठायानसिर॥
तुहमतनने इक तेग़ मारी वहीं। हुई खून से उसके रंगीं ज़मीं॥
हुआ कुशतह जब अज़दहायेदमाँ। तो करनेलगा शुक्रहक़्क़ावयाँ॥

बयान अहवाल मंज़िल तीसरी राहहफ़्तख़ांका और तै करना ख़ुदाकी मददसे॥

खानहहुआ वाँसे फिरिसुब्हगाह। दराज़आई उसरोज़ दरपेशराह॥
सरेशाम पहुँचा वह इकचश्मेपर।किसबज़हभीथाखूबवाँताज़हतर॥
हुआ जबकिरुस्तमसकूनतगुज़ीं। तबआई वहाँ इक ज़ने महजबीं॥
सुराही मये हाथमें उसके थी। न तनहा सुराही कि तम्बूरभीं॥
बहुतखूबथा उसकेबरमें लिबास।ग़रज़बैठीआकरिवहरुस्तमकेपास॥
तुहमतनने उसको बग़लमें लिया। औरइकजामयउसनेलेकरपिया॥
फिरिअहवालरुस्तमनेपूँछातमाम। लगीकहनेतबयोंबुतेलालहफ़ाम॥
कि हूँ मैं ज़ने सालिहो हक़्क़परस्त। मुझे वह ख़ुदावन्दबालावपस्त॥
बियावाँ में पहुँचाये हैं नुक़्लो मय। जो कुछ चाहियेयाँसोमौजूदहै॥
तरन्नुमसरा फिरिहुई नाज़नीं। हुआसुनिके रुस्तम मसर्रतक़रीं॥
यहाँतकवहमहज़ूज़ुखुर्रमहुआ।किफिरिनग़महसेजआपरुस्तमहुआ॥
नजानाकियह ज़नहै इकसेहकार। हुआराज़पिनहाँनकुछआशकार॥
हुई वहभी मुसतफ़े।सिरेहालजब। ज़बाँपर वह लायावहींइम्दरब॥
सुना जबकि नामे जहाँआफ़रीं। हुआ तीरह रंगे रुखे नाज़नीं॥
तुहमतनपःतबयह हुआआश्कार। कि है साहिरया कोई देवसार॥
किया उसकोवोहीं असीरेकमन्द।ग़रज़बनाकहोफिरियलेअरजुमन्द॥
यह बोलाकितू कौनहै सबबता। ज़ने साहिरहिहूँ यह उसनेकहा॥
क़लमतेग़से करिकेफिरिउसकासिर।गया ख्वाबमें तब यलेनामवर॥

बयान अहवाल मंज़िल चौथी राहहफ़्तख़ांका॥

जो वाँसे हुआ सुब्हदम रहिनवर्द। तो पहुँचा अजबदश्तमें शेरमर्द॥
किहोताथा ख़ुरशेद कमाजिलवहगर। अँधेरा रहेथा वहाँ बेशतर॥
वह तै करिगयाराह तारीकको। सरे चशमह पहुँचायलेनामजू॥

गया ख्वाबमें वक्त शबपहिलवाँ। तब आया वहाँ दश्तवाँ नागहाँ॥
जड़ीचोट इक आनकर पीठपर। हुवा वोहीं बेदार वह नामवर॥
लगा कहने रुस्तमसे वह दश्तवाँ। कि औलाद गुर्दे दिलावर जहाँ॥
इहाँकाहै हाकिम बड़ाही दिलेर। किजिसकेमुक्काबिलनहोनरहशेर॥
तसर्रुफ़ में है चन्दफ़रसख़ ज़मीं। परिन्दों काभी याँ गुज़ारह नहीं॥
तो हो जानसे शेर आया मगर। गुरेज़िन्दहहो याँसे अब जूदतर॥
वगरनह जो औलाद आजाइगा। तो फिरिहाथ जाने नहीं पाइगा॥
मुझे तुझपः आताहै रह्मऐजवाँ। किज़ायअ कहीं तू न होवे यहाँ॥
यहसुनिकरतुहमतनहुवाख़श्मगीं। पकड़ि कान उसके उखाड़ेवोहीं॥
तमाचा जड़ामुँहपःफिरिइसक़दर। कि बीनी बदंदाँ झड़े सरबसर॥
गयादश्तवाँ पास अवलाद के। किया हालसे जाकेवाक़िफ़उसे॥
वहमशगूलसैद अफ़गनी था कहीं। यहसुनिकरिसिपाहिलेकेआयावहीं॥
उसे देखिकर रख़शपर होसवार। मुक़ाबिल हुवा रुस्तमे नामदार॥
यह अवलादरुस्तमसेकहिनेलगा। मुझेटुकबता नामहै तेरा क्या॥
कि बेनाम मारा न जावे तु याँ। यहगुफ़्तारसुनिकरियलेनवजवाँ॥
लगा कहने यों नाम मेराहैअब्र। क़वीज़ोरहों मिस्ल पीले हुज़ब्र॥
दिलेरोंका ज़हरह वहीं आबहो। सुने गर कहीं वह मेरे नामको॥
फिरि अवलादबोलाबतायहिमुझे। कि आयाहै तू कौनसी राहसे॥
यह बोला वहीं रुस्तमे नामवर। रहे हफ्तख़्वाँ से मैं आया इधर॥
बनैरूयबाज़ू ज़ुरूज़ले ख़ुदा। सिहिमंज़िलमेंकीदफ़अहरसिहक्या॥
चहारुम यहमंज़िल जो दरपेशहै। तो तू सदरहिए बदअन्देश है॥
तेरे तनसे भी अब जुदा सिरकरूँ। तहे तेग़ इकदस्त लश्कर करूँ॥
सुनाजबकिअवलादने यह कलाम। तोबसउड़गयेहोशउसकेतमाम॥
कियाख़ौफ़ोदहशतनेदिलपरअसर। नहरागिज़बढ़ाआप फिरिपेशतर॥
सवारोंसे बोला कि इकबारगी। करो हमलह दौड़ाकेअबवारभी॥
वह जंगआवराँ खींचकरि तेग़िकीं। सुबे रुस्तमे गुर्द आवे वहीं॥
कोई पहिलवाँ पेशतर सबसे था। उसेपहिलेरुस्तमनेकुश्तहकिया॥
लगा क़त्ल करने चपोरास फिर। न आयाकोईपहिलवाँपासफिर॥
सिपाहे मुख़ालिफ़ गुरेजाँ हुई। बियाबाँमें इकसर परेशाँ हुई॥

वह अवलाद वाँसे फ़िरारी हुआ । वहीं दश्तपै माय ज़ारी हुआ ॥
कियाफ़िरि न आराम रुस्तमनेवाँ । हुआ उसके दुंबाल वोहीं रवाँ ॥
वह जाताथा गाहि इधर गाहि उधर । ग़रज़ मिस्लरोबाहथाहीलहगर ॥
हुआ ग़राचि आजिज़यलेनामदार । वलेकिन न छोड़ाउसेज़ीनहार ॥
पहुँचिउसकेनज़दीकडाली कमन्द ।लियाखींचिअवलादकोकरकेबन्द॥
उसेबन्दकरिवह फिराशहसवार ।फिरिइकचशमहकेपासपकड़ाक़रार॥
शजरसे दिया बाँध अवलादको । हुआ इस्तिराहतकुनाँ नामज़ू ॥

बयान अहवाल मंज़िल पांचवीं राह हफ़तख़ां ॥

हुई सुब्हताबिन्दह जब आशकार । तो बोला वहऔलादसे नामदार॥
किदेव सफ़ेद और काऊसशाह ।हुयेथेजोरज़्मआवरोकीनहख़्वाह॥
वहअहवाल करतूमुफ़स्सलबयाँ ।कहीउसनेअलक़िस्सहिसबदास्ताँ॥
यह रुस्तमने चाहा वहीं बेदरंग । कि औलादको कीजिये ज़ेरतेग़ ॥
बसदइज्ज़उसने कियायों बयाँ ।किमतिक़त्लकरिमुझकोऐपहिलवाँ॥
करूँ मैं शबोरोज़ फ़रमाँबरी । करूंरातोदिन ख़िदमतोचाकरी ॥
लगाकहिने रुस्तमकिकाऊसशाह । मुक़इयद जहाँहै बहालेतबाह ॥
वहाँतक अगर लेचलै तू मुझे । तोकुशतहकरूं मैंनहरगिज़तुझे ॥
बताये तो गर जाय देव सफ़ेद । तोबरआयेतेरीभी दिलकीउमेद ॥
पिज़ीरहकिय उसने इसबातको ।यहज़ाहिरकियाफिरिकियेनामज़ू॥
मकाँ एकहै दरमियाने दोकोह । वहाँशाहिकाऊस गर्दूं शिकोह ॥
गिरफ़तार है और सरे कोहसार । निगहबान हैं देव बारह हज़ार ॥
दियाजबकि ज़िन्दाँकाउसनेनिशाँ। तबउसपरतुहमतनहुवामेह्रबाँ ॥
रिहावोहीं अवलादकोफिरिकिया । वले क़ौलओअहद पैमाँलिया ॥
कहा यों कि अब रहनुमाई तुकर । मराआत तुझपर करों बेशतर ॥
वह बोलाकि नज़दीकहै वह मकाँ । जहाँ क़ैदहै बादशाहे जहाँ ॥
वहीशह माज़िन्दराँ की है राह । किहै देवज़ादों की आरामगाह ॥
औइकदश्त पुरगोशहहै दरमियाँ । कि संगेगराँ सँगरहहै जहाँ ॥
सिवा उसके ऐपहिलवाने जहाँ । हज़ारोंदोसद पीलजंगी हैं वाँ ॥
सरापा तुहो संगु आहन अगर । गुज़रउसमकाँसे है दुशवारतर ॥
यहगुफ़तारसुनिकरहुवाख़न्दहज़न।लगाकहने अवलादसे पीलतन ॥



किहो राहबर तू अगर वाँ तलक। तोवाँदेखना फिरिकिज़ेरे फलक॥
करूंहू मैं किसतरहसबकोहलाक। मिलाताहू क्योंकरतहे खूनुखाक॥
हुवा साथ अवलादके फिरि रवाँ। यलेपीलतन रुस्तमें पहिलवाँ॥
जहाँतक तअल्लुकथा अवलादका। मुक़ाबिलनआई कोई बाँवला॥
ग़रज़ इक शबोरोज़ वह नेकमर्द। हुवादश्तमें बेख़तर रहिनवर्द॥
कहीं निस्फ़ शब क़िलअए कोहपर। तुहमतनको नागाहआयानज़र॥
कि आतशहै अफ़रोख़्तहजाबजा। जोपूछातोअवलादने यों कहा॥
किदरवाज़हए शह्र माज़िन्दराँ। यहीहै किआतशहै रोशन जहाँ॥
वह देवे सफ़ेद औरभी देव सब। सकूनतगुज़ी हैं वहाँ रोज़ो सब॥
फ़रोज़िन्दह हरदेव ने आगकी। कि दस्तूरउनकाहै हरशबयहीं॥
वहसुनिकर हुवा वह मसर्रतगुज़ीं। हुवादश्तमें फिरिसकूनतगुज़ीं॥
कहा अबतो है शह्र नज़दीकतर। रवाँ याँ से होवेंगे वक्ते सहर॥
दरख़्तएकथा उससे अवलादको। दियाबाँधि औ सोरहा नामजू॥
बहमरा(चिहथाअद्लऔइख़्तिलात। वलेराहमें शर्तथी इहितियात॥

बयान अहवाल ख़ौफ़नाक मंज़िल छठीराह हफ़्तख़्वांका॥

दमे सुब्ह अवलादको साथले। रवानहहुवा रुस्तमउसदश्तसे॥
वलेथी कमन्द उसके गर्दनमें बंद। वह रहिबरथापेशेयलेअरजुमंद॥
यह औलाद बोला कि ऐनामवर। यहमंज़िलहै पुरख़ौफ़ुबीमोख़तर॥
निगहबाँ है अरज़ंगु बेदाररंग। नहींज़िनसेइन्सानकोताबिजंग॥
नअन्देशहिरुस्तमनेहरगिज़किया। जहाँदेव अरज़ंग था वाँ गया॥
दिलेरानहजाकरकियाजबग़रेव। तोखीमहसेनिकलावहअरजंगदेव॥
तुहमतनके मारे कमरमें दोदस्त। कितापहिलवाँकोकरैवोहींपस्त॥
तुहमतननेहाथउसकेरखिकफ़्तपर। पकड़िदूसरे हाथसे उसकासिर॥
उसेख़ाकपर फिरि फ़िगन्दहकिया। सरेदेवनापाक कन्दह किया॥
जहाँ और देवों की थीं अंजुमन। दिया फेंक वाँसे सरे अहूमन॥
हुये फिरि गुरेज़िन्दह सबदेवज़ाद। हुवाबाँसे रुस्तमरवाँ शादशाद॥
सरकोह जिस वक्त रक्खाक़दम। वहाँपर तवक़्क़ुफ़ किया एकदम॥
रवानहहुवा फिरियले अरजुमन्द। ग़रज़करिकेतैराह पस्तोवलन्द॥
जहाँ शाहि ईराँ गिरफ़तार था। वहाँ साथ अवलादके वहगया॥

मवक्किल वहाँ ख्वाबे ग़फ़लतमें थे। बग़लगीरसुलताँ हुवा गुर्द से ॥
शहनशाहिनेपूँछाजोश्रहिवालिसह। तोरुस्तमनेयकसरकहापेशशाह ॥
गिरफ़तारजंजीर काऊस था। तुहमतननेउसदमइरादहकिया ॥
कि इकदस्त तोड़े वह बन्देगराँ। कि इतनेमें जागे वहाँपासबाँ ॥
लियाघेर रुस्तमको बस आनकर। वले पहिलवाँकोनथीकुछखबर॥
जो सरदार था क्रौकाबन्ददेव। मुक़ाबिलहुआ वोहींकरकेग़रेव ॥
वह बोला कि मैंने बफ़ज्ले खुदा। कियातनसे अरजंगकासिरजुदा॥
खुदानेदिया इसक़दरमुझकोज़ोर। कि देवोंकोसमझौंहुँमानिंदमोर॥
मेरेहाथ है मर्ग देव सफ़ेद। मैंआया यहींदिलमेंकरिकेउमेद ॥
करूं क़त्ल इस देव नापाकि को। न जाँ अपनी द होके तूरज़मज़ू ॥
इताअ़तमेरीकरि अबइख्तियार। किपरख्वाशबेहतरनहींजीनहार ॥
अगरजंगकी दिलमें कुछहोहबस। तो शिरतेराऔरतेगिबुर्रा हैबस ॥
हुवा देव फ़रमाँबर उसका वहीं। कि पैदाहुई है वते तेशि कीं ॥
कहा और देवानि नापाक को। कि मतआओ पेशेयले नामज़ू ॥
गिरफ़तार थे जेतने ईरानियाँ। उन्हैंलाकेहाज़िरकिये फिरवहाँ॥
लगाकहिनेरुस्तमसेफिरिअहमन। कि देवे सफ़ेदएयले पीलतन ॥
हुवा कुश्तह गरहाथ तेरे से वाँ। तोफरमाँबरी हमकरें सब यहाँ ॥
तुहमतन रवाँ उस मकाँ से हुवा। औरइकदेवसाथउसकेवाँसेहुवा॥
बियाबाँमेंथावक्ति शब रहिसिपर। वहऔलाद और देवथाराहबर ॥
पड़ा एक लश्कर नज़र दूरसे। किअफ़ज़ूँमलखसेथाऔरमारसे॥
यह अवलादसे पूँछने वह लगा। कियहफ़ौजकिसकीहैमुझकोबता॥
वह बोला कि है फ़ौजदेवे सफ़ेद। सुनायासिवाउसकेऔरइकनवेद॥
कि निकलैहै जबचर्खपरआफ़ताब। हरइकदेवहोताहैफिरगर्मख्वाब॥
गरउसवक्ततूउससेहोकीनहख्वाह। तोफिरिहोमुजफ़्फ़रबफ़ज्लेइलाह॥
हुईबात अवलादकी दिलपिज़ीर। हुवा रातिकोरुस्तमआरामगीर॥

बयान अहवाल मंज़िल सातवीं और माराजाना देव सफ़ेदका ॥

सहर जबकि खुरशेद ताबाँ हुवा। यलेपीलतन तब शिताबाँहुवा ॥
जहाँ लशकर देव था वाँ गया। कोई ख्वाब में कोई बेदारथा ॥
तुहमतन कमरसे वहीं खींचतेग़। लगा क़त्ल करने उन्हैं बेदरेग़॥

हुये फिरि ख़बरदार इकदस्तदेव । गया गुर्द रुस्तमभी करकेगरेव ॥
चपोरास्तथा तेग़ज़न पहिलवाँ । जोआयामुक़ाबिलहआकुश्तहवाँ ॥
रही जब न ज़िनहार ताबेसितेज़ । तो ली बाँसे देवो ने राहेगुरेज़ ॥
फिरआयावहयलबादिलेपुरउमेद । सुबेखानह औजाय देवसफ़ेद ॥
पुरअज़्ज़जादबाँथावह इकसरमकाँ । नथानाम को रोशनीकानिशाँ ॥
वही देव रहिबरहुवा रहिनुमा । यले पीलतन को वहाँ लैगया ॥
कोई ग़ार तारीकतर था वहाँ । कि देवे सफ़ेदे लई था जहाँ ॥
निकलिग़ारसे वह मुक़ाबिलहुवा । सुबे रुस्तमे गुर्द मायल हुवा ॥
उसे देखि रुस्तम हुआ ख़ौफ़नाक । पनह लेगया सूय यज़दानिपाक ॥
दिलेरी से फिरिलेके नामे खुदा । कियारख़्म शमशीर उसपररिहा ॥
हुई ख़स्तह उस ज़ख़्मसे रानिदेव । चलेदौड़िकरि उसनेकरकेगरेव ॥
बग़लमेंलिया उसनेरुस्तमकोदाब । लगाज़ोरकरने वहखानहख़राब ॥
जवाँने भी उसदम कियाख़ूबज़ोर । दिलेरानह बाहमहुआख़ूबज़ोर ॥
इधर यों कहेथा यले नामजू । कि अब देखियेजाँबरीक्योंकिहू ॥
कहै था उधर दिलमें देवे सफ़ेद । कि हूँ जानसेआजमैंनाउमेद ॥
ग़रज़ हमदिगर खूब कुश्ती हुई । इधर और उधरसे दुरुश्ती हुई ॥
बहम्होके आजिज़हुये फिरजुदा । जुदाहोके इकदमतवक़्क़ुफ़किया ॥
ज़मींपर इकाइक पड़ी जो नज़र । तो देखीज़मींखूँसेरुस्तमनेतर ॥
यक़ीं यह हुआ ज़ख़्मकारी लगा । हुआदिल क़वी रुस्तमे गुर्दका ॥
उठाया पकड़िकर कमर देव को । दिया फिरपटकख़ाकपर देवको ॥
कियावोहख़ंजरसे उसकोहलाक़ । निकालाजिगरदिल कियाउसकाचाक ॥
निगहकी जोरुस्तमनेफिरसूयग़ार । तोकुश्तहबहुतपायेवाँ देवसार ॥
यह पूँछाइन्हेंक़त्लकिसने किया । जवाबउसकाअवलादनेयहदिया ॥
किवाँ जानि देवे सफ़ेदे लई । हरइक कीथी बावश्तहजानेहज़ीं ॥
हुआकुश्तहवहजबतो सबमरगये । जहन्नुम मेंसाथउसकेइकसरगये ॥
यहकहिकरिकहाफिरिकिऐनामदार । कुछइनामकाहूँमैं उम्मेदवार ॥
तहमतन यह बोला तुझे ऐजवाँ । करूं हाकिमे शहमाज़िन्दराँ ॥
फिरि अवलादको वहजिगरदेवका । यले पीलतनने हवाले किया ॥
तुहमतन वहाँ से फिरा शादशाद । गयापेशकाऊस फ़र्रुख़निहाद ॥

दिया मुजदहये फ़तहजबशाहको। तो शादाँहुआ खुसरवेनामजू ॥
लगा कहिने फिरि शाहबादादवी। कि ऐ मेहरबाँ आफ़रीं आफ़रीं ॥

दास्तान तख्त पर बैठने काऊस शाह माज़िन्दरां की नामह लिखना शाहजादुवां को

जो सरदार देवोंकाथा बन्दनाम। हुआवह मुतीऐशहेजुलकिराम ॥
वह लाया वहाँ एक अवरंगज़र। हुआउसपः काऊसकैजिलवहर ॥
वह गोदर्जुगुसतह्मऔर तूसगेव। वहगुरगीं व बहरामऔरखैलदेव॥
हुये ईरतादह चपोरास्त जब। कमरवस्तहऐबन्दगाँवा अदब ॥
यले नामवर रुस्तमे पहिलवाँ। सरेकुरसियेज़रथा जिलवहकुनाँ ॥
सरेनव हुई महफिले इम्बिसात। मुहइया हुआसाजुबुंगोनिशात ॥
रहा सात दिनतक वजशनोतरब। रहेगेज़ो शब मायजे ऐशसब ॥
सुबे शाह माज़िन्दराँ बअ़दअज़ाँ। किया शाहने एक नामह रवाँ ॥
फिरिस्तादहका नाम फ़रहाद था। ग़रजनामहये शाहवह लेगया ॥
दियाशाहमाजिन्दराँकोशिताबकहायोंकिलिखदीजियेइसकाजवाब ॥
शहे जादुवाँने पढ़ा करिके वा। लिखाथाइकगुर्दजोर आज़मा ॥
रवाँ होके ईराँ से आया यहाँ। क़वीज़ोरहै मिस्ल शेरे ज़ियाँ ॥
दिलेरो जवाँमर्द रुस्तम है नाम। हुज़ब्रअफ़गनीहैम्दाउसकाकाम॥
वह देवे सफ़ेद और अवरंगदेव। जहाँमेंथाकूवतका जिनकेगरेव।
हुयेसाथरुस्तम के जब गर्म जंग। तो वहदोनोंकुश्तहहुये बेदिरंग ॥
कहा है तुझे रज़्मकी उससे ताब। तुहाजिरहोयाँ आनकेअबशिताब॥
हमें मुल्क अपना हवालेतुकर। तुझेख़्वाहिशे खैरहै कुछअगर ॥
तेरे हक़में बेहतरहै फ़रमाँबरी। वगरनःहोदुशवार फिरिजाँवरी ॥
यहमज़मूंपढ़ाजब तो होकरख़फ़ा। शहे जादुवाँने यह पासखदिया ॥
कि देवे सफ़ेद और अवरंगअगर। हुये कुश्तहतोयाँ हुआक्याज़रर ॥
हज़ारों हैं याँ देव पैकारजू। क़वीबाजोओ कीनहवर तुन्दखू ॥
सिवा उनके हैं पास मेरे शहा। हज़ारों दोसदपीलजंग आज़मा ॥
तुनाजाँहै इक रुस्तमे गुर्दपर। यहां हैं हज़ारों यले नामवर ॥
इरादह करूं गर तु फुरसत न दूं। बसइकदम में तसख़ीरईराँकरूं ॥
तेरे साथ मैंने बुरा क्या किया। किज़िन्दानमेंतुझकोज़िन्दहरखा॥

रिहाई तेरी होगई नागहाँ। ग़नीमतसमुझि उसको अबबेगुमाँ॥
तुजा खैर से सूय ईराँ जमीं। न हरगिज़ मेरेसाथहो गर्मकीं॥
करूँगा तुझे क़ैद गर अबकी बार। तु जीतानछोडूँगा फिरज़ीनहार॥
फिरिस्तादह लेकर जवाबे पयाम। फिरिआयाहज़ूरेशहेजुलकिराम॥
सुना और देखाथा जो कुछ वहाँ। किया पेशकाऊस इकसरबयाँ॥
पड़ा फ़िक्रमें शाहि फ़रखुन्दहखू। लगाकहने तबरुस्तमे नामजू॥
मुझेनामः लिखदीजियेअबकीबार। किताजाउँमैंवाँफ़िरिस्तादहवार॥
यह सुनिकरहुवाखुर्रमो शादशाह। हुवाबन्दसे ग़मकेआज़ादशाह॥
तुहमतनकी तअरीफ़ करनेलगा। फिरि उसनेरक़मवोहींनामःकिया॥
लिखायोंकि बेहूदहगोई तोछोड़। हमारीइताअतसे अबमुँहनमोड़॥
नहीं तेरे लशकरसे डरते हैं हम। तुझे फिरिख़बरदार करते हैं हम॥
समुझिगर तुहे अक़्ले पेशबीं। किपरख़ाशज़िन्हार बेहतरनहीं॥
अगरआके हाज़िरहो याँएकबार। तेरामुल्कतुझपररहै बरक़रार॥
वगरनः तुझे खूब पहुँचे ज़ियाँ। रहैफिरिनतू और नमाज़िन्दराँ॥
हुईसुब्ह काऊस जब नामःपर। रवाँ तबहुवा रुस्तमे नामवर॥
हज़ूर सिपहिदार माज़िन्दराँ। कियाजाके यों मर्दुमाँने बयाँ॥
कि आयाहै फिर पेशहे नामवर। फिरिस्तादहऔरएकबाकरबफ़र॥
क़दोजिस्महै मिस्ल पीले बलन्द। रखैहैवहपास अपने तेग़ोकमन्द॥
क़वी है कलइक अस्पहै जीरराँ। अजब शानुशौकतकाहैवहजवाँ॥
शहे जादुवाँने वहीं पेशवा। रवानहकिये गुर्दज़ोर आज़मा॥
चले पीलतनने उन्हें देखिकर। उखाड़ा वहाँ इकतनावरशजर॥
उसे देके जौलाँ तरह नेजके। जोनज़दीकपहुँचातो छोड़ाउसे॥
बहुतगुर्द उसके तले दबिगये। यह देखातो हैरतमें फिरिसबगये॥
इशारों में कहनेलगे यों बहम। किदिखलावेंकुछज़ोरअपनाभीहम॥
किया एकने अपनापंजहदराज़। हुआख़न्दहजनरुस्तमेसरफ़राज़॥
तुहमतननेक्या खूब पंजह किया। किहमपंजका दस्तरंजहकिया॥
जुदाहोगई उसकी रगहायदस्त। हुवामर्द ज़ोरआज़मावोहीपस्त॥
वह बेताबो बेखुर हुवा इसक़दर। किबसगिरिपड़ा अस्पसेख़ाकपर॥
ख़बर सुनिकेयह शाहिमाज़िंदराँ। यहसमझाकिरुस्तमयहीहैजवाँ॥

कलाहोर इकगुर्दपर ज़ोर था। उसे शाहि माज़िन्दराँने कहा॥
कितूभी उसे ज़ख़्मयाख़स्तहकर। दिलऔरपंजेकोउसकेविशकस्त॥
कहा होर आया ग़ज़ब नाक हो। लगा कहिनेयों रुस्तमे गुर्दको॥
ज़रामुझसे हम पंजह हो ऐ जवाँ। कि देखों तेरामैं तो ज़ोरो तवाँ॥
मुक़ाबिलवहीं फिर तुहमतनहुवा। कलाहोरसे पंजहि अफ़गनहुवा॥
उसे भी किया एकदम में ज़बूं। किया उसके सरपंजको ग़र्क़िख़ूँ॥
हज़ूरे ख़ुदावन्द आया वह मर्द। परागन्दहख़ातिरगिरफ़तारिदर्द॥
दिखाये उसे दस्त आवेख़्तहि। किरगऔरनाख़ुनथेसबरेख़्तहि॥
कहायोंकि बेहतर नहीं कारज़ार। रहैआश्ती करितुअबइख़्तियार॥
कलाहोर ने जब किया यह बयाँ। हुवा पुरग़ज़ब शाहिमाज़िन्दराँ॥
किया फिरि तलब रुस्तमे गुर्दको। गयाजबहज़ूर उसके वहनामजू॥
लगाकहिनेफिरि शाहिमाज़िन्दराँ। कि तू है मंगररुस्तमे पहिलवाँ॥
यहसुनिकरिदियाउसनेपासख़ वहीं। कि रुस्तम काहूँ चाकरेकमतरीं॥
यहकहिकरिवहनामहहवालेकिया। वहपढ़िकरिहुआफिरिनिहायतख़फ़ा॥
तुहमतनयहबोलाकिलिखियेजवाब। लिखापासख़ेनामहउसनेशिताब॥
कियाँ तुझसे है दअवये हमसरी। नहो हमसे जो पाय फरमाँबरी॥
हमारा तुहो बल्कि फरमाँ पिज़ीर। कि क़ायमरहै मुल्क ताजोसरीर॥
बुज़ुर्गों ने तेरे न चाहा कभू। किताबूय माज़िन्दराँ लावरू॥
तुबाहेर न अंदाज़सेरखिक़दम। न फिरिअपनीजाँपर रवारखिसितम॥
तुहमतनने यों वक्ति रुख़सतकहा। किकाऊसकी करिइताअतशहा॥
न बरबाद वे अपना देहीमुतख़्त। रवानहहुवाकहिकेदुशवारुसख़्त॥
हज़ूरे शहनशाहि काऊस जब। वह आया तो बोला ज़िरूयेतरब॥
किकीजय अब आरास्तहसाजिजंग। रवाँ हूजिये शौक़से बेदिरंग॥

लड़ाई काऊसकी मालिक माज़िन्दरांके साथ और माराजाना शाहमाज़िन्दरां का रुस्तम के हाथ से और फ़तहयाब होना॥

इधरसे जहाँदारि किशवर सिताँ। उधरसे सिपहिदारिमाज़िन्दराँ॥
सफ़आरा हुये जाके मैदान में। हुवाहशवरपा फिरिइकआनमें॥
कोई देव जो था वहाँ बेदिरंग। हुवाआकेरुस्तमसे जोपायजंग॥
लगा जबकि इकज़ख़्मनोके सिताँ। रहीदेवके फिरि न क़ालिबमेंजाँ॥



शहे जादुवां ने कहा फ़ौज को। किइकबारगीअबतोहमलहकरो॥
हुवा गर्म हंगामहये कुश्तखूं। हुई खूंसे इकसरज़मीं लालहगूं॥
हुवा बूक़औरकोसका वह ख़रोश। किइकसर परेशाँहुआसबकेहोश॥
हवागीर होकर गुबारे ज़मीं। गया तासरे सक़्फ़ चर्खेबरीं॥
दोलश्करबहमहमलहआवर हुये। हज़ारों तन इकदममें बेसिरहुये॥
बशमशीरगुर्ज़ों सितानो ख़दंग। रहागर्म इकहफ्तहबाज़ारिजंग॥
हुवारोज़हशतुमदुरख़्शिन्दह जब। यह माँगी दुआ शाहि ईराँनेतब॥
किया रबमेरे हमकरीं हो ज़रूर। ज़बूं होवें देवानि बेदादगर॥
वहीं ग़ैबसे फिरि यह आई सदा। किहो फ़तहतेरी बफ़ज़्ले खुदा॥
यहसुनिकरिशहनशाहिफ़र्रुख़निहाद। गयासूयनावर्दगहिशादशाद॥
कहाहमलहआवरहोसारीसिपाह। करौ फ़ौजिमाज़िन्दराँकोतबाह॥
तुहमतन सुने शाहि माज़िन्दराँ। शिताबाँहुवामिस्ल पीले दमाँ॥
खड़े उसके आगेथे पीलानिमस्त। किया गुर्ज़से उसनेहरइककोपस्त॥
कुशादह हुई राह जब सरबसर। गयारास्त तब रुस्तमे नामवर॥
रिहा हाथ से गुर्ज़ उसदम हुवा। तरुबगार नेज़ह वह रुस्तमहुवा॥
वहीं गेव नेज़ह वहां लैगया। तुहमतनको जाके हवाले किया॥
चले पीलतन लैके उसनेज़े का। शहे जादुवाँ से हुवा रज़्मजू॥
वह क़ूवतथी जादूकी हंगामिजंग। शहे जादुवाँ बनगयाशक्लिसंग॥
जो देखा वह कोहेखराँ सद्दिराह। तो हैराँरहा रुस्तमे कीनहख़्वाह॥
पहुँचिकरि वहीं शाहि काऊसको। यहबोलाकिऐशाहिफ़र्रुखुन्दहख़ो॥
मेरे साथ जब लेके गुर्ज़े गराँ। हुवारज़्मजू शाहि माज़िन्दराँ॥
तो मैनेकिया ज़ख्मि नेज़हरिहा। औरउसदमयहदिलमेंगुमाँफिरहुवा॥
कि इस ज़ख़्मसे होके अफ़ाराकखूं। हुवा शाह माज़िन्दराँसिरनिगूं॥
वलेकिन यह हाइलहुवा एककोह। यहाँ सख़्त हैरत में है इकगरोह॥
लगा कहिने फिरि बादशाहे जहाँ। कि जितने हैं ईराँकेज़ोरआवराँ॥
उठालावें इसकोहको जूदतर। यह सुनिकरिवहज़ोरआवराँसरबसर॥
लगेज़ोरकरने वलेकिन वह कोह। हिलाभीन उनसेहुये सबसितोह॥
फिरिआख़िरकोवहरुस्तमेपहिलवाँ। उठा ले चला वाँसे कोहेगराँ॥
पसे पुश्त थे वह दिलेरा तमाम। खुशो खुर्रमो आफ़रींख़्वाँतमाम॥

खुशी से सरे रुस्तमे नामदार। बहुतगौहरोज़रकियावाँ निसार॥
ग़रज़ लाके रक्खा वह कोहे गराँ। कि शाहनशहे नामवरथा जहाँ॥
ख़रोशाँहोचूँ शेरनर सूय संग। तुहमतन यह बोलाकिहाँबेदिरंग॥
निकल ऐशहे जादुवाँ संग से। रिहाई नहीं अब तेरी जंगसे॥
वगरनह अभी लेके तेशो तबर। करूँ टुकड़े इस कोहको जूदतर॥
यह आवाज़ सुनकर शहे जादुवाँ। जो निकलातो काऊसशाहेजहाँ॥
लगाकहिनेकुछ इसमेंलाबोनबाक। मिलावोऽब इसकोतहेखूनुख़ाक॥
वहींखींचिकराफिरितुहमतननेतेश। किया पारह पारह उसे बेदरेश॥
जो कुश्तह हुवा शाहिमाज़िन्दराँ। हज़ीमतपड़ी फ़ौज के दरमियाँ॥
गुरेज़ाँ हुये मर्दुमो अह्रमन। परेशाँ हुये ज़ेर चर्खे कुहन॥
व फीरोज़ी औ फ़रह शाहे जहाँ। हुवा दाख़िले शह्र माज़िन्दराँ॥
शहे जादुवाँका था जो तख़्तगाह। हुवा जिलवहगाहेशहे दीपनाह॥
हुये मर्दुमे शह्र देवाँ तमाम। परस्तार शाहनशहे जुलकिराम॥
बहुत हाथ आया वहाँ मालुगंज। हुवादूरइकदस्तफिरि दिलसेरंज॥
सिपासे इनायातु लुत्फ़े ख़ुदा। जहाँदारि काऊस लाया बजा॥
जब इसफ़त्हसेशाहखुशदिलहुवा। सुवे बख़शिशो जूदमायलहुवा॥
दुरेबेबहा ख़िलअते पुरगुहर। ज़रो मुल्क अस्पाँ व बाज़ीनुज़र॥
कनीज़ो गुलामानि ज़र्री लिबास। बसद बुहजतोशफ़ फ़तेबेक़यास॥
तुहमतनको देकरकियासरफराज़। हुवापहिलवाँ काफ़ज़ूँइम्तियाज़॥
फिरिअवलादकोबानिशातोतरब। हजूरे जहाँदारि करिके तलब॥
किया अर्ज़ रुस्तमने ऐबादशाह। यह अवलादहै बन्दयेनेकख़्वाह॥
बहुत इसनेकी ख़िदमतो चाकरी। यह है लाइक़े इज़्ज़तो सरवरी॥
हकूमत यहाँकी इसे दीजिये। जहाँ में सरफ़राज अब कीजिये॥
शहनशाह ने खुर्रमो शादहो। ज़िरूये इनायात अवलादको॥
किया हाकिमे शह्र माज़िन्दराँ। फ़ज़ूँकी वहीं उसकी तौक़ीरुशाँ॥
वह गुसतह्म औरतूस आलीवकार। वह गोदर्ज औरगेवजंगी सवार॥
यह जितनेथे गुर्दानि जंगआज़मा। ज़रोमुल्क उनको इनायतकिया॥

दास्तान लशकर खींचने कैकाऊस की ऊपर शाहहामावरां के और भागना शाहि हामावरां का और देना अपनी लड़की कैकाऊसको ॥

बताईद यक्कब लु नैरूय बख़्त। जोमाज़िन्दराँसेलियाताजुतख़्त ॥
तो फिर सूय ईराँ बफ़तहो ज़फ़र। रवानह हुवा खुसरवे नामवर ॥
हुईएक आलम को यह आगही। कि बाशौकतोफ़र्रि शाहनशही ॥
खदेवे जहाँगीर काऊस के। बलन्द इक्तिदारो ज़बरदस्त है ॥
किया जिसने तसख़ीरमाज़िन्दराँ। हुआखैलदेवाँ पर अब हुक्मराँ ॥
हुये शरकशाँ सुनिकेअन्देशहिमंद। मुबादा कि नागाह पहुँचगज़ंद ॥
बहुत बादशाहानि गर्दन फ़राज़। हुवे गासफ़रसाय राज़ो नयाज़ ॥
हरइकने ज़रो गौहरो तौकुताज। हज़ूरउसके भेजा बरस्मेख़िराज ॥
इताअतपः जिसने न बाँधीकमर। तोउसकीवलायतकोपहुँचाज़रर ॥
बहुतकजरवाँ शहिने सीधे किये। मकाँ मुल्कतूराँके अकसर लिये ॥
वलेकिन हुआ शाह हामावराँ। मुतीअशहनशाह किशवरासिताँ ॥
नुमायाँहुई उससे अब सरकशी। तोकीशाहनेउसपः लशकरकशी ॥
कियाइसकदरपहिलवानों ने तंग। किहरगिज़रहाकिरियाराय जंग ॥
वहरखताथाइकदुख़्तसूदायहनाम। सनोबरक़दोगुलरुखोलालहफ़ाम ॥
जहाँदार उसकाहुवा ख़्वास्तगार। नइनकार उसनेकियाज़ीनहार ॥
बँधाअक्द बाहम बरस्मे शहाँ। हुवाशाहिकाऊस फिरिमेहरबाँ ॥
रहा मुल्क हामावराँ बरक़रार। सराअतकी औरभी बेशुमार ॥
पयामे सिपहिदारि हामावराँ। यह आया हज़ूरे शहे खसरवाँ ॥
कि तशरीफ़ अबकिउअमें लाइये। यहाँतक क़दमरंजाहि फ़रमाइये ॥
क़बूल अब मेरी मेहिमानी करो। मेरे हाल पर मेहरबानी करो ॥
कियाशाहिने यकबालइसबातको। वलेकिनवहदिलदारफ़रखुन्दइखू ॥
यहबोली कि ऐ खुसरवे नामदार। मेरे बापका कुछ नहीं एतबार ॥
वहकमबख़्तजालिम सियहकारहै। बड़ाही दग़ाबाज़ो मक्कार है ॥
नजावो ग़रज़ क़िलअके दरमियाँ। कि हरगिज़ नहीं ख़ूबजानावहाँ ॥

दास्तान मेहिमानीकरने शाहहामावरांकी कैकाऊसकेतई और गिरफ़्तार करना शाह कैकाऊसको और ख़बरपाकर नामहलिखना रुस्तमका शाहिहामांवरांको ॥

हुआ जाके महिमाँ शहे कामगार। गये साथ उसके कई नामदार ॥

वहाँ स.तदिन रौनक़अफ़ज़ारहा । नउसबासबअन्देशहहरगिज़किया ॥
तमन्नाय सालारि हामावराँ । बरआईकि आया वहशाहे जहाँ ॥
शबोरोज़ ख़िदमतमें हाज़िररहा । जोकुछशर्तिख़िदमतथीलायाबजा ॥
कहूँक्याकिख़िदमतमें खुशदिलकिया । शहनशाहिकोहीलेसेगाफ़िलकिया ॥
किया क़ैद फिरि शाहि काऊसको । किया बन्दगोदर्ज औ़र तूसको ॥
हुआ जब गिरफ़तार काऊसशाह । तो राही हुई सूय ईराँ सिपाह ॥
यहसुनकरसिपहिदारअफ़रासियाब। सिपहिलेकेतूराँसेपहुँचाशिताब ॥
तसर्रुफ़ किया आके ईरान में । किया मुल्क तसख़ीरइकआनमें ॥
बुज़ुर्गानईराँ ने फिरि ग़मीनहार । इताअतनकी तुर्ककीइख़्तियार ॥
गये ज़ाबुलिस्ताँ में रुस्तमके पास । कि रुस्तहदिलोपुरग़मो बेहवास ॥
किया जाके अहवाल सारा बयाँ । करै ताकि तदबीर कुछपहिलवाँ ॥
सुना जबकि रुस्तमने यहमाजरा । तोयों शाहि हामावराँको लिखा ॥
सुनाहोगे अहवालि माज़िन्दराँ । किनैरूय बाज़ू से मेरे वहाँ ॥
हुआ शाहमाज़िन्दराँ भी हलाक । मिले देवसरकशतहे खूनुख़ाक ॥
तुम्हें है यहलाज़िम कि क ऊसको । बजे ज़ाजु इकरासयाँ भेजदो ॥
वगरनह सवारानि ज़ाबुलिसिताँ । न छोड़ेंगे हामावराँ का निशाँ ॥

जवाब नामह लिखना शाहि हामावरांका रुस्तमको और रवानहहोना रुस्तमका हामावरांको और जंगकरिके फ़तेहयाबहोना कैकाऊसशाहका ॥

लिखाउसनेपासख़ कि काऊसकी । निहायतहैदुशवारअबमुख़लिसी ॥
अगर तूभी आवैगा मैदान में । तो होगा गिरफ़तार इकआनमें ॥
पढ़ाजबकिनामहका अपनेजवाब । तोफिरिज़ाबुलिस्ताँसेचूँमौजिआब ॥
रवानह हुआ सूय हामावराँ । यले पीलतन लेके फ़ौजे गराँ ॥
मुख़ालिफ़नेफिरिजमअ़लश्करकिया । शहेमिस्रबरबरकोयावरकिया ॥
ग़रज़बासिपाहेगराँ हरसिहशाह । तुहमतनसेआकरहुयेकीनहख़्वाह ॥
किया पहिलवाँने मुबाज़रतलब । किज़ीचाहैजिसकामुक़ाबिलहोअब ॥
हुआ दिलमें हरइकके पैदाख़तर । किया रुस्तमसे उसकी सबनेहज़र ॥
हुआ शाहि हामावराँ पुरग़जब । गये पहिलवाँ नामी नाचारतब ॥
किया क़स्द रुस्तमसे पैकारका । वलेजबकि रुस्तमनेहमलहकिया ॥
सरा सीनह वोहीं गुरेज़ाँ हुये । यलाँहरसिहकिशवर हिरासाँहुये ॥

फिरिआया न मैदानमें इकसवार । मुक़ाबिल न कोई हुआ ज़ीनहार ॥
जो देखाकि बेदिलहै सारीसिपाह । तोग़ैरतसेफिरिफिरोबरबरकेशाह ॥
गये सामने पहिलवाँके दिलेर । मुक़ाबिलहुआवहभीमानिंदशेर ॥
सुये ताके सरवरे मिस्रहा । कियागुर्जरुस्तमनेजिसदमरिहा ॥
बचाकरि वहज़र्ब उसकी भागावहीं । वलेकिन बदसेथा चारहनहीं ॥
तुहमतनने फिरउसपःडालीकमन्द । हुआअलगरज़वहगिरफ़तारबन्द ॥
शिताबींसे करज़ीं से उसको जुदा । उसे मर्दमाँ के हवाले किया ॥
सिपहलेकेफिरिहमलहआवरहुआ । शिताबाँ सुये फ़ौजिबरबरहुआ ॥
ज़ुरेआँ सवारान बरबर हुये । न इकलहज़ह वाँरज़्म आवरहुये ॥
तबाहो परागन्दह लशकर हुवा । गिरफ़्तार फिरि शाहबरबरहुआ ॥
न तनहाहुआ शाह बरबर असीर । चिहल नामदाराँहुये दस्तगीर ॥
तुहमतनसे फिरि शाह हामावराँ । हुआ आर्ज़ूमन्द अमनो अमाँ ॥
हुई शाह काऊसकी मुख़लिसी । छुटे क़ैद से तू सुगोदर्ज भी ॥
जहाँदारि काऊस वाकर्रुफ़र । हुआतख़्तशाहीपःतबजिल्वहगर ॥
सिपाहे सिह किशवरबसद आर्ज़ू । हुई हम रकाबे शहे नामजू ॥
रवाँ सूय ईराँ हुवा बादशाह । ज़ियादहथीशशलाखसेभीसिपाह ॥

लौटना कैकाऊस शाहका बतर्फ़ ईरां और बजंग आना अफ़रासियाबवाली तूरां का और हज़ीमत उसको रुस्तम के हाथसे ॥

जबआयाजहाँदारआलीजनाब । सिपहिके पहुँचातबअफ़रासियाब ॥
सफ़े जंग आरास्तहवाँ हुई । जहाँ में क़यामत नुमायाँ हुई ॥
सिपहदारि तूराँ ने फिरियों कहा । किऐपहलवानानि जंगआजमा ॥
पकड़िलायेरुस्तमकोगर कोईमर्द । करै क़त्ल या आँकि वक़्ते नबर्द ॥
करूं साहिबे ताजु अफ़सर उसे । सिवाउसकेदूँ अपनी दुखतरउसे ॥
यहसुनिकरि कई मर्द मैदान में । गये औरहुये कुश्तहइकआनमें ॥
फिरिआयासुयेरुस्तमअफ़रासियाब । वलेकिननहरगिज़हुआकामियाब ॥
चले पीलतन लैके गुर्जे गराँ । हुवा जबकि मैदाँमें हमलहकुनाँ ॥
तो सालारितूराँ हिरासाँ हुवा । सरासीमह वाँसे गुरेज़ाँ हुवा ॥
दिलेरों ने फिरि खींचिकर तेग़की । हज़ारों किये क़त्ल तुरकानिचीं ॥
हुवे कुश्तह तूरानियाँ याँ तलक । कि कुश्तोंके पुश्तेहुये ताफ़लक ॥

गया सूयतूराँ फिरअफ़रासियाब। हुवा शाहिकाऊस के फ़त्हयाब ॥
हुवा मुल्कईराँ में फिरबिन्दुबस्त। हुये सरकशाने जहाँ ख़ूब पस्त ॥
हुये शाहिके महकूम देवोपरी। लगे करने चूँ बन्दगाँ चाकरी ॥
मकाँ पाये नादिर बज़ेरे फ़लक। बनाये बहुत कोहअलबुर्ज़ तक ॥
करूँ उनमकानाँकी तअरीफ़क्या। किया हरमकाँ दुर व याकूतका ॥
सिवा इसके हरजा थे शीशे लगे। जहाँदारि काऊस के हुक्म से ॥
ग़रज़ देव फ़रमाइशे बादशाह। सरअंजाम करतेथे शामोपगाह ॥
वलेकिन यह तंग आगयेथे तमाम। वहनाचारइसफ़िक्रमेंथे मुदाम ॥
किशाहिको किसीतरहकीजेहलाक। जहाँमें रहैं ताकि बे ख़ौफ़ुबाक ॥
फिरइबलीससे सुनिकेडज़ख़ीमदेव। गयाबस वहीं पेश गैहाँख़देव ॥
किया अर्ज़ ऐबादशाहे जहाँ। तुहै ख़ुसरवे ख़ुसरवाने ज़माँ ॥
वले हैफ़ है यहकि राज़े फ़लक। नहींतुझकोमअलूमकुछअबतलक ॥
कवाकिबकीगरदिशकाभीज़ीनहार। नहींतुझपः अहवाल कुछ आशकार ॥
अगर तूहो आज़म सुये आसमाँ। तोज़ाहिरहो इकदस्तराज़ेनिहाँ ॥
सुनीबात जब देव गुमराह की। तोगुमहोगई अक़्ल फिरशाहकी ॥
यहकहिनेलगाउससे फिरताजवर। कि तूलेचलैगा मुझे चर्ख़पर ॥
तो मैं तुझको इनआमदूँ बेशुमार। ज़ियादहकरूँइज़्ज़तोइफ़्तिख़ार ॥
वह बोला कि तदबीर इसकीकरूँ। सरे चर्ख़पर आपको ले चलूँ ॥

जाना काऊस शाह का वास्ते सैर आसमान के और गिरना चीनके जङ्गल में और लाना सवारों का ईरान में और फिर बैठना तख़्त पर ॥

गया पेश इबलीस डज़ख़ीम देव। कहा यों कि राज़ी है गैहाँख़देव ॥
वले इसकी तदबीर फ़रमाइये। किगरदूंपः किसतरह लेजाइये ॥
बताई वहाँ उसने तदबीर एक। किनज़दीक इबलीसकेथीवहनेक ॥
गया फिर हज़ूरे शहेनामदार। उक़ाबउसनेजंगलसेमँगवायेचार ॥
खिलाया उन्हें गोश्त शामोसहर। क़वी ज़ोर उनके हुये बालु पर ॥
उन्हें साथ मर्दुमके ख़ूगर किया। कईरोज़ फिरउनको फ़ाक़हदिया ॥
रखी रानि बुज़लाके इक नेज़ेपर। किया एक तइयारफिरतख़्तज़र ॥
उक़ाबों को बाँधा सरे तख़्तसे। कहा फिर यह शाहे क़वीबख़्तसे ॥
कि अब बैठिये आप इसतख़्तपर। हुआजिलवहगरख़ुसरवेनामवर ॥

मगर क़स्द यह था सरे आसमां। कि हो रज्मआवरबतीरो कमां॥
उड़े तख़्त को लेके चारो उक़ाब। सुयेगोश्तपरबाजकीफिराशिताब॥
जहांतक उन्हें ज़ोर पर बाजुथा। हुये ओज़गीरां बरूये हवा॥
नहरगिज़रही ताब परबाजुजब। सरेख़ाकपर गिरपड़ा तख़्त तब॥
गिरा बेशहयेचींमेंवह ताजदार। गज़न्दउसको पहुँचानंकुछज़ीनहार॥
कि पकड़े हुये था क़वी तख़्तको। गरज़दस्तमें खुशरवे नामजू॥
चिहलरोज़ ग़मगीं व ख़स्तहरहा। परागन्दहओदिल शिकस्तहरहा॥
शबोरोज़ रोताथा वह ज़ारज़ार। खुदाने किया रह्म अंजामकार॥
बशारतहुई ख़्वाब में रातको। किरखजमअख़ातिरतू ऐनामजू॥
वज़ीरोंने अलकिस्सहकी जुस्तजू। रवानह किये देव हरचारसू॥
कहीं आके देवोंने फिर यह ख़बर। किहै बेशहयेचींमें वहताजवर॥
रवानह हुये तब सराने सिपाह। शहनशहकोलाये सुये तख़्तगाह॥
हुआ जिलवहगरशाहजबतख़्तपर। तो गोदर्ज़रुस्तमने वाँ आनकर॥
मलामतबहुतकीकिअफ़सोसहाय। हुईइकक़लमगुमतेरी अक्लुराय॥
सितमहै कि हरबार ऐबादशाह। तुदेताहै बदख़्वाहकोतख़्तगाह॥
हुआतूगिरिफ़तारो ख़्वारीसिहबार। वलेकिननसमझाज़राज़ीनहार॥
बनाखूब क्या तुझ से कारेज़मीं। कियाफिरिजो क़स्देसिपेहरेबरीं॥
यह सुनकर शहनशहपशेमांहुआ। ख़िज़ालतसे सरदरगरेबांहुआ॥
लगा उज्रकरने वह शाहेजहां। कियाशुग्लदादोदिहिश बअ्रदज़ां॥
कियाबस्किअदलोकरमसुब्हशाम। शहनशहसेराज़ीहुये खासुआम॥
सरे ताजदारांथा गेहां खुदेव। परस्तारथे उसके इनसानुदेव॥
जहां में कोई शाहिगेती पनाह। नहरगिज़हुआमिस्लकाऊससाह॥
वलेदह्र में अब जो होता अगर। तोफिरि पेशिअ फ़वरशहेनामवर॥
कमरबांधता जाविदा बन्दहवार। शबोरोज़होतावहखिदमतगुज़ार॥
इलाही यह शाहे ख़लायक़पनाह। रहै इसजहां में बतेगो कुलाह॥
समन्दे क़लमको मैं फेरों इनां। लिखूँ आगे शुहराबकी दास्तां॥

दास्तान पैदाइश शुहराबकी बतनहमीनह दुख़तरवाली समनगां से॥

कहीं एकदिन जो यले नामदार। गया दश्त में जो बराये शिकार॥
हुआ सेर इक गोरके खा कबाब॥कियाफिरवहांउसनेआरामुख़्वाब॥

किसी सिम्तते आगये नागहाँ। सवारानि तुर्कान अइयारआँ॥
तत्रातुर सुयें रख्शडाली कमन्द। किया गरदनें रख्शको ज़ेरबन्द॥
गये जबकिनज़दीक उसरख्शके। तो उसने लकद और दंदानसे॥
किये चन्दकसकुश्तह इकआनमें। रिहाई हुई फिर न मैदानमें॥
पकड़ लेगये तुर्क वांसे उसे। किया जुफ़्त इकमादियांसेउसे॥
हुआ जबकि बेदार वह नामजू। न देखा कहीं दस्तमें रख्शको॥
वह लेताहुआ फिर सुराग़अस्पका। पियादह बसूये समनगांगया॥
जो शाहेसमनगांको पहुँची ख़बर। कि आया यहां रुस्तमे नामवर॥
तो वह भी पियादह गया पेशवा। तुहमतनसेजाकरयह उसनेकहा॥
तेरे हमहैं फ़रमाबरो नेकख़्वाह। खुदाहै हमारे सखुनका गवाह॥
इधरअबक़दमरंजहक्योंकर किया। यह रुस्तमनेतुन्दीसेपासखदिया॥
मेरा रख्श लाये तेरे मर्दुमां। सुरागअस्पकामुझकोपहुँचायहां॥
जहांहो वहां से तुला रख्शको। कि आफ़त यहां कोईबरपानहो॥
वह बोला कि इतनान घबराइये। नतुन्दीको अब काम फ़रमाइये॥
करम कीजिये मेरे ऐवांपर अब। बसर कीजिये अब बऐशो तरब॥
रखोजमअख़ातिरकिरख्शआपका। सहर आपके पास आजायगा॥
यहगुफ़्तार सुनकर वहशादांहुआ। समनगांकेसुलतांकामेहमा हुआ॥
मुहइया किया शहने चंगोरबाब। शराबे मुसफ्फा व नुक़्लोकबाब॥
पसेपरदहवां रातको नागहां। नुमाया हुई इकबुते दिलसितां॥
समनबरगुल अंदाम शमशादक़द। परी चेहरहमहरूय खुरशेदखद॥
जो देखी वह दिलदार आईनहरू। तो हैरां रहा रुस्तमे नामजू॥
यह पूँछाकि तूकौनहै क्याहै नाम। लगीकहनेतबयोंबुतेजालहफाम॥
कि शाहे समनगाँकीदुखतरहुँ मैं। परी चेहरहओ माह पैकरहुँ मैं॥
मेरा नाम तहमीनहहै ऐजवाँ। रहों चूँ परीमर्दुमां से निहाँ॥
वले तेरी मुद्दत से दीवानह हूँ। क़रारो सबूरी से बेगानह हूँ॥
हुई वालह सुनकर तेरी खूबियाँ। खुदहसे किया अहद मैंने किहाँ॥
किसीकी नहो जुफ्त तेरे सिवा। तमन्नायदिलथी यहसुब्होमसा॥
कियेथे तई मैंने यह मर्दुमाँ। किलायें तेरे रख्शको अब यहाँ॥
बजालाई मैं शुक्र अलताफरब। कि वारिदहुआ इसमकाँमेतुअब॥

यह सुनकर तेरेपास आई दवाँ। करूं ताहक़ीक़त मुफ़स्सलबयाँ॥
ग़रज़ जबाकिखुरशेदहोज़िलवहगर। मेरे बापसे मेरी दरख़्वास्तकर॥
वहचाहे है मुझसे ज़ियादह तुझे। करेगा न इन्कार इस बातसे॥
यहकहिकरवहरुख़सतहुईदिलसिताँ॥हुआखुशबहुतरुस्तमेपाहिलवाँ॥
सहरमें बिदेशाहको कर तलब। तुहमतनने भेजा यहपैग़ामतब॥
तो लाकर बजाशर्त आइनुदीं। तुहमतनकोदीशाहिनेदुख़्तरवहीं॥
हुआउससे हमख़्वाबइकशबजवाँ। हुईहामिलह वहबुतेदिलसिताँ॥
कोई मुहरह सामो नरीमाँकाथा। सो रुस्तमने उसके हवालेकिया॥
कहायों कि ऐदिलबरे सीमबर। अगर तुझसेहोवे तवल्लुद पिसर॥
तोयहमुहरहतू उसकेबाजूसे बाँध। अगरहोवे दुख़्तरतोगेसूसेबाँध॥
बयाँ कीजिये क्या असर मुहरे का। किहोपास जिसकेबफ़ज़लेखुदा॥
तोउसके मुकाबिल नहो पीलोशेर। वहहोमिस्लसामोनरीमादिलेर॥
तलबरख़्शअपना किया बअ़दज़ाँ। सवारउसपहहोकरहुआफिरवाँ॥
जुदाई से तहमीनह गिरयाँ हुई। बहुत उसकी खातिरपरेशाँहुई॥
ग़रज़ नवमहीने गये जब गुज़र। तो पैदा हुआ नाज़नीसेपिसर॥
जसीमो क़वी पंजहमानिन्दशाम। रखाशाहने उसकाशुहराबनाम॥
वहएकमाहहनज़रोंमेंइकसालहथा। रुखेखूबरंगे गुलो लालह था॥
सिहसालहहुआ जबकिवहशीरख़्वार। लगाफिरने मैदाँमेंलैलोनहार॥
हुआजबकिदहसालहवहपीलतन। लगे डरने मर्दानिशमशीरजन॥
तुहमतनने ज़ाबुज़सेतहमीनहको। सेहयाकूत भेजे थे औलालदो॥
तलबकीथी यह नाज़नींसे ख़बर। किदुख़्तरतवल्लुद हुईयापिसर॥
वलेकिन बुतेदिलसिताँ ने वहाँ। लिखाथा कि पैदाहुई दुख़्तयाँ॥
ग़रज़आके तहमीनहसे एकरोज़। लगाकहनेवहकोदकेदिलफ़रोज़॥
किहरकोई पूँछेहै याँ सुब्हो शाम। कि तेरेपदरकाभलाक्याहैनाम॥
कहूँक्या मैं उनको बताऊँ मैं क्या। यह सुनकरपरीचेहरहनेयोंकहा॥
तेरा बापहै रुस्तमे पहिलवाँ। यले पीलतन गुर्दाकिशवरसिताँ॥
दिलेरानि गुर्दानि रूये ज़मीं। कोईज़ीनहारउसकेहमसरनहीं॥
हुई बअ़्दअज़ाँवह बुतेमहिजमाल। सनागोयसामोनरीमाँव ज़ाल॥
सुनाजाकिशुहराबने यह सखुन। तोफिरयोंलगाकहनेवहपीलतन॥

कि भेजूं किसीको हजूरे पदर। कि पहुँचावे दोनोंतरफ़ कीख़बर॥
वहबोली किऐपूरफ़रखुन्दहफ़ाल। नलानायहजिनहारादिलमेंख़याल॥
तेरा नामसुनकर जोरुस्तम तुझे। बुलावे तो फिरि रंजुग़महोमुझे॥
सिवाइसकेवहशाहअफ़रासियाब। किया जिसनेरुस्तमकोअकसरख़राब॥
रखेहै तेरेबाप से बुग्जु कीं। यक़ींहै कि तुझको वहछोड़ेनहीं॥
ग़रज़है यह बेहतर कितू जीनहार। नकरबापके नामको आशकार॥
हुवातुन्द वह कोदके अरजुमन्द। यहबोलानहींबातयहदिलपसन्द॥
रखूं मैं नपोशीदह नामे पिदर। नहींमुझकोहरगिज़किसीकाख़तर॥
सवारान तुर्का व मर्दानि कार। फ़राहिमकरूँ लशकरे बेशुमार॥
फिर इकदममेंलूं तख़्तकाऊसका। मिटाऊँ मैं नामो निशाँ तूसका॥
बिठाऊँ तुहमतनको मैं तख़्तपर। करों उसको ईरानका ताजवर॥
करूंक़स्दाफिरसूय अफ़रासियाब। सरेतख़्तलूँउसकाजाकरशिताब॥
जोरुस्तम पिदरहोवेऔरमैं पिसर। नदुनियाँ में कोई रहै ताजवर॥
परविहेरह मानिन्द अब्रे बहार। यहगुफ़्तारसुनकरहुईअश्कबार॥
हुवागर्म शुहराब फिर बर्कशाँ। कियाअस्पउसनेतलबबअदगाँ॥
दिखाये उसे गल्लहशहने तमाम। किजिनमेंहरइकअस्पथातेजगाम॥
पसन्द उसकोलेकिननआयाकोई। सवारीके लायक़ न पायाकोई॥
सरे पुश्त हाथ उसने जिसकेरखा। शिकम उसहयोंकाज़मींसेलगा॥
हुवा बच्चये रख़्श जब रूबरू। तो शादाँहुआ वह यलेनामजू॥
कि वह बादपाचुस्तुशायस्तह था। क़वीज़ोरु चालाकु बायस्तहथा॥
सवारउसपः होकरयले शेरज़ाद। निहायतहुवादिलमेंमसरूरुशाद॥

रवानह होना शुहराब का तूरान से तरफ़ ईरानके वास्ते जंग कैकाऊसके हमराह हूमां और बारमांके और क़ैद करना राह्दिार ईरानको॥

जवाँमर्द ने क़स्द ईराँ किया। मुहइया लड़ाईका सामांकिया॥
ज़िरहपोश मर्दान जंग आवराँ। फ़राहिम किया लशकरे बेकराँ॥
लगाकहनेफिरयोंकिअबहैयहअज्म। करूं शाहिकाऊससेचलकेरज़्म॥
सरे तख़्त काऊस रुस्तमको दूँ। सिपहदार अक़लीम ईराँ करूं॥
हुये मुत्तिफिक़ उस्से तूरानियाँ। लगे करने अग़वा उसेहरज़माँ॥
किहमजाँफ़िशानीकोहाज़िरहैं सब। नछोड़ेंगेकाऊसकोज़िन्दहअब॥

यहसुनकरहुवाशादअफ़रासियाब । फिरउसनेयहपैग़ामभेजाशिताब ॥
कि बदख़्वाहमेरो है काऊशाह । यहहै आर्ज़ू उसको कीजे तबाह ॥
कमरबाँधकरकीनहख़्वाहीपःचुस्त। कियाक़स्दईराँजो तू ने दुरुस्त ॥
तो मैं हूँ रफ़ीक़ अब तेरा ऐजवाँ । करूँ तेरे शामिल सिपाहे गराँ ॥
रवानह किया फ़ौजको फिरउधर । कियेउसमें सरकरदहदोनामवर ॥
सुनो नामका उनके मुझसे बयाँ । कि हूमाँ था इक दूसरा बारमाँ ॥
यह अफ़रासियाबउनसकहनेलगा। किराखियो ज़राध्यानइसबातका ॥
कि शुहराबरुस्तमसे वाक़िफ़नहो । तुहमतननपहिंचाने शुहराबको ॥
पिदर से पिसर औ पिसरसे पिदर । न हो आशनाज़ीनहारहमादिगर ॥
करो अ़हदकोशिश यह सुबहोमसा। किशुहराबुरुस्तम हुँ जंगआज़मा ॥
क़वी जोर शुहराब है औ दिलेर । यक़ींहै करै यहतुहमतनको ज़ेर ॥
बवक़्ते वग़ा रुस्तमे नामजू । मगरहोवेक़ुश्तह तोशुहराबको ॥
किसी हीलेसे कीजियो तुमहलाक़ । उसे भी मिलाना तहेख़ूनुख़ाक़ ॥
जो कुश्तहहों यह दोनोंजंगीसवार। रहै फिर किसेताक़ते कारज़ार ॥
न दुशवार तसख़ीर ईराँहो फिर । हलाके बदअन्देशआसाँहोफिर ॥
सिवा फ़ौजके उनके बेदर्दु रंज । रवानह किया पेशशुहराबगंज ॥
सिपाहे गराँलेके वह नवजवाँ । हुआ सूय अक़लीम ईराँ रवाँ ॥
कोई क़िलअ़था राहमें उस्तुवार । हजेरे दिलावरथावाँ क़िलअ़दार ॥
अकेलानिकल वह मुक़ाबिल हुवा । सुयेजंग शुहराब मायल हुवा ॥
मुबाज़रकिया जबकि उसने तलब । गयासामने उसके शुहराबतब ॥
यह शुहराबने उससे पूँछा कि हाँ । तेरा नाम क्याहै बता ऐ जवाँ ॥
दिया उसने पासख़ कि हूँ मैं हजेर । क़वी बाजुओ ज़ोरमन्दो दिलेर ॥
करूँ सिरको अबतन से तेरेजुदा । यहकर कियाज़ख़्मनेज़ह रिहा ॥
बहुत ज़ोर उसने किया कीन से । हिलापर न शुहराब जबज़ीनसे ॥
दिलेरी से शुहराब ने बअदअज़ाँ । रवाँकरके पहलूमें उसके सिनाँ ॥
उठाज़ीं से पटका वहीं ख़ाक पर । उसे लेगया फिरगिरफ़तारकर ॥
वहाँ एकथा गज़्दहम पहिलवाँ । अरुउसकीथीइकदुख़्तरेदिलासिताँ ॥
सोवहपहिलवानी मेंथी वे नज़ीर । हुनरमन्ददानाशुजाओ दिलेर ॥
जहाँमेंथागुर्दआफ़रीदउसकानाम । हुनरजंगके यादउसकोतमाम ॥

सुना जबकि गुर्दे दिलावर हजीर। हुवावक्ति पैकारज़िन्दा असीर॥
तो मानिन्दमर्दान शमशीर जन। लिबासे नबुर्द उसनेकरज़ेबतन॥
शिताबीसेहो बादपापर सवार। दिलेरानहआई पये कारज़ार॥
खरोशाँ हुई जब कि वह सीमबर। तो शुहराब हैराँ रहा देखकर॥
गुमाँ लेगया ज़नहै यह माहरू। हुवा या कोई तिफ्ल परखाशजू॥
ग़रज़ सूय शुहराब वह शेरज़न। हुईचूँनिगहअपनेनावक फ़िगन॥
लगी बेखता छोड़ने तीरजब। सपरलेके शुहराबने मुहँपःतब॥
सिनाँ से उठाया उसे ज़ीन से। सरे खाक पटका रहे कीन से॥
वले दुख्तने खींचकर तेग़ कीं। दोनेज़ह क़ियानेज़ेको बसवहीं॥
सवार अस्पपर होके वहदिलरुबा। हुई मिस्लमर्दानबुर्द आज़मा॥
दिलेरी यह उसकी जब आईनज़र। तो मुशताक़ शुहराबने ज़ूदतर॥
असीरेकमन्द उसपरीको किया। सरे ज़ीन से फिर हुई वहजुदा॥
गिरा खोदतारक से फिरखाकपर। परेशाँहुये सरबसर मूय सर॥
दुरख़शाँ हुवा जब रुखे महजबीं। तोशुहराबआशिक़हुवाफिरवहीं॥
कहा दिलसिताँने यह शुहराबसे। किहो बन्द से गर रिहाई मुझे॥
तो मैं दूँ तुझे गंजुज़र बेशुमार। किइसक़िलअमें हैमेराइख़्तियार॥
रिहाउसको शुहराबने फिरकिया। वले अह्दपैमानमुहकमलिया॥
गई क़िलअमें जबकि वहनाज़नी। पिदर औ बिरादरसेउसनेवहीं॥
जो कुछ माजरथा किया सबबयाँ। यही मसलहत सबने देखीवहाँ॥
कि इसदज़में रहना नहींखूबअब। गुरेजाँ हुये अलग़रज़ वक़शब॥
हुवा जबकि खुरशेदाजिलवहकुनाँ। तो आवाज़मर्दुम न आई वहाँ॥
शिताबी से तोड़ा देरक़िलअ को। गया क़िलअमें फिर यलेनामजू॥
नपाया कहीं मर्दुमाँका निशाँ। नदेखी जोवहदुख़्तरे दिलसिताँ॥
तो शुहराबकादिलहुवाबेक़रार। हुईखातिरआशुफ़्तहफिरज़ुल्फ़वार॥
इधरथायहहम दोशफ़तहोज़फ़र। उधरगुज़दहमक़िलअसेभागकर॥
गयापेश काऊस गरदूँ विक़ार। कहायों कि ऐखुसरवे नामदार॥
जवाँ एक आया है तूरान से। मुशाबेह है सामो नरे मान से॥
तमाशह यह है उम्र में खुर्द है। कमअज़ चारदहसाल वह गुर्दहै॥
वले पीलतन है जवाने दिलेर। क़वी बाज़ुवो चुस्तमानिन्दशेर॥

मुक़ाबिल हुवा जबकि उसकेहजीर। तो वह लेगया करकेवोहीं असीर॥
गई सामने जबकि गुर्द आफ़रीद। तो यहभीरही फ़रहसे नाउमेद॥
यह अबमसलहतहै कि ऐशह्रयार। तुग़ाफ़िलनहो जल्दकरफ़िक्रकार॥
यहसुनकर हुवा शाहअन्दोहगीं। तुहमतनकोनामहलिखाफिरवहीं॥
कि ऐपीलतन रुस्तमे पहिलवाँ। यलेनामवर गुर्द किशवर सिताँ॥
तु ईरानियोंका है पुस्ते पनाह। तु है सरगरोहे सराने सिपाह॥
उदूसूज़ है तेरी तेग़े सिनाँ। जहाँगीर है तेरा गुर्ज़े गराँ॥
तु जल्दी पहुँच जाबुलिस्तान से। कि आया है इकगुर्द तूरान से॥
दिलेरो कवीपंजह शुहराबनाम। जबूंउससे हैं पहिलवाँसबतमाम॥
सवारे तवाना व पुरज़ोर है। यहाँ ज़ोरका उसके इक शोरहै॥
सिवा तेरे ऐ पहिलवाने जहाँ। नहीं कोई उसके मुक़ाबिलयहाँ॥
हुवा नामह तइयार जब सरबसर। दिया गेवको शाहने मुहकर॥
हुवा गेव नामहको लेकररवाँ। वफ़रमानशह सूय ज़ाबुलसिताँ॥
वहाँ जाके रुस्तमको नामहदिया। वह हैराँहुवा जबकि नामहपढ़ा॥
यह पूँछा कि ऐ गेव यहकर बयाँ। किकिसशक्लसूरतकाहै वहजवाँ॥
वहबोलाकिकहतेहैंयोखासुआम। कितरकीबुशक्लउसकीहैमिस्लसाम॥
यहदिलमें लगाकहने वहपीलतन। किचाहीथी मैंने समनगामेंजन॥
तवल्लुद हुवा होवे उससे पिसर। किथीहामिलहमुझसेवहसीमबर॥
वही तिफलशायद किहो यहजवाँ। जिसे साम पैकर कहे है जहाँ॥
यह फिर शोच करनेलगा नामवर। कि दुखतरहुईवाँ यहआईखबर॥
दरोग़उसकीमाँक्योंकिलिखतीयहाँ।भलाकिसलियेमुझसेरखतीनिहाँ॥
तुहमतनसे कहनेलगा फिरयहगेव। किहैइसतरह हुक्मगेहाँखुदेव॥
कि पहुँचो रवाँहोके याँसे शिताब। हज़ूरे शहनशाह आलीजनाब॥
वहबोलाकि क्याइज्तराबइसक़दर। ज़रा बादहये लालहगूंनो शकर॥
यहकहकर किया जश्न तरतीबवाँ। रहै सातदिनतक वह शादीकुनाँ॥
यह फिरगेवने रोज़ हशतुम कहा। कि ऐ पहिलवाने नबुर्दआज़मा॥
नहीं अब है लाज़िम तवक्कुफ़यहाँ। बजालाइये हुक्म शाहे जहां॥
यह बोला वहीं रुस्तमे नामदार। नकरखौफुअन्देशहकुछजीनहार॥
नहीं कोई पहुँचे मेरे ज़ोरको। यहहैताबाकिसकीमुक़ाबिलजोहो॥

कुदाऊँगा जब अस्पको जाके वाँ। रहैगा न शहराब काफ़िरनिशाँ॥
ग़नीमतहै यह सुहबते हमदिगर। किहै आख़िरेकार चलना उधर॥
रही और दोरोज बजमे तरब। खुशी से रहे बादहकशरोज़ुशब॥
हुवा जबकिरोज़ेदहुमजिलवहगर। तो फिरज़ाबुलिस्तांसे शाकर्रूफ़र॥
रवानहहुवा रुस्तमे पहिलवाँ। गई साथ उसके सिपाहे गरां॥
ज़वारहजो उसका बिरादरथाखुई। उसे लेगया साथ अपने वहगुर्द॥
ग़रज़होके मंज़िल बमंज़िल रवाँ। गया पेश काऊस जब पहिलवाँ॥
तो वोहीं वह शाहनशाहे नामवर। हुआ ख़श्मगीं रुस्तमे गेवपर॥
कहा तूससे यों ज़िरूये ग़ज़ब। कि दोनोंको तू दार पर खींच अब॥
कि यतनातअक्कुरूवहाँक्योंकिया। मेरा हुक्म लायेनहरगिज़ बजा॥
ज़बरदस्त था तूस हरचन्द पर। किया रुस्तमे नामवरसे हज़र॥
हुवा पुर ग़ज़ब तूसपर शह्रयार। कहा जल्दलेजा इन्हें सूयदार॥
फिरउसने सुये रुस्तमे सरफ़राज़। कियालाजिरमहाथअपनादराज़॥
तुहमतननेझटकावहींउसकादस्त। ख़रोशिन्दहफिरहोकेचूँ शेरमस्त॥
यहबोला कि है कौनसा नामवर। जोले जाके खींचै मुझेदारपर॥
समझता नहीं कौन काऊस है। मेरे आगे क्या चीज़ फिरतूसहै॥
मुझे जुज़ खुदाबन्द यज़दानिपाक। नहीं हैकिसीका ज़राख़ौफ़ुबाक॥
मुख़ातिबहुवा फिर सुये शह्रयार। यहतुन्दीसे बोला यले नामदार॥
नहोगर्म मानिन्द शोलहतुअब। कि बेफ़ायदाहै शहा यहग़ज़ब॥
तुशुहराबको खींच अबदार पर। बदअन्देशकोख़स्तह ओख़्वारकर॥
तबहकारी की तूने अबइख़्तियार। तुशाही के लायक़ नहींज़ीनहार॥
करूँ आतशे ख़श्मको तेज़गर। तोख़ससेभीकमतरहैफिरताजवर॥
दिलेरानि गरदनकशो नामजू। यहकहते थे मुझसेअसद आरजू॥
कि सिरपररखों अपने ताजेशही। करोंमुल्क ईराँ में फरमाँदिही॥
वलेकिन न यक़बाल मैंने किया। किजुज़बन्दगी कुछइरादानथा॥
पिज़ीरा जो करता मैं ताजे शाही। पहुँचतीनतुझतक कुलाहेमिही॥
है मेरी सज़ा तूने जो कुछ कहा। बजा है रवा तूने जोकुछ कहा॥
यहकहकर वहीं रख़्शपरहोसवार। रवाँ सूयज़ाबुल हुआ नामदार॥
जो आज़ुरदह होकरगयापहिलवाँ। तो बेदिलहुये वोहीं पीरो जवाँ॥

यहअहवाल गोदर्ज से फिर कहा। वहसुनकर हजूरेशहनशहगया॥
कहा उसने यों शाहकाऊस को। कि यह क्या किया ऐशहेनामजू॥
जोरुस्तमकोआजुरदहखातिरकिया। यहजिनहारतुझकोमुनासिबनथा।
पशेमां हुवा शाह गेतीसितां। लगा कहने गोदर्ज से योंकि हां॥
तवकुरू न कर अब शिताबीसे जा। दिलासातु कर केतुहमतनकोला॥
हुवा वां से गोदर्ज वोहीं रवां। तुहमतनसेजाकरकियाफिरबयां॥
यहजाहिरहै औ तुझको मालूम है। किआरी है दानिशसे काऊसकै॥
तमीजउसको ऐपहिलवां कुछ नहीं। जो आवै जबाँपर कहै बस वहीं॥
पशेमाँ हुवा खुदबखुद बादशाह। सरेनरकिये अहूदहोउजरख्वाह॥
तुहोवेगा आजुरदह शहसे अगर। तवहहोंगे ईरानियां सरबसर॥
कहै हैं यही गुर्द हरएक यॉं। कि शुहराबहै वह दिलावर जवां॥
कोई पहिलवां जिसकेहमसरनहीं। कोई गुर्द उससे कवीतर नहीं॥
खुदा के लिये ऐ यले नामवर। तु ईरानियों पर जरा रहमकर॥
कि पुश्तोपनाहे दिलेरां है तू। निगहदार अक्लीम ईरां है तू॥
समन्दे अजीमतकी फेर अब इनां। तुहरगिज न जासूयजाबुलसितां॥
वगरनहहों गुर्दान तूरां दिलेर। दिलेरी करैं आके मानिन्द शेर॥
जबाँपरहोलोगोंके फिर यहसखुन। कि इक तिफ्लसे रुस्तमेपीलतन॥
यहाँतक हिरासाँ व तरसाँ हुवा। कि बेजंग यॉं से गुरेजाँ हुवा॥
यह सुनकर वहीं रुस्तमे पहिलवां। फिर आया हजूरे शहेखुसरवां॥
उठा तख्त से शाह ताजीम को। कहा फिर कि ऐ रुस्तम नामजू॥
यह तुन्दी व गरमी है मेरी सरिश्त। नहीं छूटतीमुझसेयहखोइजिश्त॥
बुलाया तुझे इसलिये मैंने यां। किहोंचारहजूतुझसे ऐपहिलवां॥
तेरा देर आना हुवा नागवार। हुवातुन्दफिरतुझपःबेइख्तियार॥
हुवा तू जो आजुरदह ऐ शेरदिल। तोफिरमैंपशेमाँहुवाऔखजिल॥
हुवा रुस्तमे गुर्द भी उजरख्वाह। कि बन्दहहोंतेरामैं अबबादशाह॥
जो कुछ हुक्महोवे सोलाऊँ बजा। शहनशहनेइरशाद तबयोंकिया॥
करैं आज तरतीब बज्मे तरब। बसरहमकरैं ऐशुइशरत से सब॥
सहर यॉंसे लेके सिपाहे गराँ। सुये दुशमने कीनह जू हो रवाँ॥

जाना काऊसशाह और रुस्तम पहिलवां का बइरादह जंगसाथ शुहराब के॥

दुरख़शाँहुवा जब कि मेहरेमुनीर। तोकाऊससुलतानआफ़ाक़गीर॥
दिलेरानि ईराँको करके तलब। यहबोलाकिताबअहाँरुस्तमकेसब॥
चले पीलतन बासिपाहे गराँ। हुवा सूय शुहराब वाँ से रवाँ॥
छिपागुर्द लशकरसे रुख़सारशेज़। निहाँहोगया मेह्रगेती फ़रोज़॥
जोपहुँचा वह नज़दीकहिसनेमतीं। तोलशकरहुवावाँ इकामतगुज़ीं॥
गया फिर वहाँ शाह काऊस भी। गये गेवगोदर्ज और तूस भी॥
जो शु राबने क़िलअसेकीनिगाह। तो देखाकिहै बेकराँ यह सिपाह॥
यह हूमाँ से कहने लगा देख तू। किहै किसक़दर लशकरे जंगजू॥
जो यह कसरते फ़ौज आई नज़र। तोहूमाँके होशउड़गये सरबसर॥
यह शुहराब बोला हिरासाँ न हो। करूं क़त्लइकदममेंसबफ़ौजको॥
खिचा फिरसरापरदह पेशे हिसार। बफ़रमानि शुहराबआलीतबार॥
गया उस सरापरदह में रात को। ख़बर के लिये रुस्तमे नामजू॥
नज़रसे वह मर्दुम के होकर निहाँ। लगाकरने अहवालदरयाफ्तवाँ॥
जो देखा तो शुहराब है तख़्त पर। चपोरास्तहै उसके सबनामवर॥
मुहइया है बज़्मे निशातो तरब। खुशी से मये लाल पीते हैं सब॥
कोई बज़्ममें ज़िन्दहथा पहिलवाँ। पड़ीउसपःउनकी नज़रनागहाँ॥
उठा वोहीं अरु उसके आरोबरू। लगा पूँछने योंकि है कौन तू॥
तुहमतनने इकमुश्तमाराजोसख़्त।तोकुश्तहहुवाज़िन्देख़फ्तहबख़्त॥
गया वाँसे फिर रुस्तमे नामवर। अरुइकशख़्सनागाहआयाउधर॥
जो देखातोउफ़तादहहैइकजवाँ। किहरगिज़नहींउसकेकालिबमेंजाँ॥
कोई देखनेकोजोलायाचिराग़। तोज़िन्दहकावाँकुश्तहपायाचिराग़॥
यह शुहराब लोगों से कहनेलगा। कोई आके जासूस काऊसका॥
नमूदअपनीदिखलागया अबयहाँ। ख़बर लेगया आनकर बेगुमाँ॥
एवज़ज़िन्दहकासुब्हदमचलकेलूँ। करूं एकलशकरको मैं ग़र्क़ख़ूँ॥
न छोड़ों सहर ज़िन्दह काऊसको। मिलाऊँ तहे ख़ाकख़ूँ तूसको॥
ज़बाँपरथा शुहराब के यह सख़ुन। इधर शाहसे रुस्तमे पीलतन॥
यह कहता था ऐ बादशाहे जहाँ। करूं क्यामैं शुहराबकाअबबयाँ॥
जवानो क़वी है कलो ज़ोरमन्द। क़दउसकाहैमानिन्दनख़्लेबलंद॥

तकल्लुफ़ नहींइसमें कुछज़ीनहार। बयेंनहहै हमशक्क सामेसवार॥
यहचाहे है अब चर्ख़ फ़ीरोज़हरंग। पिदरऔरपिसरमेंबहमहोवेजंग॥
सुनीऔरदेखी बहुतरज़्मुबज़्म। परअबसुनियेशुहराबरुस्तमकीरज़्म॥

दास्तान ढूंढ़ना शुहराब का निशान रुस्तम का हजीर और हूमां और बारमांसे और न पाना उसका सुराग॥

सरे चर्ख़ मेहरे जहाँ ताबने। कियाजबकि ज़िखवहतोशुहराबने॥
जबआरास्तह अपनालश्करकिया। यह हूमांसे और बारमांसे कहा॥
कि तुमभी न ताख़ीरको राहदो। करो अपनीआरास्तह फ़ौजको॥
हजीरे दिलावरको करके तलब। कहागरकहै रास्त तूमुझसेअब॥
तो बख़्शों रिहाई तुझे बन्दसे। वहबोला वहीं उसतनोमन्दसे॥
दरोग़आगे मर्दुमके है बेफ़रोग़। भला किसलियेबोलेकाईदरोग॥
हजीर और शुहराबयले फिर वहीं। गये वांसे बालाय हिसनेमतीं॥
यह शुहराब कहने लगा ऐहजीर। पलंगे सरापरदह गरदूँ नज़ीर॥
यह किसकाहैजलदीबतामुझकोतू। कि हाथी हैं किसकेबहुतरूबरू॥
वह बोला कि ऐगुर्दवा इज़्ज़ुजाह। यहहै शाहिकाऊसकी बारगाह॥
सुयेरास्त किसकाहै ख़ीमह कहा। वहबोलाकि यहख़ीमहहैतूसका॥
कहा फिरिसरापरदह ये लालहरंग। यहकिसकाहैमुझकोबताबेदिरंग॥
वह बोलाकि गोदर्ज़ जंग आज़मा। खुदावन्द है ख़ीमहये सुर्ख़का॥
कहाफिरियहिशुहराबनेबअदअज़ां। सरापरदहये सब्ज़किसकाहवां॥
खड़ाहै जहां कावयानी दुरफ़श। किहैइकक़ल्लमसुर्ख़ज़र्दोबनफ़्श॥
सिवा उसके चूँतरुत काऊसके। रखा इकसरापरदह में तख़्तहै॥
अगरचिहथावाक़िफ़दिलावरहजीर। किहै ख़ीमहयेरुस्तमे शेरगीर॥
वले दिलमें अन्देशह उसने किया। मुबादा कहीं तुर्क जंगआज़मा॥
सुनैनाम रुस्तमका और नागहां। करै जंगु परखाश जाकर वहाँ॥
वह ग़ाफ़िलहो और कुश्तहोवेकहीं। क़यामतहो बरपा बरूयेज़मीं॥
यही मसलहतहै कि अबज़ीनहार। न बतलाऊँ नामेयलेनामदार॥
कहायों कि ख़ाकानिचींने यहां। सिपहिलैकेभेजाहैइकपहिलवां॥
कि हो यावरे शाहि काऊस कै। यहउसका सरापरदहयेसब्ज़है॥
वह बोला कि इसगुर्दकानामक्या। कहानाम उसका नहींजानता॥

वहादिल में उसनेकिमानि वहां। बतायाथारुस्तमकाजोकुछनिशां॥
वहसब देखताहूं वलेहै अजब। कि जाहिरकियाउसनेकुछऔरअब॥
कहाफिरि जरागौरकरके निगाह। किकिसनामवरकीहैयहबारगाह॥
यही उसने शुहराबसे फिरिकहा। किखीमहहै यह चांनके गुर्दका॥
कहा फिरियह शुहराबने है कहां। सरापरदहये रुस्तमे पहिलवां॥
यहसुनिकरदियाउसनेपासखवहीं। किवहजाबुलिस्तां से आयानहीं॥
कहा फिरियह उसनेरहेलुत्फ से। किबतला निशानेतुहमतनमुझे॥
तुहो क़ैदसे ताकि जल्दी रिहा। करूं तुझपःमसरूफ़लुत्फ़ोअता॥
जवाबउसनेउसकोदियाफिरिवहीं। जोपहिलेकहाथाकहाफिरिवहीं॥
हुवाफिरिवहतुन्दऔरकहाएहजीर। नहींयहतेरीबातकुछदिलपिज़ीर॥
अगर जानकी खैर चाहै है तू। तोकहु रास्ती अब मेरे रूबरू॥
तुहमतनका खीमहभीहोगाअगर। तुजिनहारअबमुझसेपिनहांनकर॥
करूं वरनह तनसे तेरा सिरजुदा। करूं क़ैद हस्तीसे तुझको रिहा॥
कियाउसनेफिरिउससेइन्कारसाफ़। वहलायाज़बांपरयहगुफ़्तारसाफ़॥
कि क्याहै यह तुन्दीवक़हरोग़जब। अबसहै मेरेसाथयह कीनहअब॥
तुहमतनकीमुझकोखबरकुछनहीं। तुखींचे है किसवास्ते तेग कीं॥
यहीजीमें है तो बहानहहै क्या। मेरेतनसे करशौक़ से सिरजुदा॥
यहकहिकरलगाकहनेफिरियांहजेर। किरुस्तमहै मर्देशुजाओदिलेर॥
तन उसकाहै मिस्लेतनावरदरख़्त। ज़बरदस्तु चुस्तोतवानावसख़्त॥
हुज़बरानोदेवांव पीलो पलंग। मुक़ाबिलनहो उसकेहंगामजंग॥
कहासुनिके शुहराबने ऐ जवां। कहां तूने देखेहैं जंग आवरां॥
जहां में हैं ऐसे खुदावन्दज़ोर। किरुस्तमकोसमझेहैंमानिंदमोर॥
हुवाग़मज़दह वह यले नवजवां। किरुस्तमकाहरगिज़नपयानिशां॥
बलन्दीसे उसने फ़रोदआनकर। ज़िरह और जोशनकियाजेबबर॥
लियानेज़ह औ गुर्जु तेग़ो ख़दंग। शितावां हुआ सूय मैदानिजंग॥
जिधर क़ल्बमें शाहकाऊसथा। उधर जाके शुहराबने यों कहा॥
एवज़ाज़िन्दहके रातिखाई क़सम। करूं कुश्तहकाऊसकोसुब्हदम॥
सवारानि ईरां को मैदान में। तहे तेग़ खींचोंमें इक आन में॥
अगर पासनाम और इज़्ज़तभीहै। तोआकारिमुक़ाबिलहोकाऊसके॥



सिवा उसके होवे जिसे अज्मजंग । नबुर्दआज़मा मुझसेहोवेदिरंग ॥
यहकहिकरिलगाखींचनेइन्तिज़ार। किआताहैअबकौनसा नामदार ॥
वलेकिननिकला कोई नामवर । किथादिलमेंहरइककेख़ौफ़ोख़तर॥
कोई न जब उसकाहुवा हमनबर्द । हुवा तबख़रोशिन्दहवहशेरमर्द ॥
कि शाहों को ग़ैरत ज़रा चाहिये । न जंग आवरों से डरा चाहिये ॥
चुराता है दिल रज्मसे जो शहा । तो क्योंनाम काऊसअपनारखा ॥
यह आवाज़ काऊस ने दी वहीं । कि ऐ नामदारानि ईराँ ज़मीं ॥
कोई जल्द रुस्तमसे जाकर कहो । कि यारा नहीं है किसी गुर्दको ॥
जोइसगुर्दसे जाकेहो कीनहख़्वाह । हिरासाँवख़ायफ़हैइकसरसिपाह॥
दवाँ तूस पेशे तुहमतन गया । तुहमतनसेयहमाजरा सबकहा ॥
कियाथायहरुस्तमने उसदमक़रार । कि पहिले करूँगा नमैंकारज़ार ॥
कोई और जाकर सुये रज्मगाह । बदअन्देशसेजाकेहोकीनख़्वाह॥
मुबादाकि सब पहिलाँवों जवूँ । तोफिरमैंनबुर्द आज़मांउससेहूँ ॥
वले तूसने जबकिया यह बयाँ । तोनाचारफिरि रुस्तमेपहिलवाँ ॥
पहिनकर ज़िरहरख़्शपरहोसवार । गया सूय मैदाँ पये कारज़ार ॥
यहशुहराबबोला किलशकरसेहम । सितेज़िन्दहहोंचलकेइकसूबहम ॥
कहायों तुहमतनने अच्छा चलो । गये जबकि इकसूबहपे कारजू ॥
तो शुहराबने यों कहा ऐ जवाँ । नहीं है किसीको यहताबोतवाँ ॥
जो मुझ से मुक़ाबिलहो मैदानमें । करूँगा तुझे क़त्ल इक आनमें ॥
यहसुनिकरि वहीं रुस्तमे नामदार । लगा कहने ऐकोदकेख़ामकार ॥
नकरसख़ती अबपुख़्तहकारोंसेतू । न जंगआवरोंसे हो परख़ाशजू ॥
वह मैंहूँ दिलावर यले नामजू । कि देवे सफेदे सियहकार को ॥
कियाकुश्तहि इकदममेंहंगामजंग । न जाँबरहुये मुझसेशेरोपलंग ॥
वह कहिने लगा सुनिकेयहदास्ताँ । कि शायदतुहैरुस्तमे पहिलवाँ ॥
यह बोला कि ज़िनहार रुस्तमनहीं । मैं उसकाहूँ इकचाकरेकमतरीं ॥
यहसुनिकरि उसे पास अफ़्ज़ूँहुई । बहम जंग फिरिज़ेर गरदूँ हुई ॥
हुये लेके नेज़ह सितेज़ह कुनाँ । लगीचलनेबाहमसिनोवरसिनाँ ॥
हुआ जख़्म कोई नवाँ कारगर । वह नेज़े शिकस्तहहुयेसरबसर ॥
दिलेरोंने फिर खींचकरि तेग़ तेज़। किया गर्म बाज़ार कीनोंसितेज़ ॥

बहम जर्ब परजर्ब थी बेदरेग़। शिकस्तह हुई आखिरेकारतेग़॥
लिया हाथ में फिरि अमूदे गराँ। लड़े इसक़दर हरदो जंगआवराँ॥
कि हैराँ रहा देखि चर्खे कबूद। हुये आखिरशकजसरासरअमूद॥
हुई पारह पारह ज़िरह इक क़लम। रहा फिरिनज़िन्हारघोड़ोंमेंदम॥
अरक़ में हुआ तर सरापा बदन। हुये खुश्क इकदस्तकामोदहन॥
जुदागानह फिरिदोनों इस्तादहहो। वह शुहराब और रुस्तमेनामजू॥
ज़रारास्ता करनेलगे अपनादम। वलेकिननकीनहहुआदिलसेकम॥
तुहमतनभी यहदिलमें कहनेलगा। कि इस कुदरतो कूवतो ज़ोरका॥
न ज़िनहार देखा जहाँ में पिसर। न हरगिज़ कोई देवआयानज़र॥
फिरि यतने में शुहराबने यों कहा। कितीरोकमाँसेहो जंगआज़मा॥
बहम वोहीं लेकर कमानो खदंग। दिलेरानि जंगी लगे करने जंग॥
हुये दम में तर्कश तिही सरबसर। हुआ पर न इकतीरभी कारगर॥
पकड़िकरकमरहमदिगरबअदअजाँ। लगेज़ोरकरने वह दोनों जवाँ॥
किया पहिलेरुस्तमने ज़ोरइसक़दर। कि वह ज़ोरकरताअगरकोहपर॥
तो देता जबल को ज़मीं से हिला। वलेकिननशुहराब ज़ींसे हिला॥
किया ज़ोर उसने भी हरचन्दपर। न हरगिज़हिलारुस्तमेनामवर॥
उसे छोड़ि शुहराबने बस वहीं। लिया हाथ में गुर्ज़ अज़रूयकीं॥
जो मारा तुहमतन के बालाइसर। तो रंजहि हुआ रुस्तमेनामवर॥
यहहँसकारिलगाकहनेशुहराबफिर। किहैजंगकी तुझमें कुछताबफिर॥
तुहमतनयहबोलाहुआदिनतमाम। करीब आगया ऐजवाँ वक्तशाम॥
तुरखिजमअखातिर किवक्तेपगाह। तेरेसाथफिरि आकेहोंरज़मख्वाह॥
वह शुहराब फिरि लेके गुर्जेगराँ। सुवे लशकरे शाह आया दवाँ॥
तुहमतन उधर खींचिकरि तेग़कीं। शिताबाँ हुआ सूय तुर्कानिचीं॥
कहूँक्याकि इकदममें याँ और वाँ। हज़ारों हुये क़त्ल पीरो जवाँ॥
यहरुस्तमकेफिरिदिलमेंआयावहीं। मुबादा कि शुहराबअज़रूयकीं॥
कहीं शाहसे जाके हो रज़मजू। वह ग़ैरत से ज़ायअकरे आपको॥
शिताबी तगावर की मोड़ीइनाँ। कहा आके शुहराबसे योंकिहाँ॥
तु जंगे दिलेराँ से वाक़िफ़ नहीं। अबसहै यह बेबाक़ियों बुज्ज़ुकीं॥
ज़रासब्र करि शबको आजएज़वाँ। सहर तूहै और मेरा गुर्जेगराँ॥

सिवा उसकेगरअबहैख्वाहानिजंग। तोफिरिहोमुक्काबिलमेरे बेदिरंग॥
उसेभी न थी रज़्मकी ताब फिर। गयाअपने लशकरमेंशुहराब फिर॥
वहांसे वह शुहराब जिसदमगया। सरापरदहमें अपने रुस्तमगया॥
तुहमतनकोशहिनेकियाफिरतलब। जबआयातोपूँछावहअहवालसब॥
वह बोलाकि ऐशाहफ़रख़ख़िसाल। बड़ाही दिलावरहै यहख़ुर्दसाल॥
तन उसकाहै आहनसेभीसख़्ततर। मुवास्सिरनहींजिसपःतेग़ोसिपर॥
असरउसपह करतानहीं जीनहार। मेरा ज़ोर बाज़ूदमें कारज़ार॥
तसल्ली उसे देके शहिने कहा। करैगा ज़फ़रयाब तुझको ख़ुदा॥
शहनशहिसेरुख़सतहुआपीलतन। ज़वारहसे जाकरकहायहसख़ुन॥
कि शुहराब हरचन्द है ख़ुर्द साल। वलेउसकोहै ज़ोरो क़ूवतकमाल॥
न जाने क्या पेश आवे नज़र। जिहे बख़्तगर हमकरीहोज़फ़र॥
मुबादा अगरकुश्तहहोवक्तरज़्म। तोफिरिरज़्मकाउससेकीजोनअज़्म॥
सुये ज़ाल लश्करको लैजाइयो। ख़यालऔरदिलमें नकुछलाइयो॥
तुमाँ बापसे जाके कहियो यही। हुआवहजो कुछचाहैतक़दीरथी॥
अबस ज़ारियो आहसोज़ो बुका। भलाचारहक्याजबकिआवैक़ज़ा॥
ज़वारहसेजबकहिचुकायहसख़ुन। लगाकरने गिरयहयलेपीलतन॥
कहा करिके ज़ारी कि ऐकिर्दगार। तेरेहूँ करमका मैं उम्मेदवार॥
तुबदख़्वाहपर करिमुझे फ़त्हयाब। बदअन्देश मग़लूबहोवैं शिताब॥
इधरपीलतनका यह अहवालथा। उधरजाके शुहराबजंग आज़मा॥
यह हूमाँ से बोला कि ऐनेकमर्द। अजबपाहिलवाँ है मेराहमनबर्द॥
क़वी बाज़ुवो सख़्त चंगाल है। बएनीहवहरुस्तमकी तमसालहै॥
वहपातःहुँ उसमें सरापानिशाँ। मेरीमाँने जोकुछ कियाथाबयाँ॥
गुमाँ है मुझे यह मेरा है पिदर। जहाँ पहिलवाँ रुस्तमे नामवर॥
यह शुहराबकोउसनेपासख़ दिया। कि रुस्तमकोहूँ ख़ूबपहिंचानता॥
तुहमतनको हम शक्कहै सहजवाँ। तगावरकी सूरतभी हेरख़शहाँ॥
वलेकिन यहरुस्तमनहीं जीनहार। यक़ींजान तू ऐ यले नामदार॥
वहसमझा कि यह रास्तगुफ़्तारहै। हमाराहवाख़्वाह गमख़्वार है॥

जंग रुस्तम और शुहराबकी दूसरे दिन और जेर आना रुस्तमका कुश्ती में॥

हुवा मेह्रताबाँ जो परतव फ़िगन। तोशुहराब औररुस्तमेपीलतन॥

पहिनकरि ज़िरहरखशपरहोसवार। गये सूय मैदाँ पये कारज़ार॥
वलेनभै शुहराब का दिलहुवा। सुये उलफ़तो मेह्र मायलहुवा॥
तुहमतन से पहिले हुवा सुल्हजू। कहोवोंहीं हँसकरि कियेतुन्दखू॥
मुसिम्ममकियातूनेअबदिलमेंक्या। इरादह लड़ाई का या सुल्हका॥
यहवेहितरहैहमतुमनहोंरज़मख़्वाह। करैं रास्ती और शामोपगाह॥
बहममहफ़िलआरा भयेनोशहों। वचंगो नये भै तरबकोशहों॥
करैं अह्दो पैमान मुहकम बहम। पशेमाँहोअबकीनहरख़्वाहीसेहम॥
तुइकसूहोता और कोई जवाँ। यहाँ आनकरहो सितेज़हकुनाँ॥
मेरेदिल में पैदाहुई तेरी मेह्र। नहो कीनहजूतूभी जेरेसिपेह्र॥
निशानी जो कुछ चाहियेहै अयाँ। वलेनाम तेरा है मुझसेनिहाँ॥
किसीने बताया नहीं जीनहार। तुकरिनामकोअपनेअबआशकार॥
तुशायद किहै ज़ालज़रका पिसर। वलेपीलतन रुस्तमे नामवर॥
सरे सुल्ह हरचन्दथा वह जवाँ। पर एमिननथारुस्तमेपहिलवाँ॥
कहेथा यह दिलमें यले पीलतन। नहीं तिफ्लका एतिबारेसखुन॥
यहपासुख़दियाफिरिकिसुनिऐजवाँ। नहीं मैंभी कोदकतुगरहै जवाँ॥
बहुत मैंने देखा फ़राज़ो नशेब। नकरिमुझसेगुफ़तारमकोफ़रेब॥
कमरबांधि पुश्तेहयूँ से उतर। किसरगर्मकुश्तीहोअबहमदिगर॥
जो देखा कि रुस्तमहै अबगर्मकीं। तो नाचारशुहराब बोलावहीं॥
तुमायल हुवा सूयकुश्ती अगर। तोहोंमैंभीकुश्तीकोहाज़िरहुँपर॥
नहीं चाहता यह कि तुमसाजवाँ। मेरे हाथसे कुश्तहहोवे यहाँ॥
यहकहिकरिवहदोनोंयलेनामदार। लगेकरनेकुश्तीकेफ़नआशकार॥
किया ज़ोर रुस्तमने वाँहदसेबेश। गया आगे शुहराबके कुछनपेश॥
हुवावहखरोशिन्दह चूँपीलमस्त। कियाज़ोरसेउसनेरुस्तमकोपस्त॥
जो खींचापकड़िकरिकमरबन्दको। तोसंभलान फिरिरुस्तमेनामजू॥
ज़मीं से बहम पुश्त रुस्तमहुई। ख़राबी तहे चर्ख़ पुरख़महुई॥
गिरा ख़ाकपर जब यलेनामवर। तो शुहराब बैठा वहीं सीनहपर॥
लिया खींचि फिरि खंजरे आबगूँ। यहचाहा कि उसकोकरै ग़र्क़खूँ॥
कियाहीलह रुस्तमने उसवक्तवाँ। लगाकहिने शुहराबसे ऐ जवाँ॥
यहाँकी यह आईनहीं जीनहार। करै ज़ेर जिसको कोई एकबार॥

तो सिरकोकरै उसके तनसे जुदा। मगरहो दिगरबार ज़ोरआज़मा॥
उसे कूवतो ज़ोर से लावै जेर। करै शौकसे क़त्लफिरि वहदिलेर॥
वहसुनिकरिवहउसकेउठासीनेसे। ग़रज़ हाथ उठाया वहाँ कीनेसे॥
गया फिरिवहसुहराबफर्रुख़निहाद। तरफ़अपनेलशकरकेखन्दाँवशाद॥
कहा जबकि हूमाँसे यह माजिरा। कियाउसनेअफ़सोसऔरयोंकहा॥
किअइयारियोमक़से कीनहख़्वाह। रिहाहोगया हाथसे तेरे आह॥
न देखाथा गाहे फ़राज़ो नशेब। तुइकतिफ्लथा तूनेखाया फरेब॥
तहे दाम आयाथा शेरे जियाँ। दिया छोड़ तूने किया कह्रयाँ॥
हुई बेवकूफ़ी यह तुझ से कमाल। रिहाई तेरी उससे अबहै मुहाल॥
यले नवजवांने कहा क्या है गम। करूँगा उसे ज़ेर फिरि सुब्हदम॥
गया जबकि रुस्तम सुयेखीमगाह। रहाशबको ज़ारी कुनांतापगाह॥
दुआ उसनेमांगी कि अयखुदा। वही ज़ोरदे मुझकोपहिलेज़ोथा॥
उसे इब्दिामेंथा ज़ोर इसक़दर। ज़मीं चाकहोतीथी हरगामपर॥
वह आजिजबहुत वक़्त रफ़्तारथा। ज़मींपरख़िरामउसकादुशवारथा॥
हुवाथा तबइसबातकाख़्वास्तगार। किकुछज़ोरकमहोवे याकिर्दगार॥
हुईथी मुनाजात उसकी क़बूल। मुराद उसकीवोहीहुईथीहसूल॥
ग़रज़करिकेशबज़ारियोइन्किसार। हुवाज़ोरपेशी काफिरिख़्वास्तगार॥
खुदाने पिज़ीराकी उसकी दुआ। वहीज़ोरउसको कियाफिरिअता॥

दास्तान मारेजाने सुहराबकी रुस्तमके हाथसे। दूसरे दिन और नौहाकरना रुस्तम का उसके मातम में॥

सहर देखिकरि कूवतो ज़ोरतन। हुवा शादमां पहिलवानेज़मन॥
सिपासे इनायाति परवर्दिगार। बजालाकेऔररख़शपरहो सवार॥
गया शादुखुर्रम सुये रज़्मगाह। हुवाजाके सुरहाबसेकीनहख़्वाह॥
यहसुहराब नख़वतसे कहनेलगा। कि चंगालसे मेरेहोकर रिहा॥
तुफिरिआ गआयासुयेकारज़ार। अज़ीज़अपनीशायदनहींजानिज़ार॥
तुहमतनयहबोलाकिजबतकहैजां। तेरे साथहूंगा सितेज़ह कुनां॥
वहकरनेलगे फिरि दुरुश्ती बहम। हुये मायले ज़ोरकुश्ती बहम॥
वहम खूबज़ोर आज़माई हुई। न सुरहराबको फिरि रिहाईहुई॥
पकड़करि कमरबन्द सुहराबका। ज़मींसे लिया पीलतनने उठा॥

पटकि करिज़मींसे उसे फिरि वहीं। सरेसीनह बैठा वह अज़रूयकीं॥
यहसोचाकियहगुर्दज़ोरआज़मा। जोफिरिउठिखड़ाहोतअज्जुबहैक्या॥
ग़रज़खींचिकरखंजरेआबदार। कियासीनहवोदिलकोउसकोफ़िगार॥
बहखस्ताहिजिगरखींचिकरएकआह। वहबोलाकिथे वक़्तमेरेसियाह॥
यहांमैं जो आया तो यहथी मुराद। कि दीदारसे बापके हों मैं शाद॥
तमन्नाइदिल कुछ न हासिलहुई। बमुल्के अदमजानवासिल हुई॥
जोदरियामेंअबहोवे मसक्रनगुज़ीं। वयाजाइ बालाइ चर्खेबरीं॥
मेरा बाप तुझको न छोड़ेगा वां। करेगा हलाक आनकरऐजवां॥
कहानाम क्या उसने तबयों कहा। कि है नाम रुस्तम मेरे बापका॥
जबउसखस्तहतनसेसुनायहसखुन। तोग़मगीं हुवारुस्तमे पीलतन॥
पड़ा होके बेहोश वसख़ाकपर। जबआयाज़राहोश तब नालहकर॥
लगाकहने उससेयहगिरयहकुनाँ। तेरे पासरुस्तमकाक्याहै निशाँ॥
किमैंहीं सियहबख़्तरुस्तमहुँआह। जहाँजिसकीआंखोंमेंहोवेसियाह॥
यहसुहराबने सुनिकेपासख़ंदिया। कि सदहैफ़ऐगुर्द किशवरकुशा॥
बहुतगर्म उलफ़त मेरा दिलहुवा। वले तू इधर कुछ न मायलहुवा॥
निशानीतुदेखिअबज़िरहकरकेवा। कि मुहरहहै बाज़ूपः मेरे बँधा॥
नहीं ज़ख़्मसे अबहै ताक़तमुझे। जोखोलूं ज़िरहऔरदिखाऊंतुझे॥
वहमुहरहजो देखाज़िरहकरकेवा। तोरुस्तमनेफिरशोरुनालहकिया॥
वहबोला कि ऐजानमन बेगुनाह। तुकुश्तहहुवा मेरे हाथों से आह॥
पिसरको किसी ने भी मारा नहीं। नहीं यहहुवा और हरगिज़कहीं॥
नछोड़ेगाजिनहार मुझको यहग़म। रहूंगा गिरफ़तार रंजो अलम॥
यही अबहै बेहतर किहूंमैं हलाक। करूंअपनेसीनेकोखंजरसे चाक॥
यहसुहराबबोला कि क्याफ़ायदा। नहींचारह जिनहार पेशेक़ज़ा॥
तड़पताथासुहराब बिसमिलउधर। इधररुस्तमे गुर्दथा नौहहगर॥
जो देखा किरख़्शे यले नामदार। खड़ाहै बहुत देर से बे सवार॥
तोसमझे यही दिलमें पंरो जवाँ। किकुश्तहहुआरुस्तमे पहिलवाँ॥
वहींउड़िगयेइकक़लम सबहोकेश। उटा एकलशकर में शोरोख़रोश॥
गई यह ख़बर पेश शाहेज़माँ। किरुस्तमसेखाली हुआअबजहाँ॥
कियाहुक्म शहिने कि इकबारगी। उधरजावो दौड़ाके अबबारगी॥



सुये रज़्मगाहि जाकेलावो ख़बर। मुबादह हुआकुश्तहरुस्तमअगर ॥
तो कीजावै तदबीरकुछ औरशां। कि ऐसा नहीं अबकोईपहिलवां ॥
जोसुहराबसेहोवेफिरिकीनहख़्वाह नहींताबरखतीहैहर गैजासिपाह॥
सवारानि लश्कर गये जब उधर। तो देखा किरुस्तमपड़ाख़ाकपर ॥
करै है फिगाँ और बेताब है। तड़पता पड़ा वाँभी सुहराब है ॥
यहजाना कि ज़ख़्मीहैंदोनोंजवाँ। लगा ज़ख़्मकारी हुये नातवाँ ॥
उठाकरि सरे रुस्तमे नामवर। लगे पूँछने सब कि क्या है ख़बर ॥
ज़िरहपारह और चाककर पैरहन। लगाकहिने यों रुस्तमे पीलतन ॥
हुवा हाथ से मेरे ऐसा सितम। रहैगा कयामत तलक याद गम ॥
मेरे क्यों सिरपर पड़ी हायख़ाक। पिसरको कियामैंनेनाहक़हलाक ॥
यहकहिकरिवहींखींचखंजरलिया। कि तनसेकरैअपनी गरदनजुदा ॥
पकड़िकरिशिताबीसेरुस्तमकाहाथ। लगेरोनेगुर्दानिफर्रुख़ सिफ़ात ॥
ज़वाहरने पारह गरेबाँ किया। ग़मो दर्द से शोरो अफ़गां किया ॥
कहाफिरियहसुहराबसेक्याहैहाल। वह बोलाकिहैदर्दमुझकोकमाल ॥
जिगरपर मेरे ज़ख़्मकारी लगा। नहीं कुछ भरोसा अबज़ीस्तका ॥
वले पीलतन के सरापा निशां। मेरी माने मुझसे किये थे अयां॥
हज़ीरे सियह वक़्त से बारहा। जो पूँछा तो पोशीदा उसनेरखा ॥
मुझे नाम रुस्तम बताया नहीं। रखाहाय गाफ़िल जनाया नहीं ॥
मुक़ाबिल मेरेजबकिरुस्तमहुवा। तोपुरसानिहालउससेहरदमहुवा॥
रखा उसनेभी नाम अपनानिहाँ। किया मेरे आगे न हरगिज़अयाँ॥
कोईक्याकरैकिसकाहै इख़्तियार। नहीं चारह तक़दीरसे ज़ीनहार ॥
पिसर की अजल बापके हाथथी। अलज़सेयह ठहिरीहुई बातथी ॥
यहअहवालसुनिकरिहुयेनौहहगर। ज़वारह इधर और रुस्तम उधर ॥
लगे कूटने सीनह और सिरवहाँ। कियादीदहये तरसे दरिया रवाँ ॥
यहसुहराबदिलख़स्तहनेफिरकहा। किसीको नहीं इसजहां से बक़ा ॥
नतुम गिरयहओनालइतनाकरो। ज़रासब्रको दिल में अबराहदो ॥
बिहल तुमकोमैंने कियाअपनाखूं। वले इल्तिमासएक रखता यहहूं ॥
किजिनहारअबरुस्तमेअरजुमन्द। नपहुँचावैलश्करको मेरे गज़न्द ॥
नहोजाकेतुरकोंसेफिरिकीनहख़्वाह। नखींचेमुयेमुल्क तूराँ सिपाह ॥

कि मूलिद मेरा मुल्क तूरानहै। मेरी जाय बाजी वह मैदान है॥
अगर जिन्दह रहिता तो हरएकपर। मराआत करता मैं शामोसहर॥
पिदर बअद मेरे मुदारा करे। तलत्तुफ़ मुदाम आशकारा करै॥
जिगरख़स्तहने जोकि उसदमकहा। तुहमतननेयकसरपिज़ीराकिया॥
कहा फिर यह रुस्तमने गो दर्ज़को। कि जाकर हजूरे शहेनामजू॥
जो है ख़ासतर नोश दारू वहला। मगर उससे चारहहोसुहरावका॥
वहीं आके पेशे शहे नामदार। हुवानोशदारूकावहख़्वास्तगार॥
लगा कहने सुनकर यह शाहेजहाँ। मुहइयाहै वह नोशदारू यहाँ॥
किजिससेहोसुहराबफिरतन्दुरुस्त। तवानावज़ोर आवरोचाकुचुस्त॥
पर ऐ पीरमर्दे ख़ुजिस्तह सिफ़ात। कुछहैयादरुस्तमकीउसरोज़बात॥
कि क्या क्या मुझेनामुलायमकहा। ज़बाँपरजोआयावहउसदमकहा॥
किया सरकशी से न पासे अदब। रहो रस्मदी हाथसे उसने सब॥
सख़ुन हाय दुशवार कहकरगया। उसे क़ैद कोई न यां करसका॥
सिवा इसके सुहराब की गुफ़्तगू। सुनी ख़ूब तूने वह वाक़िफ़हैतू॥
समुझिअपने दिलमें किफ़हमीदहै। जहाँ में तुमर्दे जहाँ दीदह है॥
कहैथा वह मर्दुमसे हरदम यही। किरुस्तमको दूं तख़्तुताजे शही॥
जब ऐसे दिलावरहोंवोपहिलवाँ। रहैफिरयहअबरंगु अफ़सरकहाँ॥
सुना जबकि गोदर्ज़ ने यहसख़ुन। गया फिरवह पेशे यले पीलतन॥
कहायोंकि ख़ूये बदे शह्र यार। बयाँक्याकरूंतुझपः हैआशकार॥
तुहमतनयहसुनिकरहुवादर्दमन्द। गया आप पेशे शहे अर्जुमन्द॥
महल में था उसदम शहेनामवर। बरामदहुवा तबयह पहुँचीख़बर॥
कि सुहराबका कामआख़िरहुवा। निशाँ मिटगयानामआख़िरहुवा॥
हुवा सुनिके रुस्तम पियादहदवाँ। गयानअसपर उसके ज़ारी कुनाँ॥
फ़िग़ाँकरिकेकहताथावहदमबदम। मेरे हाथ वाजिबहैं करने क़लम॥
जिगरगोशहको अपने मेरे सिवा। जहाँमें भला क़त्लकिसनेकिया॥
सुनै जबकि माँउसकीतबक्याकहै। जोकुछवहकहै सो न बेजाकहै॥
ग़रज़ रखके ताबूत में नअस को। गया सूयखीमह यले नामजू॥
वहखीमहऔरअसबाबथाजिसक़दर। जलाकरकियाख़ाकफिरिसरबसर॥
हुये उसके मातम में पीरो जवां। ख़रोशाँ व गिरयाँबनालहकुनाँ॥

गया शाहिकाऊस रुस्तमकेपास। जो देखातो वहहै बहुतबेहवास॥
कहारुस्तमातमहै और कद्रदर्द। वले कुछनहीं चारह ऐनेकमर्द॥
हरएककोहैआखिरयही रहगुज़र। कोई देरजावे कोई जूदतर॥
समुझि अबतुदाना व हुशयार है। शके बाइयो सब्र दरकार है॥
किया अर्ज़ रुस्तमने ऐताज़दार। हुवासो हुवा कुछनहींइख्तियार॥
वले यह वसीयतहै सुहराबकी। कितुकोंपै कीजै नलशकरकशी॥
यही अर्ज़ करता हूँ अब बारबार। यहलुत्फो करमकाहुँ उम्मेदवार॥
किहूमाँकी हुरमतरखूतुम निगाह। नहोवै परागन्दह उसकीसिपाह॥
करोरुख़सतउसकोबइज्जोवक़ार। यहसुनिकरिलगाकहनेयों शहयार॥
हुवाअबजोतुझकोयहरंजोअलम। तो मेरे भी दिलको हुवादर्दुग़म॥
पिज़ीरह किया मैंने तेरा सखुन। मुझेपास ख़ातिर है ए पीलतन॥
करें मुझसे गोतर्क अब सरकशी। करूं मैं न जिनहारलशकरकशी॥
ज़वाहरसे रुस्तमने फिरियों कहा। कि जैहूँ तलकसाथ हूमाँकेजा॥
ज़वारह गया साथ जब बेखतर। गया आबिजैहूँसे हूमा गुज़र॥

लौटना काऊसका ईरानकीतर्फ और जाना रुस्तमका मये ताबूत सुहराब तर्फ़ सीस्तांके और आना तहमीनहका॥

वएक़बालो दौलत सुये तख़्तगाह। रवानहहुआ शाहि गेतीपनाह॥
वले नामवर रुस्तमे पहिलवाँ। गयाहोके रुख़सत सुये सीस्ताँ॥
ग़रज़ लेके ताबूत सुहराब का। परागन्दह दिल शह्र में जबगया॥
सियहपोश होज़ाल पहुँचा वहाँ। हुवा साथ ताबूत को बहरवाँ॥
ख़रोशाँव गिरियाँ गये घरतलक। क़यामतथी बरपा बज़ेरे फ़लक॥
वहरूदायहरुस्तमकीमाँ इसकंदर। हुई देखि ताबूत को नौहहगर॥
कि बरपावहाँ एक महशर हुवा। ग़ज़ब एक रूये ज़मींपर हुवा॥
कियादफ्नफिरिलाशकोज़ेरख़ाक। दिलेपीरु बरनाहुवा दर्द नाक॥
गई जब यहसूये सुमनगाँ ख़बर। तोतहमीनाहिकोग़महुवाइसक़दर॥
कि आतशवहीं करिकेअफ़रोख़्तह। गिरी आगमें बाहिले सोख़्तह॥
लियाखींचिमर्दुमनेफिरि दौड़कर। वलेकिन जले सरबसरमूयसिर॥
तने नाज़नींभी हुवा दाग़दाग़। जहाँउसकीनज़रोंमेंथा बे चिराग़॥
लगी बापसे कहिने ऐनामजू। कियाक़त्ल रुस्तमने सुहराब को॥

सुयेसीस्ताँखेंचिजल्दीसिपाह। तुहमतनसेचलिकरितुहोकीनहरूबाह ॥
कहा उसने ऐदुखतरे नाज़नीं। सिपहिअपनी रुस्तमकेहमसरनहीं ॥
दियाशाहनेजबउसेयहजवाब। तो फिरिदिलमेंखाकरिबहु पेचुताब ॥
गई आपतहमीनहलेकरिसिपाह। सुये सीस्तँबादिले कीनहरूबाह ॥
क़रीब आनकरउसनेइकपहिलवाँ। रवानह किया और कहायोंकिहाँ ॥
तुहमतनसेजाकरिकहो यहसखुन। कितहमीनहिआपहुँचीऐपीलतन॥
वहलाईहै साथ अपने फ़ौजेगराँ। दिलेरानु गर्दानु जंग आवराँ ॥
रखेहै यही दिलमें अबअज़्मजज़्म। करै सिरकोतेरेक़लमवक़्तिरज़्म ॥
फिरिस्तादहपेशे तुहम तन गया। सुनाथाजोउसनेवह इकसरकहा ॥
वहसुनिकरिसरासीमहिरुस्तमहुआ। पशेमाँबहुत दिलमेंउसदमहुआ ॥
वहीं साथ लेज़ालुरूदायह को। गयासूय तहमीनहि वह नामजू ॥
सरापरदेमें उसके पहुँचे यह जब। निकलआईतहमीनहिपरदेसेतब ॥
बग़लगीर वोही हुये हमदिगर। कियानौहह सुहराब को यादकर ॥
कहा ज़ालने सूयख़ानह चलो। शबिस्ताँको रश्के गुलिस्ताँ करो ॥
लगी कहिने तहमीहि ऐनेकमर्द। मेरेदिलकोरुस्तमसेपहुँचाहै दर्द ॥
मेरेआगेरुस्तमकोलावो शिताब। कियाजिसनेयोंअपनेघरकोखराब ॥
मैंपूछों यह उससे कि ऐकीनहमू। कियाकुश्तहक्यों तूनेफ़रजन्दको॥
गयापेशतहमीनहिजबपहिलवाँ। तोखींचिउसनेफिरिखंजरेजीसिताँ ॥
यहचाहा किरुस्तमकी नीरेशिकम। करैग़र्क खूँ उसको बेदर्द ग़म ॥
पकड़िहाथ उसका लिया ज़ालने। यहतहमीनहिसेफिरिकहाज़ालने ॥
कितक़दीरपर कुछनहीं इख़्तियार। नहीं चारह पेशेक़ज़ा ज़ीनहार ॥
अदमसेजो फिरिनाहोसुहराबका। तो करिरुस्तमोज़ालकासिरज़ुदा ॥
ग़रज़ खूब समझाके वहनामवर। गयालेकेतहमीनह को अपनेघर ॥

आना तहमीनह का रुस्तम पहिलवान के महल में ज़ालज़र के समझाने से और हामिलहहोना उसका रुस्तम से और पैदाहोना फ़रामुर्ज़का नवमहीने पीछे और मरना तहमीनहका बीच रंजसुहराबके दरमियान एकसालके ॥

वहतहमीनहिऔररुस्तमेनामदार। बहमवांलगे रहने लैलोनहार॥
हुई हामिलह फिर वहरश्के क़मर। हुवा बअदनुहमाह पैदा पिसर ॥
क़वीबाज़ुओ गुलरुख़ोलालहफ़ाम। तुहमनने रक्खा फ़रामुर्ज़नाम ॥

सिपुर्द एकदायहको वोहीं किया । लगापरवरिशपाने वहमहलका ॥
वहतहमीनहिरहतीथीग़मग़ींमुदाम । तसव्वुरथासुहराबकासुब्हशाम ॥
दिल उसकाथानालांमिज़हखूँचकां । रहे श्राहकरतीथी गाहेफ़िग़ां ॥
पसअज़मर्गेसुहराबवहमहिजमाल । रही जिन्दहबारंजुग़मएकसाल ॥
नग़म से रिहाई हुई ज़ीनहार । वहदेबैठीजां अपनीअंजामिकार ॥
यहक़िस्सहतो मैं करचुकासबबयां । सियावशकी आगेसुनो दास्तां ॥

दास्तान पैदायश मलिकज़ादहि सियावशशिकम दुख़्तर शाहिबलग़ार से
और जाना उसका हमराह रुस्तम वास्ते तालीम और तरबियत के ॥

कोई बेशहये खुर्रमो दिलकुशा । कि नज़दीक दरियायजैहूँकेथा ॥
गये एकदिन वां बराये शिकार । बहमतूस और गेउजंगीसवार ॥
पड़ी नागहां एक दुख़तर नज़र । परी पैकरो मह वशो सीमबर ॥
लिबासऔरज़ेवरथाशाहानहसब । करशमहतितमआनुग़मजहगज़ब ॥
यह पूँछा जवानों ने ऐ महलक़ा । तु है कौनतेरी हक़ीक़तहै क्या ॥
बुते माह पैकर यह कहने लगी । किदुखतरहुँ मैं शाहबलग़ारकी ॥
किगराशिनवरउसकाजहांमेंहैनाम । वहनस्लेफ़रेदूंसे हैजुल किराम ॥
मुझे चाहते थे बहुत ताजवर । वलेकिन यह चाहेथामेरापिदर ॥
कि तूराज़मीं का जो है बादशाह । पुशंगे दिलावर खुदावन्दजाह ॥
मेराबांधेसाथउसके अक़देनिकाह । नजिन्हारभाई मुझेयहसलाह ॥
कि मैंनेसुना जिश्तखू है पुशंग । नकुछ जिश्तखूजिश्तरूहैपुशंग ॥
कियामुझसे जब ज़िक्रइसबातका । तोबस साफ़ इन्कार मैंनेकिया ॥
खफ़ाहोके तब शहने मारामुझे । नहरगिज़हुवा यह गवारामुझे ॥
निकलघरसेऔरअस्पपरहोसवार । शिताबी से ली मैंने राहेफ़िरार ॥
गुज़र आब जैहूँ से आई इधर । किया अस्पपर मांदगीने असर ॥
ग़रज़ जब कि रफ़्तारसे रहगया । तोफिरराहमें छोड़ उसकोदिया ॥
पियादहहुई चन्द फ़रसख़रवां । हुई आके इसदश्तमें अबनिहां ॥
वह दोनोंजवां उसपै माइलहुये । ख़दंगे निगहके वह घायलहुये ॥
हुये ख़्वास्तगारे बुते सीमबर । लगे करने परख़ाशबाहमदिगर ॥
बहमबअ़द परख़ाशपाया क़रार । कि लेचलिये पेशेशहेनामदार ॥
जिसे हुक्मदे खुसरवे नामज़ू । वहले शौक़से इसपरी चेहरेको ॥

गये लेके जब पेशकाऊस शाह। हुवा शाहदीवानहये रश्कमाह॥
किसीको नज़िन्हार शहने दिया। परीचेहरको पास अपने रखा॥
बँधा अक़्द बाहम बआईनुदीं। हुईहामिलह फिरिवहज़ुहराजबीं॥
गये नवमहीने जबउसपर गुज़र। तो पैदाहुवा पूर रश्के कमर॥
नज़रकरके तालअमें शहज़ादेके। मुनज्जिमशहनशहसे कहनेलगे॥
किऐशाह इसके परेशां हैं बख़्त। हुवासुनकेग़मगीं खुदावन्दतख़्त॥
सियाउशरखानाम शहज़ादे का। लगापरवरिशपाने वह महलका॥
वलेकिनदिलेशाहथा पुरमलाल। नथातरबियतकाकुछउसकेखयाल॥
कहीं उनदिनों रुस्तम आयावहां। लगा कहने ऐखुसरवे खुसरवां॥
इसे ज़ाबुलिस्तां में लेजाउँ मैं। हुनरहायशाहानह सिखलाउँमैं॥
कियाशाहने वोहीं उसको सिपुर्द। ग़रज़ लेगया ज़ाबुलिस्तांमें गुर्द॥
हुनर परवरांके हवाले किया। हुयेफिरिवहमसरूफ़ सुब्होमसा॥
तरीक़े नवर्दो शिकारो अदब। हुनरहाय शाहानह सिखलायसब॥
सियाउश जहांमें हुवा बेनज़ीर। हुनरमन्ददानाशुजाओ दिलेर॥
सियाउशनेरुस्तमकोफिरएकरोज़। कहा योंकि ऐरुस्तमे नेकरोज़॥
मुझे यह तमन्ना है शामोसहर। कि हासिलकरूँ पाइबोसे पिदर॥
यहसुनकरमुहइयाकरिअसबाबजाह। ज़रोनेमतो अस्पुफ़ीलोसिपाह॥
कियाअर्ज़ शहज़ादेसे योंकि अब। रवांहूजिये बानिशातो तरब॥
वहबोलाकितुझबिननहींजाऊँगा। तुहमतननेफिरपासखातिरकिया॥

बारयाबहोना सियाउशका बापके हजूर हमराह रुस्तम के और पेशवा जाना अफसरानि सिपाहका॥

गया साथ शहज़ादेके आपभी। हज़ूरे शहनशाह बासद खुशी॥
उसे लेगये पेशवा आके सब। हुवा देखकर शह करीने तरब॥
बहुत लुत्फ़मसरूफउसपर किया। सियाउशकेखातिरकोखुश्तरकिया॥
हुनरपर जबउसके हुई आगही। तोरुस्तमको भी आफ़रीखूबकी॥
हज़ूरअपनेफिरशहनेताहफ़्तसाल। रखाउसकोमशग़ूलकरबोकमाल॥
यह दिलचाहेथा फिरिशहेदहरका। किमुल्क उसको देमावरुलह्रका॥
बजाहो हशम होके वांसे रवां। सियाउश करें हुक्मरानी वहां॥
कि यतने में सौदायहये माहिजबीं। जहांदारकी जौज़ये अव्वलीं॥

यह कहने लगी शाह काऊस से । कि पेशाह यह आर्जू है मुझे ॥
सियाउशको इक दुख़्तरेख़्वांदहदूँ । उसे कतख़ुदा साथउसके करूं ॥
जहांदार बोला कि बेहतर है पर । सियाउशकोराज़ीकरऐसीमबर ॥
तलब उसनेशहज़ादेकोजब किया । तोयहशहसे लेकरइजाज़तगया ॥
सियाउशपैआशिकथीवहमहजबीं । सियाउशगयातबतो उसनेवहीं ॥
पकड़ तंग आगोश में शौकसे । लिये उसके बोसे कई ज़ौक से ॥
हुई गर्ममेह्र उस से जब वह परी । वह समझा किहै उल्फ़तेमादरी ॥
कई दुख्तरे ख़्वाँदह ज़ुहरह जबीं । कि सब नस्लसे बादशाहोंकेथीं ॥
उन्हें वां तलब करके बासदखुशी । सियाउशकेसोदायहकहने लगी ॥
हुआ मोबिदां से यह मुझकोअयां । तेरे तुख्म से इक पिसरऐजवां ॥
ख़ुदावन्दहो तख़्तु दैहीम का । शहनशाहहो हफ़्त अक़्लीमका ॥
यह सुनकर तमन्ना हुई यहमुझे । कि वह मेरी दुख्तरकेहोबत्नसे ॥
यह दुख्तरजो हाज़िरहैतेरे हुज़ूर । किहै हुस्न में रश्क गलमांवहूर ॥
तु इनमेंसे करिएकको अबक़बूल । तमन्नाइ दिल ताकिहोवे हसूल ॥
रहा सुनके खामोश वह नामदार । नपासख दिया शर्मसे ज़ीनहार ॥
किया यहभी अन्देशहादिलमेंवहीं । कि यह मांहकीकी मेरेकुछनहीं ॥
यह क्या ज़िक्रजोमेह्रशफ़क़्क़तकरे । तअज्जुब नहीं गरअदावत करे ॥
सिवाउसके कहतेहैं सबसेह्रसाज़ । हज़ारइससेबेहतरहैंऔरएहतिराज़ ॥
वह कहतीथीटुकखोलअपनीजबां । यह दिलतंगुलबबस्तहथागुंचसां ॥
वहसमझीकिअबइसकोशर्मोहिजाब । जोदेतानहींबातकाकुछजवाब ॥
कियासबको रुख़सत अकेलीरही । सियाउससेफिरयहहिकायतकही ॥
हुईमुनक़ज़ी मुद्दते हफ़्त साल । किआशिकहुँमैंतुझपैऐमहजमाल ॥
तुबरला शिताबीसेअबकामदिल । किहासिलमुझेहोवे आरामदिल ॥
तुझे बाद काऊस किशबर सितां । करूंगी मैं फ़रमां रवाये जहां ॥
सिपाहे जहांदार काऊस के । सरासर मेरे ताबअये हुक्म है ॥
फ़रेब उसने हरचन्द उसकोदिये । लबअपने न शहज़ादेने वाकिये ॥
झुकाये हुये सिरकोवह नामदार । वह चाहेथा लेवांसे राहे फ़िरार ॥
उठा जबतो सोदायहने बेदिरंग । लिये बोसेफिरखींचकरबरमेंतंग ॥
यह शोचामलिकज़ादयेनामवर । कितुन्दीव सख़्ती करूंकुछअगर ॥

मुबादा ग़ज़ब नाक होजाय यहि । बला मेरेसिरपर कोईलायेयहि ॥
न देखा कोई चारा जुज़इन्क्रयाद । बनाचारबोला वहफ़र्रुखनिहाद ॥
पये अक्रद दुखतर जो तूने कहा । यह अलबत्तह मैंने पिज़ीराकिया ॥
वलेकिन न रख और कुछ आर्जू । अदब है तेरा मुझकोमादरहै तू ॥
सियाउशने यहबातजिसदमकही।तो सौदायहकीजमअखातिरहुई ॥
कियाउसको रुखसतबलुत्फ़ोतरब । कहा फिरयहकाऊससे वक्तिशब ॥
कि दुखतरको मेरी पिज़ीराकिया । मलिकज़ादये नामवर ने शहा ॥
हुवाशादुखुर्रम शहेज़ुल किराम । दियाउसकोअसबाबशादीतमाम ॥
सियाउशको फिरउसनेरोज़ेदिगर। यह पैगाम भेजा कि ऐनामवर ॥
ज़रो गौहरो नेमते बेकरां । तेरे वास्ते शहसे लाई यहां ॥
सियाउश के असबाब शादीज़ुदा । तकल्लुफ़ से मैंने मुहइयाकिया ॥
यह सब नेमतो दुख्तरे रश्कमाह । तुझेदूंगी अबआनके मैं बियाह ॥
न आयावह शहज़ादये कामगार । गई फिर हज़ूरे शहेनामदार ॥
कहा जाके ऐ शाहरूये ज़मीं । सियाउश मेरे पासआता नहीं ॥
शहनशहिनेउसकोतक्रइयदकिया । मलिकज़ादहनाचारफिरवांगया ॥
वह लाई ज़बांपरसखुनहाइ दोश । कहाकुछनहीं इश्कमें तेरे होश ॥
जवानी पै मेरी ज़रा करिनिगाह । न मुँह मोड़ जिन्हारऐरश्कमाह ॥
तुहमख़्वाबहोमुझसेदिलशादकर । मुझेबन्द से ग़मके आज़ादकर ॥
वहसुनिकरिलगाकहनेवहनामदार।तवक्क्रअयहमुझसेनरखिजिनहार ॥
तुहैबानुवे शाहि किशवर कुशा । भलाकिसतरहमुझसेहोकुछखता॥
यह कहिताहुँमैंतुझसे साफ़साफ़ । किइसकामसे रखमुझे तूमुआफ़ ॥
किया शाहज़ादे ने इन्कार जब । वह शौदायहयेफ़ितनहअंगेज़तब॥
उठी तख़्तसे होके पुरखश्मुकीं । सियाउशकेदामनकोपकड़ावहीं ॥
सियाउश वहाँ से शिताबाँ हुआ । वह दामनछुडाकरि गुरेजां हुआ ॥
लगीकहिनेसोदायह करिकेफ़िगां । बला क्या तेरे सिरपैलातीहूँ यां ॥
ग़रज़फ़ितनहइकउसनेबरपाकिया । किइकबारगी शोरु ग़ौग़ाकिया ॥
किया पारह पारह गरेबान को । कियाचाक २ अपनेदामान को ॥
खरासीदहनाखुनसेरुखकोकिया । परेशां किये बाल सिरताबपा ॥
कनीज़ा भी उसके इशारेसेवां । लगीकरनेग़ौग़ा व शोरो फ़िगां ॥

यह सुनिकरगया खुशरवे नामवर। यहअहवालसोदायहकादेखिकर॥
लगा पूंछने कहु हक़ीक़त है क्या। रहे मक्र से उसनेज़ाहिरकिया॥
किशाहा सियाउश नेयां आन के। पछाड़ा मुझे ज़ोर सरपंजे से॥
किया यह इरादह कि बेख़ौफ़बाक। करेमेरे दामानअसमतकोचाक॥
बदुशवारी उस से हुई मैं रिहा। मेरा पाक असयांसे दामनरहा॥
सुनाजबयहकिस्सहहुआपुरग़ज़ब। सियाउशकोशाहिनेकियाफ़िरतलब
कहायों किअबराज़कारआशकार। नकहिनाबजुज़रास्ती ज़ीनहार॥
किया उसने अहवाल साराबयां। वहराज़ेनहुफ़्तहकियासबअयां॥
यहबोलीवह सौदाइये हीलहगर। किबातिलहैगुफ़्तारयहसरबसर॥
लगासूंघने उसके फिर रख़्तको। शहे नामवर खुसरवे नामज़ू॥
मुअत्तरथी पोशाक सौदायहकी। सियाउशकाजामाथाबूसे तिहीं॥
हुआ शाहसोदायह परख़श्मगीं। कियाख़्वारउसहीलहगरकोवहीं॥
अगरचे यह मंज़ूरथा ख़ींचितेग़। करें सिरको उसके जुदाबेदरेग़॥
वलेकिनयहअन्देशहदिलमेंकिया। कि पुरज़ोर है बाप सोदायहका॥
मुबादा कि बरपा करेंकुछफ़साद। ख़लल मुल्कमेंलायेवहबदानिहाद॥
सिवाउसकेथामुबतिलाउसकाशाह। किथी हुस्नमें ग़ैरते मेहमाह॥
शबिस्तान में से कोई नाज़नी। न थी मिस्ल सौदाइये महजबीं॥
बहुत ख़ुर्दथे उसके फ़रज़न्दभी। ग़रज़इसलिये दरगुज़रउससेकी॥
यह सोदायहसेशाहने फिरियेकहा। सियाउश को देखातो है बेख़ता॥
तु ख़ामोशहो राज़को करि निहां। नहोरुशारआलममेंकरिके फिशां॥
नसमझीवलेदिलमेंवहहीलेहसाज़। न आई ज़रा बेहयाई से बाज़॥
यहीशाहिसे कहतीथीसुबहोमसा। सियाउशको पहुँचाअक़ूबतशहा॥
वले बात उसकी शहे नामदार। पिज़ीरानकरताथा कुछज़ीनहार॥
इसी फ़िक्रमें थी वह बेतर्सु बाक। किसीहीले से उसकोकरेहलाक॥
हुई हामिलहनागहाँएक ज़न। हुईखुशवहसुनकरयहज़ालिमसख़ुन॥
लगी कहने फिर उससेवहकानहज़ू। किइसहालकोकरदेइसकातू॥
हज़ूर अपने करिके तवज्जूहतर। किया शाद देके उसे सीमज़र॥
कनीज़ों को मेरेहो उसदम ख़बर। करेंताकि ग़ौग़ावहसबसरबसर॥
शहनशाह काऊस पुरसांहो जब। सियाउशकातूलीजियोनामतब॥

बहम खुफ़तहथे एक दिन रातको। वहसोदायहऔरखुसरवेनामजू॥
कनीजाँ यकायक खरोशाँ हुईं। वहसरगर्मफ़रयादश्रफ़गाँ हुईं॥
हुआ सुनिके बेदाद फ़रमां रवा। यहपूँछाकियहशोरोगोग़ाहैक्या॥
कनीजों ने काऊस से यों कहा। फ़लानी हरम है जो तेरे शहा॥
हुये उससे पैदा जो मुरदहापिसर। कहाशाहिने लावो उन्हें जूदतर॥
वह रखि तश्त में लेगई पेशिशाह। लगाशाह हैरतसे करने निगाह॥
जबउसज़नसेपूँछाहक़ीक़तहैक्या। यहकमबख़्तनेतबगुज़ारिशकिया॥
यह बच्चे सिया उसके हैं तुख़्मसे। किहमख़्वाबउसनेकियाथामुझे॥
यह सोदायहने सुनिकेशाहिसेकहा। मेरी बातकातुझको बावरनथा॥
वले फ़ेल देखो सिया उसकाअब। किक्याकामउसनेकियाहैग़ज़ब॥
शहनशाह ख़ामोशु हैरां हुआ। बहुत अपनेदिलमें पशेमाँहुआ॥
वहीं उठके फ़िलफ़ौर बाहेरगया। तलबअहलेतनज़ीमकोवाँकिया॥
दखाये उन्हें हरदो मुर्दह पिसर। कहा उनकेतालेमें करिके नजर॥
यह ज़ाहिर करो किसकेहैं तुख़्मसे। खबरराज़पिनहासेअबदो मुझे॥
वहीं तालहये बख़्तको देखिकरि। लगे ग़ौर करने वह शामोसहर॥
कहा बाद यक हफ़्तहएशहरयार। यहतुख़्मेकयाँसे नहीं ज़ीनहार॥
किया राज़ पिनहा न नापाकज़न। अयाँ सरबसर पेश शाहेज़मन॥
जोअख़्तरशिनासोंनेज़ाहिरकिया। तोसोदायहसेजाके शाहिने कहा॥
वहबोलीकिऐ शाहजाहैर शिनास। तुहमतनसेडरतेहैं अख़्तरशिनास॥
नहीं रास्तगुफ़तार यह ज़ीनहार। नहीं उनकी कुछबातपरएतबार॥
सियाउश को वाजिबहैदेनीसज़ा। सज़ावार है क़त्ल अहलेख़ता॥
रहा सुनिके ख़ामोशकाऊसशाह। किबेचारहशाहिज़ादहथाबेगुनाह॥
बद अन्देशअज़बस्किसोदायाहथी। शहे नामवर से यहकहने लगी।
हिमायततुकरता है बेटकी अब। सितमहैसितमहै ग़ज़बहै ग़ज़ब॥
कियाऔरकरताहैमुझकोख़राब।यहकहिकरालियाजह्रक़ातिलाशिताब॥
कहायोंकि मरतीहूं मैं खाके जह्र। हुवासुनि के नाचारतबशाहदह्र॥
यहठहराकिशाहिज़ादहयेनामदार। पड़े आग के दरमियां एकबार॥
अगर है गुनहगार जलजायगा। वगरना न ईज़ा ज़रा पायगा॥
हुई आतश अफ़रोख़्तह जबवहां। लगा कहिनेतबशाहसेवहजवां॥



ख़तर क्याहै ऐशाहफ़र्रुख़ख़िसाल । नहींरास्तीकोभी हरगिज़ज़वाल ॥
ख़ुदा है निगहबां मेरा हरज़मां । किहै वाक़िफ़ो आशकारो निहां ॥
ख़ुदावन्द ग़फ़्फ़ार को याद कर । सियाउश गया आग में बेख़तर ॥
नपहुँचाउसे कुछज़ररज़ीनहार । सलामतवहनिकलाफिर अंजामकार ॥
सियाउशकोशहने बग़लमें लिया । सरोचश्मपरउसके बोसह दिया ॥
हुआसख़्तसोदायहपरख़श्मनाक । कहायोंकिकरताहूँतुझकोहलाक ॥
वलेकिन शफ़ाअत सियाउशनेकी । बहानहभी चाहेथा काऊसभी ॥
सरे ख़ूंसे गुज़रा शहेदींपनाह । ग़रज़उसपेकीमरहमतकीनिगाह ॥

दास्तान जाने मलिकज़ादह सियाउशकी वास्ते जंग अफ़रासियाब के
और फतह करना बलख़ को ॥

वहसोदायहअज़बस्किबदकेशथी । सियाउशकीनाहक़बदअन्देशथी ॥
मलिकज़ादहके क़त्लका क़स्दथा । यह तदबीरथीउसकोसुबहोमसा ॥
ख़तरनाकरहिताथावह नामदार । दुआ मांगताथा यह लैलोनहार ॥
किया हज़रते एज़िदेज़ुलजलाल । शिताबीकहींयांसेमुझकोनिकाल ॥
यह पहुँचीख़बरउनदिनोंनागहां । कि तूरां से बालश करे बेकरां ॥
इधरफिरहुआआज़मअफ़रासियाब।यहसुनिकरजहांदारआलीजनाब ।
हुआख़श्मनाक और कहने लगा । किऐ नामदारानि जङ्गआज़मा ॥
वहअन्देशतुरकानिनख़वतशिआर । नहीं अहदपे मानपरउस्तवार ॥
कभीसुलहजूहों कभीकीनहख़्वाह । यहरखतेहैं दिलमें ख़यालेतबाह ॥
सिपहिखींचिकरिबलख़तकअबकीबार।करूंउनकोआवारहओक़त्लुख़्वार
सिया उशने काऊस से यों कहा । कि ऐशाहशाहानिकिशवरकुशा ॥
मुझे भेजिये सूय अफ़रा सियाब । करोंजाकेउसको तबाहोख़राब ॥
कहाशहिने तुझकोकहांहै यहताब । जोठहरेज़रापेश अफ़रा सियाब ॥
ज़बरदस्त है तुझसे वह ऐजवां । क़वीचंग हैं उसकेसबपहिलवां ॥
यह मक़सूदथा उसको इसबातसे । किदूरीहो अबख़स्मबदज़ात से ॥
यह बेहतरहै मैं आपलेकर सिपाह । बदअन्देशसेजाकेहोंरज़्मख़्वाह ॥
वह बोला कि उससेनकमतरहुँमैं । हुनरऔ कूबत में हमसरहुँ मैं ॥
यहलशकरभीअपनाहैजंगआज़मा । सदा फ़ौजतूरां पे ग़ालिबरहा ॥
हज़ूरे शहनशाह जौहर शिनास । कियाफिरतुहमतनने यहइल्तिमास ॥

कि हमराह शहज़ादये नामदार। मुझेकीजिये रुख़सत एशहयार ॥
करोआप तकलीफ़हरगिज़नअब। रहो यां बआराम ऐसो तरब ॥
मलिकज़ादहऔरबन्दहकाफ़ीहैयां। पयेजंग तुरकान नख़वत निशां ॥
उन्हें अलग़रज़ देके सामानजंग। रवानह किया शाहने बेदिरंग ॥
वहशहज़ादहऔररुस्तमेनामवर। दिलेरी से पहुँचा दरे बल्ख़पर ॥
वहांपर जो था हुक्मरां ताज़ियां। सो आयापयेकीनहख़्वाही दवां ॥
हुई फ़ौज ईरां जो गर्मे सितेज़। सो बसउसनेलीवोंहीं राहेगुरेज़ ॥
न हरगिज़ रही ताक़ते कारज़ार। हुआ जाके महसूर अंजामकार ॥
यहसुनिकरसुयेबल्ख़पहुँचासिताब। सिपहिलेकेदामादअफ़रासियाब॥
दिलावरथागाशीव्ज़उसकाथानाम। हुआदेखकरताज़ियांशादकाम ॥
बहम मुत्तफ़िक़ होके फिर बेदिरंग। हुये शाहज़ादे से ख़्वाहान जंग ॥
रहा खूब दो रोज़तक कुश्तो खूं। किया फ़ौजईराने उसको ज़बूं ॥
हुई रज़्मकी फिर न ताबो तवां। तो नाचारगरशीवज़ो ताज़ियां ॥
गुरेज़ां हो जैहूं से गुज़रे शिताब। गयेख़स्तहादिलपेशअफ़रासियाब॥
हुआ बल्ख़में दख़्ल शहज़ादेका। यह शहज़ादेने फ़िरइरादहकिया॥
कि होकर रवां बल्ख़से पेशतर। गुज़र आबजैहूँ से बा कर्रु फ़र ॥
सिपहिदार तूरांसे हो रज़्मख़्वाह। करेउसकेलशकरकोयकशरतबाह॥
सराने सिपहने यह उससे कहा। किजल्दीकोमतकामफ़रमाज़रा ॥
तुलिखशाहको नामहयेनामदार। वहकीजो लिखे जोतुझेशहयार ॥
सियाउशने मरकूम नामहकिया। लिखायहकिऐशाहकिशवरकुशा ॥
गयाहाकिमे बल्खखाकरशिकस्त। औरअपनाहुआबल्ख़मेंबन्दुबस्त॥
गुज़रजाउँजैहूँ से गर हुक्म हो। सिपहिदार तूरां से हो रज़्मजू ॥
लिखा शाह काऊसनेयह जवाब। किहैं सख़्त पैकारअफ़रासियाब ॥
अगर वह न जैहूँ से आयाइधर। तो हरगिज़उधरकाइरादहनकर ॥
सियाउश बफ़रमानि शाहेजहां। हुआबल्ख़ में फिरतवक्कुफ़कुनां ॥

आना गरशीव्ज़दामाद अफ़रासियाबका तुहफ़ा लेकर वास्ते सुलह के पास सियाउश के और आज़ुर्दगी शाह काऊस की और तलब करना सियाउशको ॥

जहांथा सिपहिदार तूरां वहां। गये जबकि गरशीवज़ोताज़ियां ॥
गुज़ारिशकियेउसनेअहवालजंग। यह सुनकरउड़ाउसकेचेहरेकारंग॥

गयाख़्वाबमेंशबजोअफ़रासियाब। तोनागाहआयानज़रएकख़्वाब॥
हुआ होशसे उसके गर्मोफ़िगां। सुनाजबतो गरशीवजआयावहां॥
यह पूछा कि ऐ सरवरे नामवर। तुझेख़्वाब में अबपड़ाक्यानज़र॥
जो यकबारगी तू ख़रोशां हुआ। हिरासांहुआ दिल परेशां हुआ॥
यहकहिनेलगाउससेअफ़रासियाब। किइसवक्तदेखाहैमैंनेयहख़्वाब॥
कि यकदश्त में सैकड़ों सांपहैं। मेरी फ़ौजभी है वहां औरमें॥
नुमायां हुआ अब्रमें एक मार। हुआ रुख़से ईरान के आशकार॥
वहीं बाद सर सर हुवैदा हुई। फिरउसमें से यकफ़ौज पैदाहुई॥
किया मेरेलश्करकोउसनेहलाक़। मिलाया हरयककोतहेखूनुख़ाक॥
पकड़िकर मुझे लेगये मर्दुमां। शहनशाह काऊसभी था जहां॥
जवांएकथा रश्कखुरशेदु माह। वह बैठाथानज़दीककाऊसशाह॥
उठावोंहींऔरखींचकरउसनेतेग़। कियाचाक पहिलू मेरा बेदरेग़॥
हुआदिलकोअज़बसाकिउसवक्तदर्द। ख़रोशांहुआफिरिमैंऐनेकमर्द॥
लगाकहिनेदामादअफ़रासियाब। किबरअक्सहोतीहैताबीरख़्वाब॥
न दिलमें ज़राख़ौफ़ अन्देशहकर। मयस्सरतुझे होगी फ़तहो ज़फ़र॥
यह ताबीरउसकी न आईपसन्द। यादिलसेहरगिज़नख़ौफ़ोगज़न्द॥
तलब उसनेदानिशवरोंकोकिया। मुफ़स्सलकहामाजरा ख़्वाबका॥
हुवे सुनिके ख़ामोश दानिशवरां। क़िथा दिलमें हरएकके ख़ौफ़जां॥
वले एकने अहदो पैमां लिया। सिपहिदारतूरां से फिरि यौंकहा॥
कि हरगिज़ न करक़स्दपैकारतू। सियाउशसे ऐशाहहो सुलहजू॥
वगरने ख़राबी पड़े है नज़र। मुबादा कि होजायनौएदिगर॥
पसन्दआईगुफ़्तारअख़्तरशिनास। अताकी उसे नेमते बेक़यास॥
दवां फ़िरिकियाशाहिनेदामादको। सुवे बादशहि ज़ादये नामज़ू॥
फ़क़तनामह उसके हवाले न था। तहायफ़भीअनवाय वहलेगया॥
गयाजबकि गरशीवज़ नामज़ू। सियाउशउठा वोंहीं ताज़ीमको॥
वह तुह़फ़ादिया और नामहदिया। पयेआश्ती उसने की इल्तिजा॥
सियाउश हुआ देखकरशादमां। फिर एकबज़्मआरास्तहक़ी वहां॥
हुये महफ़िल आरा बऐशोतरब। गईअलग़रज़जबगुज़रनिस्फ़शब॥
उठावोंहीं दामाद अफ़रासियाब। हुआजाकेशरगर्म आरामुख़्वाब॥

सियाउश नेरुस्तमसेफिरयोंकहा। कि ऐपहिलवांमसलहतअबहैक्या॥
हुआआइतीख्वाहअफ़रा सियाब। तुहमतननेसुनकरदियायहजवाब॥
किबदख्वाहआजिज़हुआजबकमाल।कियाआइतीकातब उसने सवाल॥
वले सख्त मक्कार है बद निहाद। नहीं उसके कुछक़ौलपरएतमाद॥
फ़िरिस्तादहकोदीजियेयहजवाब। किगुर्दानुख्वेशानिअफ़रासियाब॥
जिन्हें हम कहें सो वहआवेंयहां। बरस्मे गरोहां रहें जाविदां॥
तअल्लुकहै ईरांके जोकुछकि हो। कि उससेभीअबदस्तबरदारहो॥
हमें इसतरह सुल्ह मंज़ूर है। वगरने रहे आइती दूर है॥
सहरजबकिगरशीव्ज़आयावहां। कियाउसनेमरकूज़ खातिरअयां॥
यहअहवाललिखउसनेक़ासिदशिताब।रवाना।किया पेश अफ़रा सियाब॥
किया शाहतूरांने सबकुछ क़बूल। हुई आर्ज़ू ये दिली सब हसूल॥
बुख़ारा व ख्वारज़्म औरचाचभी। समरक़न्दो संजाव के थे सभी॥
अज़ीज़ानुख्वेशानफ़र्रुख़निहाद। दिलेरानु गुर्दान आली निज़ाद॥
तुहमतनमेंजिनकालियानामथा। रवांपेशशहज़ादहउन को किया॥
हुआ शादशहज़ादये नामदार। तुहमतन को भेजासुये सह्रयार॥
लिखासुल्हकाशहकोअहवालसब।कियेतुहफ़े तूरां के इरसाल सब॥
सुनीथी खबर शाहने पेशतर। किबदख्वाहको ख्वाबआयानज़र॥
उड़े हौलसे जिसकेहोसोहवास। बहुतदिलमेंउसकेहैख़ौफ़े हिरास॥
सियाउशकेअखतरशिनासोंनेभी। कहा शाह काऊस से था यही॥
कि तेरामआबित है परवर्दिगार। ज़फ़रमन्दहोगा तु ऐ शह्रयार॥
तबहहोगी अफ़वाजअफ़रासियाब। वह होगा।गिरफ़तारेजोअज़ाब॥
हज़ूरे शहनशह जो रुस्तम गया। कियामाज़रासबबयां सुल्हका॥
लगा कहने तब बादशाहे जहां। नहीं सुल्ह मंज़ूर ऐ पहिलवां॥
यह फिर रुस्तमे पहिलवां ने कहा। कि है जंगसे सुल्ह बेहतरशहा॥
कहा शहने तुम उज्र करतेहोगर। तो मैं औरको भेजताहूं उधर॥
तुहमत ने आज़ुरद होकर कहा। कि हाज़िर रहूंगामैं यों खुशरवा॥
रवाना किया तूसको फिरशिताब। जहांदारने सूयअफ़रा सियाब॥
कहाकुछतअम्मुलतवक्कुफ़ दिरंग। नकीजो ज़राहूजियो गर्म जंग॥
सियाउशकोफिरएकनामहालिखा। कितूरानियों को तुयां लेके आ॥

आजुरदाहोना बादशाहज़ादह सियाउशका कैकाऊस से और जाना पास अफ़रासियाब के और पेशआना उसका साथ ताज़ीम और तवाज़े के और देना लड़की अपनी और बख़्शना मुल्क शाहज़ादे सियाउश को॥

पढ़ाशहिकानामह सियाउशनेजब। हुआदिलपरेशाँवआज़ुरदहतब॥
सराने सिपहिको बुलाकर कहा। कहोसोचकरमसलहतअबहैक्या॥
दियासबने पासख़ कि बेहतरयहहै। कि लावो बजा हुक्म काऊसके॥
वहबोला कि ख़ेशानअफ़रासियाब। जोवाँजावैंतोशाहआलीजनाब॥
करै क़त्ल हरयक को है यहयक़ीं। कि दिलमेंभरा उसकेहै बुग्जुकीं॥
मेरे अह्दो पैमाँका फिरि एतबार। न कोई करैगा यहाँ ज़ीनहार॥
सिवा उसके सोदायह है कीनहजू। मेरे दुश्मने जाँहै वहज़िश्तखू॥
ख़ुदाजाने क्या ज़ालिमे नाबकार। मेरे सिरपेलावेबलाअबकीबार॥
नज़रआवे जब यह गज़न्दोज़रर। तो फिरिजाऊँक्योंकरहज़ूरेपिदर॥
यहदिलमेंहै याँछोड़करसबसिपाह। सिपहिदारतूराँकी अबलूंपनाह॥
यहसुनकर बहुत होके अन्दोहगीं। यह गोदर्ज़ो बहराम बोलेवहीं॥
नहीं मसलहत यह क़रीने सवाब। किबदख़्वाहतेराहैअफ़रासियाब॥
समुझ ऐ मलिकज़ादये नामजू। कि हरगिज़ नहीं एतमादे उदू॥
दिया शाहज़ादेने फिरियह जवाब। करै गर मुझेक़त्लअफ़रासियाब॥
तो बेहतरहै इससे कि लैलोनहार। रहूँ मैं हज़ूरे पिदर ख्वारो ज़ार॥
यहकहिकरवहींएक नामह लिखा। सुये शाह तूराँ रवानह किया॥
लिखा योंकि ऐ ख़ुशरवे नामवर। मेरा बाप राज़ी नहीं सुल्हपर॥
एवज़ मेरे भेजा उधर तूस को। किहोतुमसे अबआनकररज़मजू॥
मेरा अह्दो पैमान है उस्तुवार। अगरसिरभीजायेतोहाँज़ीनहार॥
न फेरों मैं सिर अह्दे पैमाँसे गाह। रखो राह्व रस्मे मुरव्वतनिगाह॥
ग़रज़ कुछ नहीं शाहकाऊस से। नहीं है मुझे काम कुछ तूससे॥
यहहै क़स्द अब ज़ेर चर्खे बरीं। कहीं दूरजाकर हूँ मसकनगुज़ीं॥
न पहुँचे जहाँ हाथ काऊसका। रहूँ अम्नसे वाँ मैं सुबहोमसा॥
बतादीजिये कोई ऐसा मकाँ। किजाकर करूँ मैं इक़ामतवहां॥
तुम्हारे अज़ीज़ाँ वख़्वेशोंको अब। किया मैंने रुख़सत बऐशोतरब॥
गयापढ़िके हैरतमेंअफ़रासियाब। लिखाउसनेनामेकोफिरयहजवाब॥

किमुझको समुझ अह्‌दो पैमाँ में चुस्त। तेरे साथ है सुल्ह मेरी दुरुस्त॥
वले वोही कीनह है काऊससे। वहीं जंगु परख़ाश है तूससे॥
कहाँ तूसको ताब ऐ नेक मर्द। कि हो आनके मुझसे बहमनवर्द॥
जो मंजूर रखकर तु पासो वफ़ा। हुआ मेरी खातिर पिदरसे जुदा॥
तो मैंने किया तुझको अपना पिसर। मुहब्बत करूँ मैं बतौरे पिदर॥
करों बल्कि फ़रमाँबरी रोज़ो शब। तुआ शौकसे याँ बफ़रते तरब॥
तु जो चाहे तुझको वह अक़लीम दूँ। ज़रो गंजो अवरंगो देहीम दूँ॥
तुझे बाद काऊस बेदादगर। करूँ मुल्क ईरान का ताजवर॥
यह नामह पढ़ा शाहज़ादेने जब। हुआ बन्दसे ग़मके आज़ाद तब॥
वहीं अज्मतूराँ मुसम्मिम किया। औ रयक नामह काऊसको यह लिखा॥
करूँ अर्ज क्या है यह तुझपर अयाँ। कि पहिले तो ऐ शाह किशवरसिताँ॥
किया मुत्तिहिम मुझको सोदायह ने। किया पुरग़ज़ब तुझको सोदायह ने॥
यह चाहा कि मुझको करे तूहलाक़। खुदाने न हरगिज़ किया खौफ़ु बाक़॥
सितारह सिनासोंने जो कुछ कहा। वह ज़िनहार तूने न बावर किया॥
गया आखिर आतशमें यह ख़ाकसार। वलेकिन बअलताफ़ परवर्दिगार॥
सलामत रहा कुछ न पहुँचा ज़रर। किया बलखको फ़त्ह याँ आनकर॥
सिपहदार तूराँको आजिज़ किया। ज़रो अफ़सरो मुल्क उससे लिया॥
बख़ूबी यहाँ आश्ती है बहम। वले तू न राज़ी हुआ है सितम॥
एवज़ मेह्‌रके तू हुआ ख़श्मगीं। तवक़ा मुझे तुझसे अब कुछ नहीं॥
हुआ सख़्त नाचारु मजबूर आह। सुये ख़ानये ख़स्म लेता हुँ राह॥
जो है सिरनविश्त अपनी यह हो गया। मिटे कब लिखा किलकृत क़दीर का।
वह नामह सुये खुशरवे नामजू। रवाँ कर चुका जब तो बहरामको॥
तलब करके बोला वह ख़ुरशेद जाह। कि यह किशवरे मुल्क बख़्शे सिपाह॥
तेरे अब हवाले है तूस आवे जब। तो कर दीजियो उसके तफ़वीज़ सब॥
यह कहकर मलिकज़ादये नामदार। रवानह हुआ लेके नु हसद सवार॥
वह दरयाय जैहूँसे गुज़रा शिताब। गया अलग़रज़ सूय अफ़रासियाब॥
यह नज़दीकतर शह्‌रके जब गया। ख़ुशीसे वह आया वहीं पेशवा॥
उधर शाह औ शाहज़ादह इधर। पियादह हुये दूरसे देखकर॥
किया यकसर आरास्तह शह्‌रको। बआईनु दिलख़्वाहो तज़ेंनिको॥

दरेशह्र से तादरे शह्रयार। हुआ सिरपेशहज़ादे केज़रनिसार ॥
सियाउससेबोलायहअफ़रासियाब तुझेदेखिकर मैं हुआ कामयाब ॥
किया तूने तूरान को गुलसितां। हुई तेरे आने से रौनक़ यहां ॥
सिपहदारने फिर बआईन नेक। कियाजश्नशाहानहतरतीबएक ॥
दफ़ोबरबतो शाहदो जाम मै। मुहइयाथी इशरतकी हरएकशै ॥
तवाज़ा मुदारा बताज़ीम की। बरस्मे पसन्दीदह तकरीमकी ॥
मलिकज़ादहकाफ़िरहुआमदहख्वां। किमुझसेमुफ़स्सलरहै तू ऐजवां ॥
तु है नूरपूरे शहे कैकुबाद। जवांमर्ददाना व फ़र्रुख निहाद ॥
निकूरूय खुश खुल्क पाकीज़ाखू। हक़ायकाशिनोआकिलोरास्तगो ॥
मयस्सर नफ़ाखुरकासामांहुआ। कितुझसा मलिकज़ादहमेहिमांहुआ ॥
सुनीजब यह गुफ़्तार लुत्फ़ोकरम। हुआशादशहज़ादये जमहशम ॥
झुकाकरअदबसे सरे इन्किसार। हुआ वह परस्तिन्दये शह्रयार ॥
गरज़रोज़ोशब पेश गेती पनाह। फ़ज़ूंथासियाउशकाएज़ाज़ुजाह ॥
कोई नामदार इक वहां वेसाथा। सियाउशसे एकरोज़उससेकहा ॥
कि तूहैदिलोजानअफ़रा सियाब। हुआजबसेमेहमानअफ़रासियाब ॥
बहुत तुझपैहै मेह्रबानी इशाह। बफ़ूरे मुहब्बत से शामोपगाह ॥
यही अबहै मक़रून राये रज़ीं। किइसशह्रमेंहोकेमसकनगुज़ीं ॥
तुहोकतखुदाऐमलिकज़ादह अब। बसरकरबऐशोतरब रोज़ोशब ॥
बफ़ज़ले खुदाबाद काऊसशाह। तुहैवारिसे तख्त ताजो कुलाह ॥
कि हस्तीसे जब जाय सूयेअदम। तुहोशाह ईरां बजाहो हशम ॥
यहां से है नज़दीक ईरां ज़मीं। न जिनहारजारोज़ोशबअबकहीं ॥
जो वेशाने शहजादे से यों कहा। तोउसनेखुशीसे पिज़ीरा किया ॥
हरीरहथी दुख्तरे गुलउज़ार। किगुलशह्रथा नामरश्केबहार ॥
उसे वेसाने बादिले पुरसफ़ा। कियासाथशहज़ादे के कतखुदा ॥
जोदेखारुखे दिल बरे सीमवर। हुआखुशमलिकज़ादये नामवर ॥
लगारहनेसाथउसकेदिनरातशाद। नकरताथाकाऊसको गाहेयाद ॥
किसीने सियाउशसे फिर यहकहा। किसाथऔरकेक्योंहुआकतखुदा ॥
हुरंगेशहै दुख्त अफ़रा सियाब। किचमकानाजिसकेहज़ूरआफ़ताब ॥
तुहोतागरउसदुख्तकाख्वास्तगार। तो देता खुशी से तुझे शह्रयार ॥

सियाउश यह बोला कि अब क्या गया। दिगरबार साथ उसके हों कतखुदा ॥
यह है रस्म शाहान आलीवकार। कि जन चाहिये शौक़ से तीनचार ॥
तलब करिके फिर मोबिदे खासशाह। जगा कहने उससे वह खुरशेदजाह ॥
कि मशरूफ़ है खुशरवे नामवर। मेरी परवरिशमें मिसाले पिदर ॥
अजब क्या जो देअपनी दुख्तर मुझे। कि है सबसे रुतबा तो बरतर मुझे ॥
कहा जाके मोबिदने सुलतां के पास। पिज़ीरा कि थाशहिने यह इल्तिमास॥
हज़ूरे सियाउश फिर आया वहीं। वह मुज़दा खुशी से सुनाया वहीं ॥
हुआ शाद शहज़ादये नामवर। कहा जाके गुलशह्र से यों कि गर ॥
तेरी हो इजाज़त तो ऐ दिलरुबा। फ़रंगेश के साथ हों कतखुदा ॥
दिया सुनिके गुलशह्र ने यह जवाब। कि राज़ी हूं मैं कीजिये अब शिताब ॥
यह बेहतर है हमको भी ऐ नामजू। कि तू शाह तूरां का दामाद हो ॥
बसाने कनीज़ां मैं लैलोनहार। फ़रंगेश की हूंगी खिदमत गुज़ार ॥
यह कहिकर खुशीसे वह गुलरू शिताब। सुये ख़ानये शाह अफ़रा सियाब ॥
गई लेके असबाब शादी तमाम। फ़रंगेश की मां हुई शादकाम ॥
हुई जाके गुलशह्र खिदमतकुनां। हुआ उससे हरएक शादां वहां ॥
फिर अपनी तरफ़ से भी असबाब सब। बसद शादमानी बऐसो तरब ॥
फ़रंगेश की मां ने सौंपा उसे। हवाखाह दुख्तर का समझा उसे ॥
रहा सात दिन जश्न शाहानवां। बसद हशमतो जाह तौकीरो शां ॥
किया कत खुदा रस्मो आईन से। फ़रंगेश को साथ शहजादे के ॥
दुरो लालो अस्पानो फ़ीलानो जर। जहेज़ उसको वां से मिला इस क़दर ॥
कि जिसका नहीं होश कैयां बयां। सिवा उसके होकर बहुत शादमां ॥
दिया शहिने उसको दियारे खुतन। किया लुत्फ़ से शह्रयारे खुतन ॥
सुनी जबकि काऊसने यह खबर। कि वह बादशाहजादये नामवर ॥
गया बल्खसे पेश अफ़रा सियाब। हुआ शाहके दिलको इक इज्तिराब ॥
हुआ यह पिसर की जुदाई का दर्द। कि हरदम लगा खींचने आहसर्द ॥
खफ़ा होके शहिसे सुये सीस्तां। रवानह हुआ रुस्तमे पहिलवां ॥
सिपहिदारतूरां से परखास का। इरादा जो काऊसके दिल में था ॥
रखा शहिने मौकूफ़ और तूसको। लिखा यों कि आत ऐ नामजू ॥

जाना शहिज़ादह सियाउशका तरफ खुतन के और होना बाइसमा मुवाफ़िक़त आब हवा का और रवाना होना तर्फ दरियाय गङ्गके और तइयार करना क़िला संगी यदीगर मकानात बलन्द और दिल पसन्द और हसद लेजाना गरशीज्वा दामाद अफरासियाव का और बहिकाना अफ़रासियाव को और माराजाना सियाउशका अफ़रासियाब के हाथसे॥

सियाउश मलिकज़ादये नामज़ू। मुरख्खस सिपहिदार तूरांसेहो॥
फरंगेश को लेके वाफर वशां। गया सूय शहरे खुतन शादमां॥
हुवाजब कि रौनक फ़िज़ाये खुतन। न हरगिज़खुशआई हवायेखुतन॥
तअइयुनकिये मर्दुमां जाबजा। कि होवे जहां खूब आबो हवा॥
खबरदीकि मसकन गुज़ीं जाकेहूं। बआरामो ऐशो तरबवां रहूं॥
लबेगङ्ग इक जाय दिलचस्पथी। मलिकजादेको आकेदीआगही॥
किहै इकमकां मिस्ल बागे जिनां। मलिकजादेने की सकूनतवहां॥
बनाया वहां एक हिसने हसीं। हज़ूर उसके था पस्तचर्खे बरीं॥
बनाये दरूने हिसारे बलन्द। मकांहायदिलचस्पोखातिरपसन्द॥
हरइकजाथेअनवायनक़शोनिगार। बसदरंगबीं जिलवहगरथीबहार॥
कयूमुर्स जमशेद फ़रुख निहाद। फ़रेदूं मिनोचेह्र और कैकुबाद॥
सिपाहिदार काऊस आलीजनाब। पुशंगोसिपहिदार अफ़रासियाब॥
नरेमां बहम रुस्तमोसामो जाल। यह जेतनेथे गुर्दानमाजीवहाल॥
लिखी सबकी सूरत बखूबी वहां। बना हरमकां गैरते गुलसितां॥
सुनी शाह तूरांने जब यह खबर। तोभेजे वहां और अहले हुनर॥
सिवा उसके भेजाबहुतमालोगञ्ज। हज़ूरे मलिकज़ादह बेदर्दो रञ्ज॥
परीचेहरह गुलशह्नरइके चमन। कि थीहामिलावक्तिअज्मेखुतन॥
सियाउश मलिकजादह इसवास्ते। गया छोड़था बाप के घर उसे॥
हुवा उन दिनों उससे पैदा पिसर। किथा हुस्नमें रश्कशमसोकमर॥
सिपहिदार तूरांहुवा शादकाम। रखाफिरखुशीसेफरोदउसकानाम॥
वहीं तिलफ़के हाथको ज़ाफरां। लगा औरपंजेका उसका निशां॥
हज़ूरे सियाउश रवाना किया। तहायफ बहुतभेजे उसकेसिवा॥
गयालेके गरशी वज़े नामदार। बहुक्मे सिपहिदार तूरांदियार॥
सियाउश से रखताथा वहबुग्ज़ुकीं। यह चाहे था कमबख़्त बेदादुदीं॥

किशाहिज़ादह रहवेन इस शानसे। निकलजावै अक़लीमतूरानसे॥
वलेकीनह सीने में पोशीदा था। बज़ाहिरथा मद्दाह शहज़ादेका॥
गया तहनियतनामहवह लेकेजब। हुवा शाहज़ादह करीने तरब॥
बहुत साथ उसके मुदारा किया। न आया वहदरतक वलेपेशवा॥
बुज़ुरुगी वखुरदी का आदाबवाँ। न लाया बजा वह सुरइयानिशां॥
तोफिर दिलमें उसकेहुईऔरकद। ज़ियादाहुवा बुग़ज़ुकीनोहसद॥
वहरुख़सतहोनामेकालेकरजवाब। गयायांसे जबपेशअफ़रासियाब॥
तोज़ाहिरकियायोंकि ऐनामदार। सियाउशसेग़ाफ़िलतहोज़ीनहार॥
नहीं वह सियाउश जोथा पेशतर। बयां क्याकरूं उसकामैं करोफ़र॥
दिमाग़उसकानख़वतसेयकसरभरा। नकी मेरी ताज़ीमउसने ज़रा॥
फ़राहिमबहुतकीअबउसनेसिपाह। वहरखेहै दिलमेंख़या लेतबाह॥
इताअ़तसेतेरे नहीं उसको काम। यही सोचताहै वहहरसुब्ह शाम॥
करै मुल्क तूरां में बरपा फ़साद। ख़बरदार ऐशाहवाला निज़ाद॥
सखुनहायबातिलकोअफ़रासियाब। समुझऔर खाबसवहीपेचोताब॥
वहीं अपनेदिलमेंयहलायाखयाल। किशहज़ादेकोयांसेदीजेनिकाल॥
लगा कहने यों शाहतूरां ज़मीं। करूं उसकोज़ायातोलाज़िमनहीं॥
पनह जो कोई लावे अपनेहज़ूर। दग़ासाथ उसके है दानिशसेदूर॥
मुनासिब है यह और बेहतरयहहै। कि भेजूँ उसे पेश काऊसके॥
सुनी जबयहगुफ़्तारअफ़रासियाब। तोकमबख़्तने फिरदियायह जवाब॥
कि देखा सियाउशने तूरांदियार। सबअहवालयांकाहुआआशकार॥
यक़ीं है कि रुस्तमको लावे यहां। करै मुल्क तसखीर सब बेगुमां॥
यहहैमसलहत ऐशहे अरजुमन्द। किराखियेसियाउशकोयांकरकेबन्द॥
बहाने से उसको तलब कीजिये। नताख़ीरको राह अब दीजिये॥
यहसुनकरलगाकहनेअफ़रासियाब। किपेशे सियाउसतुफिरजा शिताब॥
दिलासा उसे देके अब ला यहां। गरज़लेके नामहहुवा वह रवां॥
सियाउशकोनामह दियाजाकेजब। कहापढ़के उसने यहबासदतरब॥
कि पेशे शहनशाहवाला जनाब। सरोचश्मसे जाउँगा मैं शिताब॥
यहसुनकरवहगरशीवज़ेबदनिहाद। यहसोचाकि गरयह गिरामी निज़ाद॥
रवानहहो पहुँचे शिताबी वहां। तो बातिल मेरीबात होवे गुमां॥

फरेब उसने इसतरह वोहीं किया। यह शहज़ादये नामवरसेकहा॥
कि जाना मुनासिब नहीं अबवहां। वहबोलाकिक्यावास्ताकरबयां॥
वह खामुश रहाकुछनपासखदिया। क़सम देकेशहज़ादेने फिरकहा॥
ज़बांतक सख़ुन को ज़रा लाइये। हक़ीक़त है क्यामुझसेफ़रमाइये॥
सियाउशने उसनेदियायहजवाब। किहैबदगुमांशाहअफ़रासियाब॥
तुहै ये मलिकज़ादह ये बातमीज़। मेरी जानसेऔरदिलसेअज़ीज़॥
नहीं चाहता जेर चरखे बलन्द। किपहुँचेतेरीजानकोकुछगज़न्द॥
सियाउशनेसुनकरयहपासखदिया। किसुलतानेदामादमुझकोकिया॥
नहीं है गुमां यह मुझे ज़ीनहार। किमुझपरकरैकुछसितमशहरयार॥
यह सुनकर वह बदकारकहनेलगा। किअगरेरसउसकाबिरादरजोथा॥
कियाकिसतरहशहनेउसकोहलाक। खुदाकानहरगिज़ कियाखोफ़ुबाक॥
फ़राहिम किया तूने लशकर जोयां। शहनशाह तूरां हुवा बदगुमां॥
इरादह यह उसनेमुसम्मिमकिया। कि खींचै तुझे ज़ेरचर्खे ज़फ़ा॥
किया मैंने यह राज़ तुझसे अयां। वलेदिलमेंअपने तुरखयों निहां॥
वह बोला कि हूं बरसरे रास्ती। ग़लतशाहसे है गुमाने बदी॥
लगा कहने गरशीवज़े बदनिहाद। कि ऐनामदारे गिरामी निज़ाद॥
नकर जेह्ल अबतूहै गर होशयार। दहन में बलाके न जा ज़ीनहार॥
सियाउशने सौ सौ तरहसे कहा। कि बसवासहरगिज़ नहींहैरवा॥
यही मसलहत है कि जाऊँ वहां। बजालाऊं फ़रमानशाहे जहां॥
वले उसने हरबात को रद किया। किथादुश्मनेजां वह शहज़ादेका॥
ग़रज़ रफ्तारफ्तायहपाया क़रार। किहांलिखियेउज्रआनेकाएकबार॥
फ़रेबे उदूं वां हुआ कारगर। लिखानाम शहज़ाद ने ज़ूदतर॥
कि ऐ नामवर बादशाहे जहां। यही आरज़ू है कि हाज़िरहों वां॥
वलेकिन फ़रंगेश रंजूर है। तो नाचार यहबन्दह मजबूर है॥
ज़राभी शफ़ा तो बाचश्मु सर। क़दमबोसहासिलकरूं आनकर॥
वह गरशीवज़े मुदबरे कीनहजू। रवानाहुवा वांसे ले नामह को॥
हजूरे शहनशाह तूरां दियार। जो पहुँचातोबोलाकि ऐशहरयार॥
सियाउशमलिकज़ादहमग़रूरहै। दिमाग़ उसकाअबअर्से से दूरहै॥
ज़लीलउसनेमुझकोकियाहायसख्त। कियानीबिठायामुझेज़ेरतख्त॥

नहरगिज़ पढ़ा नामे को एकबार। न मेरासखुनकुछसुना जीनहार॥
कहा योंकि हरगिज़ न जाऊँवहां। जो चाहै करै बादशह बेगुमां॥
सुनी शाह तूरांने यह बात जब। हुईमुश्तअलआतशे कह्र तब॥
गया उस तरफ़शाहलेकर सिपाह। किताशाहज़ादेसेहोकीनहख़्वाब॥
सियाउशनेजिसदमसुनीयहख़बर। तो गुफ़्तारगरशी वज़ेदीलागर॥
हुई रास्त नज़दीक उसके तमाम। लगाकहनेशहज़ादयेज़ुलकिराम॥
कि जाताभैं गरपेशअफ़रासियाब। तोबेशकमुझेक़त्लकरताशिताब॥
फ़रंगेश यह सुनिके गिरयां हुई। कमाल उसकीखातिरपरेशां हुई॥
सियाउशसे बोली किऐनामदार। गुरेज़ांहो अबसूय ईरां दियार॥
कहाउसने चलितू भी ऐदिलरुबा। फ़रंगेशने तबयह पासख़ दिया॥
कि अबपंजमाहाहमलमुझकोहै। करूंगी मैं क्यों कर भलाराह तै॥
मुझे छोड़कर यां रवाना हो तू। सलामत तुझेजा गरज़जानको॥
सवारान जंग आजमाँ यकहज़ार। लियेवांसेसाथ और वहनामदार॥
रवाना हुवा औरकहा यहसखुन। कि पैदापिसरगरहो ऐसीमतन॥
तोकैखुशरवउसतिफ़्लकारखियोनाम। उसेदेखकररहियोतूशाद काम॥
यहसुनिकरख़बरशाहअफ़रासियाब। मुकाबिलसियाउशकेपहुँचाशिताब॥
हुवा बसवहीं गर्म बाज़ार जंग। हुवाकार खंजर बतेगो खदंग॥
हुये सर बसर क़त्ल ईरानियां। रहाएक तनभी न ज़िन्दावहां॥
सियाउशकोबेअस्पआख़िरकिया। सिपहिदार तूरां ने फिरयों कहा॥
शुजाओ दिलेरो कवी है यहमर्द। दिलेरी व मरदानगी में है फर्द॥
सिया उशके नज़दीकजोजायगा। तो पसजानकोअपनी देआयगा॥
यहीमसलहतहैकि यकसरसिपाह। करै तीरका उसको आमाजगाह॥
सिपहि ने कियारह्म औरयोंकहा। सियाउश है ऐनामवर बेख़ता॥
भलाक़त्लयां किसलिये कीजिये। मगरज़िन्दहउसकोपकड़लीजिये॥
हजूमआख़िरशलाके मर्दे दिलेर। सियाउशकोबसलेगयाकरअशीर॥
तो फिरक़त्लकाहुक्मशाहिनेदिया। तोयों पहिलवांपीलसमने कहा॥
कि शाहिजादेकेक़त्ल में जीनहार। नहीं चाहिये जल्दी ऐ शह्रयार॥
रवां होकेफिर वांसेअफरासियाब। मकापरसियाउशकेआयाशिताब॥
वहां देखि हैरां वह सारे मकां। किथे यककलम गैरते गुलसितां॥



फ़रंगेश आई हज़ूरे पिदर। परागन्दह गेसू व ख़स्तह जिगर॥
ख़ूराशां व गिरियां तनेचाकचाक। लगी कहिनेयों बादिलेदर्दनाक॥
कि ईरानसे आके ऐ बादशाह। सियाउश तेरे पासलायापनाह॥
किया कस्दक्यों उसकेअबक़त्लका। सितम बेख़तापर रखाक्योंरवा॥
नकारिखस्तहओरूवारसुझकोतोमां। बराये खुदाबख़्श उसकीतुजां॥
कि दुनियांका हरगिजनहींएतबार। नदमकाभरोसाहै कुछजीनहार॥
समुझबातकोऔरमत करियहकाम। किनफ़रींकरेंख़ल्कतुझपरमुदाम॥
अभी रुस्तमो ज़ालभी जिन्दहहै। सरे तख़्त कायमहै काऊसके॥
हुई गरचि ज़ारीकुना रश्क माह। बले बरसरे रह्म आया न शाह॥
नखातिरमें लायाजरा उसकीबात। उठाया न ख़ूने सियाउश सेहाथ॥
फ़रंगेश आख़िर हुई नाउमेद। हुवाबस शबे तीरह रोज़े सपेद॥
हज़ूरे सियाउश गई माहरू। कि दीदारआख़िरकीथी आरज़ू॥
यह कहनेलगी होके ज़ारी कुना। कि आयावतनछोड़कर तू यहां॥
रखा शहने तुझको बसाने पिसर। उसे तूने समझा बजायेपिदर॥
खुदा जाने क्या शहपै आईबाला। जोअबअह्दोपैमांसेयोंफिरगया॥
तेरे ख़ूनपर हाथ बांधी कमर। खुदाकानहरगिज़कियाकुछख़तर॥
मुझे बापसे यह नहींथी उमेद। किग़मसेमैं लरजांहुँमानिन्दबेद॥
खुदा तेरी मुशकिलको आसांकरे। दिलेबदासिगालां हिरासां करे॥
ग़रज़ दूसरे रोज़ यक पहिलवां। बहुक्मे सिपहदार आया वहां॥
सियाउशको मैदांमें वहलेगया। सियाउशपैदिलपीलसमकाजला॥
गयासाथ उसके वह गिर्याकुनां। सियाउशहुवाफिरसुनाजातख़्वां॥
कि पैदाकर ऐदावरे दादगर। मेरे तुख़्मसे एकफ़र्रुख़ पिसर॥
दिलेरोज़ वांमर्द जोयाय नाम। किलेदुश्मनोंसे मेराइन्तिक़ाम॥
फिरयकतश्तक़ातिलनेलाकररखा। कियातनसेशहज़ादेकासिरजुदा॥
कियासिरकोआबेख़ताफिरशिताब। बहुक्मेसिपहदारअफ़्रासियाब॥
रवांख़ून उसका ज़मीपर किया। हुई ख़ूँसे रोईदा इक वांगिया॥
किपरस्यावशांउस गियाकाहैनाम। उठाताहैसूदउससेआलमतमाम॥
फ़रंगेश गिरयह व नालाकुनां। सियाउशके मशहदपै आईदवां॥
सिपहदार तूरांको वह दर्दमन्द। लगी करनेनफ़रीं बबांगेबलन्द॥

वहगरशीज़उसवक्त हाज़िरथावां। सिपहदारउससेयहबोलाकिहां॥
शिताबी फ़रंगेश को बांधकर। तुफ़रज़रओशल्लाक़अबइसक़दर॥
कि गिरजाय उसकाहमलबेगुमां। नतुख़मे सियाउशकारहवेनिशां॥
जो हाज़िरथे उसबज़्ममें नामवर। हुये दिलमें पफ़रींकुनां सरबसर॥
नताक़त रखे था कोई नामज़ू। किमानअहोइसअज़्मसेशाहको॥
गया सुनके पीरान वेशाशिताब। किथादायये शाहअफ़रासियाब॥
यह बोला कि ऐख़सरवे अंजुमन। रवारख न ईजाय बेचारहज़न॥
कि मर्दीसे यह बात बसदूर है। कहींभी न हरगिज़ यहदस्तूरहे॥
जो कोई करे दुख़्तपर यहसितम। करे ख़ल्क़ नफ़रीं उसे दमबदम॥
फ़रंगेश ख़्वाहान अफ़सर नहीं। तलबगार औरंग पुरज़र नहीं॥
शहनशहकाहै पासख़ातिरअगर। तो भेजे फ़रंगेशको मेरे घर॥
कहा शाहने योंकि लेजा इसे। तेरे वास्ते मैंने बख़्शा इसे॥
वले इससेपैदाहो जिसदमपिसर। तो लाना मेरे पास ए नामवर॥
जो शहनेकहा सोपिज़ीरा किया। फ़रंगेशको अपने घरलेगया॥
हुवाशाहपरज़ाहिरआख़िरयहराज़। किबदवक़्तगरशीवज़ेकीनासाज़॥
हुवा फ़ितनह अंगेज अज़रूयकी। सियाउशकीतक़सीरकुछथीनहीं॥
पशेमां हुवा ख़ुसरवे नामदार। गिराशाहकीनज़रोंसेवहनाबकार॥

पैदायश कैख़ुसरवकी फ़रंगेशके पेटसे और देखना ख़्वाब परेशां अफ़रासियाबका॥

फ़रंगेश बेचारी ख़स्तह जिगर। रहेथी बआराम पीरां के घर॥
जो नौमाह गुज़रे तोफिर एकपूर। तवल्लुद हुवा हुस्नमें रश्कहूर॥
रखानाम कैख़ुसरवउस तिफ़्लका। फिरअन्देशपीरानेदिलमें किया॥
कि लेजाउँ गर पेश शाहेजहां। तोज़ायाकरे तिफ़्लको बेगुमां॥
न लाया ग़रज़ पेश अफ़रासिया। बियाबांमेंकोदकको भेजाशिताब॥
उधर ख़्वाब में शाहतूरांकोशब। नज़र आई यहवारिदाते अजब॥
लिये शमअ इकशख़्स आयावहां। सियाउशहै दुम्बाल उसकेदवां॥
लिये हाथ में तेग़ इलमासकार। यहकहिताहैवहसरवरे नामदार॥
कि बेदारहो ख़्वाबसे ज़ूदतर। शकावतपे अइयामके करनज़र॥
शबे ज़ुल्म है और रोज़े तरब। कि पैदाहुआ शाहकैख़ुसरोअब॥
हुवाख़ौफ़पैदा जोदेखा यहख़्वाब। उठाकाँपता शाहअफ़रासियाब॥

तलब शहिने पीराँको योहीं किया । जोहाज़िर हुआ वह तो उससे कहा ॥
कि यह आज मुझको हुवैदा हुआ । फ़रंगेश से पूर पैदा हुआ ॥
किया उसने इकरार ता यों कहा । कि उस तिफ़्ल को अब मेरे पास ला ॥
लगा कहने वह ऐ शहे नामजू । बियाबाँ में फेंक वा दिया तिफ़्ल को ॥
यह सुनि कर लगा कहने अफ़रासियाब । कियाँ क्यों न लाया दिया यह जवाब ॥
हुआ ख़ौफ़ अन्देश उसदम मुझे । कि जाय हक करै तू मुबादा उसे ॥
हुआ एक तो ज़ुल्म तुझसे यह आह । सियाउस को कुश्तह किया बेगुनाह ॥
और अब दूसरा नाहक उस तिफ़्ल को । करे क़त्ल गर ऐ शहे नामजू ॥
तो ऐसा न हो फिर कि आवे बला । तुहों वै गिरफ़्तार कहरे खुदा ॥
ग़रज़ इस तरह से मैं लाया नहीं । उसे लाके तुझको देखाया नहीं ॥
तेरी बेहतरी चाहों शामो पगाह । कि हूँ मैं तेरा बन्दये नेकख़्वाह ॥
सियाउश के जब से किया था हलाक । रहै था दिले ताजवर ख़ौफ़नाक ॥
वह देखेथा ख़्वावे परेशाँ तमाम । परागन्दह ख़ातिर था हर सुब्ह शाम ॥
सुनी बात पीरानवेसा की जब । रहा वह सिपहिदार ख़ामोश तब ॥
नलाया ज़बाँ पर सख़ुन को ज़रा । न पूँछा फिर उस तिफ़्ल का माजरा ॥
वह परवर्दह होकर बियाबाँ में जब । हुआ दस बरस का ब अलताफ़ रब ॥
तो पीरान वेसाने भेजे वहाँ । हुनरमन्द दानाव कार आगहाँ ॥
करैं तरबियत ता कि शामो सहर । सिखाये उसे अलग़रज़ सब हुनर ॥
वह पीराँ था शहि का जो मुख़्तारकार । लगा एक दिन कहिने ऐ शहरयार ॥
सियाउश के फ़रज़न्द को मर्दुमां । बियाबाँ में डाल आये थे ता कि वाँ ॥
न ज़िन्दह रहै को दके शीर ख़्वार । न गरदन पै तेरे हो ख़ूँ ज़ीनहार ॥
वलेकिन यह पहुँची ख़बर अब मुझे । कि उस दश्त से एक चौपाँ उसे ॥
ख़ुशी से उठा लेगया अपने घर । किया उसको परवरदह मिस्ले पिसर ॥
मगर लोग कहते हैं दीवाना है । शऊरो ख़िरद से वह बेगानह है ॥
यह पीराँ से बोला फिर अफ़रासियाब । कि देखों मैं उसको बुला ओ शिताब ॥
वहीं पेश कैख़ुसरवे ज़ुलकिराम । यह पीराँ नवेसाने भेजा पयाम ॥
कि दीवानह बनकर तु याँ आइयो । ज़बां पर परेशाँ सख़ुन लाइयो ॥
ग़रज़ दश्त से लेगये मर्दुमाँ । उसे बाख़िबासे शहानी वहाँ ॥
किया ताजवर को सलाम उसने जब । हुआ कुछ सिपहिदार शरमिन्दह तब ॥

लगा पूँछने उससे कुछ शह्रयार। वहपासखलगादेनेदीवानहवार॥
कहा शाहिनेकुछतिफ़्लने कुछकहा। सवाल औरथावाँ जवाबऔरथा॥
सुनी गुफ़्तगू तिफ़्लकी उसनेजब। सिपाहिदारहँसकरलगाकहनेतब॥
कि यह तिफ़्ल दीवानाहै बेगुमाँ। यह बोलाकियह पीरानवेसाकिहाँ॥
जो कोई बियाबाँमें परवरदहहो। न कौदनहो क्यों ऐशहे नामजू॥
कहाशाहिनेयहतिफ़्लदीवानहवार। नहीं है किसी का मकाज़निहार॥
नहीं कुछ बदो नेक का उससे डर। नहीं कीनहजोईकाहरगिज़खतर॥
जोचाहोतोलेजाइकेइसातिफ़्लको। फ़रंगेशके अब हवाले करो॥
सियाउशका जो साख़्तहहै मकाँ। अयाँ है मज़ारे सियाउश वहाँ॥
यहकहिदोकिमसकनगुज़ींजाकेहो। रखेंएशन आप अपने फ़रज़न्दको॥
सुनीजबयहगुफ़तारअफ़रासियाब। तोपीरानवेसानने उसकोशिताब॥
हवाले किया बस फ़रंगेशके। कियाघरसे फिरअपनेरुख़सतउसे॥
फ़रंगेश जिसदम कि पहुँचा वहाँ। तो वीरान पाया वहशहरो मकाँ॥
मलिकज़ादह के मशहदे पाकपर। जो देखातोरोईदहहै यकशजर॥
फ़रंगेशो कैखुसरवे महजबीं। हुये उसकेसायेमें मसकनगुज़ीं॥

ख़बरपाना शाह आली जनाब कैकाऊसका मारेजाने शाहिजादे वाला तबार सियाउश के और बुलाना रुस्तम पहिलवान को ज़ाबुलिस्तांसे और जाना तुहमतनका हमराह भारी फ़ौज वास्ते एवज़ सियाउश बतर्फ़ तूरान और जङ्ग साथ अफ़रासियाबके औरफ़तहपाना और रहनातूरानमें सातवरसतक॥

सुनी शाह काऊसने यह ख़बर। कि तुरकोंनेकाटासियाउशकासर॥
हुवासुनिकै दिलगीरु अन्दोहगीं। किसीको रवानाहकिया फिरवहीं॥
कि रुस्तमको जाबुलसे लेआयेयाँ। तहसुनतेही वहरुस्तमेपाहिलवां॥
रवानाहो जाबुलसे आयाशिताव। हज़ूरे जहांदार कैवां जनाब॥
सियाउशकाउसकोहुवायहअलम। किकासिरहैजिसकेबयांसे क़लम॥
यहबोला कि था ऐशहे नामदार। उसे खौफ़ सौदायहये नाबकार॥
गयाइससबबसेवह यांसे निकल। गयाबलख़से यानीसूये अजल॥
कहा शाहिने सोदायहकमबख़्त है। मेरा दिलबतङ्गउससेअबसख़्त है॥
वहबोला कि ऐ शाह आफ़ाकगीर। तुउसकाभलाक्योंहैफरमापिज़ीर॥
जोकोई किहो सरवरे अंजुमन। यहलाज़िमनहींहोजोमहकूमज़न॥

यह बदकेश है सख्त बेदादगर । करूँ तनसे उसके जुदा जाके सर ॥
रहा सुनिके खामोश शाहेजहां । गया फिरि शबिस्ताँमें वह पहिलवां ॥
किया क़त्ल वाँ उसने सौदायहको । न बोला ज़रा वह शहेनामज़ ॥
तुहमतन लगा कहिने यह बादअज़ाँ । कि ऐ शाहशाहनशहाने जहाँ ॥
करूँ क़स्द अब सूय अफ़रासियाब । क़यामत करूँ जाके बरपा शिताब ॥
यह कहिकर वहीं बासिपाहे गराँ । रवाँ सूय तूराँ हुआ पहिलवाँ ॥
दिलेरानो गुरदानो ईराँ दियार । गये हमरहे रुस्तमे नामदार ॥
सग़ीरो कबीर और पीरो जवाँ । सभी तिशनहये खून ईरानियाँ ॥
वह पहुँचे जौं सरहद में तूरान के । मुक़ाबिल हुआ एक गुर्द आनके ॥
कि उस गुर्दका नाम आबरदथा । वह यानीकि हाकिमथा संजाबका ॥
चले बाक़ि पैकार के वह जवां । हुवा क़ैदहस्ती से आज़ाद वां ॥
यह जबशाहतूरांको पहुँची खबर । तोशहिज़ादह इकसुरखयेनामवर ॥
अज़ीज़े दिले शाहअफ़रासियाब । पयेजंगु पैकार आया शिताब ॥
फ़रामुर्ज़ पूरे तुहमतन वहीं । मुकाबिल हुवा उसके अज़रूय कीं ॥
गहे रज़्म सुरखा को करके असेर । हज़ूरे पिदर लेगया वह दिलेर ॥
कहा तूस से उसने ऐ नामवर । किमिस्लेसियाउशउसेक़त्लकर ॥
लिया तूसने खंजरे तेज़ जब । यहकहनेलगा तूससे सुरखतब ॥
कि था शाहज़ादेका मैं दोस्तदार । बहुतउसकेग़मसेहुवाअश्कबार ॥
तसद्दुक़ में शहज़ादे की रूहके । मुझे बख्श और दरगुज़र खूनसे ॥
सरे रह्मआया वह तूसे दिलेर । यह बोलाकि ऐ रुस्तमे शेरगीर ॥
करे है यह इलाहाह जारी यहां । कहै तू इसे जान से दूँ अमां ॥
यहबोला तुहमतन खुदाकाक़सम । जहांदारकिशवरकुशाकी क़सम ॥
न हरगिज़ करूँ रह्म ऐ पहिलवां । करूँ क़त्ल तुरकोंको पाऊँ जहां ॥
शिताबउसकेतनसेतुकरासिरजुदा । यहसुनकरउसेजब्हउसने किया ॥
वहीं फिर सरे सुरखये रूसियाह । रवानाकिया पेश काऊसशाह ॥
शहनशाहने दरवाज़ेपर क़िलअके । किया उसने आवेख़्ता कीनेसे ॥
गई जब खबर पेश अफ़रासियाब । कियागिरयाउसनेमिसालेसहाब ॥
अज़ीज़उसकोसितमगरकोथावहपिसर । हुवाउसकेग़मसेबहुतनोहगर ॥
ग़रज़ लेके फिर लश्करे बेहिसाब । रवानाहुवा शाह अफ़रासियाब ॥

शिताबी से पहुँचा पये कारज़ार । सुये पहिलवानान ईरांदियार ॥
दोलश्कर मुक़ाबिलहुये जब वहां । हुवा गर्द से मेह्रतावांनिहां ॥
बिरादर जो पीरांकाथा पीलसम । वह बोलाकि ऐशाहकेवांअलम ॥
करूँजाके मैं साथ रुस्तम के जंग । करूं गर्क़ख़ूं उसको अबबेदिरंग ॥
कहा शाहने योंकि गरकुश्तहहो । तेरे हाथ से रुस्तमे नामजू ॥
तो मैं मुमलिकतनिस्फ़बख़्शूँतुझे । और वहदुख़तरेमहिजबींदूँतुझे ॥
यहपीरांनेसुनिकरिगुज़ारिशकिया । कि रुस्तमहै गुर्देनबर्द आज़मा ॥
अगर साथ उसके करे कारज़ार । तो जाँबरनहोपीलसम्ज़ीनहार ॥
कहा शाहने पीलसमहै जवाँ । दिलेरो क़वी बाज़वो पहिलवाँ ॥
यक़ीं है कि यहपहलवाने दिलेर । करे वक्त पैकार रुस्तमको ज़ेर ॥
यराक़अपनेफिरपीलसमकोतमाम । दिये और एकतौसने तेज़गाम ॥
इनायत किया और कहायोंकिहाँ । तुहमतनसेकरिजाकेजंगऐजवाँ ॥
वहीं पीलसम सूय मैदाँ गया । यहगुरदान ईराँ से उसने कहा ॥
कि वह रुस्तमे पीलतन है कहाँ । जिसे लोग कहते हैं शेरेज़ियां ॥
यह सुनिकरिवहींगेउ जंगीसवार । गया सूय मैदाँ पये कारज़ार ॥
यह बोलाकि इकतुर्क से आनकर । नहरगिज़ लड़े रुस्तमे नामवर ॥
यह कहि करि वहीं गेउने बेदरेग़ । यह चाहा कि कीजैउसे ज़ेरतेग़ ॥
ख़रोशां हो इतने में चूँपीलमस्त । हुवा गर्मकीं तुर्कचालाक चुस्त ॥
कमरमें किया गेउके नेज़ाबन्द । किज़ींसेजुदाहो यलेअरजुमन्द ॥
हुवा गेउ जंगी पै जब वक्त तंग । मददको फ़रामुर्ज़ तबबेदिरंग ॥
गयाकरिके तेगे सर अफ़शाँअलम । कियानेज़ेको पीलसमकेक़लम ॥
पर उसतुर्क ने खींचकर तेग़की । कियाकीनख़्वाहोंकोज़ख़्मीवहीं ॥
हुये जब कि ज़ख़्मीफ़रामुर्ज़गेउ । तोपहुँचातुहमतनभीकरकेग़रेउ ॥
वह बोलातुकरताहैजिसकोतलब । वहरुस्तमभीआयाख़बरदारअब ॥
यह सुनिकरवहीं अज़्मकरके इनाँ । वह आयासुये रुस्तमेपहिलवाँ ॥
तुहमतनसे कहनेलगा पीलसम । यहहैशर्त मर्दी कि हम औरतुम ॥
करैं जंग मैदाँ में और ज़ीनहार । नटाहिरैंयहाँ अबयहदोनोंसवार ॥
तुहमतन यह बोलाकि ज़ेरे फ़लक । नचाहीकभीमैंने हरगिज़कुमक ॥
कहाफिरियहदोनोंसेफिरजाउतुम । तबकुफ़नअबदरामियाँलाउतुम ॥

यहकहि कर हुवा तुर्क से गमकीं। और उस तुर्कने तेग़ मारीवहीं॥
शिकस्तह हुई जगकेबरख़ोदपर। हुआ लेकिपुरदर्दरुस्तमकासर॥
कहा दिलमें रुस्तमने ऐसालवार। न तुरकोंसे देखा कभीज़िनहार॥
यह तुर्के दिलावरहै चालाकदस्त। तवाना व पुरज़ोर चूं पीलमस्त॥
कमर बन्द में पीलसम के वहीं। किया बन्द नजेको अजरूयकीं॥
उठाकर उसे ज़ीसे चूँबर्गेकाह। गया जानिबे क़ल्ब तूराँसिपाह॥
सरे ख़ाक बदख़्वाहको डालकर। ख़रोशाँ हुआ रुस्तमे नामवर॥
कहा योंकि ऐ शाह तूराँदियार। यहहैपहिलवाँवाशिकोहोवक़ार॥
इसेबख़्शअबदुख़्तताजो संतूर। कियहमसलहतहैबहुतादिलपिज़ीर॥
बउम्मेद दुख़्ता ज़रो मालो [illegible]। यलाँको तुकरताहै पामालरंज॥
सियाउशकीजाँपर किया [illegible]जफ़ा। अबऔरोंसे तूक्याकरैगा वफ़ा॥
यहकहिकरसख़ुनहायदुशवारोसख़्त। फिराबाँसेवहगुर्दफ़ीरोज़बख़्त॥
न रुस्तमसे कोईमुक़ाबिलाहुआ। कियकसरसिपहिकाज़ूँदिलहुआ॥
सरे चर्ख़रोज़ेदिगर अफ़ताब। जो निकलातोबोलायहअफ़रासियाब॥
कि ऐ नामदारानि तूराँ दियार। कहो कौनसाआज जंगीसवार॥
मुक़ाबिल तुहमतन के होवेगावाँ। रहेसुनके ख़ामोशसबपहिलवाँ॥
सिपहिदारने फिरिमुक़र्रर कहा। सरानेसिपहिने यहपासख़दिया॥
कि था पीलसम इकयलेनामदार। तवाना व पुरज़ोर जंगीसवार॥
उसेजबकि रुस्तमने मानिन्दकाह। उठाज़ींसे फेंका सुये क़ल्बगाह॥
किसे ताब फिर कौन ऐसाहै मर्द। करैजो तुहमतनसे जाकरनबर्द॥
हमारा हो अबक़त्ल मंज़ूर गर। तो फेरैगा कोई न ज़िनहारसर॥
यहाँ हाथसे अपने हरएकको। तुकरिक़त्ल ऐख़ुसरवे नामजू॥
सबे हमसे होगा न यह ज़िनहार। जो उस अज़दहासेकरैकारज़ार॥
कहा पहिलवानों ने जबयहसख़ुन। तो ग़मगीं हुआसरवरेअंजुमन॥
किया आप नाचार फिरक़स्दजंग। गया सूय मैदाँ ग़रज़ बेदिरंग॥
कहा शाहने वाँ बबाँगे बलन्द। किऐपहिलवाँ रुस्तमेअरजुमन्द॥
तुअब मुझसेहो आनकेहमनबर्द। यहसुनकरहुवाखम्दहज़नशेरमर्द॥
कहा जाकेयों शाहतूरांसे अब। सियाउशकाकीनहअलताफ़रब॥
यहकहकरगयासूयमैदाँ शिताब। मुक़ाबिलहुवाउसकेअफ़रासियाब॥

हुई बारिशे तीर पहले वहां। लगीचलने ब्राहमसिनांबादअज़ां॥
सिपहदारने नेज़ा इक आनकर। जो मारा सरे रुस्तमे नामवर॥
तोजापहुँचीचिरमेकमरतकासिनां। रहा खैर से लेके जिस्मे जवां॥
यहचाहेथाफिररुस्तमे अरजुमन्द। कमरबन्द में करके नेज़े कोबन्द॥
ज़मीं से सिपहदार को ले उठा। वहीं एक जानिब से हूमां गया॥
तुहमतननेमारा जोनेज़ाशिताब। लगा बरसरे अस्पअफ़रासियाब॥
यह बेताबी उसदम हुई अस्पको। कि बस गिरपड़ावहशहेकीनाजू॥
ग़रज़ तुर्क ने रख़्शकी ज़ूदतर। दिलेरीसे मारा जो गुर्ज़आनकर॥
हुवा रख़्श उसज़र्ब से दर्दमन्द। रहे लेके क़ायम यलेअरजुमन्द॥
लगीहाथ फ़ुरसततोअफ़रासियाब। हज़ार औरघोड़े पैहोकरशिताब॥
गुरेज़ां हुवा छोड़ मैदान को। बचालेगया अपनी वहजानको॥
दिलेरी से फिर रुस्तमे पहिलवां। हुवा सूयहूमां जो इसलहकुनां॥
तो हूमांने ली वांसे राहे फ़िरार। गया उसके दुंबाल वहनामदार॥
वहीं लश्करे रुस्तमे नामवर। तुहमतनकेशामिलहुवाआनकर॥
न तूरानियों में रही ताबजंग। फिरारीहुये सरबसर बेदिरंग॥
सिहफ़रसंग चूँ अज़दहाये दमाँ। गई फ़ौज ईराँ तआकुबकुनाँ॥
ग़रज़ इस तरहतुर्क कुश्ते हुये। कि कुश्तोंके ताचर्ख पुश्ते हुये॥
हुई फ़ौज रुस्तम ज़फ़रयाब जब। हुवाशाहतूराँको अन्देशाहितब॥
किशहिज़ादहे कैखुसरवे नामजू। यहे हाथ रुस्तमके ऐसानहो॥
रवाना किये बस वहीं मरदुमाँ। किताशाहज़ादे को लैआवेंयाँ॥
गयेलोग और उसकोलायेशिताब। हज़ूरे सिपहिदारअफ़रासियाब॥
वहआयातो पीरांसे शहिने कहा। कहाँरखियेउसनेयहपासखदिया॥
रखो उसको दरियायचीं के उधर। किहरगिज़नहोवे वहांकुछखबर॥
दियाभेज शहिज़ादेको फिर वहाँ। किता कोई उसकानपावेनिशाँ॥
सिपहिदार तूराँ को करके तबाह। तुहमतनहुवा मुल्कतूराँका शाह॥
बहुतमुल्कतसख़ीर उसने किया। बहुतगंजऔरतख़्तोअकसरलिया॥
सराने सिपहिके लगा हाथ ज़र। तवंगर हुई वह सिपहिसरबसर॥
कियाक़त्ल तरकोंको बसजाबजा। न इक तुर्कवाँ जुज़रअय्यतरहा॥
जो लेताकोईनाम अफ़रासियाब। तोरुस्तमउसेक़त्लकरताशिताब॥

तुहमतनबसद फ़रबजोहो जलाल। रहामुल्कतूरां में ताहफ़्तसाल॥
रवाना किया लश्करे बेहिसाब। बदुंबालसुलतानअफ़रासियाब॥
तुहमतन ने फिर क़स्द ईरां किया। तलबकरके तब गेउकोयोंकहा॥
कि ऐ गेउ अबलाके करं जुस्तजू। तुकैखुशरवे नामबरदार को॥
गरज़गेउकोकरिके रुख़सतवहगुर्द। फ़रामुर्ज़को मुल्ककरके सिपुर्द॥
हुवा सूय ईरां वहां से रवां। शिगुफ़्तादिलोखुर्रमो शादमां॥
ज़रोमालु अस्पान वा जीज़र। गुलामान तुर्क औरगंजो गुहर॥
गया लेके सू पेश काऊस शाह। बहुतखुशहुवाशाह गेतीपनाह॥

जाना गेउका वास्ते तलाश कैखुशरव के और निशात पाना बादशाहज़ादे का और लौटना ईरान की तरफ़ और जङ्ग होना गुलवाद और पीरान से॥

चले नामवर गेउ जंगी सिवार। बफ़रमूदये रुस्तमे नामदार॥
शिताबी से शादेज परकरके ज़ीं। रवाना हुवा सूय दरियाइ चीं॥
किसी को न साथअपनेदह लेगया। फ़क़त आपथा याकिशवदेज़था॥
हर इक जासे लेता हुवा राहबर। हुवाजादह पैमायले नामवर॥
हरइससे था पुरसांबतुरकी ज़बां। निशानेमलिकज़ादयेज़मानिशां॥
निशां उसका कोईबताता नथा। मकानउसकाहरगिज़वहपातानथा॥
हरइक राहबरको वह जंगी जवां। करै क़त्लथा दस्त के दरमियां॥
न पहुँचा पता कोई जाकर कहीं। ख़बर पेश सालारतूरां ज़मीं॥
रवां होगया गेउ जब बाद अज़ां। यह गोदर्ज ने ख़्वाबदेखायहां॥
कि मसकनकाअपनेबताताहैनाम। मलिकज़ादहकैखुशरवेज़ुलकिराम॥
जोदेखा तो फिर उसने वक्ते सहर। रवाना किये चन्दमुर्दमउधर॥
कि तागेउके जाके हों रहनुमाँ। रहैं साथ अबउसकेसुब्होमसा॥
बतावैं उसे उस जज़ीरे का नाम। जहाँहैवहशाहिज़ादयेज़ुलकिराम॥
शिताबाँ हुये ज़ेर चर्खे बरीं। वलेकिन मिलागेउउनकोनहीं॥
उठाताहुआ मेहनतो रंजो दर्द। शबोरोज़था गेउ सहरान बर्द॥
ख़ुरिशग़ोरपोशिशभीथी चिर्मगोर। बजायेनमकथा वहाँ आबशोर॥
नख़्वाबउसकोथाऔरनआरामथा। बियाबानवरदी से बसकामथा॥
गयागेउ दरियाय चींसे गुज़र। नमक़सदकाफ़िरहाथआयागुहर॥
कहीं खुशरवे नामवर का निशां। न पायातोआजिज़हुवापहलवां॥

लगाकहिने अफ़सोस करकेकमाल। गईरायगां मेहनते हफ़्तसाल॥
ख़याल आगया दिलमें यहएकबार। किफिरचलियेअबसूयईरांदियार॥
वलेमर्दुमी ने इजाज़त न दी। हयानेभीजिनहाररुख़सतनदी॥
किया गेउने रंज फिर इख़्तियार। रखासिरसुयेवादियो कोहसार॥
दोचार आके चाकर हुये चन्दकस। यकायकहुयेआनकेहमनफ़स॥
लगे पूँछने गेउसे ऐ जवां। तु सरगस्तहक्योंहै अकेलायहां॥
वलुरकी ज़बां गेउ ने यों कहा। मुझेशौक है बेशतर सैदका॥
किया राहको गुम शिकारअफ़गनां। बियाबान में आगया नागहां॥
वले यह कहो यां तुम्हारा गुज़र। किधरसेहुवाजाउगेतुमकिधर॥
किया गेउ से यह उन्हों ने बयां। [illegible]कि हैं हमफ़िरिस्तादगां॥
ख़बर लेने खुशरव के जाते हैं हम। फ़लांजायगहहैवहफ़र्रुखशियम॥
सुना यह सख़ुनजबतो वहशेरमर्द। हुवाउनके हमराहजुस्तेहनवर्द॥
नुमायां हुई रफ़्त रफ़्ता जो शाम। तोइकजा कियारहरवांनेमुक़ाम॥
कई दिनसे जो गेउ बे ख़्वाबथा। उसेख़्वाबवां रातको आगया॥
हुये गेउसे कुछवहअन्देशेहिमन्द। कि ऐसानहो उससेपहुँचेगज़न्द॥
उसे ख़्वाब में अलगरज़ छोड़कर। वहां से वहगायबहुये सरबसर॥
वह जागातो उनको न पायावहां। चले खुशरवे नामवरका निशां॥
कियाथा जो दरियाफ़्तउनसेउधर। रवानह हुवा गेउवक़्ते सहर॥
फिर इकचशमेंपर जाकेपहुँचा जहाँ। यह देखाकिबैठाहै इकनवजवाँ॥
गुले ताज़हका तुर्रा सिरपरहैएक। कफ़े दस्तपर उसकेसागरहैएक॥
अयाँ है जबीं से शिकोहे शही। नुमायाँ है यकदस्तफ़र्रे मिही॥
कहा अपने दिलमें उसे देखकर। किशायदहैयहखुशरवे नामवर॥
वहीं गेउने उसको करके सलाम। गुज़ारिशकियायोंकिऐजुलकिराम॥
मगरहै सियाउशका फ़रज़न्दतू। जहाँदार कैखुशरवे नामजू॥
यह हँसिकर कहा उसजवाँनेवहीं। किऐपहिलवाँ मुझकोदैयहयक़ीं॥
किहै गेउगोदर्ज़का तू पिसर। यहसुनकरवहीं पुश्तज़ींसे उतर॥
दियागेउने अपने सिरको झुका। अदबसे ज़मींबोसहासिल किया॥
लगाकहिने फिर वह यले नेकख़ू। कि ऐ बादशहज़ादये नामजू॥
मुझे तूने पहिचान क्योंकर लिया। तबउसनवजवाँनेयहपासखदिया॥

मेरे बाप का एवोई [illegible] है। कि खूबीसे रश्के गुलिस्तान है ॥
खिंचीं सूरतें पहिलवाने [illegible]माम। बतायामुझे माँने हरइकका नाम ॥
बहम रुस्तमो तूसवो दर्जयाँ। जो आवें तो पहिचान लूँ बेगुमाँ ॥
वले किसतरह तूने [illegible]ना मुझे। हुवा नाम मालूम क्योंकर तुझे ॥
यह बोला कि ए खुसरवे खुसरवाँ। शिर्र है क यानी है तुझसे अयाँ ॥
तेरी शानसे यह हुवा आशकार। कि है तूही ऐ खुसरवे नामदार ॥
परइक और भी है अरज खुसरवा। कि बाजूको अपने जरसकीजेवा ॥
निशाने कयाँतापि दीदार हो। तशफ्फी गुर्जी खातिरे जारहो ॥
मुकर्रगसियहै होवे था इधर निशाँ। सरे बाजुवे खुसरवा नेकयाँ ॥
कि था यानी इरसे कयो गुफ्तवाद। दलीले दुरुस्ती बनस्ले निजाद ॥
सखुन सुनके खुसरवने ले [illegible]ड का। वहीं अपना बाजू बरहना किया ॥
बरहना हुआ जब कि बाजूए शाह। नुमायां हुवा वह निशाने सियाह ॥
यह देखा तो शादा हुवा पहिलवां। अदबसे हुवा वोहीं सिजदाकुनां ॥
सिपहिदार ईरां व तूरान का। बयां माजरा उसके आगे किया ॥
किया उसको घोड़ेपै अपने सवार। जिलू में हुवा गेउ फ़र्रुखतबार ॥
करीने तरबशां से होकर रवां। जहां थी फ़रंगेश आये वहां ॥
फ़िरिस्तादहपीरांके उसचश्मेपर। गये जबतो पाई उन्होंने खबर ॥
कि इकगुर्द अक़लीम तूरान का। यहाँ से मलिकजादे को लेगया ॥
हुये जब न मक़सदपै बे[illegible]मयाब। तो बसफिरिगयेसूयपीराँ सिताब ॥
फिरिस्ताद गोदर्ज के भी वहीं। गये फिरि कहीं गेउ पाया नहीं ॥
गरज गेउ खुसरव क़रीने तरब। गये जब फरंगेश के पास तब ॥
वह बोले कि ताखीर कीजे बयां। अभी हूजिये सूय ईराँ रवां ॥
मुबादा कहीं मर्दुमाने हसूद। खबरपाके पहुँचे यहाँ मिस्लदूद ॥
यहाँ से है नजदीक इक मर्गजार। कि अस्पानसुलतान तूराँदियार ॥
वहाँहैं और इकगुर्द बेहज़ादनाम। बहुतदिलपसन्द औरहैतजगाम ॥
सियाउशके गल्लेकाहै इकसमन्द। उसे जाके लायायलेअरजुमन्द ॥
यह सुनिकर गया गेउजंगी जवाँ। बसूये चरागाह अस्पाँ दवाँ ॥
वहींकरिकेलायाअसीरेकमन्द। न तनहा वहअस्प औरभीइकसमन्द ॥
सवार उनपै होके वहाँ से तभी। फ़रंगेश कैखुसरवं गेउ भी ॥

रवाना हुये सूय ईराँ दियार । ...ईद परवरदिगार ॥
यहपीरांकोसुनिकर हुआ इज़्तिराब । ... थाके ... शअफ़रासियाब ॥
रवानह किया उसने गुलबादको । ... दुं ... कैखुसरवे नामजू ॥
सिहि सदलैकेसाथअपनेमर्दानकार । नयाकरिके ... लशकरबिशुमार ॥
इधरख़्वाब में था वहबेदारबख़्त । किपहुँचा उधरवहनिगूँसारबख़्त ॥
उसे देखकर गेउ जंगी सवार । हुआ आके आमादये कारज़ार ॥
पकड़िगुर्ज़ और खींचकरतेग़तेज़ । कियाथाँमें बरपाकीइकरस्तखेज़ ॥
सुनीथीयहअख़्तरशिनासोंसेबात । किहोवेगा कैखुसरवेख़ुशिफ़ात ॥
जहाँ ताजवर बादशाहे अज़ीम । बताई ... फ़ज़्ले खुदाये करीम ॥
रहेगा यह महफ़ूज़ आफ़ातसे । ... अख़्तरथीइसबात से ॥
वह गुर्दे दिलावर यले शेरज़ाद । किरखता ... इसक़ौल परएतमाद ॥
हर इक तर्फ घोड़ेको दौड़ायेथा । नतुर्कोंको खातिरमें कुछलायेथा ॥
जो मैदाँ में मग़लूब तुरकां हुये । सरा सीमह यकसर गुरेजाँ हुये ॥
मिनागेउ जंगी बफ़तहो ज़फ़र । गया पेश कैखुसरवे नामवर ॥
किया माजरा जङ्गका सब बयाँ । हुआसुनिकेखुसरवतअस्सुफ़कुनां ॥
कहा गेउसे शाहज़ादे ने यों । कियातूनेबेदार मुझको न क्यों ॥
वह बोला न था यह गवारामुझे । कि बेचैनकरता जगाकर तुझे ॥
मददसेशहा तेरे यकबालकी । मुख़ालिफ़की सबफ़ौजपामालकी ॥
हुवा शादवां खुसरवे पाक दीं । कहामरहबासद हजार आफ़रीं ॥
हुये राह बेराह वांसे रवां । वहखाया जोकुछहाथ आयावहां ॥
गया जब किगुलबादपीरांकेपास । अयांउसके चेहरेसेथाबी मुयास ॥
कहागेउका जाके अहवाल जङ्ग । मलामतकी उसने उसेबेदिरङ्ग ॥
किइक पहिलवांसे वई फ़रोशां । गुरेज़ां हुये तीनसौ पहिलवां ॥
वहगुलबादकहता थावहबारबार । नहीं सामुरुस्तम सेकमवहसवार ॥
वलेकिन न पीरांको कुछथा यक़ीं । हुआ सुनिके यहमजराख़शमगीं ॥
सिपह लेके तूरां से फिर बेकरां । हुवा आप पीरानवेशा रवां ॥
फ़रंगेशरशके महो आफ़ताब । नरखतीथीजिनहारयलगरकीताब ॥
सिपहदार पीरानकीनह पज़ोह । किहररोजचलताथायकसदकरोह ॥
तफ़हहुसकुनांजाके पहुँचावहां । मल्लिकज़ादहमंजिलगुर्ज़ी था वहां ॥

हरावलथा उसका [illegible] । कवीदस्तुमरदन कशोपीलतन ॥
वह वे खुसरवो [illegible] । कि पहुँचे वहां जाके तूरानियां ॥
नुमायां हुवा दूरसे [illegible] । तो सोची फ़रंगेश फ़रुखशियम ॥
कि पीस्त्ंवसा अब आ[illegible] इधर । हमें ताकि लेजावे पाबन्दकर ॥
जगाया वहीं खुसरवो गेउ को । हुये जब कि बेदार वे नामजू ॥
तो कहनेलगा खुसरवे नामदार । किएपहिलवांमैंभीतोअबकीबार ॥
सितजिन्दह अफ़वाज तूरांसे हूं । तनेखैलतुरकां करूं ग़र्क़खूं ॥
वहबोला कि शाहफ़र्रुख़खिसाल । तुहैनवजवां बल्कि है खुदसाल ॥
अभी तूने पैकार देखी नहीं । मुबादा कुछ आसेब पहुँचे कहीं ॥
मेरेतन में है जबतलक [illegible] । यहशायाँ नहीं तू करै कारज़ार ॥
कहा फिर यहखुसरवने [illegible] मर्दे । करूंगा मदद तेरी वक्ते नबर्द ॥
इधरतूहै त[illegible] उधर कौनहैख़्वाह । रखेहै बहुतसाथ अपने सिपाह ॥
यहसुनकर दियागेउने यह जवाब । कि ऐनाजदारे सुरइया जनाब ॥
तुहमतनके मानिन्द मैंने कहीं । मदद वक्त पैकार चाही नहीं ॥
नरुस्तम से जिनहार कमतरहुँ मैं । हुनर और कूवतमें यकसरहुँ मैं ॥
बहुत उसने वां आज़माया मुझे । बराबर ग़रज़ अपने पाया मुझे ॥
औरअपनीमुझेदुख़्तरेमहजमाल । तुहमतनने दीहोकेशादांकमाल ॥
लगा कहने फिर गेउ फ़रखुन्दहखू । कि रखजमअख़ातिरतुऐनामजू ॥
मेरा खालिके मेहो महयार है । औ यकबालशाही मददगार है ॥
बलन्दी पै आकर तमाशा तु देख । सरेजंग करताहुँ क्याक्यातुदेख ॥
यह कहकर वहीं गेउ जंगीसवार । गया सूय मैदां पये कारज़ार ॥
उधर से पुशनखके नेज़ाबढ़ा । हुवागेउयलसे वहजंगआज़मा ॥
पुशनखलगा कहने वह पाहिलवां । कि तू कौनहै टुकबता ऐ जवां ॥
दियापासख़ उसने किहूंमैं पुशन । सरफ़राज़ गुर्दान यलपीलतन ॥
तुहैगेउ आया है ईरान से । चुरालेचला शहको तूरान से ॥
यह हुजदी तुकरके कहांजाइगा । यहां से तु जान नहीं पाइगा ॥
यह कहकर उठाया जो गुर्ज़ेगरां । तोलायासिपरासिरपैवहपाहिलवां ॥
लगी जब गुरज़ेगरां इस क़दर । रवांखूँ हुवा वरतनो मूयसर ॥
नहराग़िज हिला गेउ मर्दे दिलेर । रहा पुश्ततौसनपैक़ायमवहशेर ॥

सिपर छोड़कर लेके नेज़ा वहीं [illegible] दि[illegible]यगा[illegible]ावरने अज़रूयकीं ॥
तो जोशनसे करके पुशनकेगुज़[illegible] थ[illegible]ई [illegible]लि[illegible] [illegible]बदरु[illegible]सिनां कारगर ॥
हुवा ग़र्क़ ख़ूँ में सरापा बद[illegible] हुई द[illegible]हे ख़ाकअपने पुशन ॥
वह पीरानवेशा फिर आगा वहीं। लगा गेउसे कहने अज़रूयकीं ॥
कि तूने मेरीफ़ौजकोदी शिकस्त। कियासरबलन्दोंकोयकदस्तपस्त ॥
वलेकिन ख़बरदार अब ऐ जवां। कि मैं आनपहुँचा बगुरज़ोसिनां ॥
तेरे सिरपै लाताहुँ क्याक्याबला। तहे ख़ाकदेताहुँ तुझको मिला ॥
ज़िरहपारह औरचाककर पैरहन। ग़रज़उसकेपहिनाऊँतुझकोकफ़न॥
दिया उसजवांमर्दने यहजवाब। वही [illegible] मैं ऐ तुर्क ख़ानाख़राब ॥
कि मैं हरदोज़नको तेरीचीन से। [illegible] गया था रहकीनः से ॥
तेरीताब क्या है जो मैदां में तू। मेरे स[illegible] हो आन के जंगजू ॥
जहां में बजुज़ रुस्तमे शेर मर्द। नहीं है कोई भी मेरा हमनबर्द ॥
तुहमतनको देखा है तूने वहां। कि तनहागये याजदहपाहिलवां ॥
कियाकुश्तहओख़स्तहगरआनके। हज़ारोंसवारोंको तुरकान ले ॥
और अबफ़ौजको तेरी मैदान में। तहे तेगख़ींचूँ मैं इकआन में ॥
कोई जिन्दह इसफ़ौज में जोरहे। तोफिरिकहियो मतमर्दमैदांमुझे॥
गिरफ़्तारकरिके फिर ऐनाबकार। तुझे लेचलूँ सूय ईरां दियार ॥
वहाँ से मैं फिरिआऊँ बाकरोंफ़र। जहाँदार ख़ुसरवको लेकरइधर ॥
नतूरांरहे फिरि न अफ़रासियाब। करूँ मुल्कतूरांको यकसरख़राब ॥
यह गुफ़्तार जंगी यले नामवर। हुवासुनिकेपीरांके दिलपरख़तर ॥
हुवा नाउमेद अपनावहजानसे। लगाकहिने उसमर्द मैदान से ॥
कि जादरगुज़र तुझसे अबमैंनेकी। रिहाई तुझे हाथसे अपनेदी ॥
यह बोला कि तूनेतो छोड़ा तुझे। वलेकिन मैं कबछोड़ताहूँ तुझे ॥
यहकहि करि वहीं गेउजगीजवाँ। हुवासूय बदख़्वाह हमलाकुनाँ ॥
वह पीराँ गुरेज़ाँ हुवा बेदिरंग। किदेखी न जिनहारपाराय जंग ॥
वहीं फिरिदिलावरनेफेंकीकमन्द। हुईजाके गरदनमें पीरांकेबन्द ॥
हुये तुर्क उसवक्त हमलाकुनाँ। लगीचलने वाँतेगो तीरो सिनाँ ॥
वले उसजवाँके ज़रा जिस्मपर। कोई ज़ख़्महोता न था कारगर ॥
यह देखो दिलेरीइ गुरदे बलन्द। कि इकहाथसे खींचताथाकमन्द॥